66

The Gazette of India

्रपाधिकार से प्रकाशित १७४८।ऽमध्य ४४ ४७: म०४। १४

36]

नई विस्त्रो, शनिवार, सितम्बर 3, 1983 (भाद्रपद 12, 1905)

**36**]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 3, 1983 (BHADRA 12, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग तंकतन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate compilation)

# भाव III--इव्य 1 [PART III---SECTION 1]

क्षेत्र न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेबा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं otifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

सध लोक सेवा आयोग

नर्षे दिल्ली-110011, दिनांक 26 जुलाई 1983

म० ए० 32014/3/83-प्रशा० III---राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय मे निम्नलिखित तदर्थ आधार , दूरियानापन्न अनुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट तारीख से दीर्घंकालीन अविध के लिए सं० लो० से० आ० के ० स० से० संवर्ग के स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए सहर्पं नियुक्त किया जाता है ---

दीर्घकालीन अवधि के आधार पर अनु० अधि० के नियुक्ति की तारीख	अभ्युतित
7-1-83	
7-1-83	
12-1-83	
15-1-83	प्रोफार्मा पदोन्नति स्वीकृत
15-1-83	
	आधार पर अनु० अधि० के नियुक्ति की तारीख 7-1-83 12-1-83 15-1-83

दिनाक 27 जुलाई 1983

म० ए० 12025(11)/2/81-प्रशा० III—राष्ट्रपति द्वारा सघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सिंववालय सेवा सवर्ग के परिवीक्षाधीन अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे श्री नेपाल सिंह (अ० जा०) जो कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन से० 9/1/81-सि० से० 1, दिनांक 10-6-83 तथा सिविल सेवा परीक्षा के आधार पर मनोनीत हैं, को 1-7-83 (पूर्वाह्न) से सहर्ष नियुक्त किया है, और उन्हें इसी निथि मे सिववालय प्रशिक्षण एव प्रगन्ध संस्थान मे प्रशिक्षण के लिए भेज दिया है।

म० पा० जैन अवर सचिव (प्रशा०) सब लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 8 अगस्त 1983

म० 2/14/83-प्रशासन—केन्द्रीय मनर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा केन्द्रीय लान निर्माण विभाग के निर्माण सर्वेक्षक श्री ओ० एन० माथुर को केन्द्रीय मनर्कता आयोग मेर्-श्रानापनन रूप से तकनीकी परीक्षक के पद पर रु० 1100~50~1600 के वेतनमान तथा रु० 200 प्रतिमास विशेष वेतन पर दिनोक 4-7-1983 अपराह्म से अगले आदेश सक, नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होजा अवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

### गृह मंद्रालय

# का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

### नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1983

सं० आर०-6/70-प्रशासन-5-निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, केद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त, श्री राम हर्ष शिह, वरिष्ठ लोक अभियोजक की सेवाएं विनांक 31 जुलाई, 1983 के अपराह्म से उत्तर प्रदेश सरकार को सौप दी गई।

> राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी, (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण स्मूरो

# महानिद्देशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 अगस्त 1983

सं० ओ० दो० 1812/83—स्थापना——राष्ट्रपति, डाक्टर गिरीप चन्द को अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० ची० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 14 जुलाई, 1983 पूर्वाह्स से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियक्त करते हैं।

#### दिनाक 10 अगस्त 1983

सं० ओ० दो० 777/70-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर (श्रीमनी) हेमलता महापाता जी०डी०ओ० ग्रेड—II (र्डा० एस० पी०/कम्पती कमाण्डर) को उनकी पदोन्नति के फल्लस्त्रच्य 9 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केरदीय रिजर्व पुलिस बल मे जी० डी० ओ० ग्रेड—I (सहायक कमान्डेण्ट) के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 10 अगस्त 1983

सं० एफ० 2/14/83 -स्थापना (के० रि० पु० ब०) ---राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को के० रि० पु० बल मे, उप-पुलिस अबीक्षक के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:---

## सर्वश्री

- 1 ननीय सिंह
- 2. जी० एल० महानी
- ३६ देवी दत्त
- 4. गुरन्युव सिह

### सर्वश्री

- 5 जयमल सिंह
- 6 दलीप सिह
- 7. शिव नारायण सिह
- 8 गुरमुख सिंह
- 9. समीर सिंह
- 10. के० सी० कोटनाला
- 11. आर० के० स्वामी
- 12. एम० ए० खान
- 13. एस० एल० शर्मा
- 14. राम किशन बेदी
- 15. चिन्द्रं भान
- 16. गंगा राम
- 17. दलबीर सिंह
- 18. जय दयाल सिंह
- 19. इन्द्र सेन मिश्रा
- 20. मोहर सिंह
- 21 हरफूल सिंह
- 22. जी० एस० बाजवा
- 23. पन्ना लाल गुप्ता
- 24. किरपाल सिंह
- 25. खाजूर सिंह
- 26. रूप लाल शर्मा
- 27. करनेल सिंह
- 28. राम लखन राय
- 29. गस० एल० दुग्गल
- 30 एस० पी० एस० नेगी
- 31 इन्द्र जीत सिह
- 32 किरपाल सिंह
- 33. एस० पी० एस० चीमा
- 34. सी० गोंपी
- 35. नन्द्र राम बादव
- 36. बी० रतनम
- 37 करनेल सिह
- 38 कुलबीप सिंह
- 39. अत्तर सिंह
- 40 आर० एस० अग्रवाल
- 41 डी० वेनकटारमैश्या
- 42 हरी सिह
- 43 विरेन्द्र सिंह

# दिनांक 12 अगस्त 1983

मं० ओ० दो० 921/71-स्थापना--श्री एस० बी० सिंह, उप-पूर्णिस अधीक्षक, के० रि० पु० वल, ग्रप सैण्टर, गांधी नगर ने अनिवार्य सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप अपने पद का कार्यभारं दिनांक 26-7-1982 (अपराह्म) को त्याग दिया ।

ए० के०्सूरी सहायक निदेशक (स्थापना) महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110011, दिनाक 30 जुलाई 1983

स० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक—राज्य काडर को प्रत्यावर्तित होने पर श्री के० एल० दीवान, भा० पु० ने० (हरियाणा 57) ने 28 जलाई, 1983 के अपराह्म से उप महा-निरीक्षक (व्यवस्था/आसूचना/कार्मिक) के० औ० सु० ब० सुख्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड दिया।

म० ई०-16014(2)/4/82-कामिक--प्रिर्तिनयुक्ति पर प्युक्ति होने पर श्री एस० सी० कौशल, उप कमाडेट, सीमा रक्षा बल, ने 23 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्म में के० औ० सु० ।० मुख्यालय नई दिल्ली के कमाडेट (प्रशिक्षण ज्जिर्व) के पद न कार्यभार सभान लिया।

दिनाक 2 अगस्त, 1983

स० ई०-16013(2)/19/82-कार्मिक-प्रतिनियक्ति पर नियुक्ति हो पर, श्री ए० दी० कक्कड, भा०पु० स० (महाराष्ट्र 72) ने 11 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न स गहायक महानिरीक्षक (पश्चिमी क्षेत्र) बम्बर्ट के पद का कार्यभार सभाज लिया।

> मुरेन्द्र नाथ महानिदेशक के० औ० मु० व०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय (प्रणा०-1 अनभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनाक 16 अगम्त 1983

म० 11/4/83-प्रणा०-1-विभागीय पदोन्तित समिति की सिफारिण पर राष्ट्रपित निम्निलिखित सहायक निदेशको जनगणना कार्य (तकनीकी) और इस समय उसके सामने दिए गए कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप निदेशको जनगणना कार्य के रूप में कार्य कर रहे अधिकारियों को अगले आदेशों तक 6 अगस्त, 1983 पूर्वाह्म में अस्थायी क्षमता में नियमित आधार पर उसी कार्यालय में उप निदेशक जगनणना कार्य के पद पर पदोन्तित हारा सहर्ष नियुक्त करते हैं —

ऋ० सं०	नाम	कार्यालय जहा कार्य कर रहे हैं	
1	2	3	4
া. श्री ओ	० पी० शर्मा	भारत के महारजिस्टार	नई दिल्ली

 श्री ओ० पी० शर्मा भारत के महार्ग्जिस्ट्रार नई दिल्ली नई दिल्ली।

2 श्री एस० पचापाकेमन जनगणना कार्य निदेशकः, मद्रास तमिलनाड्-भद्राम ।

1	2	3	4
3	श्री एस० पी० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह पोर्ट ञ्लेयर ।	पोर्ट ब्लेयर

पी० पं**धनाभ** भाग्त के महारजिस्ट्रार

### वित्त आयाग

नई दिल्ली, दिनाक 8 अगस्त 1983

स० 8 वि० आ० 2(11)-ए०/82--राष्ट्रपति आठवे वित्त आयोग के सेवा निवृत्त अवर सिचंब श्री सुखवासी लाल माथुर को उसी आयोग मे पुर्नितयोजन आधार पर 1-7-83 से 31-10-83 तक २० 1200-1600 के वेतनमान मे अवर सिचंब के पद पर नियुक्त करने हैं।

ओ० रगाराघ सयुक्त सचिव

भारतीय लेखा पर क्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

म० प्रमासन-1/का० आ० सन्त्या 220—निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने मूल नियमावली 30(1) के द्वितीय परन्तुक के अन्तर्गत इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री राजपाल वर्मा की 840-40-1000-दक्षतारोध-40-1200 रुपए के वेतन के समयमान में लेखापरीक्षा अधिकारी के ग्रेड में 13-5-83 (पूर्वाह्न) में अगले आंदेण मिलने तक पदीन्नति की हैं।

नई दिल्ली-110002, दिनाक 16 अगस्त 1983

प्र० त्रिपाठी संयुक्त निद्येणक ले० प० (प्रशा०)

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली:-110066, दिनाक 8 अगस्त 1983

म० प्रणा०/1/1172/I/II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त मेवा के वरिष्ट प्रणास-निक ग्रेड के स्तर-II (१० 2250—125/2—2500) में स्थानापन्न

रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से आगामी आवेण पर्यन्त सहर्प नियुक्त करते हैं :---

ऋ०सं० अधिकारीकानाम	नियुक्ति की तारीख
<ol> <li>श्री के० गणेशन्</li> <li>श्री एस० ए० वेंकटारायन्</li> <li>श्री वी० नागराजन्</li> <li>श्री राजेन्द्र कुमार चावला</li> <li>श्री जे० डी० फिल्मन दास</li> </ol>	15-07-83 (पूर्वाह्न) 13-06-83 (पूर्वाह्न) 15-07-83 (अपराह्न) 26-07-83 (अपराह्न) 25-07-83 (पूर्वाह्न)

वी० एस० जफ़ा रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

### वाणिज्य मंत्रालय

## वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 11 अगस्त 1983

सं० सी० **६**० आर0/1/83/7—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए मैं० वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/ 1/68, दिनांक 2 मई, 1968 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हं, अर्थात् :--

# उक्त अधिसूचना में :---

- पैराग्राफ 1 में, मदसंख्या (8) के बाद, निम्नोक्त, मद (θ) के रूप में जोड़ दिया जाएगा, अर्थात् :—
- (१) राष्ट्रीय वस्त्र निगम (अब से एन० टी० सी० कह-लाया जाने वाला) के अधीन उत्पादक, जिनके पास कताई संयन्त्र है, के द्वारा निम्नोक्त विभिध्दियों के साथ उत्पादिन, 10 अगस्त, 1983 को या उसके बाद भेक हुए नियम्नित पालिएस्टर कपास संगीश्र गर्टिंग के मामले में, मद (1) से (8) में समाविष्ट किसी बात के होते हुएं भी :--

वार्ष 38 काउण्ट वेपट 42 काउण्ट रीड 60 प्रति इंच पिक्स 56 तैयार चौड़ाई 89 सें० मी० फिनिश का प्रकार निरंजित (ब्लीच्ड्) क्लेंड प्रतिशत पालिएस्टर

कपास 52

**अ**न्तित मूल्य, एन० टी० सी० द्वारा शून्य प्राप्ति के आधार पर 20% फुटकर भाग (मार्जिन) मिलाकर निकाला जाएगा परन्तु अंकित किया जाने वाला अंतिम उपभोक्ता मूल्य "ज्यादा से ज्यादा ६० 10/- प्रति मीटर होगा।"

> एस० राममूर्ति वस्त्र आयुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 28 जून 1983

पत्न सं० इ०एस०टी०-1-2(641)/3587---इस कार्यालय के सहायक निदेशक श्रेणी--2, श्री ए० एस० संकरारमन स्वेच्छा में दिनांक 31-5-83, अपराह्न को सेवा से निवृत्त हो गए।

> एस० रत्रीन्द्रन ' उप-निदेशक (प्रशा०)

### उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई विल्ली-110011, विनांक 9 अगस्त 1983,

सं० ए-19018/125/74-Adma. (G)--श्री अजीत कुमार बसाक का अतिरिक्त निदेशक (इलेक्ट्रानिक्स कमीशन), नई दिल्ली के पद पर चयन हो जाने पर, उन्होंने, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 26-7-1983 (अपराह्म) से, निदेशक, ग्रेड-1 (इलॅक्ट्रानिक्स) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-19018(672)/83-रगा० (राजः) --राउह्न-र्पात, विकास आयुक्त (हस्त शिल्प) नई दिल्ली के, भारतीय आधिक सेवा के ग्रेड-IV अधिकारी एवं सहायक निदेशक (पी० एण्ड आर०) श्री सी० डी० नन्दा को, विकास आयुक्त (लधु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में, दिनाक 21-7-1683 (पूर्वाह्म) से, अगले आदेशों तक्त, उप-निदेशक (निर्यात संवर्द्धन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 16 अगस्त 1983

सं० ए०-19018 (591)/ 82-प्रशा० (राज०)-⊷ राष्ट्रपति, शस्त्र-प्रज्ञा निरीक्षणालय (इन्सपेक्टोरेट आफ आरमा-मेण्टस्) जी० सी० एफ० पोस्ट, जबलपुर (म० प्र०) के स्थायी पर्यवेक्षक (सुपरबाइजर) ग्रेड $-\Pi$ , श्री डी० एन० कपूर की, लघु उद्योग सवा संस्थान, बम्बई के अधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, औरंगाबाद में, दिनांक 18-7-1983 (पूर्वाह्म) से, अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धात्कर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 8 अगस्त 1983

सं० 6996वी 0/ए०-19012 (बी० एन० एम०)/82-19ए०--महानिवेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री बी० एन० मेहरा को प्रशसानिक अधिकरी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, स्रगामी आदेण होन तक 10-6-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

### दिनांक 9 अगस्त 1983

सं० 7017नी०/ए०-32013(ए० ओ०)/82-19ए०-महानिवेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री गुप्तेश्वर सिंह,
अधीक्षक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को प्रशासनिक अधिकारी
के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-74035-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर 16-5-83
के पूर्वाह्म से 4-7-83 (पूर्वाह्म) तक श्री ए० के० भट्टाचार्या,
प्रशासनिक अधिकारी, पश्चिमी क्षेत्र, जयपुर, भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण की अवकाश-रिक्ति के स्थान पर पदोन्नित पर नियुक्त
कर रहे हैं।

### दिनांक 11 अगस्त 1983

सं० 7074बी०/ए०-19012(1-टी० के०)/82/19 ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री टी० कृष्णप्पा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 18-5-83 के पूर्वाह्म में नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7087बी०/ए०-19012(1-एस० के० डी०)/82-19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक श्री स्थपन कुमार वास को सहायक भूबैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650/- रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी आदेश होने तक 30-6-1983 के पूर्वाह्म में नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी निदेशक (कार्मिक)

# भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 अगस्त 1983

सं० ए०-19011(105)/70-स्था० ए०-निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर श्री एम० बी० एस० शास्त्री, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) को 31 जुलाई, 1983 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरों के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

### दिनांक 10 अगस्त 1983

सं० ए०-19012(20)/82-स्था० ए०--निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत होने पर श्री कि के के अग्रवाला सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) को 31 जुलाई, 1983 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

ब० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

### आकाशवाणी महानिदेशालय

# नई विर्ला, दिनांक 9 अगस्त 1983

सं० 2/23/82-ए.स०-II---महानिदेशक, श्राकाशवाणी एतद्बारा श्री एम० जे० थौमन्स, वरिष्ठ लेखापाल को आकाशवाणी, धारवाङ में दिनांक 30-5-83 (पूर्वाह्म) सं प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> श्रीमती रुक्मिणी दास गुप्ता प्रशासन उप निदेशक **कृत** महानिदेशक

# (सिविल निर्माण स्कन्ध)

## नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1983

सं० ए० 32014/1/81-सी० डब्ल्यू०/157--महानिदेशक, आकाशवाणी नई दिल्ली निम्नलिखित वास्तु-सहायक ग्रेड-I को उनके नाम के सामने दी गयी नारीख से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 हुए के वेननमान में, पदोन्नित पर, स्थानापन्न क्षमता में सहायक वास्तुविद्, सिविल निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी नई दिल्ली (मुख्यालय) के रूप में नियुक्त करते हैं:--

ऋम सं० नाम	महायक वास्तुविद् के रूप में कार्यभार सम्भालने की तारीख
	11-4-83 (अपराह्म)
	,
2. श्री धरम दास	20 <b>–4–8</b> 3 <sub>*</sub> (पूर्वाह्म)
3. कुमारी अपर्णा घोष	ं 144-83 (पूर्वाह्न)
4. श्रीमती ऊषा कत्याल	137-83 (पूर्वाह्न)

उनकी नियुक्ति उन्हें पहले से जारी पदोन्नित के आदेश संख्या ए० 32014/1/81-सी० डब्ल्यू०1, दिनावः 11-4-83 और 13-7-83 में दी गयी। शर्तों के अनुसार नियन्त्रित होगी।

> एस० के० मोहिन्द्र मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियर अधिकारी कृते महानिदेशन

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 27 जुलाई 1983

सं० पी० ए०/79(1)/83-आर०-III-46-नियत्नक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री बालकृष्ण महादेव नाइक, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सेलेक्शन ग्रेड लिपिक, को सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में 18 जून, 1983 अपराह्न से अग्रिम आदेशो तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 3 अगस्त 1983

सं० पी० ए०/76(6)/82-आर०-III/120—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री मोहम्मद कुजू, सहायक लेखा अधिकारी को लेखा अधिकारी—II पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में 5 मई, 1983 पूर्वाह्म से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 4 अगस्स 1983

सं० पी० ए०/76(1)/83-आर०-III/155---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुमंधान केन्द्र श्री टी० के० राममूर्ति, स्थायी सहायक लेखाकार को स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में 20 जुलाई, 1983 (पूर्वाह्म) से अग्रिम आदेशों तक सर्वर्ध रूप में नियुक्त करते हैं।

म० द० गाड्गिल उप स्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भण्डार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 अगस्त 1983

सं० डी० पी० एस०/21/1/(2)/78-स्था०/25188— इस निवेशालय की नारीख 4 अप्रल, 1983 की समसंख्यक अधि-सूचना द्वारा ऋय सहायक श्री एन० एस० पिल्लै की सहायक ऋय श्रीधकारी के पव पर तदर्थ नियुक्ति 31 जुलाई 1983 (अपराह्म) तक की गई थी, उसे 23 जुलाई, 1983 (अपराह्म), तक के लिए रोक वी गई है और इस निवेशालय के तारीख 13 जुलाई, 1983 के समसंख्यक ज्ञापन द्वारा ऋय सहायक श्री एन० एस० पिल्लै की तवर्थ नियुक्ति एतद्वारा रद्व की जाती है।

### दिनांक 8 अगस्त 1983

सं० डी० पी० एस०/41/13/83-प्रमा०/25326--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने
सहायक भण्डार अधिकारी श्री के० पी० सिंह की छुट्टी मंजूर किए
जाने पर, स्थायी भण्डारी तथा स्थानापन्न मुख्य भण्डारी (तदर्थ)
श्री आर० सी० गर्मा को रुपए 650-30-740-35-810द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के
बेतनमान में तारीख 6-6-1983 (पूर्वाह्र) मे 8-7-1983

(अपराह्म) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निवेशास्त्र में स्थानापन्न रूप से सहायक भण्डार अधिकारी नियुक्त किया है।

### दिनांक 10 अगस्त 1983

मं० डी० पी० एस०/41/9/83-प्रमा०/25625—परमाण्डु उर्जा विभाग के ऋय और भण्डार निर्देशालय के निर्देशक ने सहा-यक भंडार अधिकारी श्री सी० एच० बालगोपालन की छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी भंडारी श्री प्रकाशचन्द्र शर्मा को छप्छ 650-30-740-35-810-द० रा०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान मे तारीख 7-6-1983 (पूर्वाह्र) सं 26-7-1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निर्देशालय मे स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है ।

### दिनांक 11 अगस्न 1983

स० र्डा० पी० एस०/डब्ल्यू०/5/स्था०/26150—निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर. ऋय और भण्डार निदेशालय के स्थायी भण्डारी तथा स्थानापन्त सहायक भण्डार अधिकारी (तवर्थ), श्री वजीर चन्द 31 मई, 1983 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

## दिनाक 12 अगस्त 1983

सं० डी॰ पी॰ एस॰/एन॰-1/स्था॰/26242—ऋय और भण्डार निदेशालय के थायी सहायक ऋय अधिकारी श्री पी॰ नारायणन कुट्टी का तारीख 1-8-1983 को देहान्त हुआ।

मं० इं.० पि० एस०/41/1/83-प्रणा० 26264 इस निदेशालय की तारीख 11 अप्रैल 1983 की प्रधिसूचना सं० डी० पी० एस०/41/1/83-प्रणा०/12654 के क्रम में, परमाण् ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी का उउनके को बज़न हुनार गिरधारी लाल जीवनपुत्र को ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में और आगे तारीख 30 सिनम्बर, 1983 (अपराह्र) तक के लिए या अगले आदेण होने तक, जो भी पहले हो, नदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-500762, दिनांक 28 मई 1983 आदेश

सं० नाईंस/का० प्र० 5/2606/2092/658—-जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के निलका गुणवत्ता नियत्रण के कारीगर "ख" श्री मोहम्मद उस्मान, कार्मिक कूटांक 2092 दिनांक 72-11-1981 से अप्राधिकृत (अवकाश की बिना पूर्व सूचना दिए/अविकाश की बिना पूर्व नुमोदन करवाए) काम पर से अनु-पस्थित रह रहे हैं;

और जब कि उन्हें काम पर तत्काल आने के लिए दिनांक 2-3-1982 को एक तार भेजा गया ;

अौर जब कि तार की डाक प्रति संख्या न सं०/गु० नि/व्य० मि०/349, दिनांक 02-3-1982 जिसे उनके निवासीय पते अर्थात् 1-6-661/3, जिसस्तानपुर, हैंदराबाद-500 048 पर पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया था, डाक प्राधिकारियो ने बिना वितिरत किए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, "व्यक्ति चला गया है";

और जब कि उक्त श्री मोहम्मद उस्मान ने किसी अवकाश के लिए आवेदन नहीं किया तथा अप्राधिकृत अवकाश की बिना सूचना/अनुमोदन के निरन्तर अनुपस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंखन सम्मिश्र को अपना अता-पता सूचित नहीं किया;

और जब कि उक्त श्री मोहम्मद उस्मान को ज्ञापन सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/2092/1541, दिनांक 09-9-1982 द्वारा उनके विरुद्ध आरोप तथा प्रस्तावित कार्यवाही की सूचेना दी गई;

और जब कि उक्त श्री मोहम्मद उस्मान ने आरोप पत्न स्वीकार हुई। किया तथा डाक प्राधिकारियों द्वारा अवितरित तिकाफे इस अभ्यक्ति के साथ लौटा दिए गए, "व्यक्ति चला गया है";

और जब कि आरोप की जांच करवाने का विचार किया गया तथा आदेश सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/2092/1645, दिन्मंक 27/29-9-1982 द्वारा एक जांच अधिकारी निम्मुक्त किया गया ;

और जांच अधिकारी ने दिनांक 28-12-1982 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें लिखा कि उक्त श्री मोहम्मद उस्मान जांच में उपस्थित नहीं हुए तथा चूकि उन्हें प्रेषित-पक्ष अवितरित ही लौटा दिए गए अतः एक पक्षीय जांच की गई तथा बिना किसी संदेह के उन पर आरोप सिद्ध हो गया ;

और जब कि जांच रपट (प्रिति संलग्न है) सह मामले के अभिलेखों का सावधानीपूर्वक मनन करने के पश्चात् अधोहस्ता-क्षरी आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस अनन्तिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्स श्री मोहम्मद उस्मान सेवा में रखने योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं थे तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाए ;

और जब कि उक्त श्री मोहम्मद उस्मान को जापन सं ना क्रं क सं क्षित्र कि प्र 5/2606/2092/535, दिनाक 02-4-1983 द्वारा इस अनन्तिम निष्कर्ष की सूचना दी गई तथा इस जापन की प्राप्ति के 10 दिनों के अन्दर प्रस्तावित दंड पर अभिवेदन प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया ;

और जब कि दिनांक 02-4-1 \$\frac{9}{8.3} के उक्त ज्ञापन को जिसे उन के सभी ज्ञात पतो पर पावती सह प्रजीकृत डाक द्वारा

लौटा दिया ."ऐसा कोई प्रेषिति नही है, अतः प्रेषक को लौटाया जाता है"; तथा तीसरे लिफाफे को डाक प्राधिकारियों ने 4 दिन रख कर लौटा दिया;

और जब कि दिनांक 28-12-1982 की जांच रेपैट सह मामले के अभिलेखों के आधार पर अधोहस्ताक्षरी इस अन्तिम निष्कर्ष पर पहुंचे है कि उक्त श्री मोहम्मद उस्मान सेवा में रखने योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं है तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाए ,

अत. अब नाभिकीय इंधन सिम्मश्र के स्थायी आदेशों के अनुक्छेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1) 68-प्रशा०-II, दिनांक 07-7-1979 के साथ संयोजित कर उनमें प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री मोहम्मद उस्मान को मेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते है।

टी'० एस० कृष्णन उप मख्य कार्यपालक (ग्० नि०)

अनुलग्नक : एक श्री मीहम्मद उस्मान द्वारा श्री वाई० ए० शब्बीर 1-6-657, जिमस्तानपूर मुझीराबाद, हैदराबाद-500 058

श्री मोहम्मद उस्मान हारा मोहम्मद उस्मान अली अबूबकर पत्थरों की चाल, मछली बाजार के पीछे, अंधेरी (पृश्चिम) म्म्बई—400 058 ।

श्री मोहम्मद उस्मान नि० सं० सी०-6/2, ए० सी० सी० कालोनी, शाहाबाद, जनपद : गुलबर्ग, मद्दसुरू राज्य ।

> मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपाक्कम-603102, दिनांक 8 अगस्त 1983

सं० एम० ए० पी० पी०/20(42)/83-भर्ती—सहायक लेखा अधिकारी के नियुक्ति के चयन हेतु श्री के० नारायण मूर्ति, एक स्थाई सहायक लेखाकार, रियाक्टर अनसंधान केन्द्र, कल-पाक्कम को अस्थाई रूप से सहायक लेखा अधिकारों के पद पर मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में दिनाक जुलाई 15, 1983 पूर्वीह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० एम० ए० पी० पी०/9(1)/83-भर्ती--सहायक कार्मिक अधिकारी के नियक्ति के चयनहेतु, श्री टी० बी० जार्ज, एक स्थाई अशुलिपिक, एवम् स्थानापन्न आशुलिपिक-III, राजस्थान परमणु विद्युत परियोजना कोटा, को अस्थाई रूप से महायक कार्मिक अधि-कारी, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में दिनाक जुलाई 28, 1983 पूर्वोह्न से नियुक्त किया जाता है।

> टी० रामानृजम् पशासनिक धिकारी

# परमाणु खनिज प्रभाग

## हैदरावाद-16, दिनाक 8 अगस्त 1983

स० प० ख० प्र०-1/27/82-भर्ती--परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खिनज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री सन्दीप हिमिल्टन को परमाणु खिनज प्रभाग मे 26 जुलाई, 1983 के पूर्वीह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते है।

टी० डी० घाडगे वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

# पर्यटन एवं नियार विभागन महालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1983

सं० स्था० (1)05761—श्री हरबंस सिह, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक, (उपकरण उत्पादन) का कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली दिनाक 31—5—1983 अपराह्न में स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

के व मुखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) इते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली-3, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० ए० 39012/3/83-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन नई दिल्ली के श्री अरुण कुमार वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी का दिनांक 8-7-1983 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से त्याग-पत्न स्वीकार कर लिया है।

> एस० के० अरोडा सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनाक 1 अगस्त 1983

स० ए० 39012/2/83—ई० सी०—राष्ट्रपत्ति ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री मंजीत सिह ढिल्लों, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 8-7-1983 (अपराह्म) ये सरकारी सेवा से त्याग-पत्न स्वीकार कर लिया है।

### दिनाक 2 अगस्त 1983

सं० ए० 32013/1/82—ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सेवा निवृत्त होने पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है .--

	ب رحماطات المدرجية والتاريخ إسالات الارماضات الاستدارات	ر و در در در این این در این در این در این ای	
त्र ० स	प्त० नाम और पद- नाम	नैनाती स्टेशन	मेवा निवृत्ती की तारीख
	सर्वश्री		
1.	वी० बी० चौगुले, तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-3-83 (अपरा <b>ह्न)</b>
2.	एस० डी० चौपड़ा, संचार म्रधिकारी	वै० सं० स्टे०, बम्बई	31-3-83 (अपराह्म)
3.	के० एम० मैथ्यु, संचार अधिकारी	वै० सं० स्टे०, मद्रास	30-4-83 (अपराह्न)
4.	डी० एन० विश्वास, तकनीकी अधिकारी	वै० सं० स्टे०, कलकत्ता	31-5-83 (अपराह्न)
5.	टी० आर० शास्त्री, तकनीकी अधिकारी	वै० सं० स्टे०, बम्बई	31-5-8,3 (अपराह्न)
6.	डी० एस० गिल, तकनीकी अधिकारी	वै० सं० स्टे०, नई दिल्ली	31-5-83 (अपराह्न)
7.	के० एम० नायर, संचार अधिकारी	वै० सं० स्टे०, त्रिवेन्द्रम	31-5-83 (अपराह्न)
8.	एस० के० राद्ग, तकनीकी अधिकारी	वै० सं० स्टे०, मद्रास	30-6-83 (अपराह्न)
9.	एस० मणिकम, संचार अधिकारी	वै० सं० स्टे०, मद्रास	30-6-83 (अपराह्न)
10	पी० एस० एर्न० मूर्ति संचार अधिकारी	वै० सं० स्टे०, हैदराबाद	30-6-83 (अपराह्न)
11	वी० वी० हरमाल, संचार अधिकारी	सी०ए०टी०सी०, इलाहाबाद	31-5-83 (अपराह्न)

#### दिनांक 4 अगस्त 1983

सं० ए० 35018/1/83-ई०-I--राष्ट्रपति ने श्री यू० जी० माकासी वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी को दिनांक 15 जुलाई, 1983 पूर्वोह्न से 6 मास की अविध से दिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो कलकत्ता में सहायक निद्रेशक नागर विमानन सुरक्षा के पद पर तदर्थ आधार पर निय्क्त किया है।

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली. दिनांक अगस्त 1983

सं० ए० 31013/4/81-ई० एम०-राष्ट्रपति ने निम्न-'लिखित 14 अधिकारियों को दिनांक 16 जून, 1983 से नागर विमानन विभाग में स्थायी रूप में वरिष्ठ विमान निरीक्षक के ग्रेड में नियुक्त किया है :--

### सर्वश्री

### सर्वश्री

- 1. सी० डी० कोल्हे
- 2. आर० एस० वोसाज
- 3. मधुसूदन लाल
- 4. एस० एस० दास
- के० हिम्मत सिंह
- 6. एम० एस० इक्राहीम
- 7. वी० आर० आर० अरावा
- 8. टी० के० मौयन्रा
- 9. के० प्रभाकर राव
- 10. कैलाश नारायण सक्सेना
- 11. एस० एल० श्रीवास्तव
- 12. फिलिप मैथ्यू
- 13. यू॰ पी॰ सत्तपति
- 14. जै० आई० एस० बेदी

# विनाक 10 अगस्त 1983

सं० ए०-32014/1/83-ई० एस० (पार्ट) — महानिवेशक नागर विमानन ने श्री एस० एन० शर्मा, अधीक्षक (तदर्थ) को दिनांक 1-8-1983 (पूर्वाह्म) से छः मास की अविध के लिए क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर सवर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

> जगवीश चन्द्र गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन

# निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुरुक व केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1983

सं० 22/83—श्री टी० डी० मेंदीरला ने, जो कि पहले प्रिधा-क्षण निवेशालय, (सीमा शुल्क और किन्द्रीय उत्पादन शुल्क) नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रिश्यक्षण) के रूप में कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 26 अप्रैल, 1983 के आदेश संख्या 73/83 (फा० सं० 22012/23/83—प्रशा० II) द्वारा निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानांतरित होने पर दिनांक 13-7-83 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शल्क में सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> ब० च० रस्तोगी निरीक्षण निवेशक

# विद्यि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विद्यि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का काय**ौ**लय

कम्पनी अधिनियम 1956 और खालसा एन्जीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनांक 8 अगस्त 1983

सं० 2281/लिक्व/560(3)/6904/83—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-सरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर खलमा इन्जिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> कें० पन्चापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी मद्रास फूड प्राडक्ट्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

सं० 1461/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी महास फूड प्राडक्ट्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पालघाट कोयम्बतूर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, विनांक 29 अगस्त 1983

सं० 2200/560/82—कम्पनी, अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पालधाट कोयम्बत्र सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया सो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ई० सेलवराज कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु । प्रकार आहे. टी. एन. एस.-----

भायकर यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थानित सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17922-- यतः मुमे, आर० पी० पिल्ले प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं० 5 है तथा जो III मेमन रोड़, मद्रास-28 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्मेंट सं० 1466/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य सेकम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से ७१त प्रन्तरण् लिखित में वास्तविक्त रूप मे रुपित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अधात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधाने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अभ्य धास्तिय को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान ने मुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री शारदा राम सुप्रमनियम ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० कृष्णमूर्ति ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यक्षिष्टिंग करता हूं।

जक्त गरपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्सूयो

भूमि और निर्माण-5, III मेन रोड़, मद्राम राजा अमनामलैपुरम, मद्राम-28। (डाक्मेट स० 1466/82)।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II. मद्रास

तारीख 7-7-1983 मोहर प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

(1) श्री एस० सी० चौखालिंगम ।

(अन्तरक)

(2) श्री तुलसी अम्माल।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17918--- प्रतः मुझे, आर० पी० पिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000<sup>7</sup> - ग. से अधिक हैं और जिसकी सं० आर० एस० 4088/2 है तथा जो मैलापुर में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेंट सं० 1485/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982 को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैंः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, म<sup>1</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थध्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनसर्ची

भूमि---आर० एस० सं० 4088/82, मैलापुर । (डाकूमेंट सं० 1485/82) ।

आर० पी० पिरुलें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

नारीख: 7-7-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भा<u>रत सरकार</u> कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्रण) अर्जन रेंज-2, मंद्रास

मद्रास, विनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17928—श्रीतः मुझे, आर० पी० पिरले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गथा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो वालाजी रोड, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन (डाक्सेंट सं० 1059/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्ययमान प्रतिफल से एसे ध्य्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मितिका व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अन्द्रल गफुर साहन क्रेरेशी।

(अन्तरक)

(2) श्री एफ० बकीर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे!

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, भी उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भी उस अध्याय में दिया गया हैं.।

# मनुबुची

भूमि और निर्माण--(1/3 शेयर) 40 ींालाजी रोड मुद्रास-2 । (डाकूह्वट सं॰ 1059/82)।

आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7 -7-1983

प्रकृप वाहु .टी.एन.एस. -----

यायक्षण मिनिनम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मदास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निवेश सं० 17950— यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्स अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो मद्राम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौमनटलैंटस (डाक्समेंट सं 917/82) में रिजिस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वा कि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा केत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (इन्तरित्वां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम, के बधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीए/या
- (वं) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विंश के सिपं

(1) श्री रामाचन्द्र, पृशया।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

इयत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियां में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियां में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गवा हैं।

अनुसूची

भूमि——मद्रास । (डाक्मेंट सं० 917/82)।

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

सारी**ख**: 7-7-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17946—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 115 है तथा जो कोठमबाखम है रोड, मद्राम-24 में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री क्रिता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटरूलैंट्रस (डाकूमेंट सं० 948/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कथी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उनस अभिनियमं की भारा 269-ग के लगुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चेलम्माल और अवर्स।

(अन्तरिती)

(2) श्री पी० एस0 श्रीनिवासन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण —~इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-7-1983

मोहरः

प्रस्प बाह<sup>र</sup>. टी. एव. एस.,------ (1) श्रीमतं

मायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यात्तर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17959— यत. मुझे, आर० पी० पिल्ले जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 8112 है तथा जो मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनलैंस (डाक्ट्रूट सं० 1057/82) हू रजिस्ट्रीकराङ्क अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्त हुंस्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) खन्तरण से दृष्ट्य किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठितियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वाधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी कियो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम; या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की घार। 269-म के प्रम-भरण में, में; उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधार। (1) के प्रधीन, निम्नांलखित व्यक्तियों खर्णात् :--- (1) श्रीमती जी० हमा ।

(अन्तरक)

(2) श्री शानत श्री हरी।

(अन्तरितं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हित्तबद्ध फिसी प्रण्य स्थनित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
  के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीवरण :--- इतमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त धिविषम के घड़्याय 20-क में परिवाधित हैं, वहीं धर्च होगा जो उस ग्रम्याय में विस्ता गया है।

# अनुसूची

भूमि--आर० एस० नं० 8112, मद्रास-6 । (डाकूमेट सं० 1057/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, मब्रास

तारीख : 7-7-1983

प्रकृप साईं ही । एन । एस ----

म्रायसर **प्रविनयम, 1961 (1961 का 43) की घा**र। 2**69-म (1**) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17981——अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 40 है तथा जो बालाजी रोड, मब्रास-2

भीर जिसकी स० 40 है तथा जो बालाजी रोड, मब्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मब्रास नार्थ (डाक्मेंट सं० 3751/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसो भाय को बाबत, उक्त मिन्न निवस के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने का उसमे बचने में सुविका के लिए; प्राप्तिया
- (ख) ऐसी कियो भाग या कियी धन या प्रम्य धारितयों की निग्हें भारतात पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रस्त खिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया थया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुन्धि के निय;

(1) श्री अब्दर रशीव साहिब कुरैगी।

(अन्तरक)

(2) श्री जै० सादिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं: प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नन्ध्वी

भूमि और निर्माण --40, वालाजी रोड, म स-2। (डाक्मेंट सं $\circ$  3751/82)।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶∐, मद्रास

धतः प्रव, उन्न पश्चितियन की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उस्त धिवियम की घारा 269-म की उपजारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 7-7-1983

ग्रुग

प्रकथ आहुँ, टी. एन. एस. -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भाषीत सूचना

### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17983--अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद जिन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं टी॰ एस॰ 2 है, तथा जो अठयार मे स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेट 84 /82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 कहूं 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982 की पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरिवयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नतिक्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की जानत, उच्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कतो करने या उससे बचने में सुविधा क निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या जन्य प्रास्त्रियों, को जिन्हें भारतीय श्रीय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया प्रयोजनार्थ जाना चाहिए था, ळिपान में सृथिधा के लिए;

जतः मग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री दत्तठायदपानी नगर को० आप० हाऊस कंस्ट्रक्शन सीसाइटी ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० आनवा।

(अन्तरिती)

को यह सृचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन है सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजधन मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी क्विस्तियों पर सूचना की नाभील में 30 दि। ही ग्रविध, जो भी श्रविध बाद म समाध्य होती हो, के भीतर प्योक्त ध्यक्तियों में स किसी ट्यात राजा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीसरण:--इसमं प्रमुखन मन्द्रा पीर नदीं का, जा स्वतः प्रविनियम के सञ्चाय 20-क में परिभाषित है, बही अने होना, हा उस प्रश्वाय ने विया गया है।

# वनस्थी

भूमि---टी० एस० नं० 2, अठवार, सैदापेट । (टाक्सेंट सं० 3849/82) ।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, महास

तारीख: 7-7-1983

मोहर: .

प्ररूप आहाँ टी.एन.एस.-- -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-II, मद्रास

मद्रास विनांक 7 नमाई 1983

मियेश स० 17917—-अत मुझे, आए० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' जहां गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्बिस, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स० 40 है नथा जो धालाजा रोड. महास-2 से

और जिसकी स० 40 है तथा जो वालाजा रोड, मद्रास-2 से स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिंग्निकेन (डाक्मेट सं० 1044/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख विसम्बर, 1982

को पृथांकित सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिए ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तर रिप्ती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधि उद्शेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (स) गर्मी विसी ग्राय पा किसी भन या अन्य प्रास्तियों बहे, जिन्हों भारतीय एयं कर श्रीधनियम, 1922 । 1922 को 11) । किस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जहां राहिए था, जिया में प्रविधा के लिए.

- (1) श्रीमती रहिममुन्निस वेगम साहिवा।
  - (अन्तरक)
- (2) प्राविष् मृतिरा णिकना जैनन । (अन्तरिनी)

का यह स्वता रागा राक वर्णात्त सम्मति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या निरुक्त ने स्वितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमे प्रयुक्त जन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

# ममुस्ची

भूमि और निर्माण—-40, वालाजा रोड, मद्रास=2 । डाक्मेट सं० 1044/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–II, मद्रास

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियोः, अर्थात् ---

तारीख 7-7-1983 मोहर , प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17933—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रु. में अधिक हैं
और जिसकी सं० 3, आर० ओ० बी० IV लेन है तथा जो
मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ट्रिप्लिकेन (डाक्सेंट सं० 1086/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,
1982

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान तिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशतं से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने थें सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्हों ती द्वार प्रयट ही दिया प्रयाधा किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती हजिरा बेगम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमीजा बेगम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य करियानों से पिर्सी के स्वरूप;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण--3, आर० ओ० बी० IV लेन, मद्रास-14।

(डाकुमेंट नं० 1086/82)।

आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मदाच

अतः अबः, उक्त अधिनयम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 7-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**भायकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनोक 7 जुलाई 1983

निवेश सं० 17960—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिते वाजार मृत्यु 25,000/-ग्न. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 1155/2, दीवान साहिब, गार्डन है तथा जो मौन्नेस रोड, मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैट्स (डाक्मेट सं० 1061/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे उप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन कल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 195% (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मोहम्मद मनिरुद्दीन ।

(अन्तरक)

(2) श्री नूर मोहम्मद सँग्यव ।

(अन्तरिती)

क्षां यह सूचना जारी कारके पृथांकित सम्बन्ति के अर्जन के तिथ कार्यवाहियां कारता हुं।

# बनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप:-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा.
- (क) इ.स.स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी. के पास िकिए में िए जा किये।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

## अन्स्ची

भूमि—टी॰एस॰ सं० नं० 1155/2, दीवान साहिब गार्डन, मौबेस रोड, मद्रास-14 । (डाक्मेट सं० 1061/82) ।

आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मदास

भूतः जंभ, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्वेषे में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 7-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

**मायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43)** की **भारा** 269-च (1) के अधीन सूचनां

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निवेण सं० 17956—अत. मुझे, और० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 है तथा जो मौदरगजन स्ट्रीट, मद्रास-18 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटर्लेट्स (डाकुमेट सं० 992/82) मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिन्न नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने था उसके अभने में मृदिना की लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपान में मूजिधा के सिए;

(1) श्री के॰ सम्पत और अन्य,।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० गोपालन ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बाब्तो और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क है परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण--23, सौदरराजन स्ट्रीट, मद्रास-18 (डाक्मेट सं० 992/82) ।

आर० पी० पिरुकै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः भव, उक्त विभिन्नियम की धारा 269-ग के बनुतरण में, में, उक्त जीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, स्थात :--

तारी**ब** . 7-7-1983

माहर 🗦 .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्राम

मद्रास, दिनाक 7 जुलाई 1983

निदेश स० 17937—अत मुझे, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी मं टी० एस० 6156, 31, पिनजाला सुब्रमानयम रोड, है तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेट सं० 2035/82) में रिजिस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात संअधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब उचत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उकत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- (1) श्री जी० एस० वेकटरामैय्या।

(अन्तरक)

(2) श्री पिनजास सुब्बा राव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्थन के जि़्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि—टी० एस० ग० 6156, 31, पिनजाल सुम्रमिनयम रोड, मद्रास-17। (जाकूमेट सं० 2035/82)।

आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेग-II, मद्रास

ना**रीख:** 7-7-1983

मोहर र

### प्ररूप भाई० ही • एन • एस० ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-त्र (1) के अधीन सूचनः भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राय

> > मब्रास, दिनांफ 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17934—अन' मुझे, आर० पी० पिल्लं भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र से प्रधिक है

और जिसकी सं० 28 है तथा जो पदमानाभा नेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक् मेंट सं० 2067/82) मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत सिक्ष हैं और प्रस्तरक (प्रश्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुद्ध कियी जाम को नामत उत्तर अधिनियम के अधीन कर के छे बाग्यरक के अधिन्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसा हिनो प्रार्ण किसी खन या अस्य आस्तियों को जिन्हें पारतीय स्वकार श्रिष्ठियम 1922 (1933 का 11) या उक्त प्रिविनयम या धनकर अधिनियम 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में भृतिशा के लिए।

अत. शत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अधीत्:——

(2) श्रीमती प्रेम कुमारी और अस्य।

(अन्तरक)

(2) श्री अनन्तनारायन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (व) इस नूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की अविधि वा तक्क व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी
  भवित वाद में समान्त होती हो, के भीवर पूर्वीवन
  व्यक्तियों में से किसी अयन्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपक में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उनत स्वाधर सम्पत्ति में दिसकद ्किसी अन्य न्यन्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे :

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

## अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-28, पठमनाव चेट्टि स्ट्रीट, (डाक्सेंट 2067/82)।

आर० पी० पित्सै सन्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

नारी**ख**ं 7—7—1983 मोहर. प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17923—स्वतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राध्यकारी को यह प्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, दिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/दरा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 4/1 है, तथा जो नूमबाल सैदापेट में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूनमल्ली (डाक्नुमेंट सं० 5038/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिनानं में स्विधा के लिए;

जतः अव उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् क्ष्र—ः 1.. श्री शारंगपाणी

(अन्तर्क)

2. श्री अर्जुन वास ठी० काट्री अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपप में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ना।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि——सर्वे सं० 4/1, नूमबाल सैदापेट (डाकुमेंट सं० 5038/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, मद्रास

'तारीख : 7-7-1983

प्ररूप आहाँ दी. एन . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मदास मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निर्देश सं । 17912--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो IV मेन रोड, टेलीपोस्ट कालोनी, मग्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्मेंट सं० 5127/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धार्य-नियम के अधीन कर वेने के भारतरक के वायिस्य में कसी करने था उसमे बचने में सुविधा के लिए। भीर/था
  - (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधील :--- (1) श्री राजा चेल्लदुरै।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वामुजी मीनाक्षी सुन्दरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

भूमि और निर्माण—4, मेन रोड, टेलीपोस्ट कालोनी, मद्रास-33 । (डाक्मेंट सं०  $5127/\epsilon2$ ) ।

आर० पी० पिरुली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-7-1983

मोष्ठर:

# प्रकप झाई• डी• एन• एस॰

जायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा **269-व (1) के मधीन सूचना** 

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17897—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/० व० से प्रधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, सर्वे नं० 120 है तथा जो ऊरूर, बेसनट नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (जाकूमेंट मं० 443/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिये मंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अञ्चरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के त्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखा उद्देश्य के उक्त अन्तरण किखात में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधि-निषम को अभीन कर येने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

(1) श्री पठमनाबनं ।

(अन्तरक)

(2) **ऊपा** ।

(अन्तरिती)

को मह स्वना जारी करके पुर्वापत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी-कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यमित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस क्ष्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 2, सर्वे नं० 120, ऊरूर, बेसनट नगर ।  $\left( \text{डाक्मेंट सं० } 443/82 \right)$  ।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

. अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख: 7-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 260-घ (1) को अधीन मु**ब**ना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 7 जलाई 1983

निर्देश सं० 17887—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000 - रहे. से अधिक हैं

और जिसकी मं० आर० एस० 40 है तथा जो आलंदूर, चेनकलपर में स्थित है (और इनस उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, आलनदूर (डाक्सेट स० 4226, 4227/82) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह रिष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया माना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) को अभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पट्टाभिरामन और अवर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री आनठाल और वनजा।

(अन्तरिती)

को यह भूचना चारी करको पृथांकत मध्यात्ति को वर्जन को निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया उप सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधाइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द शिक्षित्यमं, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समाह<sup>8</sup>।

अनुसूची

भूमि--आर० ए०० म० 40, आलनदूर । (डाक्मेंट मं० 4226, 4227/82) ।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-7-1983

प्ररूप भाइ, टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, महास

मद्रास, दिनांक 7 जलाई 1983

निर्देश सं० 17962—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले भायकर गिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे न० 120/4 है तथा जो तिरुवान मुयूर मे स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महास सौत (डाक्सेट सं० 3972/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीनक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य भों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय भा किसी धर या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिगाने में स्थिध के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनीयमं की धारा 269-गं के, अन्सरणं मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कल्यानी।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमरेसन नाटार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में। कांर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमुस्ची

भूनि—सर्वे सं० 120/4, तिम्बानियूर । (डाक्सेट स० 3972/82) ।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, मद्रास

तारीख: 7-7-1983

पुरूष बार् . टी. एन. एस., ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० 17920---अत. मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 99 हैं तथा जो साउथ ब्रीज रोज, मद्रास-28 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ल्प से विणत हैं). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेंट सं० 1474/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवसा, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

1) श्री के० पी० राचवन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० बी० चन्द्र मेंली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स, सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--99 साउथ भीच रोड, मद्रास-28। (डाक्मेंट सं० 1474/82)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायभ आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपृति :---

तारीख: 7-7-1983

मोहर '

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेण स० 1 दिसम्बर /82—-अतः मुझे, आर०पी० पिल्लै

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 127/1B, अक्षा नगर है तथा जो मद्रास-40 में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास-40 (डाक्सेंट सं० 1840/82) मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरज निचत में वास्तरिय क्ष कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के बायित्व में कृती कुरने या उन्नते अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन्-कार अधिनियम, या धन्-कार अधिनियम, 1957 (1957 टा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री एम० नटराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वी० लक्ष्मी नारावणन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबंध मो काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !--इसमें प्रयुक्त प्रकाशीर पदों का, जो उकत श्रविनियम के प्रव्याय 20 में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया । गया है।

### अनस्ची

भूमि—सं० 1204, अन्ना नगर, मद्रास- 40 । (दस्तावेज सं० 1840/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षेम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज⊷1, मद्रास

तारीख ' 2-7-1983 मो**हर**ा प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (१) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1983

निदेश यं० 2/विसम्बर/82---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रङ. से अधिक **ह**ै और जिसकी संख्या टी० एस० मं० 11 है, जो अमिजिकरें गांव, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 1887/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसंस्वर 16, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनेका कारण है कि यथापूर्वोश तथाति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण भे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था., छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलीवत व्यक्तियों अधीतः :--- (1) श्री के० और० दक्षिणाम् ति

(अन्तरक)

(2) श्री एन० गुहराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोध से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

## अनुसूची

भ्मि और निर्माण टी० एस० सं० 11, अमिजिकरें गांव, मद्रास (दस्ताव्रेज मं० 1887/82)।

> आर० पी० पिरूलैं सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, मद्रास

नारी**ख** : 2—7—83

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 6 दिसम्बर/82--यत मुझे, आर० पी० पिस्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / - रु स अभिक हैं और जिसकी सख्या प्लाट स० 567 है, जो अन्ना नगर मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तावेज स० 1922/82 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982 को प्रार्वित सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार गुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, गोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन क़ार धेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे दचने में सविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना आहिए था लियाने में मिवधा के लिए;

श्रत अब, उस्त गिभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उस्त जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्रोमता मायादेवी अस्तानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जनादेवी रती

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपरित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि स० 567, अन्ना नगर, मद्रान (दस्तावेज सं० 1922/82)

> आर० पी० पिरुलै; मक्षम प्राधिकारी महायक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 2-7-83

प्ररूप कार्द. टी. एन. एस. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जधीन स्थाना

भारत ब्रकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1983

निदेश सं० 7/दिसम्बर/82---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट सं० 4447 है, जो मुख्लम गांव अन्ना नगर, महास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्याक्षय, अन्ना नगर, महास दस्तानेज सं० 1923, 1924/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दश्यमान प्रतिकत का चल्क्ड प्रतिकत से विभिक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे बन्तरण के निए तब वाबा गया प्रति-कत निक्तिवित उद्घेषय से स्वत बंतरण चिचित में बास्तविक कय से स्थित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण चे हुई जिल्डी जाय की बाबत कवत विधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए और/का
- (व) एसी विकती नाम वा किसी धन वा नण्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय भावकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीमती के शारवा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना कुमारी नारायणन

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना आरण करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के मंबंध में कोई भी आकां के :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: --इत्तमें अयुक्त शब्दों और पदों का, ओ अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि प्लाट सं० 4447, मुल्लम गांव, अन्ना नगर, मद्रास (वस्तावेज सं० 1923, 1924/82)

> आर० पी० पिल्लै ॄैसक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीखं : 2-7-1983

मोर:

5-226GI/83

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, मदास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1983

निदेश मं० 8/दिसम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० प्लाट सं० 94 है, जो पेरियकुडल गांव अन्ना नगर, मब्रास स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 1931/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर, 1982

को प्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिल उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना खाहिए था, छिपान में स्विधा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री एन० रविचन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीवर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा को उस अध्याय में विका नमा हैं।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट मं० 94, पेरियकुडल गांव, अन्ना नगर; मद्रास (दस्तावेज गं० 1931/82)

> आर० बी० पिल्लैं सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 2-7-1983

मोहर ::

## प्रक्य बाद् .टी.एन्.एव्. -------

भायक प्रतियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

### प्रारव बरकत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

तारीख 2 जुलाई 1983

निदेश मं० 9 दिसम्बर/82 —अतः मुझै, श्रार० पी० पिल्लै,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे स्वके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिवस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० नया मं० 9, II मेत योड घेनाई नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रन्ना नगर मद्रास दस्तावेज स० 1995/82 में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को प्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास १ रने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मूल्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से क्रुर्ड किसी आग की बाबत, उबसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री बी० जी० पार्थसारयी।

) भन्तरक)

(2) श्री सी० वी० राभवन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण--नया सं० 9, II मेन रोड, शेनाम नगर, मद्रास-30 । (दस्तावेज सं० 1995/82) ।

> आर० पी० पिस्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

ता**रीख** : 2**-7-198**3

प्र<u>कर्</u>यः शाह<sup>र</sup>् द<u>ि.</u> एतः, एसः, -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जलाई 1983 .

निदेश सं० 11/विसम्बर/82--अतः मझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, टेंस एवन्यू है तथा जो पाटिंग्टन रोड, मद्रास— 31 में स्थित है (और इंससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेंट, मद्रास (दस्ताबेज सं० 1522/82) में रिजस्ट्री— कररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन, :---

(1) श्रीमती मीना श्रीधर।

'(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० पार्वती ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वेषित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनता सुम्पृतित को कार्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण—सं० 3, टेंत एवन्यू, हारिंगटन रोड, मद्रास—31 ।

(दस्तावेज सं० 1522/822)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज-1, मन्नास

लारीख : 2-7-1983

प्रकप भाइं. टी. एन. एस. -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना .

#### भारत सरकार

कायालिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनाक 2 जुलाई 1983

निदेश मं० 12/दिसम्बर/82—अत , मुझे, आर० पी० पिल्ल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० नई सं० 53, गुरुवप्य चट्टी स्ट्रीट है तथा जो चिन्द्राई पेट मदास-2 से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट मदास (दस्तावेज स० 1563/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित् के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्रास या किसो प्रन या प्रम्य पारितयों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रश्रारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए या, कियाने मे सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री टो॰ पी॰ कुप्पुस्वामी ।

(अन्तरक)

15631

(2) श्री एस० आर० शणम्गम चेट्टीयार।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्मध्दोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अपूस्ची

भूमि और निर्माण—नई स० 53, गुरुवप्प चेट्टी स्ट्रीट, चिन्द्राद्रीपेट, मद्रास-2 (दस्तावेज सं० 1563/82)।

आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, मद्रास

नारीख : 2-7-1983

मोहर .

## प्रकप भाई । टी । एन । एस ---

# आयकर भौत्रविषम, 1981 (1981 का 43) की बारा 289व्य (1) के समीन सूचना

#### मार्व बर्डकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं०14/विसम्बर/82--अन' मुझे, आर० पी० पिल्लै

सायकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 क्खें के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

और जिसकी स० 1/24, वेपेरी हाई रोड मद्रास-7 है तथा जो मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेंट, मद्रास (दस्तावेज स० 1598/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए प्रस्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से मिश्रक है भौर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण ने तुर्व किसी धाय को बाजर, इका प्रधिनियम के घडीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने उपलस्से बचने में सुविधा क्षा (लाए) धीर/या
- (वा) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रस्थ ग्रास्तिया को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, 'या भ्रमकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीस, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (2) भीमती मोहिनी टी० जयसिह।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला छिमणलाल कपाडिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका समात्ति के मर्जन के लिए कार्यवाश्विमी करता हूं।

उन्त सम्वत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंज में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की प्रविध या तश्मम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, यो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास किसी सन्य किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रगुक्त गर्वा और पर्दो का, जो उपत अधिनियम के घट्याय-20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उम प्रध्याय में दिया बया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण—सं० 1/24, वेपेरी हाई स्कूल रोड मद्रास-7 । (दस्तावेज सं० 1598/82) ।

> आर० पी० पिल्लाँ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 2-7-1983

प्ररूप बाइं. टॉ. एंन. एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत' संरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 15/दिसम्बर/82---अतः मुझे, आर० पी० पिरुले

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 64, नया आवड़ी रोड है तथा जो कीलपाक मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट, मद्रास (दस्तावेज सं० 1599/82) मे रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व यो कभी करने या सत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कते, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथित्ः— (1) श्री मिन्नी नतानियल।

(अन्तरक)

(2) मैं मर्स शालीमार बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना चारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप:--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सें 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टोकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण---नई सं० 64, नया आवड़ी रोड, कीलपाक, मद्रास-10 (दस्तायेज सं० 1599/82)

> ् आर० पी० पिलें सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राप

तारीख: 2-7-1983

भोहर 🗓

प्ररूप जाइ . टी. एन. एस. ------

# ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के सधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 16/विसम्बर/82---अतः मझे, आर० पी० पिल्लै

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 156 ब्राडवे है तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट मद्राम (दस्तावेज सं० 509/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छनित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यस्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से ग्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं कियां गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रद, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रश्विनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् यु— (1) श्री टी० सामन्तकम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा कपूर।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त व्यक्तियों में से फिर्मी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्तों श्रीश पतों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, बहां अर्थ होगा, जो उम ग्रध्याय में दिया गया है ।

## अन्स्ची

भूमि और निर्माण—नई सं० 156, ब्राइवे मद्रास— 600001 (दस्तावेज सं० 509/82)।

> आर० पी० पिल्भैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीखा : 2-7-1983

मोहर: .

प्ररूप आई.टी.पुर एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जलाई 1983

सं० 17/दिसम्बर/83——यृत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० नई सं० 13, चन्द्रप्प मुदली स्ट्रीट, है, जो मद्रास-1 में स्थित है, (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट मद्रास दस्तावेज तं० 510/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल व हेलिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का अचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दाण्टिय में कभी करने या उससे यचने में मृतिशा के िग्ए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्था के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, जिम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् .-- / 6—226GI/83 1. श्री के० टी० जतार्दनम ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सज्जन देवी ।

(अन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपित के अर्जन के सबध में करेई भी माअंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन में तारिध से 45 दिन की अविध या तत्से वंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में में कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूची

भूमि और निर्माण नई मं० 13, चन्द्रप्प मुदली स्ट्रीट, मब्रास-1 (दस्तावेज सै० 510/82) ।

> आर० पी० पिस्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, मद्रास) स्

तारी**ख**: 2-7-1983

प्ररूप आइ<sup>t</sup>.दी एन.एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) क्र अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० 18/दिसम्बर/82:—यन: मुझे आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 260, मिन्ड प्ट्रीट, मद्रास-3 है, जो मद्रास-3 में स्थित है, (अं।र इसमें स्पावन्द में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के आर्यालम, भौकारपेट, मद्रास दस्तावेज सं० 516/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिश्चित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है '~~

- (फ) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उभत अधि नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अदने या उससे अजने में स्विशा के लिए और/या
- (अ) एची किसी आय या कियो धर या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाज प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत:, अब:, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम फीधारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्निलियम व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री ई० पार्तसारशी।

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० दनमीलन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेंद्र भी भाक्षण .---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र सं प्रकाशन कर नाग्ति से 45 दिन की अविधि या तत्सस्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जामीत से 30 जिन की अविधि, अं भी कार सं साद में भागत होती हो, है और वृवांकर व्यक्तियों में ये कियी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना क राजपत्र म अकाशन की तरांस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सगीप में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए आ एकरेंगे :

स्वाकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवी का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-5 में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस 3 गय में विया गया है।

#### अनुसूची

भृमि और निर्माण 260, मिन्ट स्ट्रीट, मद्रास-3 दस्ताबेज सं० 516/82।

आर० पी० पिल्नै, नक्षम प्रीधिकारी पहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज 1 मद्राय-3

नारीखा. 2-7-1983

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस. -----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

मं 19/दिसम्बर /82 — गत. मुझे, आर पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राविकारों का यह जिक्तास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको स० 17 परपानन्द मुदलो, स्ट्रीट है, तथा जो भद्रान-1 मे रिशत है (घीर दसरे उपाबद्ध प्रनुसूर्च में और पूर्ण स्प से वर्णित है), 'र्जिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, सीकारपेट मद्राभ दस्तावेज सं० 528/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के. 16) के अजीन दिसम्बर 1982।

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूर्ओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिंगित उद्दर्श्य से उपल निमालिंगित उद्दर्श्य से उपल निमालिंगित उद्दर्श्य से उपल निमालिंगित अन्तरिया गया प्रतिफल, निमालिंगित उद्दर्श्य से उपल निमालिंगित अन्तरिया गया है —

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आय की पायल. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने मा सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियं की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा. श्री भी० जयरामन।

(अन्तरक)

2. श्री जी० रामकृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पांत के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग निमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्टरण:--इसमं पय्वत शब्दो और पदों का, आ उपत जिल्लानियम, फे अभ्यास 20-के में परिभाषित हाँ, तही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसुची •

भूमि और निर्माण ग्र० 17, परमानन्द मुदली स्ट्रीट, मद्राम-1 (दस्तावेज मं० 528/82)।

आर० पी० पिल्लै, पक्षम प्राविकारी सहावक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास)

नारीख : 2-7-1983

माह्यर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

भायम् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० 21/दिसम्बर/82:—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नर्ष सं० 9, नैनियण स्ट्रीट, जी० टी० है, जो मद्रास-1 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1, दस्तावेज सं० 3649/82 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को प्वेंक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम् के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह हैं और मूक्ते थह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से जत अंतरण लिखित में बास्तदिक कप् से किश्रित नहीं किया ग्या हैं है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाधत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उद्धर्म क्याने में सृषिधा की निष्, आप्त्रिया
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छिपाने में कृषिधा के लिए;

नतः नवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निभ्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् भ---

- 1. श्री मारिस ए० एन० दैव सिगामनी भ्रौर श्रन्थों। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती एन० सोहरा भानु।

(अन्तरिती)।

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पन्ति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की शवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, ओ भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन्न स्वता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधि नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वा उन अञ्चाय में दिया गया :

## अनुसूची

भूमि और निर्माण नई सं० 9, नैनियप्पन स्ट्रीट, जी० टी० मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 3649/82)।

> आर॰ पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्ज रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 2-7-1983

मोहरु 🖟

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० 23/दिसम्बर/82---यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'अवन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसदा उचित काजार भन्य 25,000/- रत. से अधिक ही

और जिसकी म० 693, पूनमल्ली हाई रोड, अमिन्तफट है, जो मद्राम-29 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता आंधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-I दस्तातेज स० 3665/82 और 3666/82) म रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1982

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदुदोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मं सुविधा के लिए, और या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या र्धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सविधाके लिए:

अतः जब उथरः अभिनियम की धारा 269-म क अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री वेनु पिल्लै।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वनम्माल ।

(अन्तरितीः)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियो पर मृषना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त त्र्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:---इममें प्रमुक्त अब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 693, पूनमल्ली हाई रोड, अन्मितकरे गांव, मद्रास-29 (दस्तावेज मं० 3665/82 और 3666/82)।

> आर० पी० पिल्ली : सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास ।

नारीख: 2--7-1983

माहर ः

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . ------

(1) श्री एस० ए० मोहम्मद अस्मतुल्ला साहिब और अन्यों (अन्तरक)

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एच० नूर मोहम्मद

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्राम

मद्रास, दिनाक 2 जुनाई 1983

निदेश सं० 24/दिसम्बर/1982—-ग्रनः, मुझे, आर० पी० पिल्नै,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० नयी म० 156, पार्तुगीम वर्च स्ट्रीट है, जो जी० दी० मदाम-1 न स्थित है (और इपन उगाबद्ध अनुसूर्च) में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मदास- दे दस्तावेत मं० 3688/82 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिलाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं हो, मैं, उक्त अधिनियमं ही भारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् —

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तासंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसभी

भूमि और निर्माण नयी मं० 156, पोर्तुकगीम चर्च स्ट्रीट, जी० टी०, मद्राम--1

दस्तावेज--मं० 3688/82

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, मद्रास

दिनांक 2-7-1983

## प्ररूप धाई० टी॰ इन० प्रा-

कामकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 28ए०/दिसम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार। 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वार तरने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति वानार पूल्य 25,090/- ए॰ में प्रधिक हैं और जिसकी सं॰ नयी सं॰ 49, रामानुज अय्यर स्ट्रीट, है, जो ओल्ड वाषरमेनपेट, मद्रास—21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास—II दस्तावेज सं० 3680/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

- को पूर्वोक्त सम्मित के उजित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए प्रत्तरित की मई है और मुझे यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मुख्यत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रश्चिक है और उज्जारक (प्रन्तरकों) और खन्तिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे ज्ञन्तरण के लिये तय प्रयागया प्रतिफल, निम्नलिखित नव्षेत्रय से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप ने किया नहीं किया गया है है
  - (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्त्रियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजतार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गरा या किया जाता जातिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती जैमुना अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री कार्तिकेयन और अन्यों

(अन्नरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना हे राजा व में प्रकाश को तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबर्ध व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सार तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधितयम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्भाण नयी सं० 49, रामानुज अय्यर स्ट्रीट, ओल्ड वाषरमेनपेट, मद्रास-21 दस्तावेज सं० 3680/82।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—I, मद्रास

ं जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-7-1983

प्रध्य आक्षं.ट्रां. एन . एस . -------

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1967 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### शारत रहकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, मद्राम

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 28बी०/दिसम्बर/82—यतः मुझे, आरण् पी० पिल्लै,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उनत निधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह में अधिक हैं

और जिसकी मं० नयी सं० 49, रामानुज अय्यर स्ट्रीट, मद्राम- $\cdot$ 21 है, जो मद्रास- $\cdot$ 21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-II, दस्तावेज सं० 3679/82 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रति फल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक इन्द के किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में स्विभा के लिए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्नाने भा स्तिभा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जमुना अम्माल और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री राजसेकरन

(अन्तिरिती)

स्त्रे मह सूचना जारी करके पृत्रोधित सम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिश्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण नयी सं० 49, रामानुज अम्यर स्ट्रीट, मद्रास-21 (दस्तावेज सं० 3679/82)।

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोजण) अर्जन रंज-1, मद्राम

तारीख: 2-7-1983

साहर:

श्रुक्य मार्ड्ः, टी. एतु., एस.-----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

## 269-प (1) के अभीन सूजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—ॉ, मद्रास

मद्रास-I, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 28/दिसम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/र रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० नयी सं० 49, रामानुज अय्यर स्ट्रीट, है, जो मद्रास-21 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-II दस्तावेज सं० 3681 और 3682/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अधि-मिश्रम के जुधीन कर वेगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमती जमुना अम्माल और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री उत्तम्बन्व सिंगावी और अन्यों

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई ो नाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहरूलाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पद्धीक रण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण नयी सं० 49, रामानुज अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-21 (बस्तावेज सं० 3681 और 3683/82)।

> आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 2-7-1983

प्ररूप आहें दी. एन. एस.-----

आयकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 33/विसम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 142, लिंगि बेट्टी स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनूसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1 दस्तावेज सं 3794/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्ल) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; नौर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती वी० सी० सारदाम्बाल और अन्यों (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एस० एस० ए० मोहमद अभूमक्कर नाच्छी अम्माल और अन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

भूमि और निर्माण सं० 142, लिगि चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस्सावेज सं० 3794/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -1, मद्राम

दिनांक : 2-7-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश ,सं० 35/दिसम्ब/ 1982—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 218, तम्बु चेट्टी स्ट्रीट है, जो मद्रास-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूचं। में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उसर मद्रास-I मद्रास, दस्तावेज सं० 3828/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिकल से एसे द्रुयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्युवश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; और/का
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धृनु या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों अर्थास् :---

- (1) श्री ओ० एम० चन्द्रसंकरत और अन्यों (अन्तरक)
- (2) श्री जे० एम० इकबाल और अन्यों (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध्या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भूमि और निर्माण सं० 218, तम्बू चेट्टी स्ट्रीट, मब्रास-1 (बस्तावेज सं० 3828/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, मद्रास

दिनांकः : 2--7-1983

# प्रकप आहें. टी. एन्. एस्. -----

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निवेश सं० 37/विसम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धाउ-269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पिस, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 65 और 66, सालै विनायगर कोइल स्ट्रीट है, जो मद्रास—I में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्चा में और पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास—I मद्रास दस्तावेज सं० 3843/82 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिहितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव्ह ज्वत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री अब्दुल कादर एण्ड कम्पनी

(अन्तरकः)

(2) श्री अन्जुमन ई भुर्हानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीद्वर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण स० 65 और 66, सालै विनायगर कोइल स्ट्रीट, मद्रास-1 दस्तावेज सं० 3843/82 ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 2-7-1983

मोहर 🖰

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 40/विसम्बर/82—-यसः , मुझे, आर० पी० पिल्ले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है"

और जिसकी सं नयी मं 20, ए ई० कोइल स्ट्रीट, कास रोड है, जो नया वाषरमेनपेट मद्रास-81 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास दस्तावेज सं 1454/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उप्रदेश से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्त्रिक रूप से कायत नहीं किया गया है।

- (क) कलारक से हुई किसी बाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :— (1) श्री आर० रंगनायन और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० वेंकटरामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करसा हो।

उक्त सम्परित के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अमृस्ची

भूमि नयी सं० 20, ए० ई० कोइल स्ट्रीट, कास रोड, नया वाषरमेनपेट, मद्रास-81 बस्तावेज सं० 1454/82 ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज-1 सद्रास

विनांक : 2-7-83

मोष्ठर:

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983 ज. सं० 41/विसम्बर /82-स्वतः सब्दे आर्

निदेश सं० 41/दिसम्बर,/82--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 6, मुत्तैय्य मुदली स्ट्रीट है, जो मद्रास-21 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूचीमें और पूर्णकृप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास, दस्तावेज सं० 1593/82 में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982 ।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंज के अनुसार अन्तरिति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिति (अन्तिरितियां) के बीच तय पाया गया एसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिख्णित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री टी॰ पी॰ तंगवेलु, मुदलियार (अन्तरक)
- (2) श्री एस० कुमारवेल और एस० वनेसन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 6, मुत्तैय्य मुदली स्ट्रीट, मद्रास-21 (वस्तावेज सं० 1593/82) ।

स्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज --।, मद्रास

विनांक : 2-7-83

प्ररूप आर्चः टी. एन्. एस्.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, I, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 45/दिसम्बर /82—यतः मुझे, आर० पी० पिरुले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नयी मं० 36, कोदन्डराम अय्यर लेन हैं, जो ओल्ड वाषरमेनपेट मद्रास-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम मद्रास बस्तावेज सं० 1853/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बी० गनेसन और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री पी० चिन्नस्वामी

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुर्ग, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अमुस्ची

भूमि और निर्माण नयी सं० 36, कोदन्खराम अय्यर लेन, ओल्ड वायरमेनपेट, मद्रास-21 (वस्तावेज सं० 1853/82)

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सन्नायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 2-7-83

## प्ररूप बाई • ही • एव • एस •---

# भायकर मधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निदेश सं० 47/विसम्बर/82—-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै.

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के भधीन उक्त प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का खारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूख 25,000/- देपये से अधिक है

और जिसकी सं० 18, नैनियप्प मुदली गार्डन II लेन है, जो ओल्ड वायरमेनपेट मब्रास-21 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची मे और पूर्णक्प में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता चिधकारी के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास दस्तावेज सं० 1859/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ये कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल के प्रवृद्ध प्रतिशत का प्रवृद्ध प्रतिशत प्रधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिखित में वास्तिक कप से क्षित नहीं किया गया है।—

- (क) सन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्स शक्तियम के श्रधीन कर देने के श्रखरक के दायिश्व में कमी करने श उससे बचने में सुविधा के लिए और√या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, डबन अधिनियम की धारा 189-ग के अनुसरण में, में, चक्त अधिनियम की धारा 289-म की उपवारा (1) के अभीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— (1) श्री के० बालकृष्णन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुनियम्माल

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर को पूर्वोक्त संपरित को अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :--

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूखना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सन्तेंगे।

ह्पव्हीकरण !--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं, यहीं भयं होगा जो उस अध्याप में दिया गया ं।

# अमुस्ची

भूमि और निर्माण सं० 18, नैनियप्प मुदली गार्डन II लेन, ओल्ड बाषरमेनपेट, मद्रास-21 (दस्तावेज सं० 1859/82)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांक : 2-7-1983

मोहर 🗓

·प्ररूप आर्ड्:टी.एन.एस.-----

स्रायक्तर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1983

निदेश सं० 49/दिसम्बर,/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धीरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नयी सं० 99, अन्ना पिल्लें स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबज्ञ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट मद्रास दस्तावेज सं० 533/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्र ह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कश्थित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— 8—226GI/83 (1) श्रीमती पी० यसोदम्मा और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पंकु भाई और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में विद्या गया है।

## मन्त्रकी

भूमि और निर्माण नयी सं० 99, अन्ना पि**ल्स स्ट्री**ट, मद्रास-21 (दस्तावेज सं० 533/82)

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,)

> > अर्जन (रेंज, II, मद्रास

दिनांक : 2-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 24 जून, 1983
निदेण सं० 52/दिसम्बर, /82—यम: मुझे, आर० पी०
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 1182/2, 1183/3, वड वेल्लूर, वेल्लूर है, जो वेल्लूर—I में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिम्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेल्लूर—2 दस्तावेज सं० 4243 और 4244/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती कन्नम्मल और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री जे० कमल नाथन और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण एस व नं 0 1182/2, 1183/3, वड बेल्लूर, (बस्तावेज सं 0 4243, 4244/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, मद्रास

दिनांक : 24-6-1983

प्रकृप आई.टी एन.एस.-----

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1983

निवेश सं० 72/दिसम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 रु से प्रधिक है

और जिसकी सं० 1171/82 है, जो मीरापल्ली रासीपुरम तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपेट दस्तावेज सं० 1171/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोंक्त संपर्तित को उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने ना उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृद्धा के तियु;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीव निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीत् भ--- (1) श्री एस० श्रीनिवासन और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री आर० राजेन्द्रन

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृष्ठ में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविभ, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की दारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमस्ची

भूमि सीरापल्ली गाव, रासीपुरम तालुक सेलम जिला (दस्तावेज सं० 1171/82)।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 2-7-83

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1983

निर्देश सं० 74/दिसम्बर/82---यतः, मुझे, आरं० पी० पिल्लै,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भें 1236/82 है, जो अलकापुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेद्धनायकनपालयम सेलम जिला बस्तावेज सं 1236/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ. किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के जकी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ं— (1) श्रीमती पवुना और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ आरं॰ सुन्नमण्यम (तिमलनाडु स्टार्च और ग्लूकोज कम्पनी प्राद्यवेट लिमिटेड )।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गया है।

## अमृस्ची

भूमि और निर्माण अलकापुरम गांव, पेद्धनायकनपालयम, सेलम जिला दस्तावेज सं० 1236/82

> आर० पी० पिस्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-।, मद्रास

विनांक : 2-7-1983

मोहर ः

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. ----

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई, 1983

निवेश सं 17896—यत: मुझे, आर पी पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च की अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० 7/8, 37/10, है, जो अठयार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाक्यू मेंट 451, 452/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात् :--- (1) श्री रास कुमार और राजेसवरी

(अन्तरक)

(2) श्री बवनगरवाला

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अगु**त्तुचीं

भूमि-टी० एस० 7/8, 7/10, अठयार (डाक्य्मेंट 451, 452/82)

आरं० पी० पिल्लैं, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्वास

दिनोक : 7-7-83

बारूप बार्ड ही एन एव .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षुण)ः अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निदेश सं० 18388, यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000√ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०/8, IV/ फ्लोर है, जो 29/23, रनगन स्ट्रीट टी० नगर, मढ़ास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनूसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (खाक्यूमेंट 2096/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय था किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था छिपाने में सृष्धा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रू----

- (1) रा० बी० आरया और रान के० आरया
- (अन्तरक)
- (2) श्री राठगर अलन मेसन

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्षन के सिए कार्यमाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट स/8, IV/ फ्लोर, रानमुह प्रिया फ्लैटस, 29/23 रनगन स्ट्रीट, मद्रास-17 (डान्यूमेंट 2096/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

विनांक : 11--7--83

प्रकल्प आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17924 —यतः मुझे, आर० पी० पिस्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं॰ सर्वे 345/1 है, जो पलनजूर श्रापेरमबठूर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूनमल्ली (श्वाक्युमेंट 4740/82)

को पृथेक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती नटेसा नायरवर और कुप्पुस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री दास प्रकाश स्टील्स (प्रा०) लिमिटेड (अन्सरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;

विया गया है।

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित

## मन्त्वी

भूमि-सर्वे 345/1, पलनजूर श्रापेरमबठूर (ज्ञाक्यूमेंट 4740/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मब्रास

दिनांक : 11-7-83

घायक ४ घिषियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के घंधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17965—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 7918, है, जो रामकृष्ता रोड, मद्रास17 में स्थित है (और इससे उपाबज अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक्यूमेंट 4057/82) में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है::--

- (%) प्रस्तरण से हुई किसी प्राप्त की नावन उक्त र : नियस के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कर्म' करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/मा
- (ब) ऐसी किसी घाय या जिमी धन या प्रस्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रधिनियम, या धन कर स्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

सतः सन, उत्तर मिनियम की धारा 269-न के सनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-न की उपवारा (1) के के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्री जुरुस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री तनगप्पन

(अन्सरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वा कर सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मरित के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेत् :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ एउ सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित बुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

#### समज्ञानी

भूमि-टी० एस० 7918, रामकृष्ना, रोड, मद्रास-17 (डाक्यूमेंट 4057/82) ।

> आर० पी० पिल्ली, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 11--7-83

प्ररूप बाहु . टी. एस. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीन सचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकार भायवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-गा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जलाई, 1983

निदेश सं० 17979---यतः मुझे, आर० पी० पिरुलै,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 165/19, है, जो इनजमबाखम में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाक्मेंट 3748/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्यादेय से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियाँ का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जबा था या किया जाना था, शिष्टपाने में सविधा के लिए;

अत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री रामकृष्त, रामनातनं

(अन्तरक)

(2) श्री श्रिन

(अन्तरितो)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भन्सची

भिम सर्वे 165/19, इनजभवाखम (डाक् मेंट 3748/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्राम

दिनांक: 11-78-3

मांहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत परकार

कार्यालय, सङ्घायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मदास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निदेण सं० 17986—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बामकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 11/2बी० है, जो नेरकुनडम में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विस्तामबाखम (डाक्मेंट 1430/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम में अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; आदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, फिन्हें भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रामस्वामी राजा श्री मृतुकुल्न राजा

(अन्तरक)

(2) श्री रास- रावाबःय

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रांकत सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

अकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और दवों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवर है।

अनसची

भूमि सर्वे 11/2बी॰, नेरकुनड्म सद (डाकूमेट 1430/82)

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 11-7-83

मोहर 🗓

प्रकृष् बाइ. टी. एन. एस्. ------

जायकर जीभीन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज -11, मन्नास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निवेश सं० 17986—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० नेरकुनड्म, है, जो सैदापेट में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विरुगमबाखम (डाक्स्मेंट 1431/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के शियत्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य श्रास्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) खे प्रकोजनार्थ अस्तुरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा, 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, नर्जात् :—

- (1) रामास्वामी राजा और मुयकुष्त राजा
- (अन्तरक)

(2) श्रानिवासन

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृष्टिक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्प्रित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्: →

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन् के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनबृध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास् सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उनसे अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया प्याही।

## वन्स्ची

भूमि नेरकुनदम, सैदापेट (ढाक् मेंट 1431/82)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक : 11-7-83

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० 17974—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क ले अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं टी॰ एस॰ 106 है, जो सैदापेट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाक्सेंट 4302/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया नवा है द

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उपत ब्रिध-नियम के ब्रुधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के निए; आर/मा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लोगनातन नैद्वियार और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री पुन्तियकोडि

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृत्रांक्स सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में कए जा सकेंगे।

स्पर्णीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिर्धानयम के अध्याय 20-क में परिआविद है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

भूमि-टी० एस० 106, सैदापेट (डाक्मेंट 4302/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- मद्रास

दनांक : 11-7-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निदेश सं० 18389—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ौर जिसकी सं० टी० एस० 5727/2, है, जो 14/ठी०, सौत उसमान रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक् मेंट 2098/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पच्छाह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्वित के वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि——

- (क) ज़त्त्रण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम् के अधीन कर दोने के ज़त्त्रक की सामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्छ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा के लिए;

भतः अव, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरम में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रामदास और शनमृहम

(अन्तरक)

(2) श्री घनेसन

(अन्तरिती)

- (3) (वह न्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण-57, सौत उसमान रोड, मद्रास-17 (डाक्मेंट 2098/82)

> आर० पी० पिरूएँ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II मद्रास

दिनांक : 11-7-83

मोहर 🖫

# मुक्यु बार्ड ्टी पुन . एत . ------

# नायकर गिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मदास, दिनांक 11 जुलाई 1983

निद्देश सं. 17908—रतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त निधीनवम्' कहा प्या है), की पारा 269-च के अधीन समम प्राप्तिकारों को यह निश्वास करने का कार्य हैं कि स्थापर सम्भिकारों को यह निश्वास करने का कार्य हैं कि स्थापर सम्भिकारों हैं विवका चीजा बाबार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकीसं 12 ही, जो v/कास स्ट्रीट यूनाटीड इण्डिया कालोनी, मद्रास-24 में स्थित ही (और इससे उपाबव्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काठर बाखम (डाक्यूमेंट 4926/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक विसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती । अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-चं की उपधादा (1) के अधीन निम्नलिखित अपिकतयों अर्थातः ह— (1) श्री राजाती जगदीसन

(अन्तरक)

(2) श्री जलजा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उनत् सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप्र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पथ्यपिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण-12, v/ क्रास स्ट्रीट, यूनाइटेड इण्डिया कालोनी, मद्रास (डाक्यूमेंट 4926/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

दिनांक: 11-7-83

मोहर 🗈

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निवेश सं० 18233—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 135, है, जो कोठमबाखम है रोड मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाक्यूमेंट 3772/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

का पूर्विक्त संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रत्तिनसभापती

(अन्सरक)

(2) श्री सय्यद अहमद और अदर्स

(अ तरिती)

(3) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्थिति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त अब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

भूमि और निर्माण-135, कोठनमबााखम है रोड, मद्रास-34 (डाक्युमेंट 3772/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम ाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, मद्रास

दिनांक : 11-7-83

मोहर 🖫

प्रकप शाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17910-यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, है, जो सनकरापुरम I स्ट्रीट, क्लैमेडु, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमबाखम (डाक्यूमेंट सं० 4905/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय् या किसी भन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

का: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- (1) श्रीमती महयरनाम अय्यर और लकशमन (अन्तरक)
- (2) श्री नारायन और सनकरन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि नाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

पर्लंट—5, सनकरापुरम—I स्ट्रीट, चूलैमेडु मद्रास (डाक्यूमेंट 4905/82)

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

विनोक : 11-7-83

त्रक्य भाइ". टी. एन. एस. - - - ----

शायकर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के संधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निवेश सं० 17905—यतः मुझे, आर० पी० पिस्ले, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 34/3, है, जो पुलियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्सेंट 4946/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे ब्याने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय साय-कर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त सिधनियम, या धनकर सिधनियम, या धनकर सिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था छिपान में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10--226GI/83

- (1) श्री पनकजम्माला और बालसुनदर नायम्बर (अन्तरक)
- (2) श्री पी० रादाकृष्न

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण —-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसुची

भूमि--टी० एस० 34/3, पुलियूर (डाक्मेंट 4946/82)

आर० पी० पिल्सी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (िाक्षण) अर्जन रेज—] मद्रास्ट

दिनांक: 11-7-83

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17991—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे 174/1, है, जो विरुगमबाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विरुगमबाखम डाक्सेंट 1262/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीथ एसे अंतरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायता, उक्त अभिनियम के अभीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चिट्टि बाबू और कमलंकन्नं

(अन्तरक)

(2) श्री नेमिनासम

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मूँ प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

भूमि -सर्वे 174/1, विरुगमवाखम (डाक्यूमेंट 1262/ 82) ।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-II, मद्रास

दिनांक : 11-7-83

# प्रकृष कार्षं, दी, धन्, प्रव.------

याय तर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-व (1) के मंदीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17980—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, श्रायकर श्रीकिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चान् 'उका श्रीक्रियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीत सकम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पन्ति, जिसका छिंबत बाजार मृह्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 49, है, जो बारती दासन रोड, मद्रास—18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचं। में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (श्राक्यूमेंट 3133/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1982 को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दिसमान प्रतिफल से, एसे दिसमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ग्रम्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: शब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री आर० सारनगन और अवसं

(अन्तरक)

- (1) शोवना राजप्पा, 10 बीमन्न मुदली जारवन स्ट्रीट, मद्रास-18
- (2) सरस्त्रती वैद्यनायत, 6, सिवस्वामी अध्यर स्ट्रीट, मद्रास---4
- (3) राम्मा सामुएल, 27, रा० के० स्वामी नगर, मद्रास—10
- (4) ठी० वी० सालगन, 28, रा० के० स्वामी नगर, मदास—10
- (5) रा० सैमन, सी०-3 सी० एस० ई०, फ्लैट्स,70, बलफोर, मद्रास-10
- (6) बामा राजगोपाल, 16, फलवरस रोड, मज्ञास---84
- (7) गोपालकृष्न, सी०-89, ठिफनस कालोनी -न्यू० बेहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजैन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पति के घर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविश् , जो भी अविश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्त्रव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनसे अधिनियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रय रोगा, जा उस सक्याय में विमागया है

#### अन्सूची

म् $\Pi = 49$ , बर्रतो दासन रोड, मद्रास=18 (डाक्यूमेंट 3133/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अजन रेंज-Ш-, महास

दिनांक: 11-7-1983

प्रक्रम आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्याजयः, सहायक आयकर आयुक्तः (मि<u>र</u>क्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई. 1983

निर्वेश सं० 17906—यतः, मुझे आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इत. सं अधिक हैं

और जिसकी सं आर एस 134/1, 134/2, है, जो कोठमबाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम, (डाक्यूमेंट 4934/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 82 को पूर्थोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरिक (अन्तरितों) जीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण की लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे अधने वे सुविधा के लिए; बाँद्र/वा
- (क) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्विक्तयों, अर्थात् :---- 1. रनगनायकी और अक्ताचलम ।

(अन्तरक)

2. श्री दयानन्व जयश्री।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इत स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्वितियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्वित्याँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

## वृत्सूची

भूमि, आरक एस० 134/1, 134/2, कीठमबाखम, (डाक्युमेंट 4934/82) है।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास , दिनांक 11 जुलाई, 1983

निर्देश सं० 12524—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी स० कल्पना रोड है, जो ऊठुमल पेट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊठुमलपेट में (डाक्युमैंट 2657/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

वतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 अग्नगिरिस्वामी।

(अन्तरक)

2. नागराजन और अन्य।

(अन्सरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्रची

भूमि और निर्माण कल्पना रोड, ऊठुमलपेट (डाक्यूमैंट 2657/82) ।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-1983

प्ररूप जाइं.डी.एव.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-णं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कामकार काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1983

निर्देश सं० 12504--यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आश्वार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 26ए हैं, जो अनुष्पुपालयम, धादि रोख तिरुपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुपुर (डाक्यूमेंट 2446/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्यने में भूकिथा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. कोलैंडैबेलु ।

(अन्तरक)

2. रामलिंगम ।

(अन्तरिती

भी वह सूचना चारी करके पृत्रों कर तस्पत्ति के वर्धन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी क्यक्तियाँ पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिष-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंगा है।

## अनुस्ची

भमि और निर्माण 26ए, घादि रोड, अनुष्युपालयम, तिरूष्ट्र (डाक्य्मेंट 2446/83)।

> आर०ं पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-1983

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ते (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देण सं० 10074—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 41 है, जो कामराज नगर, ओलकरैं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओलकरैं (डाक्यूमैंट 1341/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूबिधा को लिए; और/या,
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री आर० दनलकशमी।

(अन्तरक)

 श्री सैमन जान इरुदयनाथन सैमन जान मेरी फलेविन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त काक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 41, कामराज नगर पावि, (डाक्यूमेंट 1341/82)।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के बंधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II. महास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० 10082—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 15, इलनगो अविगल स्ट्रीट, है जो राव बहादुर नगर मिलाठुवुरे में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मायुरम (डाक्यूमैंट 1117/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 82

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भाषत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. तिरुयानसम्बनदम् ।

(अन्तरक)

2. श्री के० राजगोपालन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कंजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण 15, इन्मनगो अदिगल स्ट्रीट, लाल बहांद्र नगर, मयिलाहुदुरै, (डाक्यूमैंट 1117/82)।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख 18-7-1983 मोहर : प्ररूप आह", टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निर्देश सं० 10091—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1686, 1656, 1690, 1657/2, 1656/1, 4 है, जो नार्थ III, IV, स्ट्रीट, पठुकोट्टै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठुकोट्टै में (डाकुमेंट 3188/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृष्टोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उन्त जन्तरण लिशत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; अध्रि/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

1. अन्नामले

(अन्तरक)

2. श्री रामस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविध या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्स्ची

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 1686/1, 2, 1656/1, 2, 1690, 1657/2, 1656/1, 4 नार्थ III, IV, स्ट्रीट,  $g_{\overline{g}}$ कोई (डाकुमेंट 3188/82)।

आर० पी० पिल्लै गुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजेश्री, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख 18-7-83 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री पी० सनकरविविल और अन्य।

(अन्तरक)

2. टेनजूर गार्किट कमेटी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 18 ज्लाई 1983

निदेश सं० 10097— न्यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० 3362/1, डी है, जो मन्तारगृड्डि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्नारगृड्डि में (डाकुमेंट 2778/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिधित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया ही।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ 3362/1 टी, मन्नारगुड्डि डाकुमेंट 2778/82),

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, मद्रास

नारीख 18-7-1933 **मोहरु** ॥ प्रकृत्वार्व .1. एनं , एस --------

भायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को मधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्राम

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० 12463—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च त उक्त अधिनियम नहा गया है) की भारा 269-क ने अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. स अधिक है

और जिसकी सं टी एस 7/1587, है, जो तियागी कुमरन स्ट्रीट, कोथम्बट्टर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट 5384/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्व कि तम्हित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्स में कभी करन या उससे बुधन में सूविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः विव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ;——

1. शिव सुशामनियन

(अन्सरक)

2. वल्लियम्माल

(अन्तरितो)

को बहु सूचना जारी करको पूर्वासित संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वेथ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए अ। सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितु हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

# अमृस्ची

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ 7/1587, तियागी कुमरन स्ट्रीट, कोयम्बट्र (डाक्सेंट 5384/82)।

आर०.पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारोख: 18-7-1983

मोहर 🕹

पुरुषु आहें... टी. एन्... एस..- - = =---

1. नंज भौदर

(अन्सरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ए (1) के अधीन स्चना

2. श्री जयकुमार

(अन्सरितं।)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

मद्रास, विनोक 18 जुलाई 1983

निदेश सं 12455—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पदनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी स० सर्वे 143/13, 144/1, 146/1, 146/2, है, जो येठपरूली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालाय कून्त्र (डाकुमेंट 1369/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्यत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को वर्णन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ता में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसुचीं

भूमि सर्वे 143/13, 144/1, 146/1, 146/2, येठेपल्ली (डाकुमेंट 1369/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, मद्रास

तारीख 18-7-1983 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्घना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 🚻 मद्रास मद्राम, दिनांक 18 ज्लाई, 1983 निदेश सं० 12450--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-🗷 के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रत. संबंधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 607, 608, 609 है. जो ओइयकुलम आरैमले में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनैमलै (डाकुमेट 1319/82) में रजिस्ट्रीकरण आधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याखक्त अधिनियमः, या धृन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम , की धारा 260- च के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा, श्री सी० वेलु और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री हीरालाल पी० मालनी

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्सियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ष्वारा अधेहस्ताक्षरी क पास लिखिस में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्ड अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विकः नमाही।

## अनुसुची

भूमि सर्वे 607, 608, 609 ओडयकुलम, आनैमलै (डाकुमेंट 1319/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , मद्रास

तारीख: 18-7-1983

बोहर:

# प्रकृष आहे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 18 जुनाई 1983 निदंश सं० 12523—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

अर्जन रेज [4, मद्रास

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य . 25,000 -रुपो से म्राधित है

और जिसकी स० टी० एस० 73 है, जो कनखमयालयम, वेनकटकूका रोड, उडुमलपेट में स्थित है (और इसमें उपाबछ अनुसूची मं और जो पूण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उडुमलपेट (डाकुमेट 2770/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वे कित संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पित्स का उचित शाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो अधार् ---- 1. श्री चिन्त गौडर और अदर्स।

(अन्तरक)

2. डाक्टर पी० एम० बालसुग्रामनियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

भूमि और निर्माण टी॰ एंस॰ 73, कनखमपायलयम, उड्डमलपेट (डाक्रुमेट 2770/82)।

आर० पी० पिल्लं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 18-7-1983

मोहर 🤢

परूप बाई• टी• एन• एस•----

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 🛚 । मद्राम

मद्राम, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निदेश सं० 12522--यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले धायकर प्रधिनियतः १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियमं कहा गया है, की घारा 269-ख के ध्रशीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर उन्होंन, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- ४० में अधिक है

और जिसकी सं० सरवे 710/1, 718 है, जो आश्विगौडनूर, उडुमलपेट में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजर्म्द्र कर्ता श्रीधिकार के कार्यालय, उडुमलपेट (डाकुमेट 2696/82) मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह विद्वास् जरने का कारण है कि स्थान्वों। मधानि र प्रचित्त बाज र पृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकार से, ऐते दृश्यमान प्रतिकान का पंद्रहुँ प्रतिशत अधिक है और प्रकारक (प्रनिरक्ते) कीर प्रनिरति (अन्तरितियों) के कीच ऐसे प्रकारण के लिए नम पामा गया प्रतिफल, निस्तिलिंखन उद्देश्य से उचन अन्तरण निखित में बास्तिक क्रम से कथिन नभी किया गया है क्रम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए का, फिलामें में सुविधा के लिए;

अतः प्रत, उत्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री लक्षमन स्वामी और दूसरे

(अन्तरक)

2 श्री एन० जे० चंडी श्री अम्मकुट्टी चंडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

अन सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना को तामील से 30 दिन की शविध, जो भी
  अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (त्र) द्वा तका कराज्यत्र में प्रकाशन की तारीख न २६ दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद स्व किसी भन्य स्थावित द्वारा, अधोहरताखरी के एक किस्तिन में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदा का, जो उनस प्रश्निमम, के प्रध्याय 20-क में परिणाणित हैं; बही अर्थ होगा जो उस ध्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे 710/1, 718, आडिगींडनूर, उडुमलपेट (डाकुमेंट 2696/82) ।

आर० पी० पिल्नै सक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, मद्रास

नारीख. 18-7-1983 मो**हर** ः। प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रीमती क्कमनी जयन्ती

(अन्तरक)

2 श्री दोरैराज

(अन्तरिती

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, मद्रास मद्रास, दिनाक 18 जुलाई 1983

निवेण स० 12462—यत मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कूहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी स० टी० एस० 7/61/3, हैं जो वेनकटकुष्न रोड, कोयम्बटूर में स्थित हैं (और उससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर में (डाकुमेट 5470/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्विषय से उक्त मंतरण निवित्त में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः। असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एम० 7/61/3, वेकाटकृष्न रोड, कोयम्बट्टर (डाकुमेट 5470/82) ।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहाक्रयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, मद्रास

तारीखः 18-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----श्री मानिख गौडर और दूसरे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

2. अबाबती

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 🏗 मद्रास

मद्रास, दिनाक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० 12770-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000 /- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० बैतिकृष्पम है, जो पाँडि मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप मे बर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाकुमेंट 3001/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 82

करे पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्टीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सुचना जारी करको पूर्वेक्त सम्पत्ति को वर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ख्विधि, जो भी मंबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण वैतिकृप्पम, पांडि (डाकुमेंट 3001/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  $\Pi$ , मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 18-7-1983

मोहर:

21 ---226GI/83

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. -----

1. हवा वाय

(अन्तरक)

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

 डाक्टर शिवकुमार सक्कु बाय

(अन्तिरती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्राम: मद्रास, दिनाक 18 जलाई 1983

निदेश सं० 12525—यतः मझे आर० पी० पिल्ले सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुठ. संअधिक है

और जिसकी सं० 228, 229 है, जो ऊट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊट्टी में (डाक्सेंट 834/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण 228, 229 ऊट्टी (डाक्स्मेंट सं $\circ$   $^{\circ}$  834/82) ।

आर० पी॰ पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख 18-7-1983 मोहर : पम्प आइं.टी.एन.एस, -----

मायकर मिधनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचमा

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मन्नास

मद्राय, दिनाक 18 जुलाई 1983

निदेश स० 17948—यत मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० 146 है, जो धीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इसन उपाबद्ध अनुभूची में और जो धूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिका कि कार्यालय, तीमनटलैंटम (डाकुमेट 907, 909/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का म्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक हम में कारियत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय ये। किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रादरन और कम्पनी,

(अन्तरक)

2. श्री अहमद, जुबिर , जनेसन, सैयद अहमद। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उबस सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि और निनर्माण-146, श्रीमस रोड, मद्रास-6। (डाकुमेट 907, 909/82) ।

> आर० पी० पिल्लै भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

नारीख: 18-7-1983

प्रकप बार्ड टी. एन . एस .

भाग्कर भिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभन।

#### भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 19 83

निदेश सं० 10073—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ल मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 26, कमबन नगर-II, स्ट्रीट, है जो रेठियारपालय पाठि में स्थितहै (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से, वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाँडि, (डाकुमेटा 1324/82) में "रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कम 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बनारण से हुई किसी जाय की बाबत, उसन बीधनियन के बंधीन कर दोने के बुन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए? ब्रीट्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

1. कानतिल टी० वोना

(अन्तरक)

2. श्री जगदामबाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## जबत सम्परित को कर्जन को सम्बन्ध में क्येड् भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अगुसुची

भूमि और निर्माण-26, कमबन नगर  $\Pi$ , स्ट्रीट, रेड्डियार-पालयम, पांडि (डाकुमेंट 1324/82)।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 18-7-1983 मो**हर** 

## प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को सधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, महास

मद्रास, दिनाक 18 जुलाई, 1983

निदेश स० 10266—यत मुझे, आर०पं।० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मा है), की धारा 2'69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू० से ग्रधिक है

और जिसकी स० आग० एस० 185/1, है, जो परिमल मुद्दलियार, श्रोट्टम पाडिचेरी में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप स वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाँडि (डाकुमेट 3180, 3181/82) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सपितत का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अति. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तिमां, अर्थात्:— 1 टी॰ सरोजा

(अन्तरक)

2 के० मुमती कलियपेस्माल

(अन्तर्गिती)

को यह सूचना जारी करंके पृवाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी धू से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ब) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण आर॰ एस॰ 185/1, परिमल मुदलियार थोंट्रम, पाडि (डाकुमेट 3180, 3181/82) ।

आर० पी० पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 18-7-1983

## प्ररूप आई. बी. एम. एख.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चृता

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राय मद्रास, दिनाक 18 जलाई 1983

निदेश सं० 17916—यत. मुझे, आर० पी० पिल्लें, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी से प्लैंट 34/13, जा न मा गरामरायन है स्निट, महास-33, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडमवाखम, (डाकुमेंट 4844/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसरबर, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्युष्ट से उच्त अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्युष्ट से उच्त अन्तरण के लिए त्य

- ्क) अन्तरण सं धुर्इ किसी आय की बायत, उत्वत जिथिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे विषये में सुविधा के लिए; बार्ड वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, मर्भातः --- 1. एम० के० सुन्दरराजन

(अन्तरक)

2. एन० लक्ष्मीतायार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाइत्रा करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम मे दिगा गया है।

## अनुसूची

पलेट 34/1, लक्ष्मीनारायनन् स्ट्रीट, मद्रास-33, (डाकुमेट 4844/82) ।

आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज , मद्रास

तारीख: 18-7-1983

प्रक्ष बाइ . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्मीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज II, मद्राम मद्राम, दिनाक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० 17951--यत मुझे आर०पी० पिल्लै श्रायकर पश्चितियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका चिवत बाजार मुख्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० 58 राखीयप्प मृदली, स्ट्रीट है, जो मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौमनटलैटस (डाकुमेंट 925/82) में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के एश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उ न बाजार मुख्य उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमात प्रति का पन्द्रह प्रतिणत ग्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तथ पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत पन्तरण **लिखित** में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क व्यन्तरण से हुइ किसी मार की गावत जगा मिन नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के शायित्व म कमी करने या उसन बवने में सुविधा के लिए; अीर/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधाके लिए:

नतः नवः, उक्त नियम की भारा 269-य के ननुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्रीमती मीनाक्षी सुन्दरम्माला, परमानन्दन.

(अन्तरक)

2 जमाल मोहमद नासर, मोहम्मद ईब्राहिम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तर्लाबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसची

भूमि और निर्माण 58, राखीयाप्प मुदली स्ट्रीट, मद्रास-4 (डाकुमेट 925/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज II, मद्रास

तार्रा**ख**: 18-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 🎛, मद्राम

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17947,—यतः भूझे, आर०पी० पिल्ले आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिनका उभित वाजार मूल्य 25,000/-र० से अभिक है

और जिसकी सं० 13, जो I, स्ट्रीट, डाक्टर तिरुमूर्ति नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और ्जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौमनटलैंट्स (डाकुमेंट 906/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से ग्रिधिक है और ग्रन्तरक (मन्तरकों) ग्रोर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पन्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन मे वास्तिक का में किथा नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बादन उक्त अधिनियम के ग्रियीन कर देने क श्रम्तरक के शिवस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए। और/या
- (ख) ऐसी किसा आप था किया धार या अभ्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनयम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. श्री सरस्वती और सेनबराज

(अन्तरक)

2. श्री रटन बेयल और दूसरे

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पृथींनत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

एका सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत श्रीषितियम के अठवाय 20-क में परिभाषित है, वक्षे अर्थ होगा, जो उस सहसाय में विमागया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण 131-, स्ट्रीट, डाक्टर तिरुमूरती नगर, मब्रास-34, (डाकुमेट 906/82)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज II, मद्रास

तारीख 18-7-1983 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निदेश सं० 18386—यतः मुझे आर० पी० पि १ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 167, 167ए, सर मोहम्मद उसमान रोड, है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी॰ दगर, (डाकुमेंट 2092/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिवक हम से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

मत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्री सी० सूर्यचन्द्रराव, सुशीला देवी,

(अन्तरक)

2. विवेक और कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भन्सची

भूमि और निर्माण 167, 167ए, मोहम्मद उसमान रोड, मद्रास-17, (डाकुमेंट 2092/82),

आर०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 18-7-1983 मोहर: प्ररूप आइ<sup>t</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास, दिनांक 18 जलाई, 1983

निदेश सं० 17985--यतः मझे आर०पी० पिल्लै,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उष्चित बाजार मूल्य 25,000/- रहः सं अधिक है

और जिसकी स॰ टी॰ एस॰ 3/1,2,4,5,75-83, और 85-100, है, जो कनखम्पालयम, उडुमलपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, नत्थ (डाकुमेंट 3658/82) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन निांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तमे अचने में स्विधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः असः, उनतः अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थाल् :——

1. दि पलनि आइंबर मिल्स लिमिटेड,

(अन्तरक)

2. पलिन आडंबर काट्टन और सिनवटिक स्पिनर्स, लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्यत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ 3/1, 3/2, 4, 5, 75-83, तथा 85-100, कनखमपालयम, उडमलपेट, डाकुमेंट 3658/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 18-7-1983 मोऽर प्रस्म बाइ. टी. एन. एस.-----

सामकार अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन तुमना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक प्रायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17942—-यतः मुझे आर० पो० पिल्लं वायकर विभिन्नया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 218, मोब्रेम रोड, है जो मद्राम-18 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बिणत है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौसनटलैट्स (डाकुमेंट 934/82), में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्रक लिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) मुख्यरण सं हुए किसी नाम की नाव्य उच्य अधि-विनय के अधीन कुट की से अन्तरक के बायित्व में करी करने या उससे वचने में सुन्या के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविका के लिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अधीन क्रिक्त

1. श्री टी॰ वी॰ रामैया, और अदर्स

(अन्तरक)

 श्रीमती कमलहासन, दौनी कमलहासन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-याहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिया में संकिसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माख्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस कध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण 218, मोब्रेस रोड, मद्रास-18, (डाकुमेंट 934/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 18-7-1 983 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17907—यतः मुझे आर०पी० पिल्ले शायकर स्थितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से सिधक है

और जिसकी सं० 20 है, जो संरकुलर रोड, मद्रास-24 स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठमबाखम (डाकुमेंट 4927/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए लन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिक्ष की निम्नितिसित स्व्योध्य से उक्त अन्तरण मिसत् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ते हुई फिली बाय की बाबत, उक्क जांभीनयम के ज्यीन कर बाने के जल्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती टी० के० सरोजिनी और 7 अन्य

(अन्तरक)

2. अयया मनी, सुन्नमनिय अय्यर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विकृ की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति का किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्न-विभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रवाह है।

#### अनल जी

भूमि और निर्माण-20, सरकुलर रोड, मब्रास-424 (डाकुमेंट 4927/82),

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. II, भोपाल

न्तः अन्त, उन्त अधिनियम, की भारा 269-म् के अनुसूरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म् की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित्त व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख 18-7-1983 मोहर 🖰 प्रस्प बाइ टी एन एस .----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० 17898—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 10 है, मनी स्ट्रीट है, जो सुन्नमिय नगर, मद्रास-24 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक् मेंट 4861/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी आय की बायत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

1. सदाशिव चेट्टी

(अन्तरक)

2. सूनदखेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त कृष्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षे होगा को उस अध्याय में दिय बवा है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण-10, सुब्रमनिय नगर, मनी स्ट्रीट, मद्रास-24, (डाकुमेंट 4861/82)।

आर०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 18-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

श्री पी० रामस्वामी

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

श्रादरन और ऊषा

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 ज्लाई, 1983

निदेश सं० 12461-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

अयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके ण्रचात् 'उक्त अवधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख दो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० 32/26ए, करुप्प घौडन, स्ट्रीट है, जो कोयम्बट्र मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र (डाकुमेट 5386, 5387/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करुने मा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कोलिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जनुके लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण 32/26ए, करुप्प घौंडन स्ट्रीट, कोयम्बट्र (डाकुमेट 5386, 5387/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 22-7-1983

## प्ररूप बार्द. टी. एन्. एस .-----

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ् (1) के अधीन् सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II स मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० 18385--यतः मुझे, आर० पी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ो है तथा जो कमला बाय स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर, (डाकुमेंट 2115, 2116, 2117/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री रामचन्द्रा राय रगडे

(अन्तरक)

2. श्री रंजन करनाड और अन्य

(अन्तरिती)

/----\

- (1) आर० कृष्ना वाई,
   कमला वाई स्ट्रीट, मद्रास-17
  - (2) निलनी वी० रंगडे
     6/279. शानित कुन्ज, सैयान ईस्ट,
     बाम्बे-400022
  - (3) मुकता पी० पंडित,4. गुरुबक्ती, मुलुनठ ईस्ट,बाम्बे-400081
    - (4) जयंत वी० रगडे,214, रिग्स ड्राइव, कलेमसन सौत,करोलिना ।
  - (5) इमडुकान्त राडु रगडे, (एच० यू० एफ०) 0/7, रा० टि० अय० सी० कालोनी, पोस्ट अटुलू, बलसार ।
  - (6) रगडे राम मोहन रा० 14, नंद∵न, स्वामी विवेकानन्द रोड, अन्धेरी, वेस्ट, बाम्बे-58
  - (7) राम चंद्रा, राय हैगडे, सी०पो०ओ०, 143, सिमील, कोरिया,
  - (8) लक्षमन, राय रगडे, 37, हिकरी हैट्स क्रिसेंट, किचनर, ओन्टरियो ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवृधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण 1, कमला बाय स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट 2115, 2116, 2117/82)।

ग्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-7-1983

प्ररूप बार्ड. टां. एन् । एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० 17929—यतः मुझे आर०पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का ्धित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 354 ट्रिपलोके न के रोड है, जो मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन, (डाकुमेंट 1068, 1969/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. सरोजा और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री शमीम अहमद' और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे (1)

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण 354, ट्रिपलिकेन है रोड, मद्रास-5। (डाक्रमेंट 1068, 1069/82)।

> अ।र०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 22-7-1983

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस. -⁴-----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बुधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० 12467—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 393/1, 2, धनपती कोयम्बतूर् में स्थित है (और इससे  $\sqrt[6]{3}$  उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 4570-4572/82, 4575-4577/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन 16 सितम्बर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या एससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भव, उक्त प्रिविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 14-226GI/83

(1) श्री एम० पलिनस्वामी और अदर्स।

(अन्तरक)

- श्री एस चिन्नास्वामी, किन्नमार नगर, सती रोड, कोयम्बत्र ।
- श्री के० नटराजन, 2 दासर लेन, जनपती, कोयम्बत्र ।
- श्री रंगस्वामी 52, सती रोड, धनपती, कोयम्बत्र ।
- 4 श्री पोन्नुस्वामी, 26, बी, पटेल रोड, कोयम्बतर।
- श्री एम० कार्तिकेयन, सेलविनिलयम 7 धनपती, कोयम्बतूर।
- श्री ज्ञानसमबंदम, 5, कालिस्वर नगर, कोयम्बत्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष्:---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की स्तरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 393/1, 2, घनपती । (डाकूमेंट सं० 4570–4572/82, 4575–4577/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 22-7-1983

मोहर 🔉

प्ररूप आई. टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० 12483--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 489/1 है तथा जो घनपती (डाकूमेंट सं० 4564/982) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाँधं पुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री वेंकटेसलूं।

(अन्तरक)

(2) श्री सेलव कुमार सेनितलनातन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि—सर्वे नं० 489/1, घनपती । (डाकूमेंट सं० 4564/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II<sub>,</sub> मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 22-7-1983

मोहर 🗓

प्ररूप बाह्रौ, टी. एन. एस. -----

न्नायकर भविनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-व (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० 17911—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000/- रुपये से अधिक **ह**ै

और जिसकी म० 26 है तथा जो X, एवन्यू मद्रास-82 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्मेंट म० 5007/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्मिल के छिंबत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रग्तरित को गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रम् प्रतिशत से धिक है धौर ध्रन्तरक (ब्रग्तरकों) धौर ब्रन्तरितों (ब्रग्तरित्यों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविधित हर्श्य से उक्तर अन्तर्ग निखित में वास्तविष्ठ कर से किया बर्श के स्वान

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों सेते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त शिंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कल्यान भूषतम् ।

(अन्तरक)

(.2) श्री स्यागराज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण—-26, X एवन्यू, मद्रास-82। (डाक् मेंट सं० 5007/82)।

आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जेन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 22-7-1983

# प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 21 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17938—स्यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै

**कायक**र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं० 1, है तथा जो सौत उसमान रोड़ मद्राप-17 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (डाकुमेंट सं० 2040/82) 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपंश्तिका उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निध्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री के० एम० जुबैटा और श्रदरस

(अन्तरक)

2. श्री अमिनातु रहिमा और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 'से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण-1, सौत उसमान रोड़ मद्रास-17। (डाकुमेंट सं० 2040)/82)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 21-7-1983

प्ररूप आध्र . टी . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जलाई 1983.

ि - निदेश सं० 17943—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,060/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव आरव एसव 533/10 है तथा जो नंगमबाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनट-लैट्स (डाक्सेंट संव 935-937/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल के एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) बौर अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संधूर्ण किसी आय की वायता, जनत अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दार्थित्य में कमी करने या उससे वृष्ते में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लीत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं 0 स्टरिलंग इन्टरप्राइजेज ।

(अन्तरक)

(2) उमा पोडार और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी भाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सुचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावद संपत्ति में हिस-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मुश्हेस्ताकृरी के पास लिखित में किए जा सकागी।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि——आर० एस० सं० 533/10, 1, स्टलिंग रोड, मद्रास-34 ।

(डाक्मेंट सं० 935-937/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I<sup>I</sup> मद्रास

तारीख : 22-**7-**1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - --

रस्. - - - - - (1) श्री एस० कृष्णमूर्ति ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द्र बोहरा श्री परस के० बोहरा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० 17957—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 177, कोटमबाखम है रोड तथा जो मदास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैट्स (डाक्मेंट सं० 951/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण--177, कोठमबाखम है रोड, मद्रास-34 ।

(डाकूमेंट सं० 951/82) ।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

तारीख: 22-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री किंदरेसन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० पी० राजू नायकर।

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज—11, मद्रास

मद्रास, दिनाक 2 जुलाई 1983

निवेश सं० 89/दिमम्बर/82—अत मुझे, आर० पी० पिल्लै

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० है जोराजपालयम गाव राजपालयम टाउन मे स्थित है (और इसमे उपाब इ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजपालयम (दस्तावेज स० 3154/82) मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मैं नम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाडत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कु— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## अनुसूची

भूमि—पजू मार्केट, राजपालयम टाउन। (दस्तावेज सं० 3154/82)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II मद्रास

तारीख : 2-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूणे

पूना, दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं० मी० ए० 5/37ईई०/83-84—अनः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, क्षेत्र 623, स्ववे० फीट पहिला माला प्लाट नं० 128 अनुष ग्रपार्टमेंटस पिपरी कालोनी ता० हवेली, जिला पूना है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 3 दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  (1) मैंसर्म बंधल कांस्ट्रकणन कां० , णाप नं० 9, 159 आर० बी० चेंबसं, पिपरी कालोनी, पूना-411017 ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक हनमतराव इप्पा, एम० एच० बी० 3/140, एम० एच० वी० कालोनी, गोखले नगर, पुना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में वियो जा सकरी।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

पलैंट नं० 3, पहिला माला क्षेत्र 623 स्पवे० फीट। प्लाट नं० 128, अपा अयार्टामेंट्स, पिपरी कालोनी, ता० हवेली, जिला पूना।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नंबर 2751 ता० 2-12-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> यायिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-5-1983

## प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए०5/एम० आर० 933/83-84--अतः मुझे, शशिकात कुनकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- राज्य का है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 128, 3 ए/1 ए/3ई, महांबलेख्वर है तथा जो तालुका महा बलेख्वर, जिना सातारा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक वाई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससं स्थन में सूविधा के लिए; बौर/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत आधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--15—226 GI/83

- (1) 1 श्री जगन्नाथ बहिह बावलेकर
  - 2. श्रो मावनाराम बहिरु बावलेकर
  - 3. श्रो त्काराम जगन्नाय बावलेकर
  - 4 श्री श्रीरंग मात्रनाराम बावलेकर मेटगुताइ, तालुका महाबलेक्वर, जिता सतारा,

(जनरक)

(2) श्री राहत रसोद बेग, 12, माणिक आजाद, 5, सेटलवाड स्ट्रीट, नेपियन सी० रीड, बम्बई।

(अस्तरियो )

क्यों ग्रह सूचना जारी करके पूर्वों वत सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 128/3 ए/1 ए/3 डी, महाबलेश्वर तालुका महाबलेश्वर, जित्रा सनारा।

क्षेत्र 85 आर है।

(जैसे कि रिजिस्ट्रोकित निलेख अप सं० 59 नारोख 18-1-1983 को दुष्पम निजंबित, वाई के दमरर पंतिज्ञा है।)

शिक्षानंत हाकगी सद्धन श्राधकरा महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग, पूना

तारीखा: 7-7-1983

प्ररूप भार्द्र, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० मिरज I/932/83— 84—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुपवाड, सर्वे नं० 38/2 बी, तालुका मिरज हैं तथा जो जिला मांगली में स्थित हैं (और इम्से उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक मिरज I में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— बापू परसु, पाटील कुलबाड, तालुका मिरज, जिला सांगर्ला चीफ प्रमोटर:

(अन्तरक)

(1) 2. श्री नारायण कृष्णा हेंरले, प्रगति सहकारी हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सांगली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 38/2 बी, कुपवाड, तालुका मिरज, जिला सोगली।

क्षेत्र 1 हेक्टेयर 26 आर है।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम सं० 2605, तारीख 27-12-1982 को दुय्यम निबंधक, मिरज I के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 7-7-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० संगमनेर 923/83-84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- एउ. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं० सर्वे नं० 370/1-1ए-2-ए सिटी सर्वे नं० 3557, संगमनेर तालुका संगमनेर है तथा जो जिला अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक संगमनेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जनवरी, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया एसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री भास्कर जिजाबा खताल, धांदरफल खुर्द, तालुका संगमनेर, जिला, अहमदनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री माधव गंगाधर काजले, 1686/87, रंगार गली, ता० संगमनेर, जिला अहमद नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संगमनेर सर्वे नं० 370/1-1ए-2ए, सिटी सर्वे नं० 3557, तालुका संगमनेर, जिला अहमदनगर। क्षेत्र 2075 आर है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० ऋम सं० 245 तारीख जनवरी, 1983 को दुय्यम निबंधक, संगमनेर के वफ्तर में लिखा है।)

> शशिकात कुलकर्णी सझन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-7-1983

भोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जुलाई 1983

निदेश सं० मो० ए० 5/एस० आर० नासिक/ 922/83-84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 692/1/13, प्लाट नं० 12, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार्रा के कार्यालय,

दुव्यम निबंधक, नासिक में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वस्य से उक्त अंतरण लिखित में बाग्वविक रूप से किथल नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरेक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एनी किसी आप मा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना को हए था. छिपाने को स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री केशव गोपाल भोपटकर, 12,परिचय सोसाइटी, 1000/6 ड, नवोपेठ परमार्थ निकेतन जवल, पूना-30।

(अन्तरक)

(1) जुयर्ला प्रफुल कुमार ठकुर
2 सौ० भावना जगदोश ठक्कर,
551/4, वालिया भवन,
एडनवाला रोड, माटूगा,
वम्बई-4000191

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तुत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोगे।

स्पद्धींकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर्वे नं० 692/1/1 बी, प्राटनं 12, नासिक, जिला नासिक ।

क्षेत्र 472.32 स्क्वेयर मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रोइन्त विलेख सं० क 1100 तारीख 10-3-1983 को दुय्यम निवंधक, नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी मक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना,

तारीख : 4-7-1983

मीहर :

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना-411004

पुना, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० करवीर/
918/83-84—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी
बायकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षमें प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- सं अधिक हैं

हा सं विध्य हैं
और जिसकी सं० सी० सर्वे नं० 1243/40 ई वार्ड है
तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्याजय, दुय्यम निबंधक करवार ; रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह अतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (कं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ऑस्तियों को, बिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तेत तार्थितियम, 1957 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अशोक नारायण वालावलकर, ई वार्ड सि० सं० नं० 1243/40, शिवाजी उद्यम नगर, कोल्हापुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अविनाश जिराजीराव नलवडे, 2. श्री चन्द्र कांत पिराजीराव नलवले, स० वार्ड सि० स० नं० 142, कोल्हापुर ।

(अन्तरितीः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45... दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के .पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

भूमि और भवन सि० सर्वे नं० 1243 40, ई० वार्ड, कोल्हापुर ।

क्षेत्र 184.77 स्क्वेयर मीटर। तल फर्श 184.77 स्क्वेयर मीटर। दूसरी मंजिल 184.77 स्क्वेयर मीटर। तीसरी मंजिल 122 स्क्वेयरमीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम सं० 4585, तारीख दिसम्बर, 1982 को (28-13-82) दुय्यम निबंधक, करवीर के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 1-7ड1983

## प्रकृष कार्दः टी. एन् व एसः —

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बम्बई/917/83— 84---अत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007- र. स जावक हु
और जिसकी सं० सर्वे नं० 1293/1/2 जिला नासिक सर्वे
नं० 235/1/1 और सर्वे नं० 236/1-2 कुलेवाडी, संगमनेर
जिला अहमद नगर सर्वे नं० 455/2/1, संगमनेर है तथा जो
अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और
पूर्णरूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दुय्यम निबंधक, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 विसम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
इरने का कारण है कि संभाप्चोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके इश्वमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिवक
रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-न के अनुसरभ भा, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं बस्तीराम नारायण दास सारडा लि० सूना महल, नेता सुभाष रोड, बम्बर्ड-400028 ।

(अन्तरक)

(2) किशन लाल सारडा, मैसर्स अस्तीराम एन० सारडा, कांग्रेस हाऊस, एम० जी०रोड, नासिक।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुस्ची

भूमि सर्वे नं० 1293/1-2, सिम्नर जिला नासिक 29 गुंठा ।

2. सर्वे नं० 235/1-1, 79 आर० और सर्वे नं० 236-1-2 60 आर घुलेवाली तालुका संगमनेर जिला अहमदनगर।

3. सर्वे नं० 455/2/1 संगमनेर जिला अहमदनगर, क्षेत्र 50 आर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम सं० 2420 तारीख 1-12-1982 की दुय्यम निर्वधक , बांम्बे के दफ्तर में लिखा है )।

शिशकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा : 1-7-1983

मोष्ठर :

## प्ररूप धाई • ही • एन • एस •-

## भायकर प्रविक्तियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के बंधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 जून 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/914/एस० आर. हवेली 1/83-84—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र• से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं 88/2, प्वाट नं 13, पर्वती है तथा जो पूना-9 में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, हवेली —I में रजिस्ट्रीकरण अधि—नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) भीर अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निखान में वास्तिक कुन से खिषान नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी अपन की बाबत, उन्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या जिसी घन या मन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर पंधितिबम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पंधितियम, या घन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या जिया जाना चाहिए था, डिपाने में संबंधा के लिए;

अतः भ्रम, उक्त भ्रिषिनियम की भारा 269-म के धनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री पी० जी० दाते]
 श्रीमती मीना एम० दाते
 द्वारा पी० डी० पाठक,
 42, मंगलधाम,
 17, नरीमन रोड,
 बम्बई~400057 ।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती लीला ए० लघाटे, प्लाट नं० 13, सर्वे नं० 88/2, गंगा सहकारी सोसाइटी पर्वती, पूना-411009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में इितबद किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का., को उनत प्रश्चिमियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और भवन सर्वे नं० 88/2, प्लाट नं० 13, पर्वती पूना-9 क्षेत्र 3600 स्क्वे० फीट है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम सं० 610 तारीख जनवरी, 1983 को दुय्यम निबंधक, हवेली—I पूना के दक्तर में निखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

ता**रोच** : 27-6-1983

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायक ५ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीम सुचना

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक सायकर भायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/907/एस० आर० 83-84---यतः मुझे, शशिकांन कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- हैं की अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गर्वे नं० 328, हिस्सा नं० 14, प्लाट नं० 19, ठाकुरली, तालुका कल्याण है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, कल्याण में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 20-12-82

को पूर्वीवर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्रा नारायण यशका क्षणिह
  - 2. श्रो बारिकशन दत्तामय कर्णिक
  - 3. श्रा मोहर दलामय कॉण ह
  - 4. श्री माधब दत्तामय कृणिक
  - 5. श्रो दिनसर तरहर कॉणिक ओमिया को०-आपरेटिव हााक्रींमग मोपाइटो आगरकर रोड, डोंबिबलो (ईस्ट) , जिला ठाना ।

(अन्तरक)

(2) चेयरमैन श्री मु० एस० आचार्य, सेक्रेटरांश्रा सोहोता, ओमिया अपार्टमेंट, आगरकर रोड, डोबिबली (ईस्ट), जिला ठाना ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचत संपत्ति के ग्रर्गन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी आक्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सक्या।

श्विष्टोकरणः — इसमे प्रयानत शब्दों और पदों का, जा उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

## अनुसूची

सर्वे नं० 328 हिम्सः नं० 14, प्ताट नं० 19, ठाकुरली गांव, तालुका कन्याण जिला ठाना ।

क्षेत्र 606 स्त्रवेथर मीटर।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत रिजेब ा० 2347, तारीख 20-12-1982 की दुव्यम निर्बेशक, कल्याण के दक्तर में लिखा है)।

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्रश्लिकारी सहायक आयकर अमयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 31 मई 1983

स्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राज्य में अधिक हैं

और जिसकी सं० सी० स० नं० 3087/2 अ, अहमद नगर है तथा जो जिला अड्मद नगर में स्थित है (और इसने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, अहमद नगर में रजिस्ट्रीकरण् अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिशा के लिए; और/या
- (ख) एंनी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्छ भारतीय आयक निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उन्ततं अभिनियमं की धारा 269-ण को, अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण को उपधारा (1) के अभीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--16—226 GI/83

(1) श्रीमती मालन बाई **जगन्ना**य रेणाविकर, गज बाजार, अहमद नगर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री प्रभाकर दत्तात्रय वावडे,

2 श्री राजेन्द्र मोहन धायडे, गज बाजार,

अहमद नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभसची

भूमि और अपन सिटी सर्पे तं० 3087/2आ ग्रहमदनगर जिसका क्षेत्रफल 4155 स्क्षेपर फार है।

(जैसे कि रिजिस्टीटत विलेख कम गं० 247, ज़िनवरी, 1982 को दुर्यभ निबंधक, अहमदनगर के दक्तर में निखा निखा है।)

> गशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख 3. - 331

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर कायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 जुन 1983

**निदेश** सं० सी० ए० 5/901/एस० आर० नासिक/ 8**3-**84--अत. मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० देवलाली गांव. सर्वे नं० 122/1+2, प्लाट नं० 4, है तथा जो तालुका और जिला नासिक में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-फर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, नासिक मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चैद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या शत्तसे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा डे सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री बी० हेरबर्ट जे० परेपा,
 62 ए, चिम्बाई रोड,
 बांद्रा, अम्बई-51।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री आदम हुमैन मुल्ला, साई कृपा अपार्टमेट, ब्लाक नं० 6, जुना आग्रा रोड, नासिक ।
  - श्री गोविन्द मोहन राव कोकिल, "प्रायी" बंगला बिटको फेक्ट्री जवल नासिक दोड (अन्तरक)

को यह सूचना जारी कारकं वूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यप्राहिया कारता हूं।

उक्त मंपत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस मुलता की राजपण में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविश्व या नत्म बंधी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जवांच दाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निवित में किए जा सकर्षी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

देवलाली गांव, मर्वे नं० 122/1+2, प्लाट नं० 4, तालुका और जिला नासिक ।

क्षेत्र 1663 स्क्वेयर मीटर है।

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम सं० 195, तारीख 13-1-1983 को घुट्यम निवंधक, नासिक के दफ्तर मे लिखा है )।

> णणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख . 1-6-1983 मोहर . प्ररूप बाईं. दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 31 मई 1983

निदेश स० सी० ए० 5/891/एस० आर० अहमद नगर/ 83--84---अत. मुझे, शामिकांत कूलकर्णी,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी स० सर्वे न० 282/1 वी, प्लाट नं० 3, सावेडी है तथा जो जिना अक्षमद नगर में स्थित है (आर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्री – कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्यम निवधक, अहमद नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सपरित के जिसत बाजार भूला से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त गंपरित का जिल्ला आजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे एश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित जिद्दाश्य से उपत अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है - —

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी जिसी आय या किसी धन यन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के. अनूसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिल व्यक्तियों, नर्भात्:—

(1) श्री वसंत वासुदेव संत, कोर्ट गली, अहमद नगर।

(अन्तरक)

(2) अच्युत दिगबर चौधरी, लाल टाकी के नजदीक, अहमद नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्स सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थात्रा। संपत्ति में हितब**द्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इगमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

## अनुसुखी

मौजे सावेडी सर्वे न० 282/1 बी, प्लाट न० 3, जिली अहमद नगर जिसका क्षेत्र 5005 स्क्वेयर फीट है।

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम स० 1123 तारीख 31~3-1983 को दुग्यम निबंधक, अहुमद नगर के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख \* 31+5-1983 मोहर : प्रकथ नाइं. टी. एन. एस.------

# भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 7 जुलाई 1983

निदेश स० सी० ए० 5/934/एस० आर०/ 85-84---अत मुझे, शशिकात क्लकर्णी,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम करने नर कारण है कि स्थावर सपित्त, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० माट न 0 1, स्माल स्केल इडस्ट्रीयल एरिया है तथा जो उल्हास नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबधक, उल्हास नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 फरवरी, 1983

को पूर्विक्त सपिता के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विका सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल में एस रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के आधित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चरिंहए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अवः, उत्थतं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्थत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कर्मचन्द लक्ष्मणदास संवलानी।

(अन्तरक)

भाग III--खेण्ड 1

(2) श्री हीरा चन्द आर० रोहरा
294/13, शिव मेयर को०-आपरेटिव
हाऊसिंग सोसाइटी,
पत नगर घाट कोपर,
बम्बई।

(अन्तरिती)

कः यह सूचना जारी तरक पूर्वोक्त सम्पत्त के वर्जन के लिए वर्षिक हिमा मुख्य करका ट्रा

उका बस्तरि है याओं । के सम्बन्ध में हो भी श्राक्षेप :→→

- (-) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की श्रविध सा गरसम्बन्धी अपित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्व) इा अचना य राजरत्न में प्रकाशन की तारी खंसे
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितदस
  किसी अन्य स्थावित द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  सिवित में किए जा सकोंगे।

ध्वष्टीकरण:---इसमें श्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो सकत अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,जा उस ग्रध्याय में दिय' गया है।

## अम्स्ची

प्लाट नं ० 1 स्माल स्केल ३ इस्ट्रीयल एरिया, उल्हांस नगर-४

फैक्टरी का क्षेत्र : 880 स्क्वेयर फीट । जमीन का क्षेत्र : 1176 स्क्वेयर फीट । (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख ने एप न 345 तारीख 4-2-1983 को दुय्यम निबंधक, उल्हास नगर के दफ्तर से निजा हैं।)

णशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख 7-7-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

सायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण)

अजुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 ज्लाई 1983

निदेण सं० सी'० ए० 5/935/एस० आर० उल्हास नगर/ 83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लाट नं० 1, स्माल स्केल इन्डस्ट्रीयल एरिया है तथा जो उल्हास नगर- 4 में स्थित है (और इप्तम उपाबड़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रं कर्ती ग्रिश गर्र के याथिलय दुय्यम निबन्धक उल्हास निगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित लाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिपाल में, ऐसे द्व्यमान प्रतिपाल प्र पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिक हम से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरणं से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्त्रिधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 259-ग के भ्रम्भरण मीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपध्यत (।) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कुशाल चन्द किशन चन्द,
 ब्लाक ए-203,
 क्रम नं० 405,
 उत्हास नगर-4

(अन्तरक)

 (2) श्री लेखराज एच० जेठानी, बैरक 99/रूम नं० 78, स्टेशन रोड, उस्हास नगर-3।

(अन्तरिती)

का यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सावन्धी व्यक्तियों प. स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, की भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

प्लाट नं० 1, स्माल स्केल इन्डस्ट्रीयल एरिया, उल्हास नगर-4 ।

क्षेत्र 133 स्क्वेयर यार्ड है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीहित विलेख श्रम मं० 347, तारीख 4-2-1983 को दृथ्यम निमन्धक, उल्हास नगर के दफ्तर में लिखा है ।)

णिमकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

**ारीख : 7--7-1983** 

माहर:

## प्रकृष आहुर्र. टी. एन. एस. - - - ----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भधीन स्वना

### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पून।

पूना, दिनांक 7 जुलाई सें 083

निदेश सं० सी० ए० 5/836/एस० आर०/ उल्हास नगर/ 83-84--यत. मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उदतः अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं० ब्लाक नं० सी 666, रूम नं० 1332, है तथा जो उल्हास नगर स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उल्हास नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उिचन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (भा) अन्तरण सह्र गिमी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या फिसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) भी अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हसनन्द केशव दास शहदपुरी, ब्लाक नं० सी 666, रूम नं० 1332, उल्हास नगर-4।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्यालाल लोकुमल मोटबानी, रूम नं० 68, ब्लाक नं० 34, उल्हास नगर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ब्लाक नं० सी 666, रूमनं. 1332, उल्हास नगर, जिला ठाना ।

क्षेत्र 285 स्क्वेयर यार्ड ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कम मं० 761, नारीख 7--3-1983 को दुश्यम निबन्धक, उल्हास नगर के दफ्तर में लिखा है।)

> मिशाकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सरायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख . 7-7-1983 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एन एस ------

**थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अ**धी**न सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं०. सी० ए० 5/37 ई/1983-84--अतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका जीचन बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1, दूसरा माला, पाकिंग स्पेस सह० ए विंग, क्लोप्टर सेन्टर, 7 मोलेदीना रोड, क्षेत्र पूना 1460 स्ववे० फीट है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, नं० 375/83-84 नारीख 17 मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकित सपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

(1) मैं सर्स विजय इंटरप्राइजेंज,
 515, रेवा चेम्बर्स
 न्यू मेरीन लाइन्स,
 बम्बई-20।

(अन्तरक)

(2) श्री हरेश नी० मिलानी, आणिर्वाद कन्य्ट्रक्शन प्लाट नं० 245, पिपरी'पूना-17 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## बम्सूची

फ्लाट नं० 1, दूसरा माला। (पार्किंग स्पेस सह०) ए विंग, क्लोबर सेन्टर 7, मोलेदीना रोड, पूना । क्षेत्र 1460 स्क्वेयर फीट।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख कम मं० 375/1983-84 तारीख 17-5-1982 को सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-7-1983

मोहर

प्ररूप आर्ड्ड टी. एन एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 265-व (1) के सधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भावकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

प्ना, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० मी० ए० 5/37ईई०/शा/1983-84—यतः मुझे, शशिकांन कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' तहा गया ही, की धारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी तो यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावन संपत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. स जीवव ही

और जिस्की मं० पनेट नं० 2. बिनीता अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 16 पार्वसी, पूना 9 है तथा जो पूना -9 में स्थित है (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन, नारीख नं० 405/384 ता० 28-5-1983 का पूर्वोक्त मंपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य सम्बे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (जन्तरितियाँ) के सीच एरिस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मजिएक उद्देषय से उक्त अन्तरण लिक्कित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचन में तिविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भें अधीन निकासित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री मुहाप्त नरायण नाथू, प्लाट नं० 46, नुजनी बाग ताले कालोनी, पुना-9।

(अन्तरक)

(2) श्रो गुरतीधर रंगराव कट्टी, 88/1-वा/2 पार्वाता , जिला गोविन्द अपाटमेंट्स, पूना-9।

(अन्तरिती)

को यह शृचना जारी करण पूर्नावन गपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजणत या प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविति
  व्यक्तियों गा से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवद्ध
  किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उत्प दाध्याय में दिया गया है।

### अमस्ची

फ्लैंट नं० 2, विनीमा अपार्टशेंटस, फ्लाट नं० 46, पर्वती पूना--9 ।

(क्षेत्र 667 स्क्वेयर फीट )।

(जैसे कि रजिट्री जिलेख नं० 405 नारीख 28-5-83 को सहस्र अस्पार आधुक्त (निराक्षा), अर्जा रेंज, पूना के दफ्तर में निखा है )।

> णिकात कुनकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भागाउर आहुका (गिरंक्षण) प्राचीन रेज — पृथा

तारीख . 7-7-1983 मोहर : प्रकृष बाद् . टी . एवं . एवं . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त श्राप्यत (निराक्षण) अर्जन रेज, पूना

पुना, दिनांक 7 ज्लाई 1983

निदेश सं० मी० ए० 5/37 ईहि०/208/1983-84--यत मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैटन० 116, पहला माला, सं विग क्लोहर सेन्टर, 7 मोजेदीना रोड, पूना ह तया जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रा वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख न० 376 17 मई, 1983

को प्वोंक्स सम्पर्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का १९) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सविधा को लिए;

अत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात :---

17--226 GI/83

(1) मैसर्स विजय इंटरप्राइजेस,
 515, रेवा चेम्बर्स,
 न्यू मरीन लाइन्स,
 बम्बई-20।

(अन्तरक)

(2) सी० वरमित कौर मन्होत्रा, फ्लैट नं० ए/2, लालदेवल हाऊसिंग मोसाइटी, पूना-1।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अ शेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुची

प्लैंट नं ० 116, पहला माला, सी ० विंग, क्लीवर सेंटर, 7, मोलेबीना रोड, पूना-1 ।

(जैमे कि रिजस्ट्रीकृत स० 376/83-84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के वप्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख : *7-7-*1983

प्ररूप बाद्र.टी. एन. एस. ------

## आयकर ब्रिजियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेत रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईईई०/207/1983-84--यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 7 दूसरा माला, प्लाट नं० 7 सी० स० नं० 1009/7, शिवाजी नगर, पूना—16 क्षेत्र 920 स्क्वेर फीट है तथा जो पूना में स्थित है (और इसगे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 413/31—5—1983

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की वाबत., उक्त श्रीधनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उणधारा (1) के जधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, वर्षात् प्र---

- (1) मैसर्स ए० वी० मुले आणि कंपनी, 1141 णिवाजी नगर, फरगुणन कालेज रोड, पूना । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती णिला धनराज कडाडी,937, णियाजी नगर,पूना-16।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

प्लैट न० 7, दूसरा माला प्लाट नं० 7 सी'० स० नं० नठ० 1009/7 शिवाजी नगर, पूना-16।

(क्षेत्र 920 स्के० फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 413/83-84 ता० 31-5-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-7-1983

## प्रक्ष वाद् . दी . एव . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर बम्बई, दिनाक 23 जुलाई 1983

निवेश स० नोटिस नं० सी०/आर०-62/36706/82-83 अतः मुझे मंजू माधवन,

अायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से बिधिक हैं

और जिसकी स० 25, हैं तथा जो कब्बन रोड, बेगलर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनसूची , और पूर्ण रूप से विणिन हैं) राजिस्ट्रोक्ती अधिकारी के कार्यााय, शिवार्जः नगर, में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूंल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गह है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिश्चित उद्देष्य से उसत अन्तरण कि बित में बास्तिवृक्ष क्य से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिला में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा था या किया वाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिस्त व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री कोरशद नादिर शिवाजी, केयर/आफ श्रीमती रति ईवेन, 14, चर्च स्ट्रीट, वेगलूर-1।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्म पापुलर कुरीस,
 न० 22, श्रृंगार ग्रापिग कम्पलैक्स,
 न० 80, एम० जी० रोड,
 बेगलूर -- 1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए -कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्मन्ध में कोइ' भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंबें 4 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2863/82-83 तारीख 17-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका स० 25 जो कब्बन रोड, बेगलूर ; स्थित है ।

> मजू माधव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. र

तारी**ख** : 23-7-1983

## प्रस्पु आहें, टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 जलाई 1983 निदेश सं० सी० आर० 62/36691/82-83--अतः मझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26(13) है तथा जो ।। मेन, यादव गिरी एक्सटेंशन, मैंसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के मैंसूर; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्लित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एघ० पी० गोविन्दाप्पा, 496, 11 कास, शिवाजी रोड, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरिक)

(2) श्री ए० जी० बमबाटकेरे,
 13, ।। मेन रोड,
 यादव गिरी,
 मैसूर।

(अन्त रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4505/82-83 नारीख 24-12-82) । सब संपत्ति है जिसका सं० 26(.13) जो ।। मेन रोड, यादव गिरी, मैसूर में स्थित है ।

मंजू माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 25--7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहःयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर
बेंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1983
निदेश सं० सी० आर० नं० 62/36348/82-83—अतः
मझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1184/12 है तथा जो 35 सिकास IV टी ब्लाक, जय नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यानय, जय नगर में रजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 16 दिसम्बर, 1982

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ॰ एस० आर० चारी और
2 श्रीमती मैतिलीयारी, आपके
जी० पी० ए० होल्डर
श्री के० एस० कृष्ण स्वामी,
नं० 26, आनन्द लोक,
नई दिल्ली-49 ।

(अन्तरक)

(2) श्री बंसीलाल मेहता, 380, वेस्ट आफ कार्ड रोड, 12, कास, Vःमैन, II स्टेज, राजाजी नगर, बेंगलुर-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाश;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतन उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2940/82-83 ता० 16--12-82) । सब संपत्ति हैं जिसकी सं० 1184/12, जो 35 'सी' कास रोड, 1V'टी' ब्लाक, जय नगर, बेंगलूर में स्थित है । संज माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, बगलूर

नारीखा : 15--7—1983

मोहरु 🗓

प्ररूप् आई. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, बेंगलूर बेंगलूर,दिनांक 16 जुलाई 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 36711/82-83--अतः मुझे,

मंजु माधवन

भायकर भिर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनन प्रिमियनं कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निण्नाम करने का कारण है कि स्थानर संगत्ति, जिसका उचित ग्राजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रीकिक है

और जिसकी सं० 766 है तथा जो विज्ञमनगरा I स्टेज एक्सटेंशन बेंगलूर-38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के ेचित बाजार स्त्य से कम के दृश्यमान अंतिकन के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका समान का उनित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राह्मिक है और अनारक (अन्तरको) और अन्तरिती (ब्रह्मिश्यमा) के जोच ऐसे अनारक (अन्तरको) और अन्तरिती (ब्रह्मिश्यमा) के जोच ऐसे अनारक (जन्तरको) लेख पाया ग्राह्मिक कि निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निष्यत में वास्तिबक का निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निष्यत में वास्तिबक का निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निष्यत में वास्तिबक का निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निष्यत में वास्तिबक का निम्निलिखत जो निज्य नम

- (क) अन्तरग स हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रांत्र-विश्वम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी . धन या अन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रीकिनियम, या अनकर अधिनियम, विश्वा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ए के अनुसर्ण भो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) श्री एन राधाकृष्णा सन/आफ एन० मुनिरत्नम रेड्डी, नं० 341, विन्नमंगला एक्सटेंशन, बेंगलूर-38।

(अन्तरक)

((2) श्री एम० बाला सुन्दरम, सन/आफ एन० मुनिरत्नम रेड्डी, नं० 766, बिन्नमंगला I स्टेज, एक्सटेंशन, बेंगलूर-38।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- फ) इस सूचना के राजा ज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2835,|82-83, ता० 16-12-82) सब संपत्ति है जिसकी सं० 766 जो बिन्नमंगला I स्टेज ए क्सटेंश्न, बेंगलूर-38, में स्थित है ।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलूर

दिनांक : 16-7-83

The American

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

## आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म् (1) के अधीन सुभूता

### भारत बुरकाङ्क

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1983 निदेश सं० नोटिंग नं० 37212/82-83-अतः मुझे, मंजुमाधवन

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह पिश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1708 है तथा जो आर० सो० मो० बिल्डिंग सूर्या सामिल रोड, एम० सी० रोड, हुनसूर में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुनसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नौतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है ---

- (क) अम्तरण सं हुई जि़ल्ली आव की बाबत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करुने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ बन्तरिती इ्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा का लिए;

भतः स्वा, स्वतं अधिनियमं की भारा 269-यं को, अनुसरम मो, मी, अक्त अधिनियमं की भारा 269-यं की उपधारा (1) के स्थीन, निस्तिस्थितं स्थितस्यों, स्थित् हिन्स

- (1) श्रीमती रशीदा बेगम वैंक आफ डा० अमानुल्ला शरीक 2ैं मिस सरवर ताज 3. मिस सरैयां वेगम डाटर आफ लेट जनाब सैय्यद अहमद न० 29, [X ऋास, शिवाजी रोड एन० आर० मोहल्ला, मैसूर।
  - श्री सैयद मुस्तफा पाशा, क्लाथ मर्चेट,
     394/18 IX फ्रास ब्लाक जय नगर,
     बेंगलूर--II।
  - 5. श्री सैयद समियुल्ला अहमद और
  - श्रीमती इकबाल उन्नीसा, ऊपर एड्स में रखते हैं।
- (2) 1. श्री मुस्ताक अहमद
  - 2. श्री इफ़तेकर अहमद
  - श्री मुलफीकर अहमद
  - श्री अफजाम अहमद
  - 5. श्री अब्दुल सत्तार केयर आफ सूर्या वुड इंडस्ट्रीज, एम० सी० रोड, हुनसूर, मैसूर ड्रिस्ट्रिक्ट।

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए पा सकने।

स्पक्तीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1479/82-83 ता० 22-12-82)। सब सपत्ति न जिसका सं० 1709 जो आर० मी० मी० बिल्डिंग सूर्यी सामिल रोड, एम० सी० रोड, हुनसूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 15-7-1983

## अस्य बाह् . टी. एन. एस.-----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारक सहकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1983 निदेश सं० मी० आर० 62/36714/82-83 मुझ मंजु माधवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित शाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 33 (28 ए) है सथा जो मिल्लस रोड, सिविल सटेशन. बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक कारी के कार्यालय गाधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल सं, एसे श्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी ध्न या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गांधनकर अधिनियम, गांधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था किया जाना चाहिए था छिपारे मेंस्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अनंत बाल नटराज अरम द्रस्ट, द्रस्टीज : श्रीभती बसवाजम्मानि यव्र
  - 2 श्री:मती स्त्रााम्मिन (श्रीमिती स्वरना गोपाल राजे अरस और
  - 3. श्री एम॰ जी॰ राम गोपाल अरस, रुकम।लया, नजरबाद, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री: टीं० जमरूथ, सन आफ ट्रप्पू अब्दुल गफ्फार साहेब, 5/1, लेंडी कर्जन रोड, शिवाजी नगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथाँक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यबाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2903/82-83 ता० दिसम्बर, 1982) सब संपत्ति है जिसकी सं० 33 (28/ए) जो मिलर्न रोड, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज बेंगलर

तारीख : 23-7-1983

सोहर

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस., -----

जायकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जून 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 573/82-83--अत: मुझे, मंजु माधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 106 है तथा जो तेलगांव ग्राम इल्हास तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इल्हास पणजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कि सित् नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन् किसी जाय की बाबत, उच्छ अभिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर्-या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा से तिए;

1. (1) श्री लुसीनो जोबीरा फसीसको पीटो।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती पाडलिया एस० रेमीडीओस फुरटडो पिटो कल्लन गुट बारडेझ ।
- (2) श्री गिरीश या केणी दादा वैडासी रोड, पणजी गोवा।

(अरतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के चिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा!
- (त) इस स्चना की राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

"स्पूळतीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों आहैर पदों का, जो उक्छ, विभिन्नियम, के मुख्याय 20 क में प्रिशाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्माह ।

### अनुस्ची

डाक्मेंट सं० 559/82-83 तारीख 17-12-82। पर्लंट जिसका नं० 106 है प्लाट तेलीगांव ग्राम इलहास तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

नतः अस, उसत अधिनियम की धारा 269-म के अमृंसरन मो, मों, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---8--226 GI/83

तारीख: 10-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलोर, दिनांक 10 जून 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 571/83-84--अतः मुझे, मंजु भाधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 214 और 215 है तथा तेलीगाव ग्राम इलहास तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, इलहास पणजी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जनवरी, 1983

को पूर्णोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; आरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्री लुसीनो जोविरा फ्रांसीसको पिटो निवासी कल्लनगूर तालुक बारडेस गोवा ।
 श्रीमती माडेलिया डोस रेमेडी उस फुरटेयाडो पिटो, निवासी कल्लनगूर, बारडेस तालुक, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द जी० केणी, बोका डेवास्का, पणजी,गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों क्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

(डाक्मेंट सं० 64/82-83 ता० 15-1-1983 । ) प्लाट जिसका नं० 214 और 215 : प्लाट तेलीगांव ग्राम इलहास तालुक में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख : 10-6-1983

प्ररूप्, आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलोर, दिनांक 10 जून 1983

निवेश सं० नोटिस नं० 570/82-83--अतः मझे, मंजुमाधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 78 है तथा जो तेली गांव ग्राम इलहास तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलहास, पणजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 जनवरी, 1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान ने सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसर्फ में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟—— (1) 1. श्री लुसीना जोविरा फ्रांसीसको पिटो 2. श्रीमती मार्डः लिया डोस रेमीडीओस फररगाडो पिटो, कल्लटयर बारडेनगु, गोवा।

(अन्सरक)

(2) श्री गिरीश मा केणी, दादा वैडिया रोड, पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त म हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(डाक्मेंट सं० 570/82-83 ता० 14-1-83) फ्लैट जिसका सं० 78 है प्लाट तेलोगांव ग्राम इलहास तालुक में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 10-6-1983

प्रकृष भाई० टी॰ एन॰ एस ०---

ब्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269•व (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलौर बंगलोर, दिनांक 10 जून 1983

नोटिस सं० 569/82-83--यतः मुझे, प्रायकर विधिनियम; 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'छस्त अधिनियम' कहा बया है); की आरा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- विश् से अधिक है.

और जिसकी सं० प्लाट नं० 223 है, जो नेलगांव ग्राम इल्हास ताल्लुक मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास, पणजी मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7--1-1983

को पूर्वेक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमा प्रतिकल के लिए धरतित की वई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे पृथ्यमान प्रतिकल का पर्माह प्रतिकत से प्रधिक है धौर प्रस्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे धरतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित सहेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बाइतविक कम से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई विक्री आय की बाबत, करत बाधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या कससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर धिष्टियम; 1922 (1922 का 11) या उपत धिष्टियम, या धन-कर पिष्टियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती दारा अकृद नहीं किया बया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविक्षा, के किय;

श्रतः अव, उवन अधिनियमं की खारा 26 अग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की घारा 26 अथ की अपघारा (1) के अधिकः निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :--

- i. (1) श्री लुसीनो जोविटा, फांसीसको पीटो
  - (2) श्रीमती अंडलिया डोस रेमीडीओस फुटयाडो, पिटो कल्लनगुर, बारडेम।

(अन्तरक)

2. श्री आनन्द जी केणी बोका डी वास्क पणजी गोवा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी, कदके पूर्वीक्त सम्पति के,अर्जन के लिए कार्मवाहिमां कडता हूं।

उनन् सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में सोई भी धाओप !--

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबिध या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की शब्दा, वो भी शब्दा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी सम्बद्धांक्त द्वारा, सम्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शक्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिसाधित है, वही सर्व होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

डाक्मेंट नं॰ 30/82-83, दिनांक 7-1-1983 फ्लट जिसका नं॰ डै॰ 223, फ्लैट तेलगांव ग्राम इलहास तालुक में उपस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहानक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख: 10-6-1983

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसोर

बंगलोर, दिनांक 10 जून 1983

नोटिस नं० 568/82-83--यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य और जिसकी सं प्लांट नं 72 और 277 है, जो तेलीगांव ग्राम तिसवाडी तालुक इल्हास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास, पणजी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री लुसीनो जोबिटा फ्रासिसको पिटो
- (2) श्रीमती अडोलिया डोस रेमीडीओस फ़ुट-याडी पिटो दोनों रे/ओ० कल्लनगुट बारडेझ, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री आनंद जी केणी बोका डे वास्का, पणजी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्रं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष. किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिष्ण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

डाकूमेंट नं० 45/82-83, दिनांक 11-1-1983 प्लांट जिसका न० 72 और 277 संपत्ति तेलगांब ग्राम तिसवाडी तालक इल्हास।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 10-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 10 जून 1983

नोटिस नं० 572/83-84--यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लांट नं० 82 है, जो तेलीगांव ग्राम इल्हास ताल्लुक में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 7-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकार्ते) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) श्री लुसीनो जोबीटा, फ़ांसिसको पिटो (2) श्रीमती अडेलिया डोस रेमीडीओस फुटयाडो का पिटो आर०/ओ० कस्लनगुर बारडेझ। (अन्तरक)
- श्री गिरीश मा केणी दादा वैडिया रोड़, पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

डाकूमेंट नं 17/82-83 ता 7-1-1983 प्लांट जिसका नं० डै 82, प्लांट तेलीगांव ग्राम इलहास तालुक में उपस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 10-6-1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर बेंगलोर, दिनांक 20 जुलाई 1983

निर्देश सं० 36744/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० 41/2 पुराना सं० 34 है, तथा जो नन्जप्पा रोड़ णांतीनगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे

न-जप्पा रोड़ प्रांतीनगर बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप प्रसे वर्णित हैं), रजिस्द्वीय कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख | 10-1-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए——  श्रीमती सरोजा देवी, नं० 26, 11 मैन रोड़ पलेस गृहाहल्ली बेंगलूर--31

(अन्सरक)

 श्री पी० पलमीस्वामी, नं० 17, 1 'ए' मैंन रोड़ सुधामनगर बेंगलूर-27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त प्रवास
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं। '

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों आरे पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

(बस्तावेज सं० 3520/82-83, तारीख 10-1-1983)]

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 41/2 पुराना स० 34 जी नन्जप्पा रोड़ शांतीनगर बेंगलूर-27 में स्थित है।

मंजु माधवन ′ सक्षर प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 20-7-1983

प्ररूप आर्द्ः टीु एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलुर, दिनांक 23 जलाई 1983

. निर्देश सं० सि० आर० 62/38132/82-83--यतः मुझे,

मंजु माधवन

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 (113/1) है, तथा जो 1 मैंन, शेशाद्रिपुरम् बेंगलूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शांतिनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकाल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकाल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसिचित उद्विष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक् रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण ते हुई किसी जान की बाबस, खचस सिंभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कभी करने या उत्तरी व्यन में सुविधा के सिए; और/मा
- (म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निल्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री एम० बि० सम्पसन, सन/आफ एम० मनुयल, IV-सि० क्रास, पैपलन, एशवश्तापुर, बेंगलूर। (अन्तरक)

 श्री रानाचांद जैन,
 श्री मनोहरलाल एस० परेक, सं० 1, अचेपेट आर० टि० स्ट्रीट, कास, बेंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित को सूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (अ) इत्यु सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बागित पर्दों का, वो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

् (दस्तावेज सं० 3624/82-83, तारीखं 15-12-82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 1 (113/1) जो 1 मैन, शेशाब्रिपुरम, आर० एम० गुट्टाहल्ली, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 23-7-1983

# प्रकृप बाइ .टी.एन.एस. -----

अ।यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्भीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलर, दिनांक 20 जुलाई 1983

निर्देश सं० 36713/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० नया सं० 5 है, तथा जो 1V क्रास, राममोहनपुरम नागप्पा ब्लाक बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या य, द्यीरामपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-12-1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिव है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त लिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाय की नावतः, उनकः जीवृतियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; जीर/या
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या भनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मोंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

19—226 GI/83

- 1. श्री एस० वेंकटसुब्बाराजु और बच्चे, नं० 4, XI कास ,आर० टी० टेम्पल स्ट्रीट, बेंगलूर-53। (अन्तरक)
- 2. श्री एस० कृष्णय्या राजू, नं० 5, IV क्रास, राम-मोहनपुरा एक्सटेंशन नागप्पा क्लाक, बेंगलूर-21। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सुव्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

# जनत सम्परित् के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येय :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांकत मूं में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छीक रणः – इसमें प्रयुक्त . शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुत अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

(दस्तावेज सं० 3261/82-83, तारीख 27-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० नया सं० 5 जो IV कास राममोहनापुरम, नागप्या ब्लाक बेंगनूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 20-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायव यायवर बायवस (निरीक्षण)

् अर्जन, रेज, बेंगलूर

वेंगलूर, दिनांक 20 जुलाई 1983

निर्देश मं० 37237/82--83--यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परचात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रःपये से अधिक **है** और जिसको सं० 33 नया सं० 83 है, तथा जो II कास शंकरपूरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वसवनगर्डा में रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1983 को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृत्य हे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एपे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तक पाया गमा प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण त हुई किसी आय की बाबतः, उक्त लिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---  श्री डी॰ एस॰ कुमार सन/आफ श्री डी॰ एस॰ सुब्रमणयम ,डी॰ नं॰ 33, II क्रास, गंकर-पुरम, बेंगलूर-4।

(अन्तरक)

2. श्री हेच० सुब्रमण्या जीयिस ,सन/आफ श्री एन० हिरिचन्ना जीयिस ग्रडवोकेट, नं० 150/36, नेशनल है स्कूल रोड़, बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कार के पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के निष् एतद्द्वारा कार्यनाहियां कारता हुं।

उन्त सम्मति के पर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष, जो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सक्तें।

स्यक्तिकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो इस अन्याय में दिया गया है।

### अम्स्ची

(दस्तावेज मं० 3683/82-83, तारीख 19-1-83) सब सम्पत्ति है जिसका मं० 33, तथा सं० 83 जो II क्रास गंकरपुरम, बेंगलूर-4 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 20-7-1983

प्ररूप माई • टी • एत • एस •-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) क मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 20 जुलाई 1983

निर्देश सं० 37214/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसक प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन अक्षम आधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिमका उचित बानार मूल्य 25,000/- व० मे अधिक है

और जिसकी सं० 927 है, तथा जो 18ए मैंन ब्लाक राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1982

का पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबन प्रकन सक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसा प्राय या किसी बन या प्रस्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिखिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) % प्रयोजनार्थ प्रन्तिर्मित क्षारा प्रकट नहीं किया गुरा जा राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्रीमती सरला राघवन केर०/आफ श्री एल० एस० पुरुषोत्तम ,नं० 164, सौत कास रोड़, बसवनगुडी, रोड बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री ए० रामप्रसाद, नं० 413, कडि रोड बेंगलर 10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके प्रांचित सम्पत्ति के **ध**र्जन के लि<mark>ए कार्यवाहियां करता</mark> हूं।

जुनन सम्यति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन का नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्त्रश्रीसरण: ---इतमें प्रयुक्त जन्दों मौर पदों का, जो छक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

(वस्तावेज सं० 3624/82-83 तारीख 15-12-82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 927, जो 18ए मैन रोड V व्लाक, राजाजीनगर,, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधकत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 20-7-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 जुलाई 1983

निर्वेश सं० सि० आर० 62/37217/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन,

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत श्रिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिषकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 14/1, है, तथा जो X ए-मैन रोड़ मल्लेक्वारम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्रं बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नियं अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वाम करों हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच ऐसे प्रस्तरण के लियं तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रमारण जिल्लित में बाक्नविक एप से कपित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से ब्रुई जिसी आय की बाबत, ७४त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी निसी प्राय या लिसी घ्रम या ग्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयश्चर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-नर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान ग्रन्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान ग्रन्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या विषय जाना नाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उच्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बि० के० प्रकाश, सन/आफ लेट० बि० जि० कुप्पान्ना ऐयगार, सं० 107, शयित्रदेवि पार्क एक्सटेंनशन, वैयालिकावल, बेगलूर-3।

(अन्तरक)

चलाना निर्देशक, नयोदाया सहकारा बैक लिमिटेड,
 235, संपिगे रोड़, मल्लेश्वाराम, बेंगलूर।
 (अन्तरिती)

सो यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

|उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाओप :--

- (क) इप स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूजना के राजपार में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहरूताक्षरी के पान लिखान में किए जा सर्केंगें।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्राधिः नियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथे होगा, जो उन ग्राध्यान में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3512/82-83, तारीख 15-12-82) सब संपत्ति है जिसका सं० 14/1, जो X-ए-मैन रोड़, मल्लेम्बरम, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख . 16-7-1983

रक्त प्रार्क दी एस एस .-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाइर 269-चु (1) के मुभीन सुचुना

#### भारत सरकार

र्कायांलय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 जुलाई 1983

नोटिस नं० 37215/82-83--यतः मुझे, संजु माधवन, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 14 है, तथा जो 10ए मन रोड़, मस्ले- एवरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

मनरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15~12~1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विष्वास करने का कारण है कि यभापवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किम्निवित् उच्च क्य से उक्त बन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से किम्निवित् उच्च क्य से उक्त बन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से किम्निवित् उच्च क्य से उक्त बन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से किम्निवित् उच्च क्य से उक्त बन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से किम्निवित्त उच्च क्या स्वा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी कारने जा उससे बचने में स्विधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती विजया प्रकाश, वाहफ आंफ श्री बी० के० प्रकाश, नं० 107, गायत्रीवेवी पाकें एक्सटेंशन वयालिकावल, बेंगल्र-3।

(अन्तरक)

2. मनेजिग डायरेक्टर, नवोदया सहकार्रा बैंक लिमिटेड 235, सम्पिगे मल्लेक्वरम, बेंगलूर। (अन्तरिती)

को वह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्वंत के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित, में किए जा सकेग।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(इस्तावेज सं० 3513/82-83, तारीख 15-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 14 जो X 'ए' मैन रोड़ मल्लेश्वरम ,बेंगलूर-3 में स्थित है।

> मंजु माधनन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 16-7-1983

# अक्ष अही. टी. एस. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यां लय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 20 जुलाई 1983

नोटिस सं० 37172/82-83—यत मुझे, मंजु माधवन आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० (पुराना 75/77) नया सं० 71 है, तथा जो लब्बे मसजिद स्ट्रीट सिविल स्टेशन, बेगल्र में स्थित है (और इसरो उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ध्य में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-1982

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गृथा है है—

- (क) अन्तर्ण से हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आध या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

अप्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अधीत्:— 1. वि मद्रास ई-भाकियातस सालिहात अरेबिक कालेज, वेलूर, तमिलनाडु महमडन चारिटेबल इन्स्टिट्यूशन, आफिस वेलूर में है नित, आरकाट डिस्ट्रिक्ट उमके प्राते-निधि ये हैं सेक्रेटरी और मैनेजिंग ट्रस्टी अलहाज एस० एम० अब्धुल जामाद साहेब, जमीलाबाद, मेलवाश्रम, नित आरकाट डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

2. श्री एस० शफी अहमद, 35/1, 1 स्ट्रीट, माडेल कालोनी ,यशवंतपुर, बेंगलूर-560022। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पत्ति के वर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

(बस्तावेज सं० 2730/82-83, तारीख 15-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 71, पुराना सं० 75/77 जो लब्बे मस्जिद स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेंगलूर मे स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 20-7-1983

प्ररूप भाइ : टी. एन्. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलर, दिनांक 20 जलाई 1983

निर्देश सं० थि० आर० 62/36675/82-83—यतः मुक्को, मंजु माधवन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1-5-411 एण्ड 1-5-411 ए०, एस० सं0 36-12 है, तथा जो हैमेबल विलेज, मंगलूर सिहि में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटि मे रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-12-1982

के: पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में अविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीत्:—

 श्री के० रामचन्द्रा राव, मन/आक के० रामा राव, गरचेट, बन्दर, मंगलुर।

(अन्तरक)

 श्री रोनल्ड वि० एल० कोलको, सन/आफ कासमीर लियोनाई कोलको, केयर/आफ मेसर्म जि० ए० पै और कम्पनी अरोजा बिल्डिंग, हुम्पनकट्टा, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के .राजपत्र में प्रकाशन की तारी श से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गमा है।

# अनुसूची

(दस्तावेज मं० 585/82-83, तारीख 23-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका स० 1-5-411 और 1-5-411/0, एस० मं० 36-12, असाव कृषि संबंधी स्थावर सम्पत्ति है, जो डेराबेल विलेज, मंगल्य सिटी में स्थित है।

मंज् माधवन सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

नारीख: 20-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलुर, दिनांक 20 जुलाई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 37173/82-83—यतः सुझे, भंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रत. सं अधिक ही और जिसकी सं० 253/ए० है, तथा जो X III कास रोड, विश्वमन्गला II स्टेज में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण ध्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-82 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एभे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक स्थ से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधों के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--  श्री जीव आरव लक्ष्मीनारायणा, नंव 394, सीव एमव हेचव रोड़, II स्टेज इंन्दिरानगर, बेंगलूर-38।

(अन्तरक)

2 श्री एम० सुरेणकुमार, नं० 94, विक्टोरिया ने औट बेंगलुर-47 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# जनुसूची

(दस्तावेज सं० 2742/82-83, तारीख 8-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका मं० 253/ए ब्लाक जो विन्नम्गला II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38 में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 20-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मृजना

भारत संस्कार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, विनांक 18 जुलाई 1983

निर्देश सं० नोटिस सं० 36703/82-83- —यतः मुझे, मंज माधवन,

अग्रयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उजत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 334 है, तथा जो I स्टेज, विक्रमन्गला इंदिरानगर , बेंगल्य में स्थित (और एसमें उपण्वाद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख 21-12-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एंसे इश्यमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष से उवत अन्तरण निम्तर में बाम्बरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी काय की कायत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अभने में सूविधा के जिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिण्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 20-226 GI/83

- श्रीमती जी० सुदा बाई, 206/12, VIII क्रास, हनुमन्तनगर, बेंगलूर-19।
   (अन्तरक)
- 2. श्री सुरेण भक्तराय पन्जवानी श्रीमती अनिता पन्जवानी, के०/आफ श्री बी० के० पन्जवानी, नं० 78, नन्दीदुरग रोड् एक्सटेंशन, बेंगलूर-46।

(अन्तरिती)

क्षे ग्रह मुचना कारो करके पूर्वों कर सम्पन्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

लक्त सम्मिल्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी इस सं 45 दिन की अविधि मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलाकत में किंग जा सकारों।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में खिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2914/82-83, तारीख़ 21-12-82) सब सन्पत्ति है जिपका मं० 334 जी विश्वमत्मला I स्टेज, इंदिरानगर बेंगलुर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1983 निर्देश सं० नोटिस सं० 37183/82—83—यस: मुझे, ज माधवन.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 62/11 (पुराना नं० 62) है, तथा जो 41 कास III मेन VIII ब्लाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अग्र या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधों के सिए;

1. श्री बी० एम० रामकृष्णा, नं० 1165, II मैन रोड़, अणोकनगर, मन्डया।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निलनी बी० राव, नं० 34टी०, 33ए० कास 16 मैन, IV ब्लाक ,जयनगर, बेंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यिकरणः — इसमें प्रय्कत शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-फ़ में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तायेज सं० 3098/82-83, तारीख 15-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 62/11 जो 41 कास, III मैन, VIII ब्लाक जयनगर, बेंगलूर-11 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेंज, बेंगलूर

अतः अअ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 23-7-1983

⊀१हर∶

प्ररूप बाइ . टी. एन्., एस., ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के स्पीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1983 निर्देश सं० नोटिस सं० 36684/82–8**3∽^**यतः मुझै, iंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, तथा जो आन्जनेया टेम्पल स्ट्रीट लिगशेट्टीपेट (कब्बनपेट) बेंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-12-1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण • में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री बीं मुख्यपा
  - (2) श्री महेण कुमार
  - (3) श्री गानेश्वर

नं० (2) और (3) श्री बी० मुरुदप्पा के बच्चे हैं, उनके प्रतिनिधि हैं, उनके स्वाभाविक संरक्षक बाप श्री बी० मुरुदप्पा हैं वे नं० 27, आन्जनेया टेम्पल स्ट्रीट, लिंगगेट्टीपेट, बेंगलूर-21 (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० लक्ष्मीनारायणा

(2) श्री वी० नारायणा नं० 27, I फ्लोर, आन्जनेया टेम्पल स्ट्रीट, लिगशेट्टीपेट, बेंगसूर-2ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज मं० 2732/82-83, नारीख 2-12-82) सब सम्पत्ति है जिसकी मं० 27 जो आन्जनेया टेम्पल स्ट्रीट, लिगभेट्टीपेट (कब्बनपेट) बेंगलूर-2 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 23-7-1983

प्ररूप आइ". टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 42) की धारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकेर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

और जिसकी स० 13, कारपोरेशन २० 63 है, तथा जो V मैन, V ब्लाक, जयनगर, बेगलूर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 22-12-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल से, एसे द्रुवमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सबिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियो, अर्थात् — श्री एस० बी० पुट्टाराजू
श्री एस० बी० नारायण, न० पी० 17, 30
श्रास रोड, कञ्जनपेट, बेगलूर।
(अन्तरक)

2. श्री मदनजाल जैन, श्रीमती पृथ्पा बाई, न० 14, लक्ष्मी मारकेट, ग्रावनागल्ली, राम्मन्नापेट, बेगलूर सिटी। (अन्तरिनी)

को यह स्थना आरी करके पृथा कित सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सकता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत म्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिक्नि में िए जा रकोग।

स्पष्टीकरण:---- इसमा प्रयक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो तथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया ही।

# अन्सूची

(दस्तावेज स० 3463/82-83, तारीख 22-12-82) पत्र परपत्ति है जिसकी बीठ बीठ ए० संठ 13, कारपोरे-शन नठ 63 जो V मैन, V ब्नाक, जपनगर, बेगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहाय हे आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 20-7-1983 मोहर प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्कक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1983

निर्देश सं० नीटिस मं० 37177/82-83---यतः मुझे, मजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्वाग करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 31 हैं, तथा जो डिफोंस कालोनी, मैन एच० ए० एल० II स्टेज, बेंगलूर से स्थित हैं (और इसमें उत्ताद्ध अनुन्ति से और पूर्ण रूप से विधन है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति को गई है और एमें यह विश्वास करने का कारण है। के यथापूर्वीवत संपत्ति का उवित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिधाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--  मेजर बी० एन० रंगनाथन, सुपुत्र स्वर्गीय बिट्टलपुर नारायण अवधानी द्वारा लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन (पी०) लिमिटेड, मुवर्णा भांदेकर बिल्डिंग वास्को-डा-गामा।

(अन्तरक)

2. श्री नवलराय ताराचन्द मिरपुरी, श्रीमनी ज्योति एन० मिरपुरी, नं० 101, नाथन रोड, हैफोंग मेन्शन, 12/ एफ० एन० फ्लैट नं० 5, कौटून, हांग-कांग द्वारा श्री एम० बी० भुलचन्त, नं० 99 श्रिगेड रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित मो किए जा सर्कोंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2799/82-83, तारीख 15-12-82) नग पम्पत्ति हैं जिसकी तं० 31, जो डिफेंस कालोनी II मैन, एव० ए० एक० II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख . 19-7-1983 मोहर 🖫 प्ररूप मार्च. दी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेगलूर, दिनांक 20 जुलाई 1983

निर्देश सं० नोटिस न० 37238/82-83—यतः, मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 70 है, तथा जो गाधी बाजार, बसवनगुडी, वेगल्र से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1983

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तयिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री ए० नारायणस्थामी,
 श्री एन० जगदीण, श्री एन० सतीण नं० 30, III क्रांस रोड, कब्बनपेट, केंगल्र-2।

(अन्तरक)

2. श्री के० एस० सुरेन्द्रा गुप्ता, श्री के० एस० पार्थासारथी, श्री के० एस० दण्डायुधापाणी, 443/ए०, एस० बी० रोड, वी० वी० पुरम, बेगलुर-4।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 3686/82-83, तारीख 19-1-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 70 जो, गाधीबाजार, बसवनगुडी, बेगलूर-4 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख . 20-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 476/82-83-यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मर्वे नं० 191 और 192 है, जो हलस बालु ग्राम कसबा डोबकी, चिक्कमगलीर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कमगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के गधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री नजुंडे गौड़, पुत्त स्वर्गीय सूट श्री रुद्रेगौड़ काफी प्लांटर निवासी कब्बीनहल्ली, चिक्कमगलोर तानुक।

(अन्तरक)

 मास्टर संघवी हन्सराज पुत्र श्री संघवी धरमचंद, माइनर गाजियन निवासी पाम जी रोड, चिक्क-मगलोर टाउन।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन या अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1378/82-83, तारीख 1-12-82) संपत्ति जिसका नाम है "धनलक्ष्मी अस्टेट" संपत्ति जिसका सर्वे नं० है ,191 और 192, संपत्ति हलसबालु ग्राम कसवा होबली, धिक्कमगलूर तालुक में उपस्थित है।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 30-7-1983

माहुर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेगलौर, दिनांक 30 जुलाई 1983

निर्देश संब नोटिस नं० 475/83-84--यत., मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० पास नं० 58/मी०/डी० और 31/10सी०/एम० एफ० है, जो मार्केट फोरंट एरिया धारवाड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धारवाड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-12-1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोधत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्वास्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी ठरने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. टिप्रपान में मुनिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री माधवराय सुपूत्र श्री मोर देवर वैगनकर,
 पी. बी. रोड, कैंगनकर कम्पाउन्ड,
 भारवाड।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री सहदेव कृष्णाजी सांगलीकर,
  - (2) श्री रामचन्द्र कृष्णाजी सांगलीकर, नेहरू मार्केट, धारवाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की मारीस से 45 दिन के भीतर उत्ता स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताअरी के पास . लिखित में निग्जा सकेगे।

स्पष्टिकिरणः ---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हो, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया हो।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1523/82-83 दिनांक 4-12-82) संपत्ति जिसका सी० टी० एम० नं० है 31/10मी/ एम० एफ० और 58/सी०/डी०, संपत्ति धारवाड मार्केट फोरंट एरिया मे उपस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलौर

तारीख: 30-7-1983

अरूप आई ० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० नोटिस सं० 577/83-84, /अर्जन बी०— यत:, मुझे, मंजु माधवन,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम ऽाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3289 है, तथा जो V बी० वार्ड, एम० सी० सी० ब्लाक, एस० नं० 355 दावनगेरे सिटी में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दावनगेरे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-गंके अनुसरण गों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21—226GI/33

गिश्री एस० एन० अर्जुन सुपुत्र श्री नवनीत, दावनगेरे सिटी, एम० मी० सी० बी० ब्लाक, बाटर टैंक के पास है, दावनगेरे।

(अन्तरक)

2. श्री बी० एन० रामचन्द्रा राव, सुपुत्र निन्गोजी राव, 195, अणोक रोट, दावनगे रे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4697/82-83, तारीख दिसम्बर 82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 3289 जो V बी० वार्ड एस० नं० 355, एम० सी० सी० ब्लाक, दावनगेरे सिटी में स्थित है।

> मंजु माध्रयत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारी**ख**: 5-8-1983

प्रक्रप आह<sup>4</sup>. टी. एन्. एस. - -- -भागकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बंबई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्वेश सं० ए० आर०-2/3467/82-83--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अधिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं सी टी एस नं 360 (प्लाट नं 306 और अपेर सिं किए पी एस 3 वेरियली और फायनल प्लाट नं 403 आफ टी पी एस नं 3, बोरियली है तथा जो वोरियली में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20~12-1982 का प्वेंक्ति संपत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के रुखमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रुखमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सकते अपयान प्रतिफल का पित बाजार मूल्य सकते अपयान प्रतिफल को लिए तथाया गया प्रतिप्ति की निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आर्थिया
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

 श्री गुरसरन मोनीराम अडवानी और श्री हरीसधो-राम बांभानी

(अन्तरक)

 मैं० कोमल कौतेय को-आपरेटिव हाउमिंग मोलायटी लिमिटेड।

(भ्रन्तिरती)

3 माद्रोती।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्**ची**

अनुपूती जैप कि जिलेख सं० 1402/1981 और जो उप रिज ट्रार जन्त्रई आरा दिनांक 20-12-1982 को रिज-स्टर्ड किया गया है।

> एस० -एच० श्रद्ध्यास आविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

जर बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीखाः 2-8-1983

मोहरः

(अन्तरक)

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन स्चना

वेसाई ।

(1) मैसर्स लासैन ऐंड टक्को लिमिटेड ।

(2) श्रीमित अंजनी एन० देसाई और आनन्द एम०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं० ए० आर०-1/37 ई ई-63/83-84--अतः मुझे आर० के० बकाया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, सर्वेन्टस रूम, और गराज है तथा जो नेपीअनसी रोड में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को इरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

कीं यह सूचना जारी करके पृक्षीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

फ्लैट नं० 3, सर्वेटस रूम नं० 15 और गराज नं० 14 के साथ, हनवंत भवन 80ई, नेपीअनसी रोड बम्बई 400 026 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका ऋ० 1/47/82-83 और जो सक्षम प्राधिक।री द्वारा दिनांक 6-12-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🖷 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् 🖫 —

विम्नांक: 10-5-1983

प्रस्प धार्षं ही । स्वय एस •--

# मायकर भविनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा 26% व (1) के मंत्रीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल 1983

निर्देश सं० अर्जन इलाका $-\mathbf{1}/37$  ईई/102/82-83- अतः मुझे आर० के० बकाया,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या फ्लैंट नं बी-1, (गराज के साथ), पृथ्वी अपार्टमेंट, अल्टमाऊंट रोड, बम्बई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और जिसका करारतामा आयकर अधिकियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन दलाका-1, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 9-12-1982 को रजिस्टी है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा ग्या इंटै:——

- (क) अन्तरण से सुद्दिकती माय की वायत, उक्त ओधनियम के अधीन अन्द देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने दा उससे बचने में सुविधा के सिए और/पा
- (ख) ऐती किसी श्राय न किसी श्रम या श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या धनकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त नीर्धनियम की भारा 269-ग को जन्करक मों, मी, उक्त निधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) पृथ्ती कन्स्ट्रंक्शन प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) डा॰ भगवान रोबी राम अमेसूर और श्रीमित गोपी भगवान श्रमेसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तापील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदीं का. जो उनन ग्रिवियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा जो उस शब्दाय में विया गया है

### अनुसूची

(फ्लैट नं० 1, बिल्डिंग न० बी०)
फ्लैट नं० बी० 1, रक्षत्र 28वीं मंजिल, पृथ्वी अपार्टमेंट,
21, अल्टमाऊंट रोड, बम्बई 400 026 में स्थित ।
अनुसूची जैसा की, अर्जन इलाका-I/74/82-83 और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में, सक्षम

अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका-I अम्बई द्वारा विनांक 9-12-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है। आर० के० बकाया

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक 16-4-1983 I

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई दिनाक 8 जून 1983 निर्देश सं० ए० आर० 1/37 इ० इ०/47/83----84---अतः मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. स अधिक है

और जिसकी मंख्या जी० शाप 3, ग्रांडड फ्लोर ताहेर मेन्शन, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायदी है तथा जो नेपिअन सी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन नारीख 21-12-1982 को रिजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिश्वित उद्देष्य से उस्त अन्तरण निश्वित में वास्त- विक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण में हुई किसी आय की सानत उन्हें जिसे नियम के वधीन कर दोने के बजरफ के दायित्व हो कमी करने या उससे बजने में सूर्विधा के निर्म; और या
- (ण) ऐसी किसी आप मा किसी भर या स्तय आस्ति की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की निए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्लाम रसुल नुर मोहम्मद

(अन्तरक)

(2) श्री मुनील हरिहर णास्त्री

(अन्सरिती)

(3) श्री मुनील हरिहर णास्वी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह स्वना आरा करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्रंभी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

जी णाप 3 ग्राउंड फ्लोअर ताहेर मेन्शन, को-आपरेटिय हाउसिंग मोसायटी, 8/10 नेपिअन सी रोड, बम्बई 400 026 अनुसूची जैसा कि अर्गन इलाका ऋ० 1/83/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 21-12-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1ि बम्बई

विनांक 8-6-1983 मोहरः प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 1 प्रगस्त 1983

निर्वेश सं० एल० सी० 649/1983-84-अतः मुझे, पी० जे० तोमसकूटी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कासरगोड में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रंजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय कासरगोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और्/या
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० कृष्णा, अस्मिणी का पुत्र अडकल बेहल, करन्तकाळ, कासरगोळ

(अन्तरक)

(2) श्री के० हरिराय कम्मल विद्यानगर, कासरगोड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकांशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

0.86 acress of land in Kasargod village as per schedule attached to Doc. No. 2907 of S.R.O. Kasargod.

पी० जे० तोमसक्रुटी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जंन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 1-8-1983।

प्ररूप बार्ड . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्धना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 1 अगस्त 1983

निर्देश सं० एल० सी० 650/1983-84—अत: मुझे, पी० जे० तीमसकुटी

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कासरगोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कागरगोड़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री बी॰ कृष्णा, अम्मिणी का पुत्र अडकत्त बेड्ल, करन्तकाड, कासरगोड।

(अन्तरक)

(2) डा० के० अनन्त कम्मत, हरिराम कम्मन का पुत्र, विद्यानगर कागसरगोड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

0.62 acres of land in Kasargod village as per schedule attached to Doc. No. 2908 of S.R.O., Kasargod.

पी० जे० तोमसकुटी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 1-8-1983

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनाक 1 अगस्त 1983

निर्देश सं० एल० सी० 651/1983-84—अतः मुझे, पी० जे० तोमसकुटी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कामरगोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री बी० कृष्णा, अम्मिणी का पुत्र अञ्चकत्त बैदल, करन्तकाड, कासरगोड ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० कृष्णा कम्मत, के० हरिराय कम्मत का पुत्र, अडकत्त बेइल, करन्तकाड, कासरगोड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करफ पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्**ची**

1.01 acres of land Kasargod village as per schedule attached to Doc. No. 2909 of S.R.O. Kasargod.

पी० जे० तोमसकुटी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—

दिनांक : 1-8-1983

मोहरु 🛭

प्रकृप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुनृता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 1 अगस्त 1983

निर्देश मं० एन० सी० 652/83-84-84 मुझे, पी० जे तोमासकुटी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हु

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कासरगोड़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कासरगोड़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्जार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री ई० एम० अब्दुल रहिमान एहमद इब्राहीम का पूल, काशी लेन, कासरगोड ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० भुहम्मद छलाहीम के उम्मर का पुत्र बगण कुन्तु, कासरगोड (2) सैनबा के० एम० इन्नाहीम (3) बी० अञ्दुल रालाम (4) सैनबा यू० अब्दुल सलाम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीनर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उबत स्थावर सम्मत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वमुस्ची

11.25 Cents of land in Kasargod village as per schedule attached to Document No. 2914 of 1982 dt. 14-12-1982 of Sub-Registry Office, Kasargod.

यी० जे० तोमसकुटी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 1-8-1983

मोहार 🤳

22-226 IG/83

प्ररूप आई टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की, धारा 269-घ (1) के अधीन राचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश मं० जी० आई० आर० आर 188/एक्वी०----अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000 - रा. से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 8-ए है तथा जो टैगोर टाउन इसाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय इसाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-12-1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपन्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण दो निर्मातय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपन यन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाय को बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में भृतिक्षा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए धा, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रेम कुमार अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) मेजर राजकुमार काक, इर्ष्टिवजय कुमार काद

(अन्तरिती)

(2) श्रीमित बी० एन० काफ (फिरागेदार) वह व्यक्ति जिससके अधिभोग में सम्पत्ति है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए काथवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तन्संबंधी न्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समान होती हो, के भीतर पर्योकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो जा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अम्सूची

माकत नं० 8-ए स्थित टैगोर टाउन इलाहाबाद और वह सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण गेलडीड व कार्प 37-जी 7304 में विणित है तथा जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रशाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेज, लखनऊ ▲

दिनाक 13-7-1983 भोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक अध्यक्त वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जुन 1983

निर्देश पं० जी० आई० आर० संख्या आप-187/एक्वी--अनः मुझे, ए० प्रसाद

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो सिक्षिल लाईन भुरादाबाद में स्थित है (और इसने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिल्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्धरण र हार किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन भार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आए या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— (1) श्रीमति चन्द्र कान्ता

(अन्तरक)

(2) श्री रामप्रकाग कतियाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

# मन्सची

प्लाट भूमि सहित पैमाईशी 144.00276 स्वयायर मीटर है जो कि सिविन लाईन मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 8327/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 20-12-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

दिनांक 28-6-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जून 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आर—186/एकवी०— अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि प्लाट है तथा जो सिविल लाईन मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-12-1982

को पूर्वोग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी भाग की बाबत, उक्त वृधिनियम के गुभीन केर बोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसे किसी आब या किसी भन या बन्य बारितुयों को जिन्हों भारतीय अग्रक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, कुर्गात् :--- (1) श्रीमति चन्त्र कान्ता

(अन्तरक)

(2) श्रीमित रमेश कुमार

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त, सम्यूत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के नर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्किरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममुसुची

प्लाट भूमि सहित पैमाइशी 144.00276 स्क्वायर मीटर है जो कि सिविल लाईन मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या-8326/82 में बर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिमांक 20-12-82 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 28-6-83

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष (1) के अधीन मुचना (1) श्री श्याम किशन कपूर।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन लाल सहगल

(अन्तरितोः)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जून 1983

निर्देण सं० जी० आई० आर० संख्या के 118/एक्बी०----अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी संख्या ग्लाट है तथा जो सिविल लाईन मुरादा-बाद में स्थित हे (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय मुरादा-बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-12-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रितिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निचिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरंण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अपने करने या उसने बचने में सु<sup>0</sup>नभा के लिये, शीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए:

भतः अँगः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थान् :--- को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धा व्यक्ति हो पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित्स में हित-गद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट पैमाईणी 449.558 स्क्वायर मीटर जोकि सियिल लाईन मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 9966/82 में वर्णित है जिसका पंजी-करण सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 31-12-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सज्ञम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरोक्षण), अर्जन रेज, लखनऊ,

दिनांक: 28-6-1983

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टो. एन एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज लखनऊ लखनऊ, दिनाक 18 मई 1983

निर्देण स० जी० आई० आर० सख्या एम—156/ एक्वी०——अत मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सख्या प्लाउ न० 14 है तथा जो मो० रसूल पुर नव अवद परगना व तहसील चायल इलाहाबाद में स्थित है (और इसन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनाक 17-12-1982

का पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक ही और अतरक (जतरकों) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच एसे अतरक (जंतरकों) और अत्तरिती कन्त्, निम्नालिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित में बास्तिम्क रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुइ किती बाय की बाबत, उक्त जिम्मित्सम के अभीन कर दोने के बन्दरक के दासित्व में कमी करने या उसने बणने में सुविधा के लिए; ब्रॉट/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्त शाहिए था स्थिपने में स्विभा के सिए;

अल अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, स्थीत् :— (1) श्री मीताराम पाण्डेय सचिव, दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एव निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, इलाहाबाद।

(अन्तरकः)

(2) मौ० सादिक

(अन्तरिती)

(3) दि प्रयाग उपनिवंशन आवास एव निर्माण सहकारी समिति लि० इलाहाबाद ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करक पृष्ठांवत सम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन का अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस बच्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट न० 14 आराजी न० 108 में से पैमाइशी 170 70 स्ववायर मीटर है जोकि मोजा रसूलपुर नव अबद परगना व तहसील चायल जिला इलाहाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सलडीड व फार्म 37-जी सख्या 7588/82 में विणित है जिसका पजीकरण मब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यानय में दिनाक 17-12-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, लखनऊ,

िताष 18→5-1983

मोहर

प्ररूप. आहाँ, टी. एन. एरा. ----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत' सरकार

# कार्यालय महायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मई 1983 निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एफ 32/एक्बी०— अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी संख्या भीम व बिल्डिंग है तथा जो 195/98/
1 गोला गंज जगत नारायन रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),
रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
3-12-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वरस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथु पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक लय से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अनिवर्ग किने, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या विस्था जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिधा के लिए:

अतः इत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमर्ता अबिदा मुल्तान बेगम
  - 2. श्रीमर्ता दौलत आरा बेगम
  - श्रीमतं मेहरूक्तिमा बेगम
  - 👍 श्रा इब्राहीम प्रलंखां
  - 5 आबिद अली खां
  - ७ रजा अली खां
  - 7. तूरब अर्लाखां
  - ८ रबाब फातिमा

(अन्तरक)

(2) तजमुल मुकातिब द्वारा मिच मौलाना-गुलाम अस्करी साहब

(अन्तरिती)

(3) श्रीसफदर अलीखां व अन्य

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) पुत्र पुत्री व पर्त्नाश्री सफदर अलीखां
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

भाग भूमि व बिल्डिंग सादिक मंजिल पैमाइकी 12065 स्क्लायर फिट जो 195/28/1 गोला गंज (जगत नारायन रोड) लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडींड व फार्म 37-जी संख्या 4859/82 में विणित है जिसका पंजी-करण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-12-82 को किया जा चुका है :

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ,

दिनाक: 6-5-1983

प्ररूप आई.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई 1983 निर्देश संख्या जी० आई० आर० संख्या जी-266/ एक्वी०--अतः मुझे, ए० प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ' 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक है और जिसकी मंख्या आराजी 151, 152, 153 हैं तथा जो मोरपूर, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1982 को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और म्भे यह विश्वास वरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

> (ख) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या -

पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कर, जिन्हें भारतिय आहु र प्राचीन में 192 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) इ अधीन जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) नवजीवन सहकारी आवास समिति दरभंगा कालोनी, डलाहाबाद ।

(अन्तरक

- (2) श्रीमति सन्ध्या पाठक
- (3) उपरोक्त अन्तरक ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आराजी नं० 151, 152 व 153 का भाग पैमाईश 960 स्क्वायर यार्ड जोकि मोरपुर इलाहाबाद में स्थित है जिसका समस्त विवरण सेलडीउ व फार्म 37—जी संख्या 7308/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निर्र∷क्षण अर्जन रेंज, लखनऊ,

दिनांक 1-7-1983 मोहर: प्रकृष भाई० टी० एन० एस० ---- ---

मायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, बिनांक 21 जुलाई 1983

निर्देश संख्या जी० आई० आर० संख्या ए-119/एक्वी०-अतः भुक्ते, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 56 है नथा छो सराय मोरखान इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे बहु जिक्ष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूक्य, उसके दृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक है भीर अम्परित (अन्तरितयों) के बीच छेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन छुदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) 1. श्री ठाकुर राजेन्द्र बहादुर सिंह
  - 2. श्रीमति सुशील कुमार
  - 3. कुमारी शैलकुमारी

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अशोक कुमार
  - 2. श्री विनोद कुमार
  - 3. श्री अनूप कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके नुवीका सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां सरता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्द्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# मन्सूची

मकान नं० 56 जोिक सराय मोरखाना इलाहाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जीं संख्या 6846 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी), अर्जन रेंज, लखनऊ,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—23--226 GI/83

दिनांक: 21-7-1983

मोहर ः

त्रक्ष्यु बाइं. दी. एम्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ,दिनक 21 जुलाई 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एन-62/एक्वी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित आधार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बंगला नं० 14 भी/32 है तथा जो स्टैनली रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने के कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिकल से एसे दृष्ट्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वाजस, उक्स जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के ब्रायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री दुर्गा शंकर द्वारा अटार्नी श्री कनकलाल
  - 2. मंज् भटनागर
  - 3. डा० सुमन भटनागर
  - 4. रिंम भटनागर
  - 5. अलका भटनागर
  - अशोक शंकर भटनागर।

(अन्तरक)

(2) निक्रन एवं मध्यम वर्गीय सहकारी आवास समिति लि॰ 155, नई बस्ती कोडगंज, इलाहाबाद द्वारा ध्यामलाल ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विक्रेता ।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मृहित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिकत में किए का सकेंगे।

स्प्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त कट्यों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अध होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

बंगला नं० 14-बी/32 जो कि स्टैनली रोड इलाहाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडी व फार्म 37-जी संख्या 7102 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी), अर्जन-रेंज, लखनऊ ्

विनांक: 21-7-1983।

मोहर 🛭

प्ररूप बाह्य, ट्री, एन्, एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के स्थीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 15 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० 264/83-84/णिलांग/283---92----भ्रतः मुझे ६० जे० मावलीग

झायकर श्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो नहग्रीम हिल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीगर्ता अधिकारी के कार्यालय णिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 23-12-1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए ज़त्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मानस कुमार वौधरी, श्रीमति सरोज चौधरी, 123/3, रास बिहारी एवेन्य्, कलकत्ता--29। (अन्तरक)
- (3) श्रीमिति कोम रायसांग, चैयात लौग स्नीडा शिलांग 2, मेघालय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थं) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याखीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनसर्ची

जमीन का माप 35,000 स्ववायर फीट दो वल्ला मकान के साथ जिसका ढांचे से प्लीन्थ एरियां 2176 स्कवायर फीट और द्सरा 2,310 स्ववायर फीट है और एक असम टाईप एक ,तल्ला मकान जिसका प्ली न्यू एरिया 204 स्कवायर फीट है नईग्रीम हिल्स, मिलाग में स्थित है।

ई० जे० मांबलीग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, शिलांग

विनांक 15-7-1983

मोहर ः

# प्रक्ष माई • टी • एन • एस •

# आयकर पवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694म (1) में सधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर विनांक 19 जुलाई 1983

निर्वेश सं० 8/2/83-84--अतः मुझे एम० सी० जोशी धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क्पये संग्रीक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 10, 17, है, जो 12, 15, 11, 1, एन्ड 18 है और जो आकोट जिला आकोला में स्थित है ) और उसके उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आकोला (डाक्सेंट सं० 1795/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 22-12-1982 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के जिल बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित से ग्राधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के भीच ऐसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत सन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। बीए/या
- (च) ऐसी किसी स्थाय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निज्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) दी रूबी मिल्स प्रायवेट लि॰ बाम्बे प्लाजा टाकीज के पिछड़े दादर बाम्बे।

(अन्तरक)

(2) मै॰ स्बी जेनीग ऐड प्रेसीग फॅक्टरी आकोट जिला आकोल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकामन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खांसे 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगा, जो उन शब्धाय में दिया गया है।

# अनुसूची

्रेष्टाट नं० 10, 17, 12, 11, 15, 1 ऐंड 18, आकोट जिला आकोल।

(37955 स्के॰ भीटर या 408558 वर्ग फुट)।

्म० सी० जोशी ं सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक 19-7-83 मोहर: प्ररूप आई टी. एन. एस: -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर नागपुर दिनांक 23 जुलाई 1983 निर्वेश सं० म्नाई० ए० सीं एक्वी०/5/83—.84—अतः मुझी एम० सी० जोशी

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 46 है जो निभोरा खुर्द बगणेरा रोड, अमरावती में स्थित है और उसके उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती (डाकुमेंट सं० 5360) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-चल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तावक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवाइर जुकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सज्जव हुसैन ए० हाजी और आदी रा० अमरावली i

(अन्तरक)

(2) मैं॰ मोहनलाल माणकलाल सामरा ऐंड ब्रदर्स, जवाहर रोड, अमरावी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किय जा सकें ने।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा हैं।

## अनुसूची

खुली जगह में से कुछ हिस्सा जिसका स० नं० 46 हैं और जो विभोरा खुर्द बलगेरा रोड अमरावती में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् !:--

विनांक' 23-7-1983 मोहर:

# प्रकष् कार्ड. टी. एव. एस् ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) के अधीन सुन्ता

#### भारत सरकार

# कार्यांचय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, नागपूर

नागपुर विनांक 23 जुलाई 1983 निर्देश सं० अर्न्ड ए सी'/एक्बी०/4/8384—अतः मुझे एम० सी० जोशी

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 46 है जो मौजा निशोरा खुर्व बगडेरा रोड अभरावती में स्थित है) और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती (डाकुमेंट सं० 5359/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक 6-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नही किया गया है :---

- (क) जन्तद्रक् से हुई किसी जान की बाबत, उक्त प्रक्षितियम के समीत कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; ब्रीट्/बा
- (कां) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) अमरावती इलेक्ट्रिक सप्लाई कं० लि०, अमरा-वती।

(अन्तरक)

(2) मैं । मोहनलाल माणलकलाल ऐंड ब्रदर्स ज्वाहर रोड, अमरावती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळितिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जगह जिसमें फैक्टरी बिल्डिंग स्ट्रक्चर (दो मंजिल) है और जिसका सं० न० 46 है। जो निभोरा खुर्द अलगेरा रोड अमरावती में स्थित है। लैन्ड एरिया 76147 स्क्वे० फीट है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक 23-7-1983 मोहर: प्रस्य बाइं. टी. एन ु एस् ु=======

मायकर सिंपिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 22 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० सीं०/रेंज्न1V/कल/1983-84 -अतः सुझे एस० के० घोधरी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० 12 है तथा जो निबन सेनापित में लेन में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और, पूर्णारूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के किए;

बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री गुहासिनी राधामोहन, निताइ चन्द्र, सुप्रभात, स्रथ प्रकास दास ।

(अन्तरक)

(2) शकरी मित्र

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्म्यत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वाना की तामील से 30 दिन की संवीध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा स्थाहस्ताकरी के नास किश्वित में किए था सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पद्मों का, जो उन्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिशासित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अभ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन 6 कटटा, 8 छटांक जमीन।
्पता-12, नबीन सेनापति लेन, थाना शिवपुर, जिला
हावड़ा।
दलिल सं० 1982 का 7355।

एस० के० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, IV कलकत्ता 54 रफीमहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

दिनांक 22-7-1983 मोहर: प्रकप बाइं.टी.एम्.एस. ========

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) को अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 22 जुलाई 1983 निर्वेश सं० ए० सी० रेज-IV/कल/1983-84--अत<sup>-</sup>, मृक्षे, एस० के० चौधुरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 296-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् गणार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 67 है तथा जो बिरेश्वर वाटाज्यीं स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबख अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-12-1982

को पृथिनित संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त जीभीनियस, जे जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अत: बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री अनुप गोप, उषा रानी, भीमा रानी, रमा रानी, छाया रानी, असित कुमार घोष।

(अन्तरक)

(2) कार्तिक चन्द्र घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप ---

- (क) इस सूचना के प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में त्रकाशन की तार्डी इंडे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पर्वो का, औं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया भवा है।

## अनुस्पी

जमीन 2 काठा 13 छटांक 28 स्को० फि० जमीन का माथ भकान । पता 67, बिरेश्वर चाटार्ज्यी, स्ट्रीट, पो० तथा थाना बाली, जिला हावडा । दलिल सं० 1982 का 7357 ।

> एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख · 22-7-1983

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.----

(1) श्री अजेन्द्र कृष्ण घोष

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

(2) प्रदीप कुमार साधु और दूसरे

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांकः 30 ज्लाई 1983 निर्धेश सं० 1310/अर्जन रेन्ज III/83/84--अत:, मृझे, एस० के० चौधरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 32/2C है तथा जो भ्रामापुकर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-12-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए:

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियां मं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

32/2सी, झामापुकुरलेन, कलकत्ता । 2 क 0 3 छ 0--- 3 स्के ० फीट, जिमन साथ मकान दिलिल सं० 108221

> गस० के० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-111, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---24-226 GI/83

तारीख: 30-7-1983

प्ररूप आह. टी. एन. एस्.-----

नायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 ज्लाई 1983

निर्देश सं० 1308/म्रर्जन रेज-III/कल०/83-84-अत:, मुझे, एस० के० चौधरी.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्ब 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 18-ए है तथा जो गुरुसदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-12-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) इंडियन इन्डस्ट्रियल द्रेडर्स और डिलारस लि॰: (अन्तरक)
- (2) जिल्लपुरनी इनवेस्टमेंट और ट्रेडर्म को० लि० (अल्लरिनी)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हों।

उनत संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

18-ए, गृह्सदय रोड, कलकत्ता । 552.4 स्के० मीटर जिमन साथ मकान  $(1/3 \, \mathrm{\hat{n}})$ यर) दिलल सं० 11217 ।

एस० के० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकता-16

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 26-7-1983 मोहर : प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्भन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 26 जुलाई 1983

निर्देण म० 1309/एक्बी० आरब्धी/83—84—अत, मुझे, एस० के० चौध्री,

कायकर र्जाधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 13-ए है तथा जो गुरुमदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और उससे उपाबद अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 28-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक हंप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) इंडियन इंडस्ट्रियल ट्रेडमें और डिलारस लि॰ (अन्तरक)
- (2) कुद्र इनवेस्टमेट और ट्रेडिंग कों ० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

18-ण गुरू सदय रोड, कलकता । <u>७</u>मीन साथ मकान  $\left(\frac{1}{3}$  वा शेयर $\right)$  । दलिल स० 11216 ।

ाम० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-ПI, कलकत्ता

तारीख: 26-7-1983

प्रस्प आह<sup>र</sup>. टी. एन् . **एस्**. ------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 2 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० सी० 15/आर-II/कल०/1983-84---असः मुझे, एस० के० चौधुरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 6/1-ए है तथा जो नफर कोले रोड में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रात्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरिती) (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाशित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिशा को लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमित गीता चटर्जी

(अन्तरक)

(2) जगदीश प्रसाद मिस्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जात सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन 3 काटा जमीन का साथ मकान, पता 6/1-ए, नफर कोले रोड, थाना नारकेल डांगा, कलकत्ता-15। दलिल सं० 1982 का 11322।

> ्रम० के० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कलकत्ता

तारीख: 2-8-1982

महिरः

प्ररूप शाई • टी • एन • एस •---

# श्रायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26% म (1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

भार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता. दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश सं० 15/आर-II/कल०/1983-84---अतः मुझे, एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 611-बी है तथा जो नफर कोले रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-12-1982

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति र उजित बाजार मुख्य से कम के दृष्य-मान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है चौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उत्तर दृष्यमान प्रतिष्ठत स ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पण्डह प्रतिशत से स्रष्ठिक है और अन्तर्क (अन्तर्को) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में बाद्यविक छन से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की बाबत उसत अधि-शिवम के अधीन कर दोनें के ज्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन् या बन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनियम या धन कर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ नृन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिक्ष;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमित गीना चटार्जी

(अन्तरक)

(2) श्री रानदवर मिश्र और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूजना नारो करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीखर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अन्सूची

जमीन 5 काठा 1 छटांक 23 वर्ग फीट जमीन का साथ मकान । पता—6/1बी, नफर कीले रोड, थाना नारकेल डांगा, कलकत्ता—15 । दलिल संख्या 1982 का 11323।

> एम० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II कलकसा

तारीख: 2-8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती गीता चटर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. धीमती रेणुका मजुमदार

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश मं० ए० सी०  $17/{\rm tin}-11/{\rm tin}-183-84$ --- यत:, मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6/1—सी० है तथा जो नफर कोले रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30–12~1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मिश के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) एस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त प्रक्रिया। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन—2 काठा 19 वर्ग फिट जमीन का साथ कोठि पता—-6/1सी, नफर कोले रोड़, थाना—नारिकेलडांगा, कल-कत्ता—15। दलिल सं० 1982 का 11326।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज- , कलकत्ता

तारीख: 2-8-1983

प्ररूप आइ. . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत- सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकता

कलकसा, दिनाक / अगस्त 1983

निर्देश म० ए० सी०-18/रेज-11/कल०/1983-84-- यत मझे, एस० के० चौध्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि त्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रिता बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० 6/1मी० है तथा जो नफर कोले रोड मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णक्ष्य से बर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-82

को पूर्विक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अत्तरको) और अतरितों (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषाने में स्विधा के लिए;

१ शीगनी गी।। चटर्जी

(अन्तरकः)

2 श्री लालन प्रमाद चौरमिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उवल सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप --

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिध या त्रासकारी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन—1 काठा 11 छटांक 30 वर्ग फिट जमीन का साथ मकान, पता—6/1सी०, नफर कोले रोड, थाना—नारकेल्डागा, कलकत्ता—15।दलिल स० 1982 का 11321।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण) अर्जन रेज-II, कलकत्ता

बतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थास् ---

तारीख . 2-8-1983 मोहर प्ररूप आर्ड., टी. एन., एस्.,=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अवीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश मं० ए० सी०-19/रेंज-11/कल०/1983-84---यत: मुझे, एस० के० चौधुरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी मं० 6/10, है तथा जो नफर कोले रोड में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के पास कार्यालय, कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 'उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. श्रीमती गोता चटर्जी

(अन्तरक)

2. श्रीमती फूलमित देवि एवं उमा सिनहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्ना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुभना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

# अनुसूची

जमीन—2 काठा 4 छटांक 21 वर्ग फिट जमीन का साथ मकान , पदा—6/10, नफर कोले रोड़, थाना—नारकेलडांगा, कलकसा—15।

दिलल सं० 1982 का 11325।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11/कलकत्ता

नारीख: 2-8-1983

मोहर 🖟

प्रकृष नाव . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कथीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

भलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० सी० -20/रेंज-11/कल०/1983-84--यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6/1डी० है तथा जो नकर कोले रोड़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्गियल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जोर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिनाधि अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा भे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- ् 1. श्रीमती गीता चटर्जी

(अन्तरक)

2. श्री सत्य नारायन प्रसाद और चामेलि देवि (अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाष्ट्रन की तारीज हैं 45 दिन की अविध्या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य, जो भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों केत व्यक्तियों में से किसी सम्बन्ध द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए पा सकरी।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

जमीन--2 काठा 8 वर्ग फिट जमीन का साथ मकान पता--6/1डी० नफर कोले रोड़, थाना--नारकेलडांग, कलकसा-15।

दिलिल सं० 1982 का 113241

एस० के० **चौधुरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1!/कसकत्ता

तारीख : 2-8-1983

मोहर:

35-226 GI/83

प्रस्य आहे. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2520--अतः मझे, बुआर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो टी० पी० एस० 3, एक० पी० नं० 61, पैकी फ्लोर नं० 5 है तथा जो उस्मानपुरा, अहमदा-बाद में स्थित है (और इमसे उपायद्ध अनुसूची; और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 20 दिसम्बर, ▮ 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के उत्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखन उद्देश्य से उक्ते पम्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपानें में स्थिश के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गाण्डालाल सोमनाथ पटेल, (कर्ता और मैंनेजर एच० यू० एफ० के०), गांव उस्मानपुरा, अहमदाबाद।

(अन्स्क)

(2) श्री दिनेश कुमार हरगोपाल दास पटेल, प्रमुख: लकी अपार्टमेंन्ट ओवर्नम, सत्यं फ्लैटेंस, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन जो उस्मानपुरा में स्थित है जिसका टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 61, पैकी फ्लोट नं० 5, 460 वर्ग यार्ड है। बिना बांटा हुआ आधा हिस्सा।

> आर० आर० शाह पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 25-7-1983

प्रकृषं जार्षः टी . एन् . एस ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद भ्रह्मवादाव दिनांक 25 जुलाई 1983

निदेश सं० पीर्व आर० नं० 2521/अर्जन रेज-23/ 1/83-84---अतः मझे, आर० आर० शाह एकर समिनियम 1961 (1961 का 43) (किसे क्या

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हुँ

और जिसकी स० मर्वे नं० 267 पार्ट नं० 5 है तथा जो बोडकदेव, तालुका दसफोई, जिला अहमदाद्याद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

21 दिसम्बर, 1982

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि मिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुद्धि रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिनहें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया बाना चाहिए चा, कियाने में स्विभा के सिए;

अत: अब, उक्त बीधनियम की पारा 269-म के बमुबरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डाकोर भाई भीखाजी मायाजी, (एच० यू० एफ० के० कती), बोडकदे, तालुका दसफोर, जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) निरंजना चन्द्रकांत महरोवाला, मालिनी स्ट्रीट, आस्टोडिया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुषमा जारी करके पृष्टियत सम्परित के अर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हित- बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधाहरसाक्षरी के पास लिस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भूषिनियम की स्थाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# मन्स्ची

मिलिक्यित जो बोडकदेव में स्थित है जिसका सर्वे नं० 277 पार्ट 5 है रिजिस्ट्रेशन नं० 1775 तारीख 21→12→ 1982 है।

> आर० आर० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 25-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 25 जुलाई 1983

मिदेश सं० पी० आर० नं० 2522/अर्जन रेंज-23/1/ 83-84--अतः मुसे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट शेखपुर खानपुर सर्वे नं० 5914 हैं तथा जो मिराम्बिका रेस्टोरेन्ट, के नजदीक, नवरंगपुरा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, सारीख 9 दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई फिसी जायं की बायता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के तिए जाँड/मा
- (का) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः अव, उक्त निधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त सिधिनियम की भाग 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सिद्धार्थ गोविन्व राम भागवत, 12, सरदार पटेल नगर कालोनी, एलिस ब्रिज, अहमवाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सीन्येटिक्स निमिटेड, नौलखी मक्सी रोड, उ॰जैन (मध्य प्रदेश)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्सूची

फ्लैंट जो मीराम्बिका रेस्टोरेंट के नजबीक, नवरंगपुरा, करीयापुर काजीपुर, टी० पी० एस० स्टीम में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 14041/ तारीख 9-12-82 है।

> आर० आर० माह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 25-7-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्**म**ना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,अहमवाबाद अहमदाबाद,दिनांक 25 जुलाई 1983

निदेश में० पी० आर० न० 2523/अर्जन रेंज-23/1/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित जिसका अधित बाजार मूल्य

और जिसकी सं० फ्लैंट जो शेखपुर—खानपुर, एफ० पी० नं० 200 एस० पी० नं० 24-25 है तथा जो फ्लैंट नं० 8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में ओर पूणे रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 दिसम्बर, 1982

25,000/- रा से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वोस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, तसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दीने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने यां उसने वचने में सूबिधा के लिए; जौर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिमों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नृतिक्ति स्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नवीन चन्द्र गनपतराम पटेल, मन्दार अपार्टमेंट को० आपरेटिव हाऊसिंग मोमाइटी, ईण्वर भवन के नजदीक, नवरग पुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदावेन रोहित कुमार महेता 1862, माटो सुधारवाडो, खाडिया, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सर्पात्त के अजन के लिए कार्यचाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं ॥

## अनु**सूची**'

फ्लैंट जो गेखपुर-खानपुर उर्फ नवरंगपुरा में स्थित हैं जिसका एफ० पी० नं० 209,पैकी एस० पी० नं० 24-25, फ्लैंट नं० 8, 70 वर्ग थार्ड है जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 16189 तारीख 8-12-82 है।

> आर० आर० *गाह* सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, अहमदाबाद

तारीख: 25-7-1983

# प्रस्त् आइ. बी. एम. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25 जलाई 1983

निवंश गं. पी. आर. नं. 2524/अर्जन रंज-23-1/83-84—यतः मुक्ते, आर. आर. शाह,, आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. जमीन सर्वे नं. 307/2, 2.5 अंकर है। तथा जो मीज मकना, सीटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री- करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7 दिसम्बर 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बृन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यरण से हुई किसी आग की वांबत उक्त अभिवियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मुँकमी करने वा उससे वजने में सुविधा के सिए; औद्र∕या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उन्त गिंधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त गिंधनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  रनेछाडेकी चेलाजी और बाइ चंगा, रनछाडेकी चेलाजी की पत्नी मोहमदपुरा, मकरबा, सीटों तालुका, अहमवाबाद ।

(अन्सरक)

2. आमूक्जूज प्लान्टोइन प्राइवेट लीमीटोड 'मध्मालसी' हाइकोटो रोल्वे कोसींग के नजदीक, नवरंगपूरा, अहमबाबाद ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरितृ के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजा कित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूरों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

जमीन मोजे मकरबा तालुका सीटी जिला-अहमदाबाद सर्वे नं र 797/2, रजिस्ट्रेशन नं 16659/7-12-82 हैं।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमबाबाद

तारीख: 25-7-1983

मोर्हर् ः

प्रक्य आर्ड टी एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (१) के यथीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्तय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 25 जलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2525/अर्जन रेंज-23-1/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स० सर्वे न० 814 है तथा जो जमीन मौजे मकरबा, मिटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णीत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि—कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 18 दिसम्बर, 1982

को पूर्णेक्स सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के सहस्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सहयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में कार्सिक हम के किए त ये के शित नहीं किया गया है:—

- (का) अपनारण संहर्ष किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए और/शा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन वा क्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(2) श्री मानेक लाल जोइताराम पटेल, 54, रग श्याम सोसाइटी, नारनपुरा, अहमदाबाद-13 ।

(अस्परकः)

(2) आम्प्रकुज प्लाटेशन प्राइवेट लि०, 'मधु मालती', हाईकोर्ट रेलवे कामिग के नजदीक, नवरग पुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की शारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विभिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस बन्धाय में दिया गया है।

#### अनुस्धी

जमीन मौजे मकरबा, सिटो तालुका, जिला अहमदाबाद सर्वे नं० 814, रजिस्ट्रेंगन 16667 तारीख 18-12-1982 है।

आर० आर० शाह .
सक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-ा, अहमदाबाद

अस अब, उक्त अधिनियम, की पारा 269-म के वनुबर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—-

ना**रीख** 25--7--1983

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. ----

जायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाध, दिनांक 25 जलाई 1983

निदेश सं० पो० ग्रार० नं० 2526/अर्जन रेंज-23-1/83-84--अतः मुझे, आर० आर० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे. इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 814 है तथा जो जमीन भौजे मकरबा सिटी तालुका, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक 18 दिसम्बर, 1982 के प्रयोग के जीवत बाजार मुख्य से कम के कुष्ण्यान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्रण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन भर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उल्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के त्राए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मानेकलाल जोइटाराम पटेल 54, रंगश्याम सोसायटी, नारतपुरा म्रहमदाबाद-13

(अन्तरक)

(2) आम्मकुंज प्लांटेशन प्रइवेट लि०.

'मधु मालेती',
हाईकोर्ट रेलवे आसिंग के नजदीक,
नारन पुरा,
अहमदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# अमुस्ची

जमीन मौजे मकरबा सिटी तालुका, जिल अहमदाबाद सर्वे नं० 814, रजिस्ट्रेशन नं० 16664 तारीख दिसम्बर, 1982 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 25-7-1983

माहर:

प्रकप कार्ड, टी. एन. एस.-----

जायकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, महायक वायकर वायकः (निरक्षिण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनाक 25 जलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2527/अर्जन रेंज-23-1/ 83-84-अत मझे, आर० आर० शाह

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट मौजे पालडी सर्वे नं० 142, टी० पी० एस० 6, एफ० पी० न० 387 है तथा जो पानडी, दलाल अपार्टमेट का० आपरेटिव हाऊ० मोसाइटी फ्लैंट नं० ए/2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रिष्ठिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बद्गह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण निचित में काल्लीक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में किमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के या किया जाना चाहिए था. ि जान में सिविधा के सिए;

अत<sup>.</sup> अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—— 6—226 GI/83

(1) श्री प्रवीन के० लहारी, धुमकेतु मार्ग पालडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्माबेन जाल भाई गाह, पालडी, अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीब बें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जवोहस्ताक्षरी के क्व लिखित में किए का सकोंगे।

स्थम्बीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्त जीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नन्त्रभी

पर्लंट जो दलाल अपार्टमेट को० आपरेटिय हार्जीसिंग सोसाइटी पालडी में स्थित है टी० पी० एस० न० 6, एफ० पी० नं० 387, रजिस्ट्रेशन न० 17050 तारीख 6-12-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 25-7-1983

मोहर 🛭

प्रस्थ आहाँ, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ्(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक धायकर माय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—I, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 26 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० मं० 2528/अर्जन रेंज-23/1/ 83-84-- झत: मुझे, आर० आर० शाह भायकर पिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का भारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से नौभक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० 22, एफ० पी० नं० 23 श्रीर 18 है तथा जो दत्ता को० आपरेटिय हाऊ सिंग सोसायटी सरखेज रोड, पालडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 विसम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उश्वित बाजार मृत्य से कम के स्थमण विकास के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उण्वत बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के क्ल्यू, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के क्ल्यू, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के क्ल्यू, उसके स्थमान प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिविक कर से स्थित नहीं किया गया है :—-

- (क) जन्तरण वेहुई किसी बाब की बाबत अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरम के सायित्व में कामी कारने या उससे बवने में सुविधा के लिए; और भा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थर, छिपान में सुविधा के बिए;

बर्ब: बर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण बें, बें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिख्त व्यक्तियाँ, अधीत :---- (1) श्री वेतुबेन जगजीवनदास डूंगरजी, फुल मुख्सयार : श्री गोवर्धनदास, अमथाराम दलाल, 40, बंसीधरसोसाइटी, पालडी, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन विनयचन्द शाह, 18, हुर शांति सोसाइटी, नारायन नगर रोड, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दारी करके पृथींक्त संपत्ति से वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अप्रधि या भरसवंशी व्यक्तियाँ पर स्वान की कामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में संस्थिती व्यक्ति हुई। सा
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाधन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्ध किसी अन्य स्थावत इवारा नधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो जक्त अधिनियम, के बध्याय 20 क म परिभाषित वहीं पर्यं होगा जो उस ध्रष्टयाय में दिया नवाही।

## वनुष्ची

जमीन मौजे पाल्डी, टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 22, एफ॰ पी॰ नं॰ 23 और 18, 600 वर्ग यार्ड, खुला जमीन, रजिस्ट्रेगन नं॰ 17742, 17745, 17747 और 17748 तारीख 20-12-82 हैं।

> आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—<sup>⊺</sup>, अहमदाबाद

सारी**ज** : 26-7-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महमदाबाष

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० मं० 2529/अर्जन रेज-23/1/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० राजीव अपार्टमेंट फ्लैट है तथा जो भावनगर तलाजा रोडं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाव नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 विसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्गत का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिक कल निम्नीलिखित उद्युप्य में सक्तरण के निए तब पाया गया प्रतिक हम से किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बानत, उकत बीधनियब के जधीन कर दोने के अन्तरक की शायित्व में कमी करने वा उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा था वा का किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के दिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ललित कूमार जयंतीभा**ई शाह**, 2201, फुलवाडी, भावनगर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभावतीबेन अमृतलालशाह्य फालुभा रोड, भावनगर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना चारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

# चनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप:--

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्यक्त स्योजस्यों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोर्ल में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त प्रधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

## अन्स्ची

फ्लैट जो राजीव पार्टमेंट, में सलाजा रोड जिसका क्षेत्र-फल 792 वर्ग फीट है, रजिस्ट्रेशन नं॰ 1059 तारी**ख** 17-12-82 है।

> आरं० आरं० शांह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-7 1983

मोहर 1

णक्ष मार<sup>क</sup> री. एत. एस. . ------

# बाय्क्य जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### शास्त्र करकाड

# कार्याक्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--1, घ्रहमवाबाद अहमदाबाद, विनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2530/अर्जन रेंज-23/1/ 83-84-- मतः सुभे, आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उनत निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निप्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य, 25,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं० जमीन जो प्रनन्तवाडी, प्लाट नं० 38, सर्वे नं० 44812 पर है तथा जो विद्या नगर, अनन्तवाडी, भावनगर मे स्थित है और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 विसम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाआर मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गुया प्रतिफाल निम्निलिशित उक्दोच से इनत अन्तरण सिचित में शास्त्रिक इप से कार्यक पर से कार्यक नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण स हुई किसी जाब की बावस्, उक्त अधिनिक्स के अधीन कर दोने के अन्तरण के व्यक्तिया में कजी करने या उसते वजने में सुविधा के लिप: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय जाय-कर जीभनियज, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति,रती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था वा किया जाना जाहिए था, जिनाने में स्विभ के निए,

नतः भवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) क्षेत्रधीन, निम्नसिन्तित व्यक्तियों, अर्थातुः--- (1) श्री प्रणवभाई जे० वैध, 50, जोधपुर पार्क सोसाइटी, पोस्ट थल तेज, श्रहसदाबात-14।

(अन्तरक)

(2) क्याम लाल को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मार्फत मंगल वास जुगलदास भलाला, जलाराम निवास, नवापरा,भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## क्ला ब्रम्बीस के वर्षन के बुम्बुम्य में म्होदी भी बाबोद:---

- (क) इस सूचना को राज्यक मों प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की व्वतिभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (व) इत् सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है
  45 दिन के भीतर खक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
  किसी बन्य स्थित द्वारा बधोहस्ताशही के पास
  विद्वित में किए था सकेंगे।

स्वासिक्षण: --इसमें प्रमुक्त धन्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बहुरी अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

जमीन जो धनन्तवाडी, विद्या नगर में स्थित है जिसका प्लाट नं० 38/बी, रजिस्ट्रेंशन नं० 3292 तारीख 22-12-1982 है ।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमधाबाद

तारीख : 27-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 28 जुलाई 1983

निदेश सं० पी॰ आर० नं० 2531/अर्जन रेज-23/1/83-84--अत. मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी स० राजपुर-हीरपुर, मौजे टी० पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 7 है तथा जो एस० पी० नं० 7, राजपुर हीरपुर मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्योश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तीनक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रोमती मंगलाबेन जीवराम चुझी लाल की पुत्नी, 'मातू आश्रम', मालिकया बस स्टाप के नजदीक, मनी नगर, अहमदाबाद-8।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ताराबेन पुनमचन्द महेता, 77, शारवा सोक्षाइटी, वासना, श्रहमदाबाद~7 ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टींकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सभी

बिल्डिंग जो राजपुर-होरपुर मनी नगर में स्थित है जिसका टी० पी० सि० 4, एफ० पी० नं० 7, एस० पी० नं० 7, पैकी बिल्डिंग, रजिस्ट्रेशन नं० 15504 तारीख 27-12-82 है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-7-1983

प्ररूप आई. टी. एव. एस.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2532/अर्जन रेंज-23/1/83-84-अतः मुक्षे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुला जमीन मौजे बेजलपुर सीम, सर्वे नं० 1140 है तथा जो सेक्शन 1, प्लोर नं० 35, वेजलपुर सीम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 दिसम्बर, 1982

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के सिए; और/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

(1) श्री कान्सी लाल कुबेरवास बोरा, 23, परीमल पार्क, निजामपुरा, बडौदा-2।

(अन्तरक)

(2) श्री फरन भाई हेमेन्द्र भाई शाह, 13, नियोजन नगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# **मन्**स्ची

खुली जमीन मौजे वेजलपुर सीम, सर्वे नं० 1140, सेक्टर नं० 1, प्लाट नं० 35 है जिसका रजिस्ट्रेगन नं० 17863 तारीख 23-12-1982 है।

> आर० आर० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 28-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2533/23-I/83-84--ग्रतः मुझे, आर० आर० शाह
आयकर विधिनयम, 1961-(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान और जमीन, बोडकदेव, तालुका दसकोर है तथा जो सर्वे नं० 133, 134, 135/1, 135/2, 137/1, 137/2 पैकी 4900 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उचत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री निरंजन भोगीलाल शाह, ब्राह्मण मिस्र मंडल सोसाइटी, एलिसक्रिज,
  - अहमदाबाद ।
  - (2) श्री गिरीश भोगीलाल शाह, सेंट जेवियर्स हाईस्क्ल के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजबेन असुभाई पटेल, श्री असुभाई भोगीलाल पटेल, श्री जयविजय जगत पारेख, एम्बेसी अपार्टमेंट, आम्बावाडी, अष्टमदाबाद-15 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयूक्त घट्यों और पदों का, जा उम्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष्ठ इ., बहुी अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुस्ची

जमीन मकान के साथ जो बोडिकदेव तालुका दसकोर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 133, 134, 135/1, 135/2, 137/1, 137/2, पैकी 4900 वर्ग यार्ड, जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 16771 तारीख 10-12-82 है।

आरं० आरं० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमबाबाद

नारीख: 30-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाव अहमदाबाद, दिनोक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2534/23-J/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं सर्वे नं 324, 325, 326,327 पैकी प्लाट नं 29 है तथा जो हमनपुर सीम, बिल्डिंग में स्थित है (और इसमे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्रीमती कौगल्या मगनलाल और श्रीमती शकुंतला नायुमेल, वासुदेव कालोनी, भूलाभाई पाकं के नजदीक, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुजुताबेन रुतेशभाई भट्ट, 52, शारदानगर सोसाइटी, विकासगृह के नजदीक, पालडी, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई. भी आक्षंप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## वनस्थी

मकान जो हसतपुर में स्थित है हसनपुर सीम, सर्वे नं० 324, 325, 326 श्रीर 327 प्लाट नं० 20 ।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 30-7-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2535/23-1/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हुँ

और जिसकी सं० बिल्डिंग टी० पी० एस० 6, एफ० पी० नं० 295 है तथा जो कुमुम नगर को० ग्रो० हा० सोसाइटी पालडी, श्रहमदाबाद-7 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करी, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी दनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, लिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 27—226 GI/83

(1) श्री रसिकलाल फकीरचन्द गाह, कुसुमनगर सोसाइटी, पालडी, अहमदावाद-7।

(अन्तरक)

(2) श्री धीरजलाल प्रापर्टी ट्रस्ट, ट्रस्टी : क्रांतिलाल चीमनलाल, ललीत क्रांतिलाल णाह, नवरंग पुरा, श्रीमाली सोसाइटी, अहमदाबाद-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## भन्स्धी

बिस्डिंग जो टी० पी० एस० 6, एफ० पी० नं० 295, कुसुम नगर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, पालडी , अहमदाबाद में स्थित है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-I, अहमदाबाद

नारीख: 30-7-1983

प्ररूप आइ<sup>2</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 1 अगस्त, 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2536/23/I/83-84—अन मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स से अधिक है

और जिसकी स० सर्वे न० 735 पैकी है तथा जो जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज्नागढ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सप्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयो) के बीच एमे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावता, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ती द्वारा प्रबट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियस की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री मगनलाल जगजीवनदास टक्कर, मार्फत मैसमें मजीद ओरल मिल्स, राजकोट रोड, ज्नागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री जीवनलाल मेघजीशाई वडगामा, 204, जागृति अपार्टमेट, साखनाथ रोड, मलाड (वेस्ट), बम्बई-64।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 4527-36-52 वर्ग मीटर है जो जूनागढ में स्थित है तथा जिसका सब रजिल्झार, ज्नागढ़ रजिस्ट्रेशन न० 2906 तारीख 20-12-82 है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीप्ण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

नारीख 1-8-1983 माहर

## प्रकृष आहें, दी. एन्. एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमबाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1983

निदेश मं० पी० आर० नं० 2537/23/I/83-84--अत: मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मर्वे नं० 4727 है नथा जो ध्रागंध्रा, सुरेन्द्र नगर रोड, ध्रागंध्रा में स्थित है (और इससे उपाबड अनुम्बी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ध्रागंध्रा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अन्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उत्तर ब्युने में सुन्धिश की सिए; अदि/या
- (ब) ऐसी किसी नाय या किसी भून या मृत्य नास्त्यों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कड निभानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित् व्यक्तियों, अर्थात् के---

(1) श्री धर्मेन्द्र सिंह घनश्याम सिंह जी झोला पठवान, जिला-स्रेन्द्र नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जनता जीनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी की ओर से श्री जयंतीलाल रतीलाल संघवी, ध्रागंध्रा सुरेन्ट नगर रोड, ध्रागंध्रा, जिला सुरेन्द्र नगर।

(अन्तरिती)

को यह सुमाना बारी करके पृष्टिक, सम्मृतित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जन्य सम्पृतिह के मुर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रांक्त स्पृतित्यों में से किसी स्पन्ति इवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास् निधित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक पुण्:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 9436.10 वर्ग मीटर है जो धागंधा सुरेन्द्र नगर रोड, धागंधा में स्थित है जिसका सब-रजिस्ट्रार, धागंधा रजिस्ट्रेणन नं० 1682 तारीख दिसम्बर, 1982 है।

> आर० आर० माह्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

वारीख: 1-8-1983

प्ररूप आई टी. एच. एफ ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) को अधीन, सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 1 अगस्त 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2538/अर्जन रेज-23/1/ 83-84-अतः मृक्षे, आर० आर० शाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- उत्त. से बाधिक है

और जिसकी स० सर्वे न० 4726 है नथा जो धागंधा, सुरेन्द्र नगर रोड, धागधा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण ब्प ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, धागधा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1982

को पृयों क्त संपितित के उमित बाजार मृत्य से कम के धरयमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उमित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिए नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में अभी करने वा उससे मुखने में सुविभा को निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

(1) श्री विरेन्द्र सिहजी घनश्यामजी साला, भी ओर से फुल मुख्तग्रार : श्री देवराज विरेन्द्र सिहजी, गाव मानसा, तालुका जुलबब, जिला सुरेन्द्र नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जनता जीनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी, की ओर में : श्री जयन्ती लाल रतीलाल सपवी, ध्रागधा, सुरेन्द्र नगर रोड, ध्रागंधा, जिला मुरेन्द्र नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-श्री किन्न कर्म कर्मिक हुना। अधाहर मधार। के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्यव्दोक रणः — इसमें प्रणुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस, अध्याय में दिया प्या है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 9446 10 वर्ग मीटर हैं जो धागंधा, सुरेन्द्र नगर रोड, धागधा में स्थित है तथा जिसका सब-रजिस्ट्रार, धागधा रजिस्ट्रेणन न० 1683 तारीख दिसम्बर, 1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 1-8-1983

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनाक 1 अगस्त 1983

निदेश सं० गी० आर० नं० 2539/अर्जन रेंज-23/1/ 83-84--अतः मझे, आर० आर० शाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव सर्वे नंव 476-2, पैकी प्लाट नंव 9-वी है तथा जो स्वास्तिक सोसाइटी, मुख्य रोड, रेलचे लाइन, राजकोट में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण कप में विणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 1 दिसरवर, 1982

को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल तो एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमनी भानुमिन छेलशंकर दोषी, स्वास्तिक सोसाइटी, 9-बी, रेलवे लाइन, मुख्य रोड, रेस कोर्स रोड के नजदोक, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री नृजलाल मगनलाल, डी० तोलिया की डिस्पेंसरी के सामने, पंचनाथ रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकारी।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त हाब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

## मन्स्ची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 280 वर्ग यार्ड है जो 9-ती स्वास्तिक सोमाइटी राजकोट में स्थित है तथा सब-रिजिस्ट्रार, राजकोट रिजिस्टेशन नं० 7448 तारीख 1-12-82 है।

> आर० आर० ग्राह् सक्षंम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 1-8-1983

# शक्य भार<sup>\*</sup>, टी .एव .एस् .................

# भायकर अधिनियुम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सुधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 1 श्रगस्त, 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2540 श्रर्जन रेंज-I/83-84 —–यतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियिस, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1 है तथा जो भेरी नं० 14, दीवानपरा, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-12-1982 को पूर्वों का सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) बन्तरम् सं हुद् किसी बाय की बाबद्द, उपक् विकृतिस्म के वशीन कर बाने के बन्तरक के धायित्व में कमी कर्न या बस्से वचने में सूबिका के निए; ब्रोड्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 [(1957 का 27)] के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने यें सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अभृति हि— (1) श्रीमती पुष्पाबेन लक्ष्मीचन्द महेता, फोहामनगर, 7, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल बुजलाल तोलीया, गेरी नं० 14, दीवानपरा, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थान्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त प्रशिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 76 वर्ग यार्ड है जो शेरी नं० 14, राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 6947/24-12-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख: 1-8-1983

मोहरः

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 1 श्रगस्त, 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2541/23<sup>-I</sup>/83-84---श्रतः मक्षे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 544/1-2 पैकी ब्लाकं-ई है तथा जो राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान भें सविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

(1) बी० राठोड़ एण्ड कंपनी, की ओर से श्री हिमतलाल वशराम राठोड़ श्री अशोक हिमतलाल, जंक्शन प्लाट, राजकीट।

(अन्तरक)

(2) श्री भरतकुमार बालुभाई व्यास, 10, गायकवाडी प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त राज्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 300-4 वर्ग यार्ड है जो राज-कोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 4580/9-12-82 है।

> आर० आर० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 1-8-1983

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 श्रगस्त, 1983

निर्देश सं० पी० आरं० न० 2542/23-1/83-84---अत. मुझे, आरं० आरं० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गोडल रोड, रेलवे राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बस्ता (गुजरे हुए)
पुजाभाई भरवाड के फूल मुख्त्यार
जीनाबेन बस्ताभाई और अन्य
गाव जसवतपुर, तालुका लोटीका,
किला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नीलकण्ठ शो मील्स की ओर से श्री प्रेमजी मनजी गोडल रोड, रेलवे फाटक के नजदीक, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्वना क राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे द्वि- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे अन्य किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्ची

जमान जिसका क्षेत्रफल 466-6-0 वर्ग यार्ड है जो राजकोट में स्थित है, तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रेणन नं० 7534/दिसम्बर, 1982 है।

> आर० आर० शाह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख: 1-8-1983

# प्रकृप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्पना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1983

निदेश सं० पी० आर०न० 2543/अर्जन रेंज-23/1/

83-84-अतः मुझे, श्रार० आर० शाह

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० जमीन है तथा जो गोंडल रोड, रेलवे गेट, राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारी ह 8 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बच्ने में सूबिशन के सिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 28—226 GI/83

(1) श्री वस्ता (गुजई गए हुए), पुंजाभार मारवाड़ के फुल मुख्तयार: जीनाबेन वस्ताभाई और अन्य, गाव जसवन्त पुर, तालुका लोठीका, जिला राजनीट ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मीनारायण ओमिल्स, को ओर से: श्री जेठाभाई हरजीभाई, गोडाल रोड, रेलवे स्टेणन के नजदीक, राजकीट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या गत्सम्बन्ध। व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिंग की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होंगी हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाश की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर स्म्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और ५वों का जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 350 वर्ग यार्ड है जो राजकोट मे स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, राजकोट रिजस्ट्रेशन नं० 7535 तारीख 8-12-82 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,अहमदाबाद

नारीख ' 1-8-1983 मोहर ब प्ररूप आहर्र, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2544/अर्जन रेंज-23/1/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० टी० पी० एस० 13, प्लाट नं० 16 है तथा जो जी० आई डी० भी०, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट बहेरामपुर, अहमवाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया:——

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यिष्टितयों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स बी० चटुलाल आयस एण्ड केमिकल्स की ओर से भागीदार. श्री एम० बी० चौकमी, श्री बी० पी० चौकसी श्रीमती य्० के० चौकमी, शीमती बी० ए० चौकमी।

(अन्तरक)

मैसर्स सिटी डाइस, सोल प्रोशास्टर: श्री एन० ए० छीपा, 1/765, पचवटी, दो मस्जिद के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

इण्डम्झीयन णेड जो जी० आई० डी० मी० मे स्थित है जिसका टी० पी० एम० नं० 13, प्लाट न० 16 है तथा जिसका रजिस्द्रेणन न० 15583 नारीख 3-12-82 है।

> आर० आर० णाह सभम पाधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-7-1983

मेक्टर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1983

निदेश मं० पी० आर० नं० 2545/अर्जन रेंज-23/1/ 83-84---अतः मुझे, आर० आर० ण!ह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ऑर जिसकी में विलिखग गर्वे नव 224, प्लाट नंव 69 है तथा जो बेडीबंदर रोड, जाम नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, नारीख 9 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उमर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बज़ने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूरिवधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधादा (1) के अधीन, निम्निसित स्मिन्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री शांतिलाल गागजी भाई समानी, पटेल कालोनी, जाम नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवानजी गांगजी भाई समानी, पंकज सोसाइटी के नजदीक, जामनगर '

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः-- इसमे प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उत्रत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

बिल्डिंग जो वेडीबंदर रोड़ पर स्थित है, सर्वे नं0 224 प्लाट नं0 69-सी 165 वर्ग मीटर है रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं0 3594/9-12-82 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहाक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 1-8-1983

# प्ररूप आहूर, टी. एन . एस . ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1983

निदेश मं० पी० आर० नं० 2546/अर्जन रेज<math>-23-I/83-84--अनः मुझे, आर० आर० माह

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग दिग्वजय प्लाट शेरी तं० 10 है तथा जो मुख्य पार्ट एक०/1/48 ए, खंमालिया के गेट बाहर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के नीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्निलिस उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयृकी बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) श्री किशोरजन्द्र परकोत्तमभाई परमार, 10, दिग्विजय प्लाट, जामनगर, नथा भरनाना, शाहपुर, जिला ज्नागढ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंसाबेन मोहनलाल, अमृतलाल मंकरलाल की पत्नी, 10, दिग्विजय प्लाट, ज(मनगर ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मुख्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलिकयत जो विग्विजय प्लाट मोरी नं० 10/11 पर स्थित है खंभालिया दरवाजा बाहर, जामनगर रिजस्ट्रेशन नं० 3788/24-12-82 है ।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, अहमदाबाव

तारीख : 1-8-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोर्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाके । अगस्त 1985

निदेश सं० पी० आर० ने० 2547/अर्जन रेज--23-1/ 83--84---अतः सुझे, आर० अ।२० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी गं० खुली जमीन, सिटी सर्वे नं० 1/जी/4, प्लाट नं० 11 हैं तथा जी प्लाट नं० 44, 390-18 वर्ष मीटर जागतगर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुमूर्तों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामतगर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 दिसम्बर, 1982

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्वयभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री कातिनान लीलाधर मेहना, 11, दिग्विशय ज्लाट, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री कर्नेयालाल भोहनलाल कोटक, किण्नाकुंज, हारयीटल रो**ड**, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जिसका सिटी सर्वे नं  $1/\sqrt[3]/4$ , प्लाट 11 का प्लाट नं 44, 390-18 वर्गमीटर जमीन रजिस्ट्री-कर्ता र्गजस्ट्रीणन नं 3774/23-12-82 है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 1-8-1983

# प्ररूप जाइ. टी. एन. एस., ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2548/अर्जन रेंज-23-1/ 83-34--अनः मुझें, आर० आर० शाह

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रजप्ये से अधिक है

और जिसकी मं० मृख्य हिस्सा 'एव' स्ट्रीट नं० 4, सर्व सं० 222 है तथा जो खभालिया नाका' बाहर, दिग्बिजय प्लाट, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजर्श्टीकर्ता अविकारी के कार्यलय, जामनगर में रिजर्टीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं शुर्ह किसी बाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कामी करने या उससे वयने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया भाषा किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—

- (1) 1. श्री मनसुखानाल देवसीभाई, फुल मुख्तयार : श्री शांतिलाल देवसीभाई शाह, विभिवजय प्लाट, जामनगर।
  - श्री शातिलाल दवसीभाई, श्री विनोद राय देधीभाट्ट, दिग्दिजय प्लाट, जामनगर

(अन्तरक)

(2) श्री वेलजी पेपराज शाह, 57, दिग्विजय प्लाट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एकत स्थातर सभ्यत्ति में हित-बद्ध किया अन्य व्यक्ति द्वारा, अथंहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बिल्डिंग जो खंभालिया नाका बाहर, दिग्विजय फ्लोर, जामनगर में स्थित है मुख्य हिस्सा 'एच०' शीट नं० 4, सर्वे नं० 222, रजिस्ट्रेशन नं० 3713/17-12-82 है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-8-1983

मोहरा

बरूप ग्राइ० टी० एत• एस●------

बायकर जिंप्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2549/अर्जन रेंज-23-I/83-84--यतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिलका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 224-254 बिल्डिंग है तथा जो ब्लाक नं० 5, हतकेश सोसाइटी, पटेल कालोनी के पीछे स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 धा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया रूप या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा अतिस्तर;

अतः ग्रंथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नीलियित व्यक्तियों जर्थात् हि—-> (1) श्री गोविन्दभाई छगनभाई, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांताबेन मगनलाल, ब्लाक नं० 5, हातकेश सोसाइटी, पटेल कालोनी के पीछे, जामनगर।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोध से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोकित स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुखी

मकान जिसका सर्वे नं० 224, हतकेश सोसाइटी, ब्लाक नं० 5, पटेल कालोनी के पीछे स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रीशन नं० 3706/16-12-1982 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 1-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैक्साबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 339/83-84--यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पूरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 9 है तथा जो एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन् :---

 मैंसर्स काक्रा कम्पलैक्स ए⁰ड को० बाई इट्स पाटनैंर, श्री एस० प्रभाकर रेड्डी, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोज, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैंससं डीं० चन्द्रकांत और ब्रदसं बाई एकजीक्यूटिव श्री रामनारायण, एम० जीं० रोड, रायचुर, कर्नाटका स्टेट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्णृष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आपे उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

## अनस्यी

कार्यालय का परिसर नं० ३, काक्षा कम्पलैक्स, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 310 चौ० फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 848/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-7-1983

मोह्यु:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनाक 30 जुलाई 1983

निदेशं सं० आर० ए० सी० नं० 340/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्नेट नं० 1 है तमा जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृख्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उचेत अन्तरक निखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के रामूसरण मो, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—226 GI/83

(1) मैसर्स भानोदया बिल्डर्स,
 1218, रोड नं० 36,
 ज्यूबिर्ली हिल्स
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० एस० वेकटेश, फर्स्ट फ्लोर, डील अपार्टमेटस, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्यत सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर गृचना की तामील से 30 विन की मविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी न्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्या किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उकत निपत्तियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया

#### नम्स्वी

फ्लैट नं० 1, 2-11-30, एस० पी० रोड, सिकन्बराबाद विस्तीर्ण 650 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 3033/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्स आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-7-1983

श्ररूप आइ. टो. एन. एस. ------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 341/83-84-- यतः मुझे, एस० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं • शाप नं ० 106 है तथा जो एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908, का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृष्धा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के सिए;

जतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) मैसर्स ऊमाकरन एण्ड तेजकरन, 8-2-547, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री सुरेश दोसी केयर आफ हैदराबाद एस्बसटोस, सनत नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रुकरें।

स्पट्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अन्सूची

दुकान नं० 106, करन सेन्टर, एस० डी० रोड, सिकन्दरा-बाद, विस्तीर्ण 183 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 889/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जे**गन मोहन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबा**ट**

तारीख : 30~7-1983

प्ररूप माई. टी. एन. एस.--

भारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 342/83-84---वैत:, मुझे, एम० जेगन मोहन.

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन एक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का आरण है कि श्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-च्या से प्रधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 315 है, जो एम० जी० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनम्बर 1982

नो पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्विक्त पंपति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल थे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृह् गितशत प्रधिक है पौर प्रम्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तर्ता (अन्तरितयों) के पीस ऐस प्रन्तरण के लिए तय पोया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से अवत प्रस्तरण निखित में वास्त-

- (क) अन्तरण सं दूर कियं! अप की क्या उपन अधि-नियम के प्रधीन कर दें के अधरक के वायरव में कमी करने या उससे बचन म सोबधा के सिए; धौर/या
- (का) एसी किसी आय या जिल्ही धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अवः, उक्त अधिनियम का भारा 209-ग के अन्सर्ण में, में, उक्त अधिनियम की गारा 209-व की उपधारा (1) में अधीन, निम्निक्षिण हो तियों, अधार्य :--

(1) मैसर्स कामा एण्ड को०, बाई इट्स पार्टनर, श्री एस० प्रभाकर रेड्डी, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेनका मुत्यालू पति पांडूरंगम मुत्यालू, 5-1-341, गवलीगुडा, हैंदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टिकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध की तामील स 30 दिन की अविध , जो भी बद्धी वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (भ) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की हा**धीय से** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधेहस्ताक्षरी के पास नियान में किये जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दो और पदों का, जो उक्तें अधिनिसम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुयुची

कार्यालय नं० 315, तीसरी मजिल, काका क(म्पलैक्स, एम० जी० रोड, मिकदरायाद विस्तीर्ग 565 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8937/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकंदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ईंदराबाद

तारीख . 30-7 83 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 30 जुलाई 1983

निर्देण ग० आर० ए० मी० न० 343/83-84---यत, मुझे एम० जेगन माहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रा से अधिक है

और जिसकी संज्ञणक ते 0 130 है जो एसं जी राष्ट्र सिकदराबाद से स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची से और पूर्ण रूप से प्रणित है) रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रिनदराबाद में रिनस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1008 का 16) र अधीन दिसम्बर 1982

का पूर्वाकत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मूम्में यह ियश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वींक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अतिरितिया) क बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कभी करने या उससे बचने में स्कृतिशा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसमें काक्रा एण्ड को०, बाई पार्टनर, श्री एस० प्रभाकर रेड्डी, 2-2-132 से 139, एस० जी० रोड, सिकदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जी'० रामस्वामी रीटायर्ड रेलवे एम्प्लाई, काजीपेट (सोमीडीरोड), वरगल । (अन्तर्रात)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधाहस्ताक्षरी वे पास सिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 130, प्रथम तल, एम० जी० रोड (काभ्रा काम्पलैक्स), सिकदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 861/82, र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मिकंदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, हैर्वेराबाद

तारीखा: 30-7-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 30 जुलाई 1083

निर्देश सं० आर० ए० मी० न० 344/83-84-यतः, मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रत. संअधिक हैं:

और जिसकी संव 127 ऑर 128 है, जो एमव जीव रोडत सिकंदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार म्ल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल के पन्न्रहप्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्षिफल, निम्नलिखित उद्बंदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की आवत, उचक अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दाियास्य में कमी करने या उससे बचने में मृनिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए≀

अल. अब, उस्क अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) मैसर्स कान्ना काम्पलैक्स एन्ड को०, बाई इट्स पार्टनर, श्री एम० प्रभाकर रेड्डी, 2-3-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एस० विजयकुमार, घर न० 14/990/2मीर्माजीपेट, वरंगल-2। (अन्तरिती)

का यह सचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 विन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं ० 127 जीर 128, प्रथम नल, कान्ना काम्प्लैक्स, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 859/82, 🕟 र्जिस्टीकर्ती ग्रधिकारी, मिकन्द्रावाद ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख. 30-7-83 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आमुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हेंदरायाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निर्देश मं० आर० ए० सी० नं० 345/843-84---यत मुझे:, एम० जेगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 316 है, जो एम० जी० रोड, सिकदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अथं, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीत, शामिनीचिल व्यक्तियों, अथीत् :--- (1) मैसर्स काका काम्पर्लेक्स एण्ड को०, काई इट्स पार्टनर, श्री एस० प्रभाकर रेड्डी, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेनका मुत्यालू, पति पांडूरंगम, 5-1-341, गवली गुडा, हैंदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन को भीतर उकत् स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 316, तीरारों मंजिल, काका काम्पलैक्स, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 555 घी० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 903/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकंदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-7-83

भिर्

प्ररूप आई ्टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निवश सं० आर० ए० सी० नं० 346/83-84-यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 129 है, जो फस्ट फलोर एम० जी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे स्थिभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) मैमर्स काक्रा एन्ड को०, नाई श्री एस० प्रभाकर रेप्डी, 2-2-132 में 139, एम० जी० रोइ, सिकंदराबाद।

(अन्तरकं)

(2) श्री एस० रामस्वामी पिता वेंकटया, गांव इनाओले, तालूक, वरधन्नापेट, जिला वरंगल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाभेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय का परिसर नं० 129 काम्रा काम्पलैक्स, प्रथम तल, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 860/82, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, सिकंदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

**सार्**ध्यः 30--7-83

प्ररूप आहर् .टी.एन.एस.------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० आर.० ए० सी० नं० 347/83-84--अन: मुझे, एम० जेंगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 201 है तथा जो काम्रा कम्पलैक्स, एम०जी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल के एंग्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त मिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, मिस्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैंसर्म काला एण्ड को०,
 वाई श्री एस० प्रभाकर रेड्डी,
 2~2~132 में 139,
 एस० जी० रोड,
 सिकन्दरावाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीण कुमार पमनानी, 11, नल्लागूटा, मिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

जनत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसूची

कार्यालय नं० 201, काम्रा कम्पलैक्स, दूसरा मंजिला, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, त्रिस्तीर्ण 500 चौ० फूट, र्राजस्ट्रीकृत तिलेख नं० 864/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एमं जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैरेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-7-1983

प्रकृपं आर्धः . टी . एन . एस . ------

मायकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 30 जुलाई 1983

निदेश स० आर० ए० मी० न० 348/83-84--अत मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित-बाजार मूस्य 25,000/- रं से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट है तथा जो काकागृडा, सिकन्दराबाद मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं. और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) राज्यन अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए.

अत<sup>.</sup> अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन., निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —— 30—226GI83 (1) श्री जे० नागराज्ञ राव,
 10-2-276/4/2,
 नेहरू नगर,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नगेन्द्रा प्रिटिग प्रेस, 7112, माहाकाली स्ट्रीट, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

## अनुसूची

खुली जमीन न० 163, सर्वे न० 62/1, वासवीनगर, काकागुडा, गाव सिकन्दराबाद कौनटोनमेन्ट, विस्तीर्ण 475 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3036/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

तारीख 30-7-1983 मोहर प्ररूप आर्ह. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी॰ नं० 349/83-84—अतः मुम्ने, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-क से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो मारेडपल्ली, तिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेड-पल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् याजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबन उकन अभि-नियम के अभीन कर रोने के अन्तरक के वाणित्व में कभी करने या उसर वचने में मृतिधा के चिए, और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :----

श्रीमती लर्तःका बेगम पति
 श्री मोहम्मद याकुब,
 136, पेंडरघास्ट रोड,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो खरीदेहाल वेंकट राव, 106, इन० जी० एण्ड सिंगापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्क सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अभूसूची

फ्लैंट नं० 40 दूसरा मंजिला, मारेडपल्ली, कन्टोनमेन्ट, सिकन्दराबाद, बिस्तीर्ण 1400 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3002/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 30-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीधारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक: 20 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 350/83-84--अतः मुक्षे, एम० जेगन मोहन

अभ्रमण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- हा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है जो मारेडपल्ली सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1982

को प्वेंबित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-चन्त, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- पंद्रह स्पेश से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ♣, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ♣ वधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्रीमती लर्ताफा बेगम पित श्री मोहम्मद याकुब, 136, पेंडरघास्ट रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० नारायण राव, घर नं० 6, एस० एस० आई०/आई० सी० पेटालिंग, जय सालंगोर स्ट्रीट, मलेशिया।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृषांकत सम्पत्ति है अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अस्टेहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

्पलैट नं० 2, दूसरा मंजिला, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, कॉन्टोंमेन्ट, विस्तीर्ण 1400 चौ । फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3004/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद** 

सारीख: 20-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 30 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 351/83-84 अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में के बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्थ में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हासमत्तिसा और अन्य, 26, ए० एस० पटेल रोड, सिकन्वराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम सजनानाई,

एफ० नम्बर 13,

पेग अपाटमेंट्स,

एस० पी० रोड़,

सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया धरता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवां भ या नत्संबधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में स किसी व्यक्ति दवागः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

खुली जमीन एस० पी० रोष्ड सिकन्दराबाद, विस्तीणं 282 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3124/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 30-7-1983

प्रकृप कार्यः, टी. एव. एस.------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश स० आर० ए० सी० नं० 352/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोक्षन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट हैं तथा जो एस० पी० रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिसम्बर 1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-धिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबस, उन्हरू जिभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के वादित्य में कभी कड़ने या उत्तस्ते ब्यने में सुविधा के सिए; सृद्धि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए

कतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुकरक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अभीन, मिम्नुलिखित व्यक्तियों, जबात्ः— (1) श्री एम० पी० डी० पी० भास्कर रेड्डी प्लॉट नं० 1218 जूबिली हिस्स हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री एस० गुलशन कुमार नं० 5 बियररेस लाइन, सिख विलेज, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूजा कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तुसम्पत्ति के सर्वम् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेत् 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की अविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अप्रकाशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमा है।

# अनुसूची

पलैट नं० 2-11-30, एस० पी० रोड, सिकन्यराबाद, विस्तीर्ण 940 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3034/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपस्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराखाद

तारीख: 30-7-1983

# प्रकृप् बाइं. दी . एन् . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 353/83→84——अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ ० नं० 210/बी है तथा जो एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है ध---

- (क) अलारण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्य में कभी अपने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आर/था
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या कियां जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

मैंसर्स काक्रा एण्ड को०, बाई पार्टनर:
 श्री एस० प्रभाकर रेड्डी, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कुमार और अन्य, 11, नल्लागुट्टा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

का गह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स की 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

कार्यालय नं० 210 बी०/काषा कम्पलैक्स, दूसरा मंजिला, एम० जी० रोड, सिकन्वराबाद, विस्तीर्ण 560 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 862/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्वराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी प्रहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

तारीख ं 30 - 7 - 1983

प्ररूप आईं . टी. एन . एस . - - - ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 354/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8 है तथा जो एम० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर रिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, स्थित् :—

(1) मैसर्स भानोदया बिल्डर्स, गेड नं० 36, जुझली हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० बी० लक्ष्मी और श्री ए० बी० नर्रासहम, 2120, लारेन एवन्यू, बाल्टीमोर, एम० डी० 2120, यू० एस० ए०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्मक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 8, प्रथम तल, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 893 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3032/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-7-1983

नारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 355/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, अभी भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसकी उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है जो एस० पी० रोड, सिकन्बराबाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या जन्म जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार्ग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) मैसर्स भानोदया बिल्डर्स, 1218, रोड न० 36, जुबली हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डा० वी० लक्ष्मी नारायण, एफ० नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, पेगा कालोनी, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति को अर्जन को शिस्ए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपंथ में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यीकरण :--प्रममें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

# अनुस्ची

फ्लैट नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, पेगा कालोनी, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 651 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत किल्ल नं० 3030/82, रजिस्टीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरा**काद**

तारीख . 30-7-1983 मोहर . प्रारूप आई.टी.एन.एस '-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन गूचना

#### भारत सरकार

कार्या<mark>लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, हैतराबाद

हैवराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० आए० ए० सी० नं० 356/83-84--अत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैट है तथा जो एम० जी० रोड, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

पूर्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रितफाल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफ्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिया के लिए।

(1) मैंसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, मिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आइवे एडवर्टटाइजिंग प्रा० लि०, श्री नगर कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकंग।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं० 219 और 220 विस्तीर्ण 1130 ची० फीट, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 8057/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-7-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 357/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट है तथा जो एम० जी० रोड, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय का बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी: किसी भाष या किसी घत या ग्रन्य खास्तियों को, जिम्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिव्यतियम, जी धन-कर भिव्यतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स काक्षा एण्ड को०, बाई श्री एस० प्रभाकर रेड्डी, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री घन श्याम 22 ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

कार्यालय का परिसर नं० 201/ए काक्रा कम्पलैक्स दूसरा मंजिला एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 500 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 863/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, सिकन्दराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-7-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 भ्रगस्त 1983

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 358/83-84---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सी मोजीगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरश्मान प्रतिफल से, एसे दरश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) मैसर्भ श्रीनाथ कन्स्ट्रक्शन कं०, 5-8-612, आविद रोड, हैदराचाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम॰ राधा कृष्णामूर्ति,
 10-3-86/4,
 ईस्ट मारेडपल्ली,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोह भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पन्दीकरण: --- इसमे प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## अनुसूची ∙

खुली जमीन, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 488 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8310/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983

(1) श्री शिवकामी मादवन। प्ररूप भार्दः टी. एन. एस . -----

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन स्वना

(2) श्री के० कृष्णन्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मब्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1983

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

निदेश सं० 17940-- भ्रतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

25,000/- एत. से अधिक **है** और जिसकी मं० टी० एस० 6678 है तथा जो मामबलम मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,टी० नगर (डाकुमेंट सं० 2041/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उ**स अध्याय में दिया** गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के वायित्य में कमी करने या उससे यमने में सुविधा के लिए: और/मा

# अनुसूची

(स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोलिए।

भूमि और निर्माण--टी० एस० 6678, मानबलम । (डाक्मेंट सं० 2041/82 )।

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--

तारीख : 7-7-1983

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Dolhi-110001, the 26th July 1983

No. A-32014/1/82-Admn. III. - The President is pleased to appoint the following persons, officiating as Section Officers on ad hoc basis, to officiate as Section Officers of the C. S. S. cadre of U.P.S.C. on long-term basis with effect from the dates indicated against each until further orders :-

Sl. No.	Name	Date of appointment as S.O. on long-term basis	Remarks
1	2	3	4
S/Si			
1. P.	S. Bhatnagai	7-1-83	
2. N. l	P. S. Rawat	7-1-83	
3. O.	C. Nag	12-1-83	
4. Sud	arshan Kumai	15-1-83	Granted pro- forma promo- tion,
5. V. l	P. Kapal	(5-1-83	

#### The 27th July 1983

No. A.12025 (11)/2/81-Admin.11).—The President is pleased to appoint Shri Naipal Singh (SC) nominated on the basis of the Civil Service Examination 1981 vide D.O.P. G.A.R. O.M. No 9/1/81-CS I dated 10th June 1983 as Probationer in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st July 1983 and to place him on training in the Institute of Secretariat Training and Management, R.K. Puram, New Delhi, with effect from the same date.

M. P. JAIN

Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

#### New Delhi, the 8th August 1983

No. 2/14/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Sh. O. N. Mathur, Surveyor of Works of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600 (plus special pay of Rs. 200/- pm.) with effect from 4th July 1002 (A.N.) putil fourther orders 4th July 1983 (A.N.) until further orders.

> K. L. MALHOTRA Under Secv. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

C. C. Marker Company of the Company

New Delhi, the 12th August 1983

No. R-6/70-AD,V.—On attaining the age of superannua-on, services of Shri Ram Haresh Singh, Senior Public tion, services of Shri Ram Haresh Singh, Senior Public Prosecutor on deputation to Central Bureau of Investigation were placed back at the disposal of Government of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of the 31st July

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 8th August 1983

No. O.II-1812/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Girish Chamira as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy, Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forencon of the 14th July 1983 subject to his being declared medi-

#### The 10th August 1983

No. O.II-777/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. (Mis.) Hemlata Mohapatra (GDO Grade-II/Dy, S.P./Coy, Commander) as GDO Grade-I (Asst. Commandant) in CRPF with effect from the forenoon of the 1st July 1983 till further orders.

No. F.2/14/83-Esti (CRPF).—The President is pleased to confirm the following officers in the rank of Deputy Superintendent of Police in the Central Reserve Police Force :-

#### S/Shri

- 1. Nasib Singh.
  2. G. L. Sawhney.
- 3. Devi Dutt.
- 4. Gurmukh Singh.
- 5. Jaimal Singh.
- 6. Dalip Singh.
  7. Shiv Naram Singh.
- 8. Gurmukh Singh.
- 9. Samir Singh. 10. K. C. Kotnala. 11. R. K. Swarny.

- 12. M. A. Khan.13. S. L. Sharma.14. Ram Kishan Bedi
- Chander Bhan.
   Ganga Ram.
- 17. Dalbir Singh 18. Jai Dayal Singh.
- 19. Inder Sen Mishia 20. Mohar Singh.
- 21. Harphool Singh. 22. G. S. Bajwa.
- 23. Panna Lal Gupta. 24. Kripal Singh.
- 25. Khajur Singh.
- 26. Roop Lal Sharma. Karnail Singh
- 28. Ram Lakhan Rai.

- Kain Lakhan Kai.
   S. L. Duggal.
   S. P. S. Negi.
   Inderjit Singh Gill.
   Kripal Singh.
   S. P. S. Cheema.
   C. Gopi.
- 35. Nand Ram Yadav.
- 36. B. Ratnam.
- 37. Karnail Singh
- 38. Kuldeep Singh
- 39. Attar Singh,
- 40. R. S. Aggaiwal.
- 41. D. Venkataramaiah.
- 42. Hari Singh
- Virender Singh.

#### The 12th August 1983

No O II/921/71-Estt.—Consequent on his compulsory retirement from Government service, Shri S. B. Singh relinquished charge of the post of Deputy Supdt. of Police, GC CRPF. Gandhinagar, on the afternoon of 26th July 1982.

Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th July 1983

No.  $\Gamma$ -16013(1)/1/78-Pc15—On repatriation to State Padre, Shri K. L. Dewan, IPS (Han: 57) relinquished

charge of the post of Deputy Inspector-General (Prov./Int./Pers) CISF HQrs, New Delhi with effect from the afternoon of 28th July 1983.

No. E-16014(2)/4/82-Pers.—On appointment on deputa-tion Shri S. C. Kaushal, Deputy Coramandant, BSF assumed charge of the post of Commandant (Trg. Res.) CISF HQrs, New Delhi, with effect from the forenoon of 23rd July

#### The 2nd August 1983

No. E-16013(2)/19/82-Pers.—On appointment on deputation, Shri A. D. Kakkar, IPS (Mah: 72) assumed charge of the post of Asstt. Inspector-General (W/Zone) Bombay with effect from the forenoon of 11th July 1983.

> SURENDRA NATH Director General/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA (AD. I SECTION)

New Delhi, the 16th August 1983

No. 11/4/83-Ad. I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Assistant Directors appoint, by promotion, the undermentioned Assistant Directors of Census Operations (Technical) and at present working as Deputy Directors of Census Operations on ad-hoc basis in the office as mentioned against them, to the post of Deputy Director of Census Operations in the same office, on a regular basis, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th August, 1983, until further orders:

Sl.	Name	Office in which Present working HQ
	2	3 4
1.	S/Shri O. P. Sharma	Registrar Goneral, New Dolhi, India, New Delhi.
2.	M. Panchapakesan	Director of Census Madras Operations, Tamil Nadu, Madras.
3,	S. P. Sharma	Director of Consus Port Bihar Operations, A & N Islands, Port Blair.

P. PADMANABHA Registrar General, India

#### FINANCE COMMISSION

Now Delhi, the 8th August 1983

No. 8 FC 2(11)-A/82.—President is pleased to appoint Shri S. L. Mathur, retired Under Secretary, Eighth Finance Commission as Under Secretary in the same Commission in the scale of Rs. 1200—1600 with effect from 1st July 1983 to 31st October 1983 on re-employment basis,

> G. RANGA RAO Jt. Secy.

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

#### CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 16th August 1983

No. Admn.I/oo.no.220.-The Director of Audit, Central Revenues, has ordered under 2nd proviso to the FR 30(1), the proforma promotion of Shri R. P Verma, a normanent Section Officer of this office, to the grade of Audit officer in the time scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 13th May 1983 (F.N.) until further orders.

> Sd. /- ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THF CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 8th August 1983

No. AN/I/1172/1/II. - The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, until further orders, with effect from the dates shown against their names:

Sl. No	Name of the officer	Date of appointment
1	2	3
1.	Shri K. Ganesan	15-07-1983 (FN)
2.	Shri A. S. Venkatarayan	13-06-1983 (FN)
3.	Shri V. Nagarajan	15-07-1983 (AN)
4.	Shri Rajinder Kumar Chawla	27-07-1983 (AN)
5.	Shri J. D. Philomen Dos	25-07-1983 (FN)

V S JAFA Additional Controller General of Defence Accounts

## MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 11th August 1983

No. CER/1/83/7.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968 namely:

In the said Notification-

1. In paragraph 1, after item (viii), the following shall be added as item (ix), namely :-

"(ix) Notwithstanding any thing contained in items (l) to (viii), in respect of "Controlled Polyester Cotton Blended Shirting" with the following specifications produced by a producer under the National Textile Corporation (hereinafter called NTC) having a spinning plant and packed on or after the 10th August, 1983:—

Warp 38s Weft 42s Reed 60 Picks per inch 56 Finished width 89 cms. Type of finish Bleached Blend percentage Polyester 48

Cotton 52

The final cost shall be worked out by the NTC on the basis of zero return plus 20% retail margin but the amount of 'Final Consumer Price' to be stamped shall be maximum Rs. 10 per metre."

S. RAMAMOORTHI, Textile Commissioner

Bombay-400 020, the 28th June 1983

EST.I-2(641)/3587.—Shri A. S. Sankararaman, Assistant Director, Grade II in this office retired voluntarily from service from the afternoon of 31-5-1983.

S. RAVINDRAN, Dy Director (Admn.)

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

#### (\$MALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 9th August 1983

No. A-19018/125/74-Admn.(G).—Consequent on his selection for appointment as Additional Director (Electronics Commission), New Delhi, Shri Ajit Kumar Basak, relinquished charge of the post of Director (Gr. 1) (Flectronics) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, on the afternoon of 25-7-1983.

No. A-19018(672)/83-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri C. D. Nanda a grade IV, Officer of the IES and Asstt. Director (P&R) in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi as D-puty Director (Export Promotion) in the Office of the Dev-lopment Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 21-7-1983 until further orders.

#### The 16th August 1983

No. A-19018(591)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. N. Kapoor, a permanent supervisor Gr. II, Inspectorate of Armaments, G.C.F. Post, Jabalpur (A.P.) as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy at Branch Small Industries Service Institute, Aurangabad under Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 18-7-1983 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA, (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 8th August 1983

No. 6996B/A-19012(BNM)/82/19A.—Shri B. N. Mehra has been appointed as an Administrative Officer by the Director General, Geological Survey of India, in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10-6-83, until further orders.

A. KUSHARI,
Director (Personnel)
for Director General, G.S (.

#### Calcutta-16, the 9th August 1983

No. 7017B/A-32013(AO)/82/19A.—Shri Gupteswar Singh, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General Geological Survey of India on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-EB-810-EB-35-880-40-1000-EB-40 1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 16-5-1983 to 4-7-1983 (FN) against the leave vacancy of Shri A. K. Bhattacharya, Administrative Officer, Western Region, Jaipur, Geological Survey of India.

#### The 11th August 1983

No. 7074B/A-19012(1-TK)/82/19A.—Shri T. Krishnappa has been appointed by the Director General, GSI as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 18-5-1983 until further orders.

No. 7087B/A-19012(1-SKD)/82-19A.—Shri Swapan Kumar Das has been appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per months

in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40--EB-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30-6-1983, until further orders.

A. KUSHARI, Dir. (Personnel).

#### INDIAN BUREAU OF MINES

#### Nagpur, the 9th August 1983

No. A-19011/105/70-Estt.A.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri M. V. S. Sastry, Asstt. Mineral Economist (Stat.), is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon 31-7-1983 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

#### The 10th August 1983

No. A-19012(20)/80-Estt.A.—On his retirement after attaining the age of superamuation Shi K. K. Aggarwala Asstt. Mineral Fronon: 1 (Stat) is relieved of his duies in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31-7-1983 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th August 1983

No 2/23/82-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M J. Thomas, Sr Accountant, CSU, AIR, Bombay to officiate as Administrative Officer (adhoe) at AIR, Dharwad w.e.f. 30-5-1983 (FN).

No. 1/19/83-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri V. R. Joshi Sr. Storckeeper AIR Bhopol to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis at AIR Bhopal w.e.f. 19-7 83 (FN).

SMT. RUKMINI DAS GUPTA Dy. Director Administration (or Director General

#### (CIVIL CONSTRUCTION WING)

#### New Delhi, the 1st August 1983

No. A-32014/1/81-CW-I- The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following Architect Asstt. Grade I, on permotion, as Assistant Architect CCW, AIR, New Delhi (Headquarters) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-70-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- w.e.f. the date indicated against each;

SI.	Name O.	Date of joining as Asstt. Architect	
# 1	. 2	3	
1.	Shri Anil Kishore	11-4-1983 (A.N.)	
2.	Shri Dharam Dass	20-4-1983 (F.N.)	
3.	Miss Aparna Ghosh	14-4-1933 (F.N.)	
4.	Smt. Usha Katyal	13-7-1983 (F.N.)	

Their appointment is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A-32014/1/81-CW I dated 11-4-1983 and 13-7-83, already issued to them.

S. K. MOHINDRA E.O. to Chief Engineer (Civil) For Director General

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION Cf Rs. 1000-EB

Bombay-400 085, the 27th July 1983

No. PA/79(1)/83-R-III/4611.—Controller, Bhabha Atomic Reearch Centre appoints Shri Balkrishna Mahadeo Naik, permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from the afternoon of June 18, 1983 until further orders.

#### The 3rd August 1983

No. PA/76(6)/82-R-III/2593.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Mohammed Kunju, Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II in this Research Centre with effect from the forenoon of May 5, 1983 until further orders.

#### The 4th August 1983

No. PA/76(1)/83-R-III/2594.—Controller. Bhabha Alomic Research Centre appoints Shri T. K. Ramamoorthy permanent Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre with effect from July 20, 1983 (FN) until further orders.

M. D. GADGI! Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC FNERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 4th August 1983

No. Rsf. DPS/21/1(2)/78-Est./25188.—The appointment of Shri N. S. Pillai, Purchase Assistant as Asstt. Purchase officer (ad-hoc) ordered upto July 31, 1983 (AN) vide this Directorate Notification of even number dated April 4, 1983 has been restricted till July 23, 1983 (AN), and the ad-hoc appointment of Shri N. S. Pillai, Purchase A sistant as Asstt. Purchase Officer ordered vide this Directorate Memorandum of even number dated July 13, 1983 is hereby concelled.

#### The 8th August 1983

Ref. No. DPS/41/13/83-Adm/25326.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R C. Sharma a permanent Storekeeper and officiating Chief Storekeeper (2d-hoc) to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-6-1983 (FN) to 8-7-1983 (AN) in the same Directorate vice K. P. Singh, Assistant Stores Officer granted leave.

#### The 10th August 1983

Ref. No. DPS/41/9/83-Adm/25625.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Prakash Chandra Sharma, a Permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 7-6-1983 (FN) to 26-7-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri C. H. Balgoplan, Assistant Stores Officer granted leave.

#### The 11th August 1983

Ref. No. DPS/W-5/Est./26150—On attaining the age of superannuation Shri Waziichaed, a permanent Storekeeper and officiating Assit. Stores Officer (adhoc), Directorate of Purchase and Stores retired from Government service with effect from the afternoon of May 31, 1983.

## The 12th August 1983

No. Ref. DPS/N-1/Estt./26242.—Shri P Narayaran Kutty, a permanent Asstt. Purchase Officer, Directorate of Purchase and Stores, expired on 1-8-1983.

メント はつはよう イコート してくなわか ト からに よろか ニュー ままがく ちょうかん デルトリン 東京のイヤ・コンティンス・ベルド でんこれ ご

No. Ref. DPS/41 '1/83-Adm/26264.—In continuation of this Directorate Notification No. DPS/41/1/83-Adm./12654, dated April 11, 1983, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Kumar Girdharlal Jobanput.a a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the same Directorate on an ad hoc basis in the scale of Pay

of Rs. 650-30-740-35-810 -EB- 35 -880-40-1000-EB-40-1200/- for a further period upto September 30, 1983 (AN)., or until further orders whichever is garlier

P. GOPALAN Administrative Officer

#### NUCLEAR FUFL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 28th May 1983

#### ORDFR

No. Ref. NFC/PA. V/2606/2092/658.—WHEREAS Shri Mohd. Osman, Tradesman B, QC (T), NFC, E.C. No. 2092 has eben remaining absent from duv unauthorisedly (withour prior intimation/sanction of leave) from 22-11-1981;

AND WHFREAS a telegram was issued to him on 2-3-1982 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. TP/QC/Pl/349 dated 2-3-1982 to his residential address viz. 1-6-661/3, Zamistanpur, Hyderabad-500 048 by Regd Post was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'Party 1eft';

AND WHFREAS the said Shri Mohd. Osman has not applied for any leave and continued to remain absent unauthorisedly without intimation/sanction of leave and without informing NFC of his whereabouts;

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Osman was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memor urdum No. NFC/PA. V/2506/2092/1541 dated 2-9-1982.

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Osman did not receive the charge-heet and the undelivered covers were returned by the postal authorities with a remark 'party left';

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Office was appointed vide order No NFC/PA. V/2606/2092/1645 dated 27/29-9-82;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 28-12-1982 stating that the said Shri Mohd. Osman did not attend the inquiry and as covers addressed to him were returned undelivered the inquiry was held ex-parte, and that the charge was proved beyond any reasonable doubt:

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report (copy enclosed) held the charge as proved and came to the provisional conclusion that the said Shri Mohd. Osman was not a fit person to be retained in service and the penalty of removal from service should be imposed on him.

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Osman was informed of the provisional conclusion vide memo No NFC/PA. V/2606/2092/535 dated 2-4-83 and was given an opportunity to make any representation on the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum:

AND WHEREAS the said memo dt. 2-4-83 sent by regd post A.D. to all his known addresses were returned by the postal authoritics with the remark "No such addressee was not there hence returned to sender. No. such addressee hence returned to sender and the third cover way after keeping with postal authorities for 4 days";

AND WHEREAS the undersimed on the basis of the records of the case including the inquiry report dt. 28-12-82 has come to the final conclusion that the said Shri Mohd. Osman is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

MOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conterred under para 43 of NFC Standing Orders

read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. II dated 7-7-79 hereby removes the said Shri Mohd. Osman from service with immediate effect.

T. S. KRISHNAN, Deputy Chief Executive (QC)

Encl.: one Shri Mohd. Osman C/o Shri Y. A. Shabir 1-6-657, Zamistanpur Musheerabad, Hyderabad-500 048

Shri Mohd. Osman C/o Mohd. Kosman Khali Abbobkar Pathre Kichal Behind Fish Market, Andheri (West) Bombay-400 058

Shri Mohd. Osman H. N<sub>O</sub>. C-6/2 A.C.C. Colony, Shahabad Dt. Gulbarga Mysore State

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 8th August 1983

No. MAPP/20(42)/83-Rectt.—Consequent of his selection for appointment as Assistant Accounts Offirer, Shri K. Narayana Moorthy, a permanent Assistant Accountant in the Reactor Research Centre, Kalpakkam is appointed as Assistant Accounts Officer in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 15, 1983.

No. MAPP/9(1)/83-Rectt.—Consequent on his selection for appointment as Assistant Personnel Officer, Shri T. V. George, a permanent Stenographerand officiating Stenographer Grade-III in the Rajasthan Atomic Power Project, Kota is appointed as Assistant Personnel Officer in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 28, 1983.

T. RAMANUJAM Administrative Officer for Project Director

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 8th August 1983

No. AMD-1/27/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Sandeep Hamilton as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 26, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE, Sr. Administrative & Accounts Officer.

# MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 12th August 1983

No. E(1)05761.—Shri Harbans Singh, Officiating Assistant Meteorologist, office of the Deputy Director General of Meteorology (Instrument Production), New Delhi, India Meteorological Department has voluntarily retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-5-1983.

K. MUKHERJEE,
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th July 1983

No. A. 39012/3/83-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Arun Kumar, Senior Technical 32—226 GI/83

Officer in the Office of the Aeronautical Communication Station, New Delhi from Government service with effect from 8-7-1983 (FN).

S. K. ARORA. Assistant Director of Administration.

#### New Delhi, the 1st August 1983

No. A. 39012/2/83-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Manjeet Singh Dhillon, Technical Officer, Office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi from Government service with effect from 8-7-1983 (AN).

#### The 2nd August 1983

No. A. 38013/1/82-EC:—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on the dates indicated against each:—

SI.		Station of posting	Date of Retirement
_1	2	3	4
	S/Shri		
1.	V. B. Chougule, Technical Officer	ACS, Bombay	31-3-83 (AN)
2.	S. D. Chopra, Communication Officer	ACS, Bombay	31-3-83 (AN)
3.	K. M. Mathew Communication Officer	ACS, Madras	30-4-83 (AN)
4.	D. N. Biswas Technical Officer	ACS, Calcutta	31-5-83 (AN)
5.	T. R. Shastri, Technical Officer	ACS, Bombay	31-5-83 (AN)
6.	D.S. Gill Technical Officer	RC & DU, New Delhi,	31-5-83 (AN)
7.	K. N. Nair Communication Officer	ACS, Trivandrum	
8.	S. K. Rao Technical Officer	ACS, Madras	30-6-83 (AN)
9,	S. Manickam, Communication Officer	ACS, Madras	30-6-83 (AN)
10.	P. S. N. Murthy Communication Officer	ACS, Hyderabad	30-6-83 (AN)
11.	V. V. Harnal Communication Officer	CATC, Allahabad	

#### The 4th August 1983

No. A. 35018/11/83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri U. G. Mokhasi, Senior Security Officer to the post of Assistant Director, Civil Aviation Security at Calcutta on an ad hoc basis for a period of six months from the forenoon of 15th July, 1983 or till the post is filled on a regular basis whichever, is earlier.

O. P. AGGARWAL, Assistant Director of (Admn.).

#### New Delhi, the 9th August 1983

No. A. 31013/4/81-ES.—The President is pleased to appoint the undermentioned 14 officers in a substantive capa-

city in the grade of Senior Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department with effect from 16th June, 1983:— S/Shri

C. D. Kolhe.
 R, N. Dosajh.

3. Madhusudhan Lal. 4. S. S. Das. 5. K. Himmat Singh.

6. M. S. Ibrahim. 7. V. R. R. Arava. 8. T. K. Moitra.

K. Prabhakara Rao.

10. Kailash Narain Savena.

11. S. L. Srivastava.12. Philip Mathew.13. U. P. Sathpathy.14. J. I. S. Bedi.

#### The 12th August 1983

No. A. 32014/1/83-ES-Pt.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. N. Sharma, Superintendent (adhoe) to officiate as Administrative Officer (Group 'B' post) on adhoc basis in the Office of Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi for a period of six months with effect from 01-08-1983 (F/N).

> J. C. GARG, Assistant Director of Administration.

# DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 11th August 1983

No. 22/83.—Shri T. D .Mendiratta, lately posted as Assistant Director (Trg.), Directorate of Training (Customs & Central Excisc), New Delhi, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit Custom & Central Excises New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 73/83 (F. No. 22012/23/ 83-Ad.II) dated 26th April, 1983 assumed charge of the post of Assistant Director in the Directorate of Inspection Audit, Customs and Central Excise, New Delhi w.e.f. 13-7-83 (F.N.),

> B. C. RASTOGI, Director of Inspection.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Khalsa Engineering Company Private Limited

#### Cochin-682 011, the 8th August 1983

No. 228/Liq/560(3)/6904/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Khalsa Engineerng Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

> K. PANCHAPAKESAN, Registrar of Companies, Kerala.

In the matter of Companies Act, 1956 and of The Madras Food Products Company Private Limited

Madras-600 006, the 9th August 1983

No. DN/1461/560/82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hercof the name of The Madras Food Products Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Palghat Colmbatore Service Private Limited

Madras-600 006, the 9th August 1983

No. DN/2200/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Palghat Coimbatore Service Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE, Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras,

#### FORM ITNS---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madias, the 7th July 1983

Ref. No. 17940.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T.S. 6678, situated at Mambalam (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2041/82) in December, 1982

at T. Nagar (Doc. 2041/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Savakami Madhavan, K. Nesaiyya, 11, Lutange Road, Madras-7. (Transferor)
- (2) K. Krishnan, LO 2, Lloyds Estate, Madras-14. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at TS 6678, Mambalam, (Doc. 2041/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-7-1983

Seal:

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17922.—Whereas, I, R. P. PHLLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, III Main Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1466/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sarada Ramasubramaniam, 5, III Main Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) R. Krishnamurthy, 57, Sundaramurthy Vinayagar Koil St., Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 5, III Main Road, RA Puram, Madras-28. (Doc. 1466/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-7-1983

Scal:

M. C. Chockalingam,
 Poonambala Vadyar St.,
 Madras-4.

(Transferor)

(2) Thulasi Ammal, 24, III St., Jeth Nagar, Madras-28.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17918.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the incoeme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. RS 4088/2, situated at Mylapore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1485/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a policy on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at RS 4088/2, Mylapore. (Doc. 1485/82).

R. P. PILLAI
Competent Authoriy
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1983

(1) Abdul Gaffoor Sahib Quraishy, 65, Mir Bakshi Ali St., Madras-14.

(Transferor)

(2) F. Bakir, 26, 27, Errabalu Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17928.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, Wallaja Road, situated at Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 1059/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building (1/3rd undivided share) at 40, Wallaja Road, Madras-2. (Doc. 1059/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 7-7-1983

#### FORM ITNS----

(1) G. S. Ramachand, R. Pushpa, F/5, Lloyds Colony, Madras-14.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dr. T. L. Ramachandran,
 Appadurai Naicken St.,
 Ayyanavaram, Madias-23.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17950.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. land situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Backstotton Act.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thousandlights (Doc. 917/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Madras. (Doc. 917/82),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Chellammal, Seshammal, A. Venkatesan, Nityanandam, Vaikundapuram, Madras-34.

(Transferor)

(2) P. S. Srinivasan, 34, Veerabadran St., Madras-4.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17946.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 115, Kodambakkam High Road, situated at Madras-24 and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 948/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and building at 115, Kodambakkam High Road, Madras-24. (Doc. 948/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1983

#### FORM I.T.N.S.---

 G. Hema, Flat 12, Janapriya, Canara Bank Colony, 34/1, Erandawana, Poona-411 004.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shanth Sri Hari, 19, College Road, Madras-6.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17959.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS 8112, situated at Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thousandlights (Doc. 1057/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land at RS 8112, Madias-6. (Doc. 1057/82).

R. P. FILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
33—226GI/83

Date: 7-7-1983

Seal;

#### FORM IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No 17981.—Whereas, I, R P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 40, Wallara Road situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Madras North (Doc. 375182) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

 Abdur Rasheed Sahib Quraishy, 65, Mir Bakshi Ali St, Madras 14.

(Transferot)

(2) J. Sadik, 1. Errabalu Chetty St, Madras-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 40, Wallaya Road, Madras-2, (Doc. 3751]82).

R. P. PILLAI
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madray-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Date: 7-7-1983

scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dhandayuthapani Nagar Co-Op. House, Construction Society Ltd., Tiam House, 28, Rajaji Salai, Madras-1.

(Transferor)

(2) K. A. Alva, T86-B, 7th Avenue, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17983.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18 2, Adyar situated at and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras North (Doc. 3849|82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at TS 2, Adyar, Saidapet. (Doc. 3849/82),

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 7-7-1983 Seal :

05, MII

(1) Mrs. Rahminunnissa Begam, Sahiba, 65, Mir Bakshi Ali St. Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shabbir, Munira, Shakina, Zaineb, 26, 28, Errabalu Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17927.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, Walaja Road, Madras-2 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 1044/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforevaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the resuction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 40, Wallaja Road, Madras-2. (Doc. 1044/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1983

Seal

(1) Mrs. Hajira Begum, 3, R.O.B. 4th Lane, Madras-14.

(Transferor)

(2) Smt. M. R. A. Rameeza Begam, 2, Kasim Sahib St., Madras-14.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17933.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3, R.O.B. 4th Lane, situated at Madras-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 1086/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building 3, R.O.B. 4th Lane, Madras-14, (Doc. 1086/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17960 — Whereas, I, R. P. PII.1 AI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 > 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Diwan Sahib Garden, No. RS 1155/2, Mowbrays Road, Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thousandiagnts (Doc. 1061/82)

in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Mohammed Muneeruddin. 135, Avvai Shanmugham Road, Madras-86. (Transferor)
- (2) Nooi Mohammed Sayed, 133, Avvai Shanmugham Road, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at RS 1155/2, Diwan Sahib Garden, Mowbrays Road, Madras-14. (Doc. 1061/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Aor, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No 17956—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 23, Soundaratain St., situated of Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer of Thousandlights (Doc 992/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. K. Sampath,
  - Sh S Santhanam,
  - sh S Pattabiraman
  - Sh S Rangenathan,
  - Sh S Parthasarathy, Sh S Soundararajan,
  - Sh. Vasanth.
  - Sh. P. Raghuvir
  - P Bharath.
  - 22, Soundararajan St., Madras-18

(Transferor)

(2) Sh. R. Gopalan,
Bank Quarters,
State Bank of Mysore,
Malleswaram Branch,
Bangalore 3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 23, Soundararajan, St., Madras-18, (Doc. 992/82).

R P PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Date , 7-7-1983

Seal .

## FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17937.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 6156 situated at 31, Pinjala Subramaniam Road, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2035/82) in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) G. S. Venkataramiah, 31, Pinjala Subramaniam Road, Madras-17. (Transferor)
- Pinjala Subba Rao,
   Pinjala Subramaniam Road,
   Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at TS 6156, 31, Pinjala Subramaniam Road, Madras-17, (Doc. 2035/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17934.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, Padmanabha Chetty St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2067/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the saw Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—
34—226GI/83

Sh. G. B. Premakumari G. B. Mohana Kumar,
 Sh. G. B. Sundara Kumar, Lalitha Kumari,
 G. B. Krishna Kumar,
 Jagadambal Colony 1st Floor, Madras-14.
 (Transferor)

(2) Sh. S. Ananthanarayanan,4. Ramanathan St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) b) any other person interested in the said inumevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 28, Padmanabha Chetty St., Madras-17. (Doc. 2067/82),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17923.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 4/1, Noombal situated at Suidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer

at Poonamallee (Doc. 5038/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C or the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Sh. S. Sarangapani,
 Vania St., Chenneerkuppam,
 Sriperumbadur Tk.

(Transferor)

(2) Sh. Arjundas D. Khatri, Smt. Koushia K., Khatri, Shyam I Kanal, Mrs. Madhu S. Kanal, Ajay S. Kanal, Arjundas Khatri Mrs. Sharada A. Khatri, Kishore M. Khatri Sushila, K. Khatri, Meena, 80, Purasawalkam High Road, Madras-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 4|1, Noombal Saidapet, (Doc. 5038|82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-7-1983

#### FORM J.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias, the 7th July 1983

Ref. No. 17912.—Whereas, I., R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4, IV-Main Road, situated at Felepost Colony, Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Kodambakkum (Doc. 5127/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Raja Selladurai, 65, IV Road, Nandalunga Road, Extn., Benson Town, Bangalore-46.

(Transferor)

(2) Mrs. Vasugi Mcenakshisundaram, 121, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 4, IV-Main Road, Telepost Colony, Madras-33. (Doc. 5127/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-7-1983

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17897.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 2, situated at S. No. 120, Urur, Besant Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

Adyar (Doc. 443/82) on December 1982 ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) P. M. Padmanabhan, 30, VII Cross St., Besant Nagar, Madras-90.

(Transferor)

(2) K. V. Usha, 24, IV Cross St., Besant Nagar, Madras-90.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Flat 2, S. No. 120, Urur, Besant Nagar. (Doc. 443/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-II, Madras-600 006

Date: 7-7-1983

#### FORM I.T.N.S .-

(1) PAC Pattabhiraman, PA. Chellamani, PA Venkataramani,

2. Trevelyan Basın St., Madras-1. (Transferor)

(2) Mrs. Andal, Mrs. N. Vanaja,1. Warian Road, Madras-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17887.—Whereas, I, R P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS 40, Alandur situated at Chingleput (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur (Doc. 4226, 4227/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factivating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same racaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at RS 40, Alandur. (Doc. 4226, 4227/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 7-7-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias, the 7th July 1983

Ref. No. 17962.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 120/4, situated at Thiruvanmiyui (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc 3972/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

1) Sh. P. V. Kalyani Plot 9D, II-Seaward Road, Valmiki Nagar, Thiruvanmiyur, Madras-41.

(Transferor)

(2) Sh. M. Kumaresan Nadar, 14, III Main Road, Nehiu Nagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 120/4, Thiruvanniyur, (Doc. 3972/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th July 1983

Ref. No. 17920.—Whereas, I. R. P. P(LLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

99, South Beach Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1474/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. K. P. Raghavan, 57, II Main Road, RA Puram, Madras-28. (Transferor)
- (2) V. V. Chandramouli, 69, Luz Avenue, Madras-28.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at 99, South Beach Road Madras-28 (Doc. 1474∠82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date: 7-7-1983

Scal.:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd July 1983

Ref. No. 1/Dec./82.-Whereas, I; R. P. PILAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 127/1B, Anna Nagar, situated at Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Annanagar, Madras (Doc. No. 1840/82) in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mr. N. Nagarjun, S/o Mr. Subbareddy, No. 8, Mukta Gardens, Spurtank Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mr. G. V. Lakshmi Najayanan, 5, o. Mr. G. V. Venkataraman, No. U-29-Plot No. 4117, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Vacant Land at No. 1204, Anna Nagar, Madras-40, Doc. No. 1840/82).

> R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 2/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 11, situated at Aminjikarai Virlage, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1887/82) in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
35—226GI/83

Sh. K. R. Dakshinamuthy,
 S/o K. R. Raju Reddy,
 (Old 29) Gajapathy Naidu Street,
 Madras-30.

(Transferoi)

15867

Sh. N. Gururajan,
 S/o Sh. K. R. Natavana Rao,
 Sait Colony,
 Madras-8.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. TS. No. 11. Aminjikarai village Madras.
(Doc. No. 1887/82).

R. P. PII LAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Madras-600 006

Date: 2-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 6/Dec./82.-Whereas, I, R. P. PILLAI, Ref. No. 6/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
Plot No. 567 situated at Arignar Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1922/82 in December, 1982

1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument. of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Mayadevi Asrani Power Agent of Sh. Ramchard, No. 61G, Anri Noti, Madras.

(Transferor)

(2) Janadevi Rathi, Sashi Bala Rathi, Narayan Rathi & Brij Mohan Rathi, No. 52, I-Block, Anna Nagar, Madras.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicher period or variety later. whichver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Vacant land as No. 567, Anna Nagar, Madras, Doc. No. 1922/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority In recting A six or County oner of Income-tax A q to tion Punge-II. Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 2-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 7 Dec. 82.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 4447, situated at Mullam village, Anna Nagar, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating

of the Registering
Officer at Anna Nagar, Madras. (Doc Nos. 1923, 1924/82)
On December 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been thuly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. K. Sharada, No. 200, Strahans Road, Perambur Barracks, Madras-600012.

(Transferor)

 (2) Smt. Meena Kumari Narayanan, Pullat Suryanarayanan,
 50, "Krishnagiri".
 8th Cross Street, Shenoy Nagar, Madras-600030.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

(Varant Leid at Plot No. 4447, Mullara Vill. go. Anna Nagar, Madras, Doc. No. 1923, 1924[82].

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Loue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date 2-7-1983. Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 8 Dec.82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 94, situated at Periakudal village, Anna Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 1931/82) on December 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, a mely:--

(1) N. Ravichandran, No. A.3, Ramakrishna Nagar, M.I,G. Flat, Madras-28.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Gupta, 52, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 94, Feriakudal village, Anna Nagar, Madras Doc. No. 1931 82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 2-7-1983. Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 2nd July 1983

Rer. No. 9/Dec./82.—Whereas, 1 R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. New No. 9, II Main Road, (situated at Spenoy Nagar, Madras-600030.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Officer at Anna Nagar, Madras, (Doc. No. 1995/82) in December 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) V. G. Parthasarathy, S/o. V. Gopalachari, P. Vasudevan, S|o. V. G. Parthasarathy, No. 62, Chinnathambi Street, Madras-600001.

(Transferor)

(2) C. Viraraghavan, 13, 21st Avenue, Ashok Nagar, Madras-600083.

(Transmirec.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 9, II Mein Road, Shenoy Nagar, Madras-600030) (Doc. No. 1995/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006.

D te · 2-7 1983. Scal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 11|Dec.|82.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3, 10th Avenue, situated at Harrington Road. Madras-31. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Pariamet, Madras. (Doc. No. 1522/82) in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Meena Sridhar, 2, 2nd Street, Nandanam, Madras-35.

(Transferor)

(2) C. Parvathi, 11, 11th Avenue, Harrington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 3, 10th Avenue, Harrington Road, Madras-31)
(Doc. No. 1522/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) T P. Kuppuswami, 53, Guruvappa Chetty Street, Chint idrapet, Madras-600002.

(Transferor)

(2) S.R. Shanmugam Chettiar, 58, Guruvappa Chetty Street, Chintadripet, Madras-600002.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 12/Dec/82.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. New No. 53, Guruvappa situated at Chetty Street, Chinta-

dripet, Madras-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet, Madras, (Doc. No. 1563|82) on December 1982

ber 1982.

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less man me fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said instrument of transfer with the shiet of the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at New No. 53, Guruvappa Chetty Street. Chintadripet, Madras-600002. (Doc. No. 1563/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 2-7-1983.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 14 Dec. 82. Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 1|24, Venery High Road, situated at Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Periamet, Madras, (Doc. No. 1598/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Mohmi T. Jaisingh, 27. New Aavada Road, Madras-10

(Transferou)

(2) Mrs. Sushila Chimanlal Kapadia, 16. Mc. Nicholas Road, Chetpet,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. 1/24, Madras-7, Doc. No. 1598/82) Vepery High Road

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Minnie Nathaniel, No. 63, New Avadi Road, Kilpaug, Mad1as-10.

(Transferor)

(2) M/s. Shalimar Builders, Rep. by Manohar Bathija, No. 92, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 15/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 64, New Avadi Road, situated at Kilpauk, Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Periamet, Madras, (Doc. No. 1599/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 64, New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10. Doc. No. 1599/82)

R. P. P.I.I. A.1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600006.

Date: 2-7-1983.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—36—226G1/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 16/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing '

No. 156, Broadway, situated at Madras-600 001,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras, (Doc. No. 509/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. Samanthakam, Smt. C. Sarojini, No. 66, Narayana Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Kapoor, Sri Sunil Kapoor, 101, Marshalls Road, Egmore, Madras-600 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 156, Broadway, Madras-600 001. Doc. No. 509/82)

R. P. PILAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1, (i/c) Madras-600006.

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

Madras-600006, the 2nd July 1983

Ref. No. 17/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New No. 13, Chandrappa situated at Mudali Street, Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sowcarpet, Madras (Doc. No. 510/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ohter assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. T. Janardhanam, 16, Ayya Mudaly Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Şajjan Devi, 16. Ayya Mudaly Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 13, Chandrappa Mudaly Street, Madras-1. Doc. No. 510/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 2-7-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 060, the 2nd July 1983

Ref. No. 18/Dec./82.—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 260, Mint Street, situated at Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 516/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

(1) E. Parthasarathy, S/o. K. Elumalai Chettiar, No. 39, Venkatesa Gramani Street, Chintadripet, Madras-600 002.

(Transfesor)

(2) N. K. Thanaseclan, S/o. Kandaswamy Nadar, No. 4, Rajarathinam Street, Kilpauk, Madras-600 010.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(Land and building at 260, Mint Street, Madras-3. Doc. No. 516/82).

> R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant oCmmissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 B. Jayakanthan, 1/47A, Paramananda Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) G. Ramakrishnan, 17, Paramananda Mudali Street, Madras-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Re. No. 19/Dec./82.— Whereas, I R P. PILI AI, being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17, Paramananda Mudah situated at Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1903) in the office of the Registerine Officer at Sowcarpet, Madras (Doc No. 528/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. 17, Paramananda Mudali Street, Madras-1. Doc. No. 528/82).

R. P. PILLAI
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-7-1983. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th July 1983

Ref. No. 21/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. New No. 9, Nainiyappa situated at Street, G. T. Madras-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North-I, (Doc. No. 3649/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Moris A. N. Deiva Sigamani, A.D. Chandlian, A. D. Petham Baram, Moris A. L. Neelakandan, A. N. Kamaraj, A. N. Manimaran, Moris A. N. Velayutham, A. V. Soundarajan, A. V. Tamil Selvan, A. V. Akilan & Anjalakshmi Ammal, No. 3/54, Valmiki Street, Tiruvanmiyur, (Tiruvanmiyur) Madras-1.
- (2) Mrs. N. Sohara Banu, 33, Mannady Street, Madras-1

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 9, Nainiyappan Street G.T., Madras-1, Doc. No. 3649/82),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Date: 2-7-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Venu Pillai, Vaduvambal, No. 693, Poonmallee High Road, Madras-29.

(2) Smt. Dhanammal, Ramamurthy, No. 66, Ayyavoo Naidu Street. Madras-29.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 23/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 693, Poonamallee High situated at Road, Amainthakarai, Madras-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-I, (Doc. No 3665/82 and 3666/82) on

December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Land and building at No. 693, Poonamallee High Road, Amainthakarai village, Madras-29, Doc. No. 3665/82 and 3666/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 2-7-1983. Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

S. A. Md. Asmathullah Sahib,
 S. A. Md. Shoukathullah Sahib,
 S. A. Md. Saleemullah Sahib,
 S. A. Md. Saydeullah Sahib,
 S. A. Md. Salamullah Sahib,
 No. 5, Mottai Garden, 10th Lane,
 Madras-21.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) H. Noor Mohamed,H. Salahudeen,No. 10, Chinnathambi Street,Madras-1.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACOUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 24/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 156, Portugeese situated at Church Street, G.T.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-1. (Doc. No. 3688/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 156, Portugeese Church Street, G.T. Madras-1. Doc. No. 3688/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 28A/Dec/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. New No. 49, Ramanuja situated at Iyer Street, Old

Washermanpet, Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-II, (Doc. No. 3680/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-37-226 GI/83

(1) Jamuna Ammal, Guruvappa Chetty, Theagaraya Chetty, 45, Rathnasabapathy Mudali Road, Madras-21,

(Transferor)

(2) Karthikeyan, T. Asokan, R. Radhakrishnan, P. Gurumoorthy, M. Poolarsamy, K. Pachamal Nadar, V. S. Palanisamy, S. S. Palanisamy, R. Janahar, S. Nagarajan, S. Murugan, No. 126, Thebar Nagar, Madras-39.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 49, Ramanuja Iyer Street, Old Washermanpet, Madras-21. Doc. No. 3680/82).

> R. P. PJLLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c) Madras-600 006

Date: 2-7-1983.

Scal:

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 28B/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

New No. 49, Ramanuja situated at Iyer Street, Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-II, (Doc. No. 3679/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Jamuna Ammal W/o. Theagaraya Chetty, P. T. Guruvappa S/o. Theagaraya Chetty, P. Theagaraya Chetty S/o. Guruvappa, 45, Rathnasabapathy Mudali Road, Madras-21.

(Transferor)

 Rajasekaran S/o. Shanmugha Nadar, No. 23, Kappalpolu Chetty Street, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 49, Ramanuja Iyer Street, Madras-21. Doc. No. 3679/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madray-600 006

Date: 2-7,1983.

Seal .:

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 28/Dec./82.—Whereas, I, R., P. PILLAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New No. 49, situated at Ramanuja Iyer Street, Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-II, (Doc. Nos. 3681, 3682/82) on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which each to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelsh 47 5 (et, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Jamuna Ammal, W/o. Theagaraya Chetty,
   P. T. Guruvappa, S/o. P. Theagaraya Chetty,
   P. Theagaraya Chetty S/o. Late P. Guruvappa Chetty,
   No. 45, Rathnasabapathy Mudali Street, Tondiarpet, Madras-21.
- (2) Mr. Uthamchand, Singhavi, Bhawarlal Singhavi, No. 16, Guruvappa Chetty Street, Old Washermanpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 49, Mamanuja Iyer Street, Madras-21. Doc. Nos. 3681, 3682/82).

R. P. PILLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I,

#### MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 33/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 142, Linghi Chetty Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North-I, (Doc. No. 3794/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 V. C. Saradambal & Others, 10, Venhatraman Street, Srinivasa Avenue, Madras-28.

(Transferor)

(2) S. S. A. Md. Aboobucker Nachi Ammal & Others, 30, Muthumani Chetty Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. 142, Linghi, Chetty Street, Madras-1. Doc. No. 3794/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-7-1983.

#### FORM ITNS----

(1) O.M. Chandrasekaran & Others, 39, Thaiyappa Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. M. Iqbal & 5 Others, 99, Lingbi Chetty Street,

Madras-1.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 35/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 218, Thambu Chetty Street, situated at Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-I, Madras (Doc. No. 3828/82) on December

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. 218, Thambu Chetty Street, Madras-1. Doc. No. 3828/82).

R. P. PILLAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 2-7-1983.

#### FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 24th June 1983

Ref. No. 37/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65 and 66, Salai Vinayagar situated at Koil Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North-I, Madras (Doc. No. 3843/82) on December 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abdul Kader & Co., 37, Sembudoss Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Anjuman E Burhani, 55, Moore Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. 65 and 66, Salai Vinayagar Koil Street, Madras-1. Doc. No. 3843/82).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 24-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 40/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. New No. 20, A.E. Koil Street, situated at Cross Road, New Washermanpet, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras (Doc. No. 1454/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. Ranganathan, Minor Ramesh Guardian of Father Ranganathan,
 A.E. Koil Street, New Washermanpet, Madras-81.

(Transferor)

(2) K. S. Venkatraman, 13, Rani Anndurai Street, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at New No. 20, A.E. Koil Street, Cross Road, New Washermanpet, Madras-81. Doc. No. 1454/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 005

Date: 2-7-1983.

#### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### T. P. Thangavelu Mudaliar, 61, Muthaiya Mudali Street, Madras-21.

 S. Kumaravel & S. Ganesan, 402, T. H. Road,

Madras-21.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 41/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

No. 61 Muthiah Mudali Street, situated at Madras-21 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras (Doc. No. 1593/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. 61 Muthiah Mudali Street, Madras-21. Doc. No. 1593/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-7-1983.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 45/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. New No. 36, Kothandarama situated at Iyer Lane, Old Washermanpet, Madras-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Royapuram, Madras (Doc. No. 1853/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) V. Ganesan, Smt. G. Damayanti, 10-A, M.I.G. Flat, T.N.H.B. Colony, Vyasarpady, Madras-39.

(Transferor)

(2) P. Chinnasamy, 2/32, Padirivedu High Road, Padirivedu Village, Madarapakkam Post, Ponneri T.K. Chingleput Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 64, New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10. Doc. No. 1599/82)

R. P. PILIA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

36 —226GI/83

Date: 2-7-1983.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 47/Dec./82 — Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18, Nainiappa Mudali situated at Garden II Lane, Old

Washermanpet, Madras-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Royapuram, Madras (Doc. No. 1859/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) K. Balakrishnan, No. 18, Nainiappa Mudali Garden, II Lane. Old Washermannet. Madras-21.

(Transferor)

(2) Smt. Muniammal, 51, Monagar Choultry Road, Old Washermanpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 18, Nainiappa Mudali Garden II Lane, Old Washermanpet, Madras-21. Doc. No. 1859/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 2-7-1983,

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 49/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

New No. 99, Anna Pillai situated at Street, Madras-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Sowcarpet, Madras. (Doc. No. 533/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. Yasodamma, W/o. K. Govindarajulu,
 P. Kasturi W/o. T. K. Madanagopal,
 N. Padmavathi, W/o. N. Janardhan,
 Chandrappa Mudali Street,
 Madras-1.

(Transferor)

(2) Panku Bai W/o. Hazarimul, Kanta Ben W/o. Vishan Kumar, 24, Paramasiva Chetty Street, P.T., Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 99, Anna Pillai Street, Madras-1. Doc. No. 533/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-7-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th June 1983

Ref. No. 52/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Compètent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 1182/2, 1183/3, situated at Vada Vellore, Vellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vellore-I, (Doc. Nos. 4243, 4244/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kannammal, W/o. Ponnusami Pillai, P. Ayyasami Pillai, P. Ranganatha Pillai, S/o. Ponnusami Pillai, 60, Pillaiar Koil Street, Thottapalayam, Vellore.

(Transferor)

(2) J. Kamalanathan, J. Selvarajan, S/o. R. Jeevaratna Mudaliar, 24C, Officers Line, Krishua Nagar, Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Vacant land and building at S. Nos. 1182/2, 1183/3, Vada Vellore, Vellore, Doc. Nos. 4243, 4244/82).

R. P. PILLAF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date . 24-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th July 1983

Ref. No. 72/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Seerappalli, Rasipuram T.K. No. (and more fully described in the Schedulo annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namagiripet (Doc. No. 1171/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Srinivasan, S/o. Senkoda Gounder, S/o. Nallaiya Gounder, Seerappalli, Rasipuram T.K. Salem Dist. Salem Dist.

(Transferor)

 R. Rajendran, S/o. Raja Gounder, Seerappalli, Rasipuram T.K. Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at Seerappalli Village, Rasipuram T.K. Salem Dist. Doc. No. 1171/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-7-1983.

#### FORM I.T.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Pavuna, W/o. Marimuthu, Selvakumar, Vijayakumar, Azhakapuram, Atthur Γ.K., Salem Dist. (Transferor)

(2) T. R. Subramaniam, S/o Ramasamy Udaiyai, Chairman, Tamil Nadu Starch & Glucose Company Private Limited, Naiasingapuram.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd July 1983

Ref. No. 74/Dec.82.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Azhakapuram village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peddanaickenpalayam Salem Distt. (Doc. No. 1236/82), in

December 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Azhakapuram village, Peddanaickenpalayam, Salem Distt. doc. No. 1236/82).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-7-1983.

- (1) S. Kumar, Mrs. Rajeswari, 31, Road, Madras-17. Venkatnarayana
  - (Transferor)
- (2) J. M. Bhavanagarwala, 17, Sulaiman Zackria Avcnue, Madras-8.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th July 1983

Ref. No. 17896.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS 7/8, 7/10, situated at Adyar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 451, 452/82) in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gien in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

TS. No 7/8, 7/10, Adyar (Doc 451, 452/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-7-83

#### FORM NO. I.T.N.S .-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 18388.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. A/8, 4th floor, situated at 29/23, Rangan St., T. Nagar,

Madras-17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2096/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/);

- (1) Mrs. A. B. Arya, N K. Arya, 609, 17th B Cross II Stage, Chinnamangal, Indira Nagar, Bangalore-38. (Transferor)
- (2) Edgar Allan Mason, 29/23, Shanmugham Priya flats, Rangan St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at A/8, 4th floor, Shanmugha Priya Flats, 29/23, Rangan St., Madras-17. (Doc. 2096/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-83

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17924.—Whereas, 1,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 345/1, situated at Pazhanjur, Sriperumbadur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee (Doc. 4740/82) in December 1982, for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linklity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

9 —226 GI/83

- (1) K. Natesa Naicker, N. Kuppuswamy, Pappanchatram, Sriperambadur, Chingleput.
- (2) Dasapraksh Steels (P) Ltd. 10, Raja Annamalai Road, Madras-84. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 345/1, Pazhanjur, Sriperambadur. (Doc. 4740/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madray-600 006

Date: 11-7-1983

Scal:

(Transferee)

FORM ITNS ....

(1) K. S. Guruswamy, 13, Narasimhan St., Madras-17.

(2) V. N. Thangappan, 154, Usman Road, Madras-17.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17965.-Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS 7918, situated at Ramakrishna Road, Madias-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Madras South (Doc. 4057/82), in December 1982, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at TS 7918, Ramakrishna Road, Madras-17. (Doc. 4057/82).

> R. P. PILLAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Data: 11-7-1983

Scal:

(1) K. Ramakushnan, K. Ramanathan, 21, 4th Main Road, Kasturibai Nagar, Madras-20. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shirin, 1, Frrabalu Chetty St. Madras-1. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the

Madias-600006, the 11th July 1983

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 17979 — Whereas, I, R. P. PILLAI,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 165-19, situated at Injambakkam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at ,

Madras North (Dec. 3748/82), on December 1982,

for an apparent consideration whih is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 165 '19, Injambakkam. (Doc. 3748/82).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17986.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 11/2B, situated at Nerkundram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Virugambakkam (Doc. 1430/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- P. S. Ramaswamy Raja, P. S. Muthukrishna Raja, 100, Nerkundram, Saidapet, Chingleput.
- (2) S. Radhabai, 10, Poonthamallee High Road, Maduravoil, Madras-602 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 11/2B, Nerkundram, Saidapet. (Doc. 1430/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 11th July 1983

Ref. No. 17986 .- Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nerkundram, Saidapet, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office Virugambakkam (Doc. 1431/82), on December 1982, Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) P. S. Ramaswamy Raja, P. S. Muthukrishna Raja, 100, Nerkundram, Saidapet, Chingleput.
- (Transferor) (2) V. R. Srinivasan, 17, Gajapathi Naidu St. Stenoynagar, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicaiton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Nerkundiam, Saidapet. (Doc. 1431/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) R. Longanathan Chettiar, Ganapathy, Kannan, Samundeswari, 3, Seven Wells Vceraswamy Naidu St., Madras-1.

(Transferor)

(2) B. Punniakoti, 14, Kavarai St., Madras-1, Saidapet.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17974.-Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
TS 106, Saidapet, situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras South (Doc. 4302/82), on December 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land at TS 106, Saidapet. (Doc. 4302/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11.7.83.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) P. G. Ramdas, P. G. Shanmugham, 13, Mahalak-shmi Street, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) P. G. Ganesan, 13, Mahalakshmi Street, Madras-17.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 18389.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 5727/2, situated at 14/D, South Usman Road, Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

J. Nagar (Doc. 2098/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at 57, South Usman Road, Madras-17, (Doc. 2098/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11.7.83,

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17908,—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 5th Cross St. situated at United India Colony, Madras-24, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at KoJambakkam (Doc. 4926/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

- Rajathi Jagadeesan, 12, 5th Cross St., United India Colony, Madras-24.
- (Transferor)
  (2) Jalaja, 11, Rathnasabapathi St., Madras-24.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 12, 5th Main St., United India Colony, Madras. (Doc. 4926/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11.7.83.

Rathinasabapathy, 135, Kodambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor) (2) S. A. Syod Ahamed, S. A. Sharcela, S. A. Zulaika, Maghdoom St., Kayalpottinam, Tirunelveli.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 18233.--Whereas, I

transfer with the object of :--

R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 135, Kodamb kkam High Road, situated at Madras 34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 3772 82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer par cart of which apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

40-226G1/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 135, Kodambakkam High Road, Madras-34, (Doc. 3772/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11.7.83,

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madtas-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17910.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5, Sankarapuram I St., situated at Chooleimedu, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4905/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) C. L. Sahasranama Iyer, C. S. Lakshmanan, 5, Chellamthu Lane, Modras-1.
- (2) S. A. Narayanan, C. S. Sankaran, 5, Chellamuthu Lane, Madras-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat 5, Sankarapuram I St., Choolaimedu Madras. (Doc. 4905/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date: 11.7.83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17905 -- Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. TS 34 3, Puliyur, situated at Puliyar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kodambakkam (Doc 4946/82), on Decembter 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Pankajammal Balasundara Naicker, Naicken St., Choolai, Madras-7.
- 53, Audiappa
- (2) P. Radhakrishnan, 17, Ilango Salai, Madras-94.

(Transferor) (Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at TS 34/3, Puliyur. (Doc. 4946/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-7-83.

(1) T. Chitti Babu & R. Kamelakannan, 1A, Ellamman Koil St., Thiruvotriyur, Madras-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) C. A. Neminathan, 12/1, Dr. P. T. Rajan Road, Madras-78. (Transferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17991.-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

S. No. 174 I, Virugambakkam, situated at Virugambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Virugambakkam (Doc. 1262/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaidexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 174/1, Virugambakkem. (Doc. 1262/82).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17980.-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 49, Bharathi Dasan Road, situated at Madras-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 3133/82), on December 1982, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. Sarangan, R. Boopathy, T. R. Mohan, R. Ramanujam, Murugammal, 16, Raju Naicker St., Madras-

(Transferor)

- (2) (1) Mrs. Shobana Rajappa, 10, Bheemanna Mudali Garden St., Madras-18.
  (2) Mrs. Saraswathi Vaidyanathan, 6, Sivaswami
  - Iyer St., Madras-4.
    (3) Mrs. Emma Samuel, 27, A. K. Swamy Nagar,
  - Madras-10.
  - (4) D. V. Solomon, 28, A. K. Swamy Nagar, Madras-10.
  - (5) Mrs. A. Simon, C-3, C.S.E. Flats, 70, Balfour Road, Madras-10.
    (6) Mrs. Bama Rajagopal, 16, Flowers Road,
  - Madras-84.
  - P. S. Gopalakrishnan, C.89, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at 49, Bharathi Dasan Road, Madras-18. (Doc. 3133/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ranganayagi, S. Arunachalam, 1, Arcot Mudali Pillai St., Madras-17.

(Transferor)

(2) K. R. Dayanand, D. Jayashri, 75, Pachaiappas Hostel Road, Madras-31,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 17906.-Whereas. I

R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 134, 1, 134/2, situated at Kodambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4934/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at RS 134/1, 134/2, Kodambakkam. (Doc. 4934/ 82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-7-83.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) A. Alagiriswamy, 18, Old Agrahara St. Udumalpet. (Transferor)

(2) S. Nagarajan, S. Nagarathinam, S. Gnanasekaran, S. Abimanyu, S'o Sambasiya Achanyai, Udumalpet.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 12524.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Kalpena Road, situated at Udumalpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 2657/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Kalpana Road, Udumalpet. (Doc. 2657/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-7-83. Seal:

(1) A. Kozhandaivelu S/o Adaikalam Chettiar, Annuppu Palayam, Tiruppur.

(Transferor)

(2) M. Ramelingam, 26A, Annuppupalayam Gandhi Road, Tiruppur.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1983

Ref. No. 12504.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

26A, Anuppupalayam, situated at Gandhi Road, Tiruppur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (to of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 2446/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 26A, Gandhi Road, Annuppupalayam, Tiruppur. (Doc. 2446/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1983

(Transferor)

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 10074.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, Kamaraj Nagar, situated at Ozhukkarai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ozhukkarai (Doc. 1341/82) on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfor as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

41-226GI/83

- (2) R. Dhanalakshmi, 41, Narayanadas St., Kamaraj Nagar, Pondy-11.
- (2) Simon John Irudayanathan, Simon flavine, 23, Thillai Maistry St., Pondy. John Marie (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 41, Kamaraj Nagar, Pondy. (Doc. 1341/82).

> R. P. PIŁLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 18-7-1983

Sear :

(1) G. Thirgnanasambandani, 58, Sannadhi St., Thirubuyanam, Thiruvidaimarudur, Tanjore Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Rajagopalon, 2, Thiruvalluvarnagar, Calbahadur Nagar, Mayiladuthurai.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 10082. -Whereas, I R. P. PII LAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, Hangoadigal St., situated at Rao Bahadur Nagar, Mayila-

authutat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Maymam (Doc. 1117/82), on December 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than lifteen percent of such apparent consideration and that than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building at 15, Hangondigal St., Lalbahadur Nagar, Mayiladuthurai, (Doc. 1117/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 18-7 83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 10091.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 1686, 1656, 1690, situated at 1657/2, 1656/1, 4, North 3rd, 4th St., Pudukottai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pudukottai (Doc. 3188/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. S. Annamalai, S/o Subbiah Chettiar, North 3rd St., Pudukottai.

(Transferor)

(2) A. R. Ramaswamy S/o Arunachalam Chettiaf, South Raja St., Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and and building at TS. No. 1686/1, 2, TS/1656/1, 2, 1690, 1657/2, 1656/1, 4, North 3rd and 4th St., Pudukottai. (Doc. 3188/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 18,7,83. .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 10097.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 3362/1D, situated at Mannargudi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mannargudt (Doc. 2778/82), in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- P. Sankaravadıvel, P. Imayavceran, P. Balasubramanıan, P. Deivakunjari, 52nd St., Ashok Nagar, Madras.
- (2) Tanjoic Market Committee, Tanjoic. (Transferor)
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at TS 3362/1D, Mannargudi. (Doc. 2778/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 18.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12463.—Whereas, I.R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. TS 7/1587, situated at Thiagi Kumaran St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5384/82) in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sivasubramanian, 105, Sukrawarpet St., Coimba-

(Transferor)

(2) N. Valliammal 24/162, Uppara St., Coimbatore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at TS 7/1587, Thiagi Kumaran St., Coimbatore. (Doc. 5384/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 18.7.83.

(Late) P. Salai Gowder, (1) S. Nanja Gowder S/o Kotagiri,

(Transferor)

(2) H. R. Jayakumar S/o (Late) H. B. Raju Gowder, Coonoor.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANG-II, MADRAS-600 006. Madras 600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12455.—Whereas, I R. P. PHLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 143 13, 144/1, 146/1, situated at 146/2, Yedappalli.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. 1369/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parteis has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 143/13, 144/1, 146/1, 146/2, Yedappalli. (Doc. 1369/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madrus-600 006.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 18-7-1982

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANG II, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 18th July 1983

Ref No 12450—Whered, I R P PHIIAI, being the Competent Authority un

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

and bearing
5 No 607, 608, signated it 609, Odavakulain, Anaimalai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

c1 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai (Doc 1319/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) C. Velu, S. Maheswaran, P. K. Ramaswamy Gr. Kunjammal, Konganapuram, Sangagiri Tk. Salem (Transfero.)
- (2) Hiralal P. Malani, Tula II. Malani, Ashok Malani, 503 E. Tiuhy Road Combatore 641 018 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land at S No 607, 608 609, Odayakulam, Anamalai (Doc 1319/82)

R P PH LAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II Madras 600 006

Date 18 7-1983 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### katakrishna Road, Udumalpet. (Transferor) (2) Dr. P. M. Balasubramanian, 3/A, Ansari St. Extension, Udumalpet.

(1) S. P. Chinna Gounder, C. Palaniswamy, C. Rajagopal, C. Lakshminarayanan, Ruthirapalayam, Ven-

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECT\_NG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12523.—Whereas, 1

R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 73. Kanakkampalayam, situated at Venkatakrishna Road,

Udumalnet,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

and more fully described in the schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 2770/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid arounds the apparent consideration, therefore by where then exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and building at TS 73, Kanakkampalayam, Udumalpet. (Doc. 2770/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 18.7.83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12522.—Whereas, I, R, P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. F. No. 710/1, 718 situated at Andigoundanur, Udumal-

S. F. No. 710/1, 718 situated at Andigoundanur, Udumalpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore Udumalpet (Doc. 2696/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Lakshmanaswamy
 Krishnaswamy, Ramaswamy
 Gopalswamy
 Amaravathinagar, Udumalpet,

(Transferor)

 N. J. Chandy S/o N. C. John, Alleppey, Kerala. Ammakutty Chandy W/o N. J. Chandy, Alleppey.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at S. F. No. 710/1, 718, Andigoundanur, Udumalpet. (Doc. 2696/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

42-226 GI/83

Date: 18-7-1983

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12462.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS 7/61/3, Venkatakiishna situated ot Road, RS puram, Colmbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore, (Doc. 5470/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rukmani Jayanthi
 35 36, Venkatakrishna Road RS puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Dorairaj, 26, Surangasalai, Neyveli, S. A. Dt.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at TS 7/61/3, Venkatakrishna Road, RS puram, Coimbatore, (Doc. 5470/82).

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madias-600006

Date: 18-7-1983

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12770.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/and bearing No.

Vaithikuppam, situated at Pondy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 3001/82) on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manicka Gounder, Krishnamurthy Gangadaran, Ekambaram, Narayanaswamy, Sankaran, Janardhanan Vaithikuppam, Pondy.

(Transferor)

 Sabapathi S/o Ponnuswamy Vaithikuppam, Pondy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Vaithikuppam, Pondy. (Doc. 3001/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 18-7-1983

Scal- :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 12525.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing 228, 229 situated at Ooty

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 834/82) on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hawa, Bai, 30/3, Stephen's Road, Frazer Town, Bangalore.

(Transferoi)

(2) Di. K. M. Sivakumar, S. K. Sakku Bai, Kagguchi Village, Kagguchi, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 228, 229, Ooty, (Doc. 834/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 18-7-1983

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Sreedharan & Co. 152, Greams Road, Madras-6.

(Transferor)

15927

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1961 (43 OF 1961)

A. Ganesan,
V. M. Syed Ahm
3. Desikachari Ro

### GOVERNMENT OF INDIA

Ahmad Zubir,
 Rep. by Mohammed Ismail,
 Arunacolony Saidapet Road,
 Madras-26,
 A. Ganesan,
 V. M. Syed Ahmed,
 Desikachari Road,
 Madras-4.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 17948.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 146, Greams Road, situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Oiller at Thousandlights (Doc. 907, 909/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and building at 146, Greams Road, Madras-6. (Doc. 907, 909/82).

R. P. PIJLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-1983

Seal

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 10073.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26, Kamban Nagar II St situated at Reddiarpalayam, Pondy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 1324/82) on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kantil T. Vona, M/s. Sakthi Stores, Pondicherry.

(2) Jagadambal W/o Shanmugham, Chokanathanpet, Pondicherry. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 26, Kumbannagar II St., Reddiarpalayam, Pondy. (Doc. 1324/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

T. Saroja, 116, Muthumariamman koil St., Pondy.

(Transferor)

(2) K. Sumathi & V. Kaliaperumal, 112, Muthumariamman koil St., Pondy.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 10266.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS, No. 185/1, Parimala situated at Mudaliar Thottam,

Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 3180, 3181/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson the believe that the fair market value of the property as especial. mairce value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at RS. No. 185/1, Parimala Mudaliar Thottam, Pondy.

> R. P. PILLAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aequisition Pange-II, Madias-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# M. K. Sundararajan, Murugesa Mudaliar Road, Madras-17

(Transferor)

N. Lakshmithayaru,
 Nattu Pillayar Koil St.,
 Madras-1.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 17916.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat 34/1, situated at Kakshminarayanan St., Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4844/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat 34/1, Lakshminarayanan St., Madras-33. (Doc. 4844/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 086.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 17951.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 58, Rakkiappa Mudali St., situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 925/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. M. Meenakshi Sundarammal, M. Paramanandam, 58, Rakkiappa Mudali St., Madras-4.

(Transferor)

 M. S. Jamal Mohammed Nazaar, M. S. Mohammed Ibrahim,
 Mada Church Road,
 Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 58, Rakkiappa Mudali St., Madras-4. (Doc. 925/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

--226 GI/83

Date: 18.7-1983

### FÖRM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 17947.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13, I St., Dr. Thirumurthy situated at Nagar, Madras-34 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the ffice of the registering officer at

Thousandlights (Doc. 906/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in recpect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. Saraswathi,
 C. Selvaraj,
 I St., Dr. Thirumurthy Nagar,
 Madras-34.

(Transferor)

(2) Ratan Bail, Kesarbai, Dilip Kumar, Praveen Kumar, 7, Subramanian Lane, Devaraja Mudali St., Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 13, I St., Dr. Thirumurthy Nagar, Madras-34. (Doc. 906/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 18-7-1983

Scal:

(1) C. Suryachandra Reo, C. Sushcela Devi, 1, Chinna Pillai St., Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. Vivek & Co., 167, Usman Road, Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 18386.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 167, 167A. Sir Mohammed

situated at Usman Road,

Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2092/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later: pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The perms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 167, 167A, Mohd. Usman Road, Madras-17 (Doc. 2092/82).

> R. P. PILLAI Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madias-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 18-7-1983

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 17985,--Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 3/1, 2 situated at 4, 5, 75 to 83 and 85 to 100,

Kanakkampalayam, Udumalpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madras North (Doc. 3658/82)

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) The Palani Andavar Mills Ltd. 236, Dhally Road, Udumalpet, Combatore.

(Transferor)

(2) Palani Andavar Cotton & Synthetic Spinners Ltd., 236/1, Dhally Road, Udumalpet, Coimbatoré.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land, Building etc. at TS No. 3/1, 3/2, 4, 5, 75 to 83 & 85 to 100, Kanakkampalayam, Udumalpet. (Doc. 3658/82).

R. P. PILLAI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-7-1983

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983

Ref. No. 17942.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

218, Mow brays Road, situated at Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thousandlights (Doc. 934/82) in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. V. Ramakh, Mercy View, Ooty Nilgiris
 R. Sambasivan, 22 H Block, 20th Main Chord Road, Rajajinagar, Bangafore
 R. Chandrasekaran, Mrs. Padma Krishnamuthy, 218, Mowbrays Road, Madras-18.

AND THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

(Transferor)

(2) Kamalahasan Vani Kamalahasan 172, Eldems Road, Madras-600 018.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 218, Mowbrays Road, Madras-18. (Doc. 934/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 18-7-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) T. K. Sarojini & 7 others, 20, Circular Road, Madrus-24

(Transferor)

(2) Ayya Mani Subramania Iyer, Mahadanapuram, Cape Comerin, Kanyakumari Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th July 1983
Ref. No. 17907.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 20 Circular Road, situated at Madras-24 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), the bean transferred under the Pagistration Act, 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakham (Doc. 4927/82) in December, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 20, Circular Road, Madras-24. (Doc. 4927/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 18-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th July 1983

Ref. No. 17898.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing No.

10, Mani St., Subramania, situated at Nagar, Madras-24

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 4861/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N.P. Sadasiva Chetty, 10, Subramania Nagar Mani St., Madras-24.

(Transferor)

(2) S. Sundaravel,7, Thambiah Reddy Road,Madras-33.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 10, Subramania Nagar Mani St., Madras-24. (Doc. 4861/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 18-7-1983

Seal ;

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 22nd July 1983

Ref. No. 12461.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

32/26A, Kajuppa gounder,

situated at St., Combatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore (Doc. 5386, 5387, 82)

in December, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. Ramaswamy,
 Karuppa goundan St,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. B. Sudharan, S. Usha, 187, Raja St., Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 32/26, A Karuppa goundan St., Coimbatore. (Doc. 5386, 5387/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006,

Madras-600006, the 22nd July 1983

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1, Kamalabaj St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 2115, 2116, 2117/82) on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--44-226GI /83,

(1) Ramchandra S. Ragde, CPO Box 143. Seoul, Korea.

(Transferor)

1. Ranjan Karnad,
 10, Manikeswari Road, Madras-10
 2. S. Ganapathy,

S. Ganapatny,
 Karpagambal Nagar, Madras-4.
 R. G. Acharya,
 Letangs Road, Vepery, Madras-7.

(Transferee)

(3) (a) Mrs. R. Krishna Bai,
No. 1, Kamala Bai Street,
T. Nagar, Madras-600 017.
(b) Mrs. Nalini V. Ragade,
6/279, Shanthi Kumj Sion East
Bombay 400 022.

(c) Mrs. Muktha P. Pandit 4. Gurubhakthi Mulund East,

4. Gurubhakthi Mulund East,
Bombay 400 081.

(d) Jayant V. Ragade
214, Rnggs Drive,
Clemson, S. Carolina, USA.

(e) Imdukanth S. Ragade (HUF)
0/7,ATIC Colony,
Gujarat 396 020.

(f) Ragade Ramohan (HUF)
A-14, Nandanvan,
Behind Oscar Ambar Theatres
Swami Vivekananda Road,
Andheri West, Bombay-400 058.

(g) Ramchandra S. Ragde,

(g) Ramchandra S. Ragde,
CPO Box 143, Seoul, Korea.
(h) Lakshman S. Ragde (HUF)
37, Hickory Heights Crescent Kitchener,
Ontario, Cunada. (Persons interested in the property) Co-owners/tenants-in-common of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 1, Kamala Bai St. Madras, 17 (Doc. 2115, 2116 2117/82)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Maclass-600 006

Date: 22-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

OF INCOME-TAX

Madras-600006, the 22nd July 1983

Ref. No. 17929—Whoreas I, R. P. PILIAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 354. Triplicane High Rond, situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 1068, 1069/82) on December 1982 tor an apparent consideration which is less than the înir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 L. Saroja, L. Balasubramani, E. Pushpa, L. Srinivasan, L. Gomathy, 55, Arunachala Achari St., Madras-5.

(Transferor)

(2) Shameom Ahmed, Kareem Ahmed, Shukoor Ahmed, 18, Parish Venkatachala, Iyer Lane, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 354. Triplicane High Road, Madras-5. (Doc. 1068/82) & (1069/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 22-7-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 22nd July 1982

Ref. No. F 12467.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Land at S. No. 343/1, 393/2 situated at

Rs. 25,000/- and bearing

Ganapathy, Coimbatore Tk, (Doc. 4570, 4571, 4572, 4575, 4576, 4577/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Coimbatore on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

N. Palaniswamy,
 R. Saraswathi,
 Thilagavathy, Cheralathan,
 Hangovan Parthiben Ganapathiputhur,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) 1. S. Chinnaswamy s/o Subbana gounder, Kannimarnagar, Satbi Road, Coimbatore.

K. Natarajan s/o Kaliappa gounder,
 Dhasar Lane, Ganaputhi,
 Coimbatore.

3. Rangaswamy seo Nagappa Gounder, 52, Sathi Road, Ganapathi,

Coimbatore.

4. Ponnuswamy s/o Nullia Pillai, 26B, Patel Road, Coimbatore.

 M. Karthikeyan s/o Matudachala Mudahat, Selvinilayam, 7, Ganapathi, Combatore.

Gnanasambandam, s/o P. M. Chionaswamy,
 Kaliswaranagar,
 Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 393/1, 393/2, Ganapathy, (Doc. 4570 to 4572, 4575 to 4577/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Michas-600 606

Date: 22-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 22nd July 1983

Ref. No. 12483.—Whereas I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 489/1, Ganapathy, situated at Gandhipuram has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 4564/82) on December, 1982 and fully described in the schedule annexed have to) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M. R. Venkatesalu, s/o Ranaganatha Naidu, Maniakaranpalayam, Ganapathy, Combatore.

(Transferor)

(2) K. Selvakumar, Senthilnathan, 8C, Ramaswamy Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 489/1, Ganapathy. (Doc. 4564/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

Date: 22-7-83

### FORM ITNS ---

(1) K.N. Kalyanabushanam, 26, 10th Avenue, Madras, \$2

(Transferor)

(2) P.R. Thiagaraj for Geetha Dr. T.V. Road, Madras. 31

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, 11 MADRAS-600006

Madras-600006, the 22nd July 1983

Ref. No. 17911.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26, 10th Avenue, situated at Madras-82. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodam bakkam (Doc. 5007/82) on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid porperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 26, 10th Avenue Madras. 82 (Doc. No. 5007/82)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 22-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 21st July 1983

Ref No. 17938.—Whereas, I

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, South Usman Road, situated at Madras-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2040/82) On December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K.M. Zubaida, A. Y. Sithi Shama A.Y. Sathak Mushtak, A.Y. Ziaudeen, A.Y. Nasser, 5, Rutland Gate II St., Madras-6

(Transferor)

(2) S.A.S.M. Aminathu Aahima S.A.S.H. Sithi Murshitha, Aysath Vajiha, A.K.M. Sithi Nazeera, 11, Armenian St., Madras-1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 1, South Usman Road, Madras-17 (Doc. No. 2040/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, II Madray 600006

Date :21-7-1983 Seal :

### FORM i.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd July 1983

Ref. No. 17943 -- Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS 533/10, situated at Nungambakkam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Thousandlights (Doc. 935 to 937/82 on December

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sterling Enterprises 834, Anna salai, Madras-2

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Uma Poddar, Mrs. Dhanni Poddar, 5, Ruja St., Madras. 18 2. Mrs. S M. Ahamed Natana, 96, Coral Merchant St. Madras-1,

3. Kishinchand Naraindas, 15, Club Road, Chetpet, Madras. 31

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at RS, No. 533/10, 1, Sterling Road, Madras, 34 (Doc. 935 to 937/82)

R. P. PILLAI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 22-7-1983.

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Krishnamurthy 12, Club Road, Srinivasangar,

(Transfero))

(2)R. Prakashchand Bohra Paras K. Bohra 10, General Muthiah Mudali St., Madras, 1

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd July 1983

Ref. No. 17957,-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- dna bearing

No. 177, situated at Kodambakkam High Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 951/82) on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respec of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Land and building at 177, Kodambakkam High Madras-34 (Doc. 951/82)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600 006 Madras-600006, the 2nd July 1983.

Ref. No. 89/Dec/82.—Whereas, I R P. PILLAI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Rajapalayam Village, Rajapalayam Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajapalayam, (Doc. No. 3154/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—45—226GI '83

(1) Kadiresan, S/o Chinnaiya, Secretary, (Peddavanallur Arulmigu Mayuranathaswamy Devasthanam) Madurar Road. Rajapalayam Town.

(Transfero )

15947

(2) N.P. Raju Naicker, M/s N.P. Raju Naicker & Sons, Panju Market, Rajapalayam Town.

(Transleree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

### THE SCHFDULE

(Land at Panju Market, Rajapalayam Town Doc No. 3154/82)

R. P. PILI AI
Competent Authora
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

60/61, ERANDAWANA, KARVA ROAD PUNE-4

Pune-4, the 30th May 1983

Ref. No. CA-37EE/134/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 128, Usha apartment, Flat No. 3 first floor, Pimpri colony, Haveli Tal, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn Range Pune on 3-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Basant Construction, Pimpri colony, Pimpri.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Hunmantrao Ippa, MHB, 3/140 MAB colony,. Gokhale Nagar, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3 1st floor, Plot No. 128 Usha apartment, Pimpri colony, Tal Havell. Dist Pune.

(Aca---623sq.fts)

(Property as described in the sale of agreemeth registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 2751 dated 3-12-1982)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Peona.

Date: 30-5-1983.

 (1) (1) Shri Jaganath Bahiru Bavlekar,
 (2) Shri Savalaram Babiru Bavlekar
 (3) Shri Thukaram Jaganath Bavlekar and (4) Shri Srirang Savalaram Bavlekar All are residing at Metguted, Tal. Mahalbeshwar. Dist. Satara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sou Rahut Rashid Baig, 12; Manik Asad, 5, Setalwad, Street, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

60/61, ERANDAWANA, KARVA ROAD PUNE-4 Puna-4, the 7th July 1983

Ref No. CA-5/933/SR-Wai/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 128 -3A/1A-3D, situated at Mahableshwar Diet Satara

Dist. Satara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Wai on 18-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey No. 128/3A/1A/3D Mahableshwar, Dist. Stara. (Area 85 R.).
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Wai under document No. 59 dt 128/3A/1A/3D Mahableshwar, Dist. 18-1-83)

> SHASHIKANT KULKAR Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range, Poc

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-7-1983.

(1) Shri Bapu Parsu Patil, Kupwad, Tal. Miraj.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Narayan Krishna Herade, Chief Promoter, Pragati Sati Housing society Ltd. (Proposed) Sangli. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

60/61, ERANDAWANA, KARVA ROAD PUNE-4

Puna-4, the 7th July 1983

Rcf. No. CA-5/932/SR-Miraj-I/83-84.Wherens, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kupwad Survey No. 38, 28, situated at Tal Miraj. Dist Sangli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at S.R. Miraj on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey No. 38/2B, Kupwad, Tal. Miraj, Dist. Sangli. (Area—1H—26R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub Registrar, Miraj-I under document No. 2605 dt. 27-12-82)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:—

Date: 13-7-1983

(1) Shri Bhaskar Jeejba Khatal, R/o At Dhandarphal, Tal. Sangamner, Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhav G. Kanjale, R/o 1686/87, Rangar Galli, Sangamner, Dist. Ahmednagar.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN. 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. C.A.5/923/SR Sangmer/83-84.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 370/1-1A-2A, C. Survey No. 3557 situated at

Sangamner, Dist. Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at 5. R., Sangamner on 28-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Sangamner Survey No. 370/1-1A-2-A City survey No. 3557, Tal Sangmuer, Dist. Ahmednagar, (Arca-2.75R). (Property as described in the sale deed registered in the office of the sub-Registrar, Sangmner under document No. 245 in the month of Jan., 83.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, POONA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 6-7-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

> > Poona-4, 4th July 1983

Ref. No. CA-5/922/SR Nasik/83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 692/1/13, Plot No. 12, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R., Nasik on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Keshav Gopal Bhopatkar, R/o 12, Parichaya Society, 1000/6-D Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

1. Sou. Jayshri P. Thakkar,
 2. Smt. Bhavana Jagadish Thakkar, R/o
 551/4, Jwaliya Bhavan, Edenvalla,
 Matunga, Bombay-400 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 692/1/1B, Plot No. 12, Nasik, Dist. Nasik. (Area-472.32 sq. metres).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 1100 dated 10-3-83.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 4-7-1983

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 1st July 1983

Ref. No. CA-5/918-SR.Karvir/83-84.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No. 1243/30, E-Ward, situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R., Karvir on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b the issue of this notice undersub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Narayan Walawalkar, R/o E-Ward, C. S. No. 1243/40, Shivaji Udyan Nagar, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Piranjirao Nalwade und Shri Chandrakant Piranjirao Nalwade, R/o S-Ward, C. Survey No. 142, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at City survey No. 1243/30, E-Ward,

Kolhapu (Area—184.77 sq. metres).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir under document No. 4585 dt. 28-12-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 1-7-1983

Sen1 :

(1) M/s. Bastiram Narayandas Sarda Ltd., Soona Mahal, Netaji Subhash Road, Bombay-400 020,

(Transferor)

(2) M/s. Bastiram Narayandas Sarda, Congress House, M. G. Road, Nasik-422 001.

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

> > Poona-4, the 1st July 1983

Ref. No. CA-5/917/SR Bombay/83-84.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Rs. 25,000/- and bearing No. (1) Land and Building at S. No. 1293/1-2, Adm. 29 gunthas—Sinnar, Dist. Nasik, (2) Land and building at S. No. 235/1-1, 0-79R & S. No. 236/1-2, Ghulewadi, (3) Land at S. No. 455/2/1, Sangamner Dist. Ahmednagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at S. R., Bombay on 1-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the sai the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- (1) Land at Survey No. 1293/1-2, Sinner, Dist. Nasik, 29
- (2) Land at Survey No. 235/1-1-79R and Land at Survey No. 236/1-2-60 R, Dhulewadi, Tal. Sangamner, Dist. A'Nagar
- (3) Land at Survey No. 455/2/1, Sangamner, Dist. Ahmednagar, -Area-50R.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 2420 dt. 1-12-82.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, POONA

Date: 1-7-1983 Seat:

#### FORM ITNS----

 Smt. Meena M. Date and Shri P. G. Dute.
 C./o. P. D. Phutak,
 R./o 22, Mangaldbam, 17, Nariman Road,
 Bombay-400 057.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. I cela A. Laghate, R/o Plot No. 13, S. No. 88/2, Ganga Sahakari Society, Parvati, Pune-411 009.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferec)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSINER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 27th June 1983

Ref. No. CA-5/914/SR Haveli-I/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and Survey No. 88/2, Plot No. 13, situated at Parvathi, Pune-9

Survey No. 88/2, Plot No. 13, situated at Parvathi, Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R., Havell-I on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
46—226GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building S. No. 88/2, Plot No. 13, Parvathi, Pune-9 (Area—3600 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the

(Property as described in the sale deed registered in the office of the sub-registrar, Haveli-I, Pune under document No. 610 in the month of January, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 27-6-1983

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, FRANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 23rd June 1983

Ref. No. CA-5/907/SR, Kal./83-84,—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 328, Hissa No. 14, Plot No. 19, Thakuri, Tal. Kalyan, situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R., Kalyan on 20-12-1982

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

- (1) 1. Shri Narayan Yashwant Karnik, 2. Shri Balkrishin Dattatray Karnik, 3. Shri Mohan Dattatray Karnik,
  - 4. Shii Madhay Dattatray Kotnik and 5. Shii Dinkar Nuthai Kainik-

All are residing at Omiya Housing Co-op. society, Dombivali (F), Dist. Thanc.

(Transferor)

(2) The Chairman Shri U. S. Achaya and Secretary—Shri W. G. Sahani of Omiya Housing Co-operative Society, Dombivali, Agarkar Rd., Dombavali (E), Dist. Thauc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 328, Hissa No. 14, Plot No. 19. Thakurli village, Tal. Kalyan, Dist. Thanc (Area—606 sq. meter)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 2347 dt. 20-12-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 23-6-1983

and bearing No.

#### FORM ITNS--

#### Sou. Malan bai Jagannath Renavikar, R/o Gani Bazar, Ahmednagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 1. Shri Prabhakar D. Dhavade, 2. Shri Rajendra M. Dhavde, R/o Ganj Bazar, Ahmednagar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMENT HOUSE, 69171710, PUNE SATARA ROAD, PUNE-411 009

Pune-411 009, the 31st May 1983

Ref. No. CA-5/890/SR A'nagar/83-84.— Whereas, I, SHASHIKANT KUI KARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

C. S. No. 3087/2A. Ahmednagar situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar. A'nagar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Objections it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

City Survey No. 3087/2A, Ahmednagar. Area—4455 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 247 in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar on January, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, POONA

Date : 31-5-1983

Scal :

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMENT HOUSE, 691/1/10, PUNE SATARA ROAD, PUNE-411 009

Pune-411 009, the 1st June 1983

Ref. No. CA5/901 SR Nasik/83-84.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Devlali Gaon Survey No. 122/1+2, Plot No. 4, situated at

Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Nasik on 13-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri V. Herbart J. Parera, R/o 62A, Chimbai Road, Bandra, Bombay-51 (Transferor)

(2) 1. Shri Adam Hussein Mulla, R/o Saikrupa Apartment, Block No. 6, Old Agra Road, Nasik.
 2. Shri Govind Mohanrao Kokil, R/o

 Shri Govind Mohanrao Kokil, R/o Prachi Bungalow, near Bytco Factory, Nasik Road, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Village Devlali Survey No. 122 1+2, Plot No. 4 Taluka & Dist. Nasik.

Area—1663 Sq. meter (Property as described in the sale deed registered under document No. 195 in the office of the sub-registrar, Nasik on 13-1-1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date: 1-6-1983

Sent

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4,

Poona-4, the 31st May 1983

Ref. No. CA5/891/SR A'nagar/83-84.—Whoreas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under .

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 282/1B, Plot No. 3, Savedi situated at Savedi, Dist. A'nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-registrar, A'nagar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vasant Vasudev Sant, R/o Conri Galli, Ahmednagar.

(Transferoi)

(2) Shri Achut Digambar Choudhary, R o Near Lal Taki Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Mauje Savedi Survey No. 282/1B, Plot No. 3, Dist. Ahmednagar.

Area - 5005 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1123 in the office of the Sub-registsar, Ahmed-nagar on 31-3-1983.)

SHASHIKANT KULKARN1
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, POONA

Date : 31-5-1983

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Karamchand Laxmandas Sewlani, Ulhasnagar. (Transferor)

(2) Shri Hirachand R. Rohra, 294/13, Snivmeyur Co-op, housing society, Pantingar, Ghatkoper, Bomay.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 7th July 1983

Rct. No. CA-5/934 S.R.A'Nagar/83-84.—Whereas, I, SHASIIJKANIT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No Plot No. 1, Small Scale Industrial area Ulhasnagar-4. situried at Unhasnagar, Thane, bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ulhasnagar on 4-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1. Smail Scale Industrial Area, Ulhasnagar. (Area 880 sq. ft. & land 1176 sq. tt.) Factory,

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ulhasnagar under document No 345 date 4-2-(983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-7-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE

## INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 7th July 1983

Ref. No. CA-5/935/SR Ulhasnagar/83-84 -- Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1, Small Scale Industrial Area, Ulhasnagar-4, situated at Ulhasnagar, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ulhasnagar on 4-2-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- '(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heleby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely :-

- (1) Shri Khusalchand Shri Kishanchand, Block-A-203 Room No. 405, Ulhasnagar, Thane Dist. (Transferor)
- (2) Shri Lekhraj H. Jethani, Barack 99, Room 78, Station Rd., Ulhasnagat-3. (Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1, Small Scale Industrial Area, Ulhasnagar-40. (Area 133 sq. y ds.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ulhasnagar under document No. 347 dated 4-2-83).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge, Poona

Date: 7-7-1983

(1) Shri Hassquand, Keshavdas Shahadadpuri No. C-666, Room No. 1332, Ulhasnagar-4. Shahadadputi, Block

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanyalal Lokumal Motwani, Room No. 68, Block No. 34, Ulhasnagar-4, Thane (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE,

60/61, ERANDWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 7th July 1983

Ref. No. CA-5/936/SR Ulhusnagar/83-84 - Whereas, I, SHASHIKANI KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. C-666, Room No. 1332, situated at Ulhasnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ulhasnagar on 7.3-83 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. C-666, Room No. 1332, Ulhasnagar, Dist. Thanc. (Area-285 sq. yds.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ulhasnagar under document No. 761 dated 7-3-1983).

SHASHIKANT KUI KARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sad Act, to the following nersons, namely :--

Date : 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 60/61, ERANDWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 7th July 1983

Ref. No. CA5/37FE/209/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, 2nd Floor alongwith Parking Space, A wing Clover Centre, 7 Moledina Road, Pune-411001, primarkly at Pune.

situatéd at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at J.A.C., Acq. Range, Pune on 17-5-83 (No. 375/83-84) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby tritiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secthen (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons namely :-

47---226GI/83

M/s. Vijay Enterprises,
 Rewa Chambers,
 New Marine Lines, Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) Mr. Haresh Milani, Ashirwad Mansion, Plot No. 245, Pimpri, Punc-411 017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd Floor alongwith Parking Space. A wing Clover Centre, 7, Moledina Road, Punc-411 001.

(Property as described in the agreement to sale registered under No. 375/1983-84 on 17-5-1982 in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE, KARVE ROAD. POONA-4

Poona-4, the 7th July 1983

Ref. No. CA/37EE/21/1/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, Ground Floor in Vanita Apartments, Plot No. 46, Parvati, Pune-9,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. Range, Pune on 28-5-1983, 405/83-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suhas Narayan Natu, Plot No 46, Tulsibagwale Colony, Pune-9.

(Transferoi)

(2) Shri MuriiJhar Rangrao Katti, 88/1-B/2, Parvati, Geeta Govind Apartments, Pune-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2. Ground Floor in Vanita Apartments, Plot No.46, Parvati, Pune-9.

(Property as described in the agreement to sale registered under No. 405 on 28-5-1983 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune).

SHASHIKANT KULKARNI
Conspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Poora

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 7th July 1983

Ref. No. CA5/37EE208/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 116, 1st Floor, C-Wing, Clover Centre, 7 Moledina Road, Pune-411 001 situated at Pune

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on 17-5-83, 376/83-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not oeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:—

M/s. Vijay Enterprises,
 515, Rewa Chambers,
 New Marine Lines, Bombay-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Varmit Kaur Malhotra, Flat No. A/2, Laldeval Housing Society, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 116, First Floor, C-Wing, Clover Centre, 7, Moledina Road, Pune-411 001.

(Property as described in the agreement to sale registered under No. 376/83-84, on 17-5-83 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-7-1983

(1) M/s, A. V. Mulay and Co., 1141, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sheela Dhanraj Kadadi, 937, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD POONA-4

Poona-4, the 6th July 1983

Ref. No. CA-5/37EE/207/83-84.—Whereas. I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 7, 2nd Floor, Plot No. 7 C.S. No. 1009/7, Shivaji Nagar, Pune-16, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at IAC Acqn. Range, Pune on 31-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, at Plot No. 7, C.T.S. No. 1009/7, Shivajinngar, Punc-411 016. (Area 920 sq. ft.).

(Property as described in the agreement registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Pune under No. dated 31-5-1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd July 1983 C.R. No. 62/36706/82-83/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 25, situated at Cubbon Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivannagat under document No. 2863/82-83 on 17-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Khorshed Nadir Shaw Wadia, C70 Mrs. Rathi Fapon 14, Church Street, Langalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. Popular Kuries, No. 22, Shrungar Shopping Complex, 80, M. G. Road, Bangalore-1.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2863/82-83 dated 17-12-1982].
All that property bearing No. 25, situated at Cubbon Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-7-1983

H. P. Govindappa,
 496, 11th Cross, Snivaji Road,
 N.R. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

15968

## (2) A. G. Vombatkere, 13, 2nd Main Road Yadavagiri, Mysore-570 020. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER **CF INCOME-TAX**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days are a time service of notice on the respective persons,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

whichever period expires later;

Bangalore-560 001, the 25th July 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/36691/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

1 JELANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maning as given in that Chapter.

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac', 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 (Site No. 13) situated at II Main Road, Yadavagiri

Exin. Mysore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Mysore under document No. 4505/82-83 on 24-12 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mirket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sard Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4505/82-83 dated 24-12-1982]. All that property bearing No. 26, Site No. 13 situated at

II Main Road, Yadavagiri, Mysore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the actoresaid property by the Laue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Date: 25-7-1983

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-570 001

Bangalote-560 001, the 15th July 1983

Ref. No. 62/36348/2/3/Acq—Whereas, I, MANIU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1184/12 situated at 35 °C' Cross, IV T Block Jayanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1938 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar under document No. 2940/82-83 on 16-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (1) K. S. G. Chari &

(2) Smt. Maithilichari their GPA holder
(3) St. K. S. Krishnaswamy,
No. 26 Anind Lok New Delhi-49.

(Transferor)

(2) Shri Bansilal Mehta, 380, West of Chord Road, 12th Cross, 5th Main II Stage, Rajajinagar, Eangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2940/82-83 dated 16-12-1982].

All that property bearing No. 1184/12 situated at 35 'C' Cross Road, 4th T Block Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-7-1983 Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th July 1983

C.R. No. 62/36711/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

766 situated at Binnamangala I Stage Extension, Bangalore-38,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shipairnean under document No. 2835 82.83 on 16 12 1982

Shivajinagar under document No. 2835/82-83 on 16-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. Radhakrishna, 3/o Shri N. Muniratnam Reddy, No. 341, Binnamangala Extension, Bangalore-38.
- (2) Shri M. Balasundaram S/o Shri N. Muniratnam Reddy, No. 766, Binnamangala I Stage Extension, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2835/82-83 dated 16-12-1982].

All that property bearing No. 766 situated at Binnamangala I Stage Extension Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Data: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 15th July 1983

C.R. No. 62/37212/82 83/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1708, situated at RCC Building, Surva Saw Mill Shed, M.C. Road, Hunsur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hunsur under document No. 1497/82-83 on 22-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (1) Smt. Rashecda Begum W/o Dr. Amanulla Sharif

(2) Miss Sarwar Tai

Miss Suriya Begum D/o Late Janab Syed Ahmed No. 29, 9th Cross, Shivan Road, N.R. (3) Miss

Mohalla, Mysore.

(4) Sri Syed Mustafa Pasha, Cloth Merchant, 394/18, 9th Cross, II Block, Jayanagar, B'lore, (5) Sri Syed Sameeulla Ahmed &

- (6) Smt. Iqual Unnisa, residing in the above address. (Transferor)
- (2) (1) Sri Mustak Ahamed,
  (2) Sri Iftakar Ahamed,
  (3) Sri Zulfikar Ahamed,
  (4) Sri Afzal Ahmed
  (5) Sri Abdul Sathar,

Surya Wood Industries, M. C. Road, Hunsur, Mysore District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1497/82-83, dated 22-12-1982).

All that property bearing No. 1708, RCC Building Surya Saw Mill Shed, M.C. Road, Hunsur.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition' Range, Bangalore

Date: 15-7-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd July 1983

CR. No. 62/36714/82-83/Acq/B.—Whereas, J, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33/Old No. 28A situated at Miller's Road, Civil Station,

Bangalore-46,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 2903/82-83 on December,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Shri Ananthbal Nanjaraja Uis Trust,

Trustees 1. Smt. Basavarajammaniyayvaru, (2) Smt. Swarammani (Smt. Swarnagopal Raje Urs)

Shri M. G. Ramgopal Urs Rukmalaya, Mazarbad, Mysore,

(Transferor)

(2) Shri T. Zamarud,

S/o Tippu Abdul Gaffoor Saheb,

5/1, Dady Curzon Road, Shivajinagar, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

(Registered Document No. 2903/82-83 dated Dec. 82).

All that property bearing Old No. 28/A, New No. 33, situated at Millers Road, Bangalore,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-7-1983

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th June 1983

C.R. No. 62/573/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore being the Compatent Authority and C

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Open Plot No. 106 situated at Taleigao Village in Taluka Ilhas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Under document No. 559/82-83 on 17-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to beyond the the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) 1. Mr. Luciano Jovita Francisco Pinto. 2. Sow. Adolia dos Remedios Furtado e Pinto, Calngute-Bardez.

(Transferor)

(2) Mr. Girish A. Keni, Dada Vaidai Road, Panaji, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 559/82-83 dated 17-12-1982] Open plot No. 106 for building construction situated on a hilly portion in Taleigao Village in Taluka Ilhas

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bengalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-6-1983

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th June 1983

No. 62/571/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plots No. 214 and 215 situated at Taleigao Village in Taluka

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Panji Under document No. 64/82-83 on 15-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Mr. Luciano Jovita Francisco Pinto, R/o Calangute Tal: Bardez Goa.
 2. Sow Adelia dos Remedios Furtado Pinto R/o Calagute Tal: Bardez Goa. (Transferor)

(2) Shri Anand G. Keni, Boca de vaca Panaji Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 64/82-83 Dated 15-1-1983] Open ptots No. 214 and 215 for building construction situated on hilly portion in Taleigao Village in Taluka Ilhas.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bengalore

Date: 10-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Mr. Luciano Jovita Francisco Pinto and his wife Mrs. Adelia dos Remedios Furtade Pinto, Calangute Bardez.

(Transferor)

(2) Mr. Girishi A. Koni, Dada Vaidia Road, Panjim, Goa.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th June 1983

C.R. No. 62/570/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot No. 78 situated at Taleigao Village, Ilhas Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Panaji Under document No. 43/82-83 on 14-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed- to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULB

[Registered Document No. 43/82-83 Dated 14-1-1983]

Open plot No. 78 for building construction situated on Hilly portion in Taleigao Village in Taluka Ilhas.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1983

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th June 1983

C.R. No. 62/569/82-83/ACQ/B.-Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot No. 223 situated at Taleigao Village in Taluka Ilhas (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ilhas Panaji, Under document No. 30/82-83 on 7-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe tha tthe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability . of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- .

(1) 1. Mr. Luciano Jovita Francisco Pinto & his wife 2. Mrs. Adelia dos Remedios Furtado Pinto Calangute-Bardez.

(Transferor)

(2) Mr. Anand G. Keni, Boca de vasa, Panaii, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 30/82-83 Dated 7-1-1983]. Open plot No. 223 for building construction situated on hilly portion in Taleigao Village in Taluka Ilhas.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bengalore

Date: (0-6-1983

Seel:

FORM HINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th June 1983

C.R. No. 62/568/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Open plot No. 72 and 277 situated at Taleigao Village Tiswadi, Taluka Ilhas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Panaji Under document No. 45/82-83 on 11-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Luciano Jovita Francisco Pinto &
 Mrs. Adelia dos Remedios Furtado Pinto, Both R'o Calangu.e-Baidez.

(Transferor)

(2) Mr. Anand G. Keni, Boca de Vasco Panaji.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 45/82-83 Dated 11-1-1983]

Open plots bearing No. 72 and 277 for building construction situated on hilly portion in Taleigao village Tiswadi Taluka Ilhas.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1983

1) 1. Mr. Luciano Jovita Francisco Pinto,
 2. Sow Adeita Dos Remedios Furtado Pinto.
 Both R/o Calngute Bardez.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Girish A. Keni, Dada Vaidia Road, Panaji, Goa.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th June 1983

C.R. No. 62/572/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Open Plot No. 82 situated at Taleigao Village in Taluka Ilhas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Under document No. 17/82-83 on 7-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 17/82-83 Dated 7-1-1983] Open plot No. 82 for building construction situated on a hilly portion in Taleigao village in Taluka Ilhas.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 20th July 1983

C.R. No. 62/36744/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

41/2, old No. 34 situated at Nanjappa Road, Shanthinagar Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 3520/82-83 on 10-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Saroja Devi No. 26, 2nd Main Road, Palace Guttahalli, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri P. Palaniswamy No. 17, I 'A' Main Road Sudhamanagar, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3520/82-83 Dated 10-1-1983] All that property bearing No. 41/2, old No. 34 situated at Nanjappa Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bengalore

Date: 20-7-1983

Scal:

49-226GI/83

(1) Shri M. B. Sampson S/o M Manuel, 4 C Cross, Pipeline, Yeshwantpur, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) 1. Shri Rathnachand Jain Shri Manharlal S. Parekh No. 1, Anchepet, RT Street Cross, Bangalore. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

(b) by any other person interested in the said immov-

Bangalore, the 23rd July 1983

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/38132/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1 (old) 113/1) situated at 1 Main, Seshadripuram, R. M.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Guttahalli, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 3624/82-83 on 15-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3624/82-83 Dated 15-12-82] All that property bearing No. 1 (Old No. 113/1) situated at 1 Main, Seshadripuram, R.M. Guttahalli, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 20th July 1983

C.R. No. 62/36714/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

New No. 5, situated at 4th Cross, Rammohanapuram, Nagappa Block, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Srirampuram, Under document No. 3261/82-83 on 27-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Venkata Subbaraju & Sons, No. 4, 11th Cross, R.T. Temple Street, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) S. Krishnaiah Raju, Rammohanapura Extn., Nagappa Block, Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3261/82-83 Dated 27-12-82] All that property bearing New No. 5, situated at 4th cross, Rammohanapuram, Nagappa Block, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bengalore

Date: 20-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri D. S. Kumar, S/o Sri D. S. Subramanyam, No. 33, II Cross, Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri H. Subra Manya Jois, S/o Sri N. Hiriyanna Jois, Advocate, No. 150/36, National High School Road, Bangalore-4.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 20th July 1983

C.R. No. 62/37237/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore being the Competent Authority under Sectoin 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, New No. 83 situated at II Cross, Shankar Puram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi Under document No. 3683/82-83 on 19-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3683/82-83 Dated 19-1-1983] All that property hearing No. 33, New No. 83, situated at Il Cross, Shankarapuram, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bengalore

Date: 20-7-1983

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 20th July 1983

C.R. No. 62/37214/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe, that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing No. 927, situated at 18th 'A' Main, 5th Block, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Under document No. \$624/82-83 on 15-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Sarala Raghavan, C/o L. S. Purushotham, No. 164, South Cross Road, Basavangudi, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri A. Ramaprasad, No. 413, Chord Road, Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3624/82-83 Dated 15-12-82] All that property bearing No. 927, situated at 18th 'A' Main Road, 5th block, Rajajinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bengalore

Date: 20-7-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 16th July 1983

C.R. No. 62/37217/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 14/1 situated at 10th 'A' Main Road, Malleswaram,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 3512/82-83 on 15-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri B. K. Prakash, S/o late B. G. Kuppanna Iyengar No. 107, Gayatri Devi Park Extn., Vyalikaval, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Managing Director, Navodaya Sahakara Bank Ltd., 235, Sampige Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3512/82-83 Dated 15-12-1982] All that property bearing No. 14/1, situated at 10th 'A' Main-Road, Malleswaram, Bangalore-3.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bengalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 16-7-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 16th July 1983

C.R. No. 62/37215/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No.

14, situated at 10th 'A' Main Road, Malleswaram, Bangalore Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 3513/82-83 on 15-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Vijaya Prakash w/o Sri B. K. Prakash, No. 107, Gayathri Devl & Park Extu., Vyalikaval, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Managing Director, Navodaya Sahakar Bank Ltd., 235, Sampige Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3513/82-83 Dated 15-12-82] All that property bearing No. 14, situated at 10th 'A' Main Road, Malleswaram, Bangaria. 3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bengalore

Date: 16-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 20th July 1983

C. R. No.  $62/37172/82-83/\Lambda CQ/B$ —Whereas , I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

(Old) 75/77, New No. 71,

situated at Labby Masjid Street, Civil Station, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar under document No. 2730/82-83 on 15-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Madras d-E Bakiaya Salihath Arabic College, Vellore, Tamil Nadu Mohamedan Charitable Institution Office at Vellore North Areot Dist. represented herein by General Secretary & Managing Trustee Alhaj S. M. Abdul Jamed Sahib, Jameelabad, Melvashram, North Arcot District.

(Transferor)

(2) Shri S. Shafi Ahmed 35/1, 1st Street, Model Colony, Yashwant Pur Bangalore-560022.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2730/82-83 Datel 15-12-82] All that property bearing No. 71, old No. 75/77 situated at Labby Masjid Street, Civil Station, Banaglore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-7-83.

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

 Shri K. Ramachandra Rao, S/o K. Rama Rao, Merchant Bunder, Mangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 20th July 1983

C. R. No. 62/36675/82-83/ΛCQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-5-411 and 1-5-411A, S. No. 36-12, situated at Desebail Village, Mangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City under document

No. 585/82-83 on 23-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ronald V. L. Colaco, C/o Casmir Leonard Calaco, C/o M/s. G. A. Pai and Co., Aronza Building, Hampankalta, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 585/82-83 dated 23-12-82) All that property bearing No. 1-5-411 and 1-5-411/A. S. No. 36-12 Non-agricultural immovable property situated at Desebail Village Mangalore City.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-7-83, Seal:

50--226GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 20th July 1983

C. R. No. 62/37173/82-83/ACQ\B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

253/A, situated at 13th Cross Road, Binnamangala II Stage Indiranagar, Bangalore-38.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar under document No. 2742/82-83 on 15-12-1982
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property, as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Srl G. R. Lakshminarayana No. 394, C. M. H. Road, II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Sri M. Suresh Kumar No. 94, Victoria Layout, Bangalore-47.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2742/82-83 dated 8-12-1982) All that property bearing No. 253/A, Block situated at Binnamangala II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-7-83.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th July 1982

C. R. No. 62/36703/82-83/ACQB.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 334 situated at I Stage, Binnamangalore, Indiranagar, Bangalore-38.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, under document No. 2914/82-83 on 21st Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. G. Sudha Bai, 206/12, 8th Cross, Hanumanthanagar, Bangalore-19.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Bakhtral Panjwani, Mrs. Anita Panjwani, C/o Sri B. K. Panjwani, No. 78, Nandidurg Road Extn., Bangalore-560046.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2914/82-83 Datel 21st Dec.,

All that property bearing No. 334 situated at Binnamangala 1 Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-7-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri B. M. Ramakrishna, No. 1165, II Main road, Ashoknagar, Mandya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Nalini V. Rao, No. 34T, 33rd 'A' Cross, 16th Main, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bangalore-560001, the 23rd July 1983

C. R. No. 62/37183/82-83/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 61/11(Old No. 62) situated at 41st Cross III Main 8th

Block, Jayanagar, Bangalore-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 3098/82-83 on 15-12-1982

on 13-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3098/82-83 Dated 15-12-821

All that property bearing No. 62/11 situated at 41st Cross, III Main, 8th Block Jayanagar, Bangalore-11,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-7-83.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 23rd July 1983

C. R. No. 62/36684/82-83/Acq|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

27, situated at Anjaneya temple street, Lingasettypet (Cubbonpet), Bangalore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 2732/82-83 on 2-12-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

S/Shri

(1) 1. B. Murudappa 2. Maheshkumar

Ghaneshwar

2 & 3 Ss/o Sri B. Murudappa represented by their natural guardian Father B. Murudappa, No. 27, Anjaneya Temple Street, Lingasettypet, Banga-

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. V. Lakshminarayana
2. V. Narayana
27 1st floor, A No. 27, 1st floor, Anjaneya Temple Street, Lingusettypet, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2732/82-83 dated 2-12-82) All that property bearing No. 27 situated at Anjaneya Temple Street, Lingasettypet (Cubbonpet), Bangalore-2.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Daté: 23-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 20th July 1983

C. R. No. 62/36742/82-83/ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

transfer with the object of :--

property having a fair market value exceeding No. 25,000/and bearing No. 13, Corpn. Not. 63 situated at V Main, 5th Block, Jayanagar, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 3463/82-83 on 22-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 Shrl S. V. Puttaraju Sri S. V. Narayana No. P 17, 30th Cross Road, Cubbonpet, Bangalore.

(Transferors)

(2) Shri Madanlal Jain Smt. Pushpa Bai No. 14, "Lakshmi Market", Gradannagalli, Ramannapet Bangalore City.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3463/82-83 Dated 22-12-82) All that property bearing BDA No. 13, Corpn. No. 63, situated at 5th Main, 5th Block, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-7-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 19th July 1983

C. R. No. 62/37177/82-83/ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 31, situated at Defence Colony, II Main Hal II Stage, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Shivajinagar under document No. 2799/82-83 on 15-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Major V. N. Ranganathan S/o Late Vittalpur Narayanavadhani C/o Rashmi Construction (P) Ltd. Suvarna Bandekar Building Vasto-de-Gama.

(Transferors)

(2) Shri Navalrai Tarachand Mirpurl Mrs. Jyoti N. Mirpuri No. 101, Nathan road, Haiphong Mansion 12/FL Flat No. 5 Kowloon Hongkonk C/o Mr. M. B. Bulchand, No. 99, Brigade road, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2799/82-83 Dated 15-12-82), All that property bearing No. 31 situated at Defence Colony, II Main, Hal II Stage, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-7-83,

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 20th July 1983

C. R. No. 62/37238/82-83/ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 70, situated at Gandhibazaar, Basavanguli, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pasavangudi under document No. 3686/82-83 on 19-1-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri A. Narayanaswamy, N. Jagadish, N. Satish, No. 30, III Cross Road, Cubboupet Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Surendra Gupta. K. S. Parthasarathy, Sri E. S. Dandayudhapani, 443/A, S. B. Road, V. V. Puram, Bangalore 4. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3686/82-83 dated 19-1-83).

All that property bearing No. 70 situated at Bazaar, Basavangudi, Bangalore-4.

> MANJU MADHAVAÑ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-7-83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 30th July 1983

C. R. No. 62/476/83-84/ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Sy. No. 191 and 192 situated at Halasabalu Village Kasaba Hobli, Chikkamagalore Taluka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikmagalore Under document No. 1378/82-83 on 1-12-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51—226GI/83

Shri Nanjudegowda
 S/o Late Shri Rudregowda,
 Coffee Planter, Residing at Kabbinahalli,
 Chikkamagalore Taluka.

(Transferor)

(2) Master Sanghavee Hansaraj, S/o Sri Sanghavee Dharmchand, the minor guardian resident of M. G. Road. Chikkamagalore, Town,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1378/82-83 dated 1-12-1982). The Coffee Plants situated in Halasabalu Village, Kasaba Hobli Chikkamagalore Taluka Known as 'DHANALAXMI ESTATE' bearing Survey No. 191 and 192.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore,

Date: 30-7-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 30th July 1983

Notice No. 475/83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. CTS No. 58/C/D and 31/10C/MF situated at Dharwar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwar under document No. 1523/82-83 on 4-12-82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madhav Rao S/o Moreshwar Vaingankar, P. B. Road, Vaingankar Compound Dharwar.

(Transferor)

 1. Shri Sahadev Krishnaji Sangalikar.
 2. Ramachandra Krishnaji Sanglikar, Nehru Market Dharwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1523/82-83 dated on 4-12-82)

The property bearing CTS No. 31/10C/MF and 58/C/D situated at Market Fort area Dharwar.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 5th August 1983

Notice No. 577/83-84/Acqn.D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3289 situated at Davanagere City V. 'B' ward C. C. Block, S. No. 355, Door No. 3289,

Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere under Document No. 4697 on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. S. N. Arjun S/o Mr. Navaneet
 Davanagere City N.C.C. 'B' Block, Near Water Tank, Davanagere.

(Transferor)

(2) Mr. B. N. Ramachandra Rao S/o Ningoji Rao 195, Ashok Road, Davangere.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined; in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4697/82-83 dated December 82).

The site situated in Davanagere City in Vth 'B' ward N.C.C. Block S. No. 355 Door No. 3289 measuring 40'x120'.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-8-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd August 1983

Ref. No. AR-II/3467/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 360 (Plot No. 306 & 329 TPS III Borivli & Final Plot No. 403 of T.P.S. No. III Borivli, situated at Borivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 20-12-82, document No. 1402/1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gursaram Motiram Advani, and Mr. Harsadhoram Bambhani,

(Transferor)

(2) The Secretary, Komal Kountaya Co. op Housing Society, (Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1402/1981 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 20-12-1982,

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Date: 2-8-1983

#### FORM ITNS----

(1) Messrs Larsen & Tourbio Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Anjani N. Desai and Anand N. Desai. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/63/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 3, Servants Room and Garage situated at Napean Sea Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 with Servants' room No. 15 and Garage No. 14 in Hanvant Bhuvan, 80E, Napean Sen Road, Bombay-400026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/47/82-83 dated 6-12-1982.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-5-1983

FORM I.T.N.S.----

(1) Prithvi Constructions Private Limited.

Bhagwan Amesur.

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th April 1983

Ref. No. ACQN. Range-I/37EE/102/82-83,—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B1, along with Garage in Prithvi Apartments, situated at Altamount Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

(2) Dr. Bhagwan Rochiram Amesur & Mrs. Gopi

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B1 Flat No. 1, Bldg. No. 'B' 28th floor in PRITHVI APARTMENTS ALONG WITH GARAGE, 21, ALTAMOUNT ROAD, BOMBAY-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, on 9-12-1982, under Serial No. ACQN. RANGE-1/74/82-83.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-L. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Gulam Rasool Noor Mohamed.

(2) Shri Sunil Harihar Shastri.

(Transferor)

(3) Shri Sunil Harihar Shastri.
(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th June 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/47/82-83.—Whereas, I, R. K. BAQAYΛ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. G-Shop 3

Ground floor, Taher-Mansion Co-op. Housing Society, situated at Nepean Sea Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 21-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-Shop 3, Ground floor, Taher-Mansion Co-op. Housing Society, 8/10 Nepean Sea Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent -Authority, Bombay, on 21-12-1982, under Serial No. ACQN. RANGE-I/83/82-83.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Krishna, S/o Ammini, Adkth Bail, Karanthakad, Kasargod,

(Transferor)

(2) K. Hariraya Kamath, Vidyanagar, Kasargod.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SREENARAYANA BHAVAN, KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st August 1983

Ref. L.C. 649/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMAS KUTTY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Kasargod,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kasargod on 2-12-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

0.86 acres of land in Kasargod Village as per schedule attached to Document No. 2907 of S.R.O. Kasargod.

P. J. THOMAS KUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 1-8-1983.

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Sri B. Krishna, S/o Ammini, Adkth Bail, Karanthakad, Kasargod.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. K. Anath Kamath, S/o K. Hariraya Kamath, Vidyanagar, Kasargod.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

SREENARAYANA BHAVAN, KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st August 1983

Ref. No. L.C. 650/83-84.—Whereas I, P. J. THOMAS KUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kasargod, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kasargod on 2-12-1982.

52-226 GT/83

research on 2-12-1932, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

0.62 acres of land in Kasargod Village as per Schedule attached to Doc. No. 2908 of S.R.O., Kasargod.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 1-8-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SREENARAYANA BHAVAN, KALATHIPARAMBIL ROAD. COCHIN-682016

Cochin, the 1st August 1983

Ref. No. L.C. 651/83-84,---Whereas I, P. J. THOMAS KUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Knsargod. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasargod on 2-12-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1), Sri B. Krishna, S/o Ammini, Adkth Bail, Karanthakad, Kasargod.

(Transferor)

(2) K. Krishna Kamath, S/o K. Hariraya Kamath, Vidyanagar, Kasarrod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1.01 acres of land in Kasargod Village as per schedule attached to Doc. No. 2909 of S.R.O. Kasargod.

P. J. THOMAS KUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1983,

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SREENARAYANA BHAVAN, KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st August 1983

Ref. No. L.C. 652/83-84.—Whereas I,
P. J. THOMAS KUTTY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a
fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sv. No. as per schedule situated at Kasusand

Sv. No. as per schedule situated at Kasargod, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasargod on 14-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri E. M. Abdulrahiman, S/o Mohammed Ibrahim, Kasi Lane, Thalangara, Kasargod.

(Transferor)

- (2) 1. Sri K. Mohammed Ibrahim, S/o K. Ummer, Bungra Kunnu, Nellikkunnu.
  - Kasargod.
    2. Sainaba K. M. Ibrahim,
    D/o Haji K. M. Burketh,
    Wife of K. Mohammed Ibrahim, Bangra Kunnu, Nellikkunnu.
  - Shri U. Abdulsalam, S/o Haji K. M. Burketh, Karipedi Road,
  - Kasargod.
    4. Smt. Zainaba U. Abdulsalam.
    Daughter of T. M. Abdulla,
    Wife of Sri Abdulsalam, Karipodi Road, Kasargod.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

11.25 cents of land in Kasargod Village as per schedule attached to Document No. 2914 of 1982 dated 14-12-1982 of Sub Registry, Office, Kasargod.

> P. J. THOMAS KUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1983.

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Prem Kumar Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 13th July 1983

G.I.R. No. R-188/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing House No. 8-A situated at Tagore Town, Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 26-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Major Raj Kumar Kak.
 Dr. Vijay Kumar Kak.

(Transferee)

(3) Smt. B. N. Kak—Tenant.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 8-A situated at Tagore Town, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7304, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-7-1983

Scal :

#### FORM ITNS—

(1) Smt. Chandra Kanta.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prakash Katyal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 28th June 1983

G.I.R. No. R-187/Acq.-Whereas I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 20-12-1982.

Moradabad on 20-12-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 144,00276 sq. mtrs. situated at Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8327, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 20-12-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 28-6-1983.

(1) Smt. Chandra Kanta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ramesh Kumari.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 28th June 1983

G.I.R. No. R-186.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Plot of land situated at Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 20-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability ef the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 144,00276 sq. mtrs. situated at Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G. No. 8326, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 20-12-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-6-1983.

(1) Shri Shyam Krishan Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishan Lal Sehgul.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 28th June 1983

G.I.R. No, K-118/Acq.—Whereas J, A. PRASAD.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land situated at Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moradabad on 31-12-82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 449.589 sq. mtrs. situated at Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9966, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 31-12-1982,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-6-1983,

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 18th May 1983

G.I.R. No. M-156/Acq.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 14 situated at Mauza-Rusulpur Nav Abad, Pargana & Teh-Chail, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-12-1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sita Ram Pandey, Secretary, The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Ltd. Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd, Siddiq.

(Transferce)

(3) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Simiti Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serveei of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- . (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 14 out of Arazi No. 108, measuring 170.70 sq. mtrs. situated at Mauza-Rasulpur Nav Abad, Pargana and Tehsil-Chail, Distt. Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7588, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 17-12-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-5-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISIONER OF INCAME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 6th May 1983

G.I.R. No. T-32/Acq.—Whereas, I A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Portion of land and building situated at 195/28/1.

Golaganj (Jagat Narain Road), Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 3-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weuth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Smt. Abida Sultan Begum. 2. Smt. Saulat Ara Begum.

  - Smt. Mehrunnisan Begum.
  - Shri Ibrahim Ali Khan. Bagar Ali Khan.

  - 6. Raza Ali Khan. 7. Turab Ali Khan.
  - 8. Rabab Fatima.

(Transferor)

(2) Tanzcemul Makatib. Through its Secretary, Maulana S. Ghulam Askari Sahab.

(Transferee)

- (3) Shri Safdar Ali Khan and others. (Person in occupation of the property)
- (4) Son, Daughter & wife of Shii Safdar Ali Khan. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of land and building of Sadiq Manzil, measuring 12065 sq. ft. situated at 105/21/1, Golagani (Jagat Narain Road), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4859/. 82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 3-12-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- 53-226 GI/83

Date: 6-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1983

G.I.R. No. 'S-266/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Aazi Nos. 151, 152 & 153 situated at Meerpur, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Navajiwan Sahakari Awas Samiti Ltd., 90, Darbhanga Colony, Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt Sandhya Pathak

(Transferec)

(3) Above Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period corpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc., shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Arazi Nos. 151, 152 and 153, measuring 960 sq. yds. situated at Meerapur, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7308, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. PRASAD
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 21-7-1983

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCAME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1983

G.I.R. No. A-119/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. House No. 56 situated at Sarai Mirkhan, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

.(1) 1. Shri Thakur Rajendra Bahadur Singh 2. Mrs. Sushil Kumari

3. Miss Shail Kumari

(Transferor)

(2) 1. Shri Ashok Kumar

2. Shri Vinod Kumar 3. Shri Anup Kumar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 56, situated at Sarai Mirkhan, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6846 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-7-1987

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow, the 21st July 1983

G.I.R. No. N-62/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bungalow No. 14-B 32 situated at Stanley Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Allahabad on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) 1. Shri Durga Shanker Through Attorney, Kanak Lal
  - 2. Manju Bhatnagar
  - 3. Dr. Suban Bhatnagar
  - 4. Rashmi Bhatnagar 5. Alka Bhatnagar
  - 6. Shri Ashok Shanker Bhatnagar

(Transferor)

(2) Nimn Evam Madhyam - Vargiya Sahkari Avas Samiti Ltd. 155 Nai Basti, Kydganj, Allahabad Through Shri Shyam Lal.

(Transferee)

(3) Above sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow No. 14-B/32, situated at Stanley Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7102, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. PRASAD
Competant Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 21-7-1983

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 15th July 1983

Ref. No. A-264/83-84/SHG/283-92.—Whereas, I, E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Nongrim Hills, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (in the office of the Registering Officer at Shillong on 23-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Manas Kr. Chowdhury,
 Smt. Saraju Chowdhury,
 123/3, Rash Bihari Avenue,
 Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Smt. Krom Rapsang, Jaiw Langsning, Shillong-2, Meghalaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 35,000 Sq. ft. alongwith 2 (two) double storicd structures with a plinth area of 2176 sq. ft. and another 2310 sq. ft. respectively and 1 (one) single storied Assum type structure with a plinth area of 308 sq. ft. situated at Nongrim Hills, Shillong.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said fact to the following persons namely:—

Date: 15-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Ruby Mills Pvt. Ltd. Bombay Behind Plaza Talkies, Dador, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Rubi Ginning & Pressing Factory, At & Post Akot Distt Akola (M.S.)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 19th July 1983

No. 1AC/ACQ/8/83-84.—Whoreas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred 20 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10, 17, 12, 11, 15, 1 and 18 at & Post Akot Area: 37955 sq. meter or 408,558 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akola on 22-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 10, 17, 12, 11, 15, 1 and 18 At & Post Akot Distt, Akola Area: 37955 Sq. Meter or 408,558 sq. ft.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 19-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Sajjad Hussain A. Haji & Others, R/o Amrayati.

(2) M/s. Mohanlal Manaklal Samra & Bros., Amravati K. o Jawahur Road, Amravati.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 23rd July 1983

No. IAC/ACQ/S/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No, portion of land—Survey No. 46, at Nimbora Khurd, Badnera Road, Amravati Distt. Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monkeys or other assets which has e not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within is period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of land bearing Survey No. at Nimbora Khurd, Badnera Road, Amravati, Distt. Amravati.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 23-7-1983 Seal:

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 23rd July 1983

No. IAC/ACQ/4/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Open land including Factory Building, Structure double Storied at Mauja: Nimbura Khurd, Badrere Road, Amravati at S. No. 46

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amrayati on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay anx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Amravati Electric Supply Co. Ltd. Amravati.
- (2) M/s. Mohanlal Manaklal Samra & Brothers, Jawahar Road, Amravati,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open Land including Factory Building structure double storeyed at Mauja: Nimbore Khurd Badera Road, Amravati, Distt. Amravati Area: 76184 sq. ft. at Sector No. 46.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date 23-7-1983 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Culcutta, the 22nd July 1983

Ref. No. AC-36/Acq.R-IV/CAL/83-84.—Whereas, I, S. K. CHOWDHURY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12 situated at Nabin Senapati Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 23-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the axid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—226 G1/83

1. (1) Smt. Suhasini Das

- (2) Radha Mohan Das
- (3) Nemai Chandra Das

(4) Supravat Das

 Surath Prokas Das—All residing at 10, Nabin Senapati Lane, P.S. Shibpur, Howrah.

(Transferor)

 Sankari Mitra—W/o. Sri Dulal Chandra Mitra of 661, Tantipara Lane, Howrah-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 6 Cottahs, 6 Chattaks 0 Sq. ft.

Address: 13, Nubin Senapati Lane, P.S. Shibpur, Dt.

Howras.

Deed No.: 7355 of 1982

S. K. CHOWDHURY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 22-7-1983

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd July 1983

Ref. No. AC-37/ $\Lambda$ CQ. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHOWDHURY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 67 situated at Bireswar Chatterjee Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Howrah on 30-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

1. (1) Smt. Anu Gop

(2) Smt. Usha Rani Ghosh

(3) Smt. Bhiva Rani Ghosh

(4) Smt. Rama Rani Ghosh (5) Smt. Chaya Rani Ghosh

Asit Kumar Ghosh-all residing at 67, (6) \$ri (Transferor)

Bireswia Chatterjee Street, Bally, Howrah.

2. Kartik Chandra Gop—of 67 Bireswar Chatterjee Street, Bally, Howrah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

I and: 2-Cottabs, 13 Chattaks, 27 sq. ft. with building Address: 67, Bireswar Chatterjeo Street, P.O. & P.S. Bally, Dt. Howrah. Deed No.: 7357 of 1982.

> S. K. CHOWDHURY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 22-7-1933

- (1) Shri Ajendra Krishna Ghose.
- (Transferor)
- (2) Sri Pradeep Kumar Shaw. Sri Anup Kumar Shaw.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III/CALCUTTA

Calcutta, 30th July 1983

Ref. No. 1310/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32/2C situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2k-ech-37 sq. ft, together with building being premises No. 32/2C, Jhamapukur Lane, Calcutta. Regd. before R. A. Calcutta vide deel No. 10822.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1983

Scal :

#### FORM ITNS ....

- (1) Indan Industrial Traders & Dealers Ltd.
  - (Transferor)

(2) Chintpurni Investment & Trading Co. Ltd. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III/CALCUTTA

Calcutta, the 26th July 1983

Ref. No. 1308/Ac S. K. CHAWDHURI, No. 1308/Acq, R-III/Cal. 83-84.—Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18-A situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of 552.4 sq. meters of land together with buildings and structures and undivided 1/3rd share of passage land of 971.4 sq. meters of the premises No. 18-A, Gurusaday Road, Calcutta, Regd. before S.R.A. Calcutta vide deed No. 11217 dated 28-12-1982.

S. K. CHAWDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely :-

Date: 26-7-1983.

Scal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III/CALCUTTA

Calcutta, the 26th July 1983

Ref. No. 1309/Acq.R-III/Cal/83-84.--Whereas, J. S. K. CHAUDHURÍ,

S. K. CHAUDHURI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 18-A situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D on the said Act, to the following ing petsons. namely:--

- (1) Indian Industrial Traders & Dealers Ltd. (Transferor)
- (2) Kúdra Investment & Trading Co. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/3/d share of plot A of premises No. 18-A Gurusaday Road, Calcutta (together with building measuring 101.2 sq. meters) and common passage measuring 971.4 sq. meters. Regd. before S.R.A., Calcutta vide deed No. 11216 dated 28-12-1982.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 26-7-1983.

26(11)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# ONFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref. No. AC-15/Acq R-II/Cal/83-84.—Whereas, 1, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6/1A, Nafar Koley Road, situated at P.S. Narkeldanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal. on 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Smt. Gita Chatterjee,
   1,8 Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta-9.
   (Transferor)
- (2) 1. Jagdish Prasad Misra.
  2. Ramadhar Roy,
  6/1A, Nafar Koley Road, Calcutta-15.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 3k, with building, premises No. 6/1A, Nafar Koley Road, Cal-15, P.S. Narkeldanga, Deed No. 11322.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-8-1983.

Seaf :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref. No. AC-16/Acq.R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6/1B, Nafar Koley Road, Calcutta-15 situated at P.S.

Narikeldanga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal on 30-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gita Chatterjee, 18, Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta-9.

(Trausferor)

(2) Ramdaur Misra & Ors., 5A, Nandalal Mallick Lane, Calcutta-6.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area: 5k. 1 ch. 23 sft, with structure. Premises No. 6/1B, Nafar Koley Rd., P.S. Narikeldanga. Deed No. 11323,

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-8-1983.

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref. No. AC-17/Acq.R-IJ/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6/1C, Nafar Koley Rd., Calcutta-15 situated at P.S. Narikeldanga

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 30-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 3mt. Gita Chatterjee, 18,Acharya Prafulla Ch. Rd., Calcutta-9. (Transferor)
- (2) Sm. Renuka Majumder, 6/1C, Nafar Koley Rd., Calcutta-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: 2k. 19 sft. with structure. Premises No. 6/1C, Nafar Koley Rd., P.S. Narikeldanga. Deed No. 11326.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 2-8-1983.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

#### CALCUITA

Calcutta, the 2nd August 1983
Ref. No. AC-18/Acq.R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herenafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6/IC, Nafar Kolcy Rd., Cal-15 situated at P.S. Nari-keldanga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal on 30-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferez for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
55—226 GI/83

 Sm. Gita Chatterjee, 18, Acharya Prafula Ch. Rd., Calcutte-15.

(Transferor)

(2) Shri Lalan Prasad Chaurasia 5/1A, Debendra Mukherjee Rd., Calcutta-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: 1k 11ch. 30sft. with structure. Premises No. 6/1C, Nafar Koley Road., P.S. Narikeldanga. Deed No. 11321.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 2-8-1983

Scal:

(1) Smt. Gita Chatterjee 18, Achaiya Prafulla Ch. Rd., Calcutta-9.

(Transferor)

1. Smt. Phulmati Devi
 2. Smt. Usha Sinha
 21, Wood Gola Coal Depot, Calcutta-15,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II,

#### CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref. No. AC-19/Acq R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/nd bearing
No. 6/1A, Nafar Koley Rd., Cal-15 situated at p. s, Nari-

keldanga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal. on 31-12-1963

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; . and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area: 2k. 4ch. 21sft, with structure. Premises No. 6/1A, Nafar Koley Rd., P.S. Narikeldanga. Deed No. 1132.

S. K. CHAUDHURI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Erdwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-8-1983 Scal \*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref. No. AC-20/Acq.R-II/Cal/83-84,—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 6/1D, Nafar Koley Rd., Cal-15 situated at P. S. Nari-keldanga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 'R. A. Cal. on 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gita Chatterjee 18, Acharya Prafulla Ch. Rd., Calcutta-9.

(Transferor)

1. Shri Stya Narayan Prasad
 2. Smt. Chameli Devi
 of 5, Baitakhana 2nd Lane,
 Calcutta-9;

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area 2k. 81sft. with structure, Premises No. 6/1D, Nafar Koley Rd., Cal.-15 P.S. Narikeldanga. Deed No. 11324.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 2-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2520/Acq/23/I/83-84,---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at TPS 3 FP No. 61, paiki plot No. 5 situated at Usmannura. Abmedahad

Usmanpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-12-1982

for an apparent consideration which is less, than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Gandalal Somnath Patel (Karta & Manager of HUF), Village: Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Dineshkumar Hargovinddas Patel President : Lucky Apartment Owners Satyam Flats, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Usmanpura TPS. 3 FP No. 61, paiki plot No. 5-460 sq. yard 112 undivided Share.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely :---

Date: 25-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER-OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2521/Acg/23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

S. No. 267 of Part No. 5 situard at Bodakdev Tal: Daskroi

Dist : Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 21-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income OT any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb yinitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Thakor Bhikhaji Mandhaji (Karia of HUF) Bodakdev Tal : Daskroi, Dist : Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Niranjana Chandrakant Maharowala Malini Street, Astodia, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the · Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as . are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property situated at Bodakdev S. No. 277 of Part 5 Regd. vide R. No. 1775 Dt. 21-12-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2522/Acq/23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat Shaikhpur—Khanpur, S. No. 5914 situated at Near Mirambica Restaurant, Navrangpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 9-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Siddharth Govindrao Bhagwat
 Sardar Patel Nagar Colony, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shree Synthetics Limited Naulakhi Mksi Road, Ujjain (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat near Mirambica Restaurant. Navrangpura—Dariapur, Kazipur, TPS. Schemo regd. vide R. No. 14041 Dt. 9-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2523/Acq/23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat at Shaikhpur, Khanpur, FP No. 209, S. P. No. 24-25 situated at Moje Shaikhpur—Khanpur seem FP No. 209,

Flat No. 8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-12-1982

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

(1) Shri Navinchandra Ganpatram Patel, Mandar Apartment Co.op Hsg. Socy. Near Ishver Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

 Smt. Shardhaben Rohitkumar Mehta, 1862, Moto Suthar Wado, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Moje Shaikhpur—Khanpur—alias Navrangpura, FP No. 209, paikl S. P. No. 24-25, Flat No. 8 having 70 sq yd. regd. vide R. No. 16189 Dt. 8-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2524/Acq/23/I/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land S. No. 307/2, Acre 2.5 Guntha situated at Moje Makraba Tal. City Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ranchhodji Chelaji and Bai Champa
 W/o Ranchhodji Chelaji
 Mehmadpura-Makarba,
 Tal. City,
 Dist. Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Amrakunj Plantation Pvt. Ltd. 'Madhumalti' Near High Court Rly. Crossing, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, of any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Moje Makraba Tal. City Dist. Ahmedabad S. No. 797/2, regd. vide R. No. 16659, Dt. 7-12-1982,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2525/Acq/23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 814 situated at Land moje Makarba Tal. City D.st, Ahmedebad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—226 GI/83

 Shri Maneklal Joitaram Patel 54 Rang Shyam Society Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Amrakunj Plantation Pvt. Ltd. 'Madhumalti' Near High Court Rly. Crossing, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land moje Makarba Tal. City Dist. Ahmedabad S. No. 814. Regd. vlde No. 16667, Dt. 18-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

\_\_\_\_\_\_

OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2526/Acq/23/I/83-84,—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 814 situated at Land moje Makarba Tal. City Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Maneklal Joitaram Patel 54, Rangshyam Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Amrakunj Plantation Pvt. Ltd. 'Madhumalti' Near High Court Rly. Crossing, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land moje Makarba Tal. City Dist. Ahmedabad S. No. 814 regd. No. 16664 Doc. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR; HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. F. R. No. 2527/Acq, 23/I, 83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat moje Paldi, S. No. 142, TPS. 6, FP. No. 387 situated at Paldi, Dalal Apartment Co.op Hsg. Socy. Flat No. A 2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of the Registering Officer at

Ahm dabad on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pravin K. Lahari Dhumketu Marg, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Padmaben Lalbhai Shah Paldi .

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat as Dalal Apartment Co.op. Hsg. Socy. Paldi TPS No. 387 regd. vide R. No. 17050/6-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX
ACQUISITION RANGF-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1983

Ref. No. P. R No. 2528/Acq/23/1, 83-84,-Whereas, I,-R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TPS. 22, FP No. 23 and 18 situated at Datta Co.op. Hsg. Socy. Sharkej Rd., Paldi, Ahmedabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908).

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Venuben Jagjivandas Dungarshi Power of Attorney Shri Gordhandas Amtharam Dalal 40, Bansidhar Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shardaben Vinaychand Shah 18, Har Shanti Society, Narayan Nagar Road, Paldi, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Moje Paldi TPS No. 22, FP No. 23 and 18 having 600 sq. yd. open land regd. vide R. No. 17742, 17745, 17747 and 17748 Dt. 20-12-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# MA ACI, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2529 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at Rajiv Apartment

situated at Bhavnagar Talaja Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Officer at Bhavnagar in 17-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lalitkumar Jayantibhai Shah, 2201, Fulwadi, Bhwagar.

(Transferor)

(2) Prabhavatiben Amratlal Shah, Kalubha Road, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at Rajiv Appartment, Talaja Road, having 792 sq. ft. regd. vide R. No. 1059 Dt. 17-12-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 27-7-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2530 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Anantwadi Plot No. 38 S. No. 44812 situated at Vidyanagar, Anantwadi, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bhavnagar in 22-12-82

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Pravabhai J. Vadiya, 50, Jodhpur Part Society, Post Thaltej Ahmedabad-54.

(Transferor)

(2) Shyamal Co.-op, Hsg. Socy. Ltd. C/o Mangaldas Jugaldas Bhalala, Jalaram Nivas, Navapara, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anantwadi, Vidyanagar Plot No. 38/B, read, vide R. No. 3292 dated 22-12-82.

R. R. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 27-7-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-1 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2531 Acq 23/I/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Rajpur, Hirpur, Moje TPS 4 FP No. 7 situated at S.P. No. 7 Rajpur-Hirpur FP No. 7 Building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 27-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Magnlaben Daughter of Jivram Chunilal 'Matru Ashram' Near Bhalakia Bus Stop, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Taraben Punamehand Mehta, 77, Sarda Society, Vasna, Ahmedabad-7.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of pective persons, whichever period expires later; pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Bldg. at Moje Rajpur-Hirpur Mainanagar, TPS. 4 FP No. 7 S.P. No. 7 paiki Bldg. regd. vide R. No. 15504 Dated 27-12-82.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-7-85

Scal:

#### FORM ITNS----

 Kantilal Kuberdas Vora, 23, Parimal Park, Nizampura, Baroda-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Karanbhai Hemendrabhai Shah, 13, Niyojan Nagar, Ahmedabad.

(Transferce) .

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2532 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land at Moje Vejalpur seem S. No. 1140 situated at Section 1, Plot No. 35 at Vejalpur seem. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad in 23-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Open land at Moje Vejalpur seem S. No. 1140 Sector No. 1 plot No. 35, regd. vide Sale R. No. 17863/23-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2533 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)-and bearing No. Bldg. and land S. No. 133, 134, 135/2, 137/1, situated at Bodakdev Tal, Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 10-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

(1) 1. Niranjan Bhogilal Shah, Brahmon Mitra Mandal Society, I llisbridge, Ahmedabad.

 Girish Bhogilal Shah, Near St. Xavier's High School, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Sarojben Jasubhai Patel,
2. Jasubhai Bhogilal Patel
3. Jayvijay Jagat Parekh of Embassy Apartment, Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land with Building at Bodakdev Tal, Dascroi S. No. 133, 134, 135/1, 135/2, 137/1, 137/2 and others paiki 4900 sq. yd. regd. vide R. No. 16771 Dated 10-12-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 30-7-83

Seal:

persons, namely:— 57—226 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2534 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing S. No. 324, 325, 326, 327 paiki Plot No. 29 situated at Isanpur Seem Bldg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 2-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kaushalya Maganlal & Smt. Shakuntala Nathumal Vasudev Colony, Nr. Bhulabhai Park, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rujutaben Ruteshbhai Bhatt, 52, Shardanagar Society, Nr. Vikas Gruh, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bidg. Isanpur seem S. No. 324, 325, 326 and 327 Plot No. 29.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 30-7-83

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P.R. No. 2535 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Bldg, at T.P.S. 6, F.P. No. 295

situated at Kusumnagar Co-op. Socy. Paldi Ahmedabad-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 22-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Rasiklal Fakirchand Shah, Kusumnagar Society, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Dhirajlal Property Trust, Trustees: 1. Kantilal Chimanlal 2. 1.alit Kantilal Shah Navrangpura, Shrimali Socy. Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at T.P.S. 6 F.P. No. 295 at Kusumnagar Co.op. Hsg. Socy. Paldi.—Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7\*1983

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P.R. No. 2536 Acq 23/1/83-84.--Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing S. No. 375 paiki

situated at Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Junagadh in 20-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Sh. Mohanlal Jagjivandas Thakkar, C/o M/s Majid Oil Mills, Rajkot Road, Junagadh.

(Transferor)

(2) Sh. Jivanlal Meghjibhai Vadgama, 204, Jagruti Apartment, Sarvaath Road, Malad (West), Bombay-64,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp. res later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land—adm. 4527—36.52 sq. mt.—situated at Junagadh, duly regd. by S.R. Junagadh vide R. No. 2906/20-12-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-83 Seal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P.R. No. 2537 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4727

situated at Dhrangadhara-Surendranagar Rd. Dhrangadhara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dbrangadhara in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dharmendrasinhji Ghanshyamasinhji Zala, Wadhwan, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shree Janta Ginning & Pressing Factory, Through Sh. Jayantilal Ratifal Sanghvi, Dhrangadhara-Surendranagar Road, Dhrangadhara, Dist. Surendranagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 9436.10 sq. mtr.—situated at Dhrangadhara—Surendranagar Road, Dhrangadhara—duly regd. by S.R. Dhrangadhara vide R. No. 1682/Dec. 82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 1-8-83

NOCTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD** 

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P.R. No. 2538 Acq 23/1/83-84.—Whereas, 1,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4726 situated at Dhrangadharu-Surendranagar Road, Dhrangadhara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhrangadhara in Dec 82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and\_or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Virendrasinghji Ghanshyamji Zala, through: Power of Attorney Holder-Sh. Devraj Virendrashinbji, village Mansa, Tal. Halvad, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Sh. Janta Ginning & Pressing Factory, Through Sh. Jayantilal Ratilal Sanghvi Dhrangadhara-Surendranagar Road, Dhrangadhara—Dist. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which are a period explana later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land adm. 9446.10 sq. mtr. situated at Dhrangadhara-Surendranagar Surendranagar Road, Dhrangadhara—duly regd. by S.R. Dhrangadhara vide R. No. 1683/Dec. 82.

R. R. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 1-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Bhanumati Chhelshankar Doshi Swastik Society, 9-B, Rly. line Main Road, Nr. Race Course Road, Rajkot,

(Transferor)

 Sh. Jamnadas Maganlal
 Sh. Vrajlal Maganlal
 Opp. Dr. Tolia's Dispensary, Panchnath Road, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P.R. No. 2539 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 476-2 paiki plot No. 9-B situated at 9-B, Swastik Socy. Main Road, Rly. line, main road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot in 1-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bldg. standing in land 280 sq. yds.—situated at 9-B, Swastik Socy. Rajkot duly regd. by S.R. Rajkot vide R. No. 7448/1-12-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I. Ahmedabad.

Date: 1-8 83

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P.R. No. 2540 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward-No. 1, situated at Sheri No. 14, Diwanpura, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in 24-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpaben Laxmichand Mehta, Kohamnagar, 7, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Sh. Jayantilal Vrajlal Tolia, Sheri No. 14, Diwanpura, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Extranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Building standing on land 76 sq. yds.—situated at Sheri No. 14, Rajkot duly regd. by S.R. Rajkot vide sale deed R. No. 6947/24-12-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 1-8-83

 V. Rathod & Co., through; Sh. Himatlal Vashram Rathod; Sh. Ashok Himatlal Junction Plot, Rajkot.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bhoratkumar Balubhai Vyas, 10, Gaikwadi Plot, Rajkot.

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P.R. No. 2541 Acg 23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. S. No. 454/1-2 paiki Block-E

bearing No. S. No. 454/1-2 paiki Block-E situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Officer at Rajkot in 9-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzate.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land adm. 300-4 sq. yd.—situated at Rajkot, duly regd. by S.R. Rajkot vide R. No. 4580/9-12-82,

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-the
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—58—226 GI/83

Date: 1-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P.R. No. 2542 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. I and

and bearing No. Land situated at Gondal Road, Rly. Gate, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in Dec. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sh. Vasta (decd) Punjabhai Bharwad's legal heir Zinaben Vastabhai & Others, Village Jaswantpur, Tal. Lodhika, Dist. Rajkot. (Transferor)

(2) M/s Nilkanth Saw Mill, Through Sh. Premji Manji, Gondal Road, Nr. Rly. Fatak (Gate), Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 466-6-0 sq. yds.—situated at Rajkot duly regd. by S.R. Rajkot vide R. No. 7534/Dec. 82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C'of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-8-83

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P. R. No. 2543 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Gondal Road, Rly. gate, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 8-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vasta (deceased) Pujabhai Bharward's Legal Heir:
 Zinaben Vastabhai & Others. R/o village: Jaswantpur, Tal: Lodhika, Dist: Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Laxmi Narayan Saw Mill Through: Shri Jethabhai Harjibhai, R/o Gondal Road, Near Rly. Station, Raikot.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 350-0-0 sq. yd.—situated at Rajkot duly regd. by S. R., Rajkot vide R. No. 7535/8-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date: 1-8-1983

Seal

#### NOTION UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD: 380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Rof. No. P. R. No. 2544 Acq 23/I/83-84.— Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Innoun-text Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TPS 13, Plot No. 16 situated G.I.D.C. Industrial Estate, Behramoura, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 3-12-1982

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tast under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. V. Chandulal Dyes & Chemicals,

through partners

1. Shri S. V. Chokshi,

2. Shri B. V. Chokshi,

3. Smt. U. K. Chokshi, 4. Smt. B. A. Chokshi,

(Transferor)

(2) M/s. City Dyes, Sole Prop : Shri N. A. Chipa, R/o 1/765, Panch Pipli, Near Two Masjid, Ahmedabad.

(Traneferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Shed in GIDC TPS. No. 13, Plot No. 16, regd. vide R. No. 15583 Dt : 3-12-82,

R. R. SHAH
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date : 30-7-1983 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P. R. No. 2545 Acq 23/1/83-84.-

Whereas, I, R R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. at S. No. 224, Plot No. 69-C situated at Bedi Bandar Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 9-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(1) Shri Shantilal Ganjibhai Samani, R/o Patel Colony, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwanji Gangjibhai Samani, R/o Nr. Pankaj Society, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg. at Bedi Bandar Road, S. No. 224, Plot No. 69-C. having 165 sq. mtr. regd, vide R. No. 3594 Dt : 9-12-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date: 1-8-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P. R. No. 2546 Acq 23/I/83-84,-

Whereas, I, R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25/000/- and bearing No. Bldg. at Digvijay Plot. Sheri No. 10 situated at Main part H/

1/48 of outside Khombalia gate, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 24-12-1982 for an apparent consideration which

Jamnagar on 24-12-1902
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kishorchandra Purshottambhai Parmar, R/o 10. Digvijay Plot, Jamnagar. New Address : Shahpur, Dist: Junagadh,

(Transferor)

(2) Shrimati Hansaben Mohanlal w/o Shri Amratlal Shankerlal, R/o 10, Digvijay Plot, Jamnagar.

(Traneferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Digvijay Plot, St. No. 10111, O/s Khambhalia Gate, Jamnagar regd. vide R. No. 3788 Dt : 24-12-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1983

Seat :

#### FORM I.T.N.S.-

 Shri Kantilal Liladhar Mehta, R/o
 Digvijay Plot, Jannagar.

(Transferor) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanaiyalal Mohanlal Kotak, R/o "Krishna Kunj", Hospital Road, Jamnagar.

(Transferee)(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P. R. No. 2547 Acq 23/1/83-84.— Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land at C. S. No. 1/G/4 of Plot No. 11 of Plot No. 44 having 390-18 sq. mtr. situated at land at Jammagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land at City Survey No. 1/G/4, Plot of 11 of Plot No. 44 having 390.18 sq. mtr. land regd. vide R. No. 3774 dt: 23-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1983

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P. R. No. 2548 Acq 23/1/83-84.— Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasoned believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Main part 'H' of Sheet No. 4, S. No. 222 situated at outside
Khambhalia Naka, Digvijay Plot, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 17-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair maifor an apparent consideration which is less than the fair mal-ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1, Shri Mansukhlal Devsibhai, power of attorney holder, Shii Shantilal Devsinbhai Shah, R/o Digvijay Plot, Jamnagar.
  - 2. Shri Shantilal Devsibhai,
  - 3. Shri Vinodiai Devsibhai, R/o Digvijay Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Velji Pepraj Shah, R/o 57, Digvijay Plot, Jamnagar.

(Trancferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bldg. at Jamnagar O/s Khambhalia Naka, Digvijay plot Main part 'H' of Sheet No. 4. S. No. 222, regd. vide R. No. 3713 Dt : 17-12-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the exid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-1983

#### FORM ITNS----

(1) Shri Govindbhai Chhaganbhai, R/o Raikot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Shantaben Maganlal, R/o. Block No. 5, Hatkesh Society, Behind Patel Colony, Jamnagar.

(Traneferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

Ref. No. P. R. No. 2549 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 224-254 Building situated at Block No. 5, Hatkesh Socy, behind Patel Colony, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 16-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. หลิสี (วา)
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions . used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

# THE SCHEDULE

Building at S. No. 224, Hatkesh Socy, Block No. 5, Behind Patel Colony, regd. vide R. No. 3706 Dt: 16-12-82.

R. R. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 1-8-1983 Seal :

59-226 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. North RAC No. 339/83-84—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Scetlon 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 9 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule nunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad in Dec '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 M/s. Kabra & Co., Rep. by its partner
 Shri S. Prabhakar Reddy, R/o 2-2-132 to 139,
 M. G. Road, Secunderabod.

(Transferor)

(2) M/s D. Chandrakant & Bros., Re. by its Executive Shri Rammarayan, R/O M. G. Road, Raichur, Karnataka State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office premises No. 9, situated at Kabra Complex, M. G. Road, Secunderabad admeasuring 310 sft., registered by the S.R.O. Secunderabad vide document No. 848/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, HYDERABAD

Date: 30-7-1983

 M/s. Bhanodaya Builders, Plot No. 1218. Road No. 36, Jubilce Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. D. S. Venkatesh, R/oIst Floor, Dillu Apartment,S. P. Road, Secunderabad.

(Transferoc)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC No. 430/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
F. No. 1 situated at S. P. Road. Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Marredpally on Dec., 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2-11-30, S. P. Road, Secunderabad admeasuring 650 sft., registered by the S. R. O., Marredpally vide document No. 3033/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, HYDERABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Uma Karan & Tej Kaian, 8-2-547, Banjara Hills, Hyderabad,

(Transferor)

(2) M1. Suresh Doshi, C/o. Hyderabad Asbestos, Sanathnagar, Hyderabad.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC No. 341/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 106 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Dec'82

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 106, Karan Centic, S. D. Road, Secunderabad admeasuring 183 sft., registered by the S. R. O Secundetabad vile document No. 889/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, HYDERABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1983

### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC No. 342/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
F. No. 315 situated at M. G. Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on Dec'82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

 M/s Kabia & Co., Rep. by its partner
 Shri S. Prabhakar Reddy, R/o
 2-2-132 to 139,
 M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Menaka Mutyalu w/o Shri Pandurangam Mutyalu, R/o 5-1-341. Gowliguda. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 315, at 3rd floor, Kabra Complex, M. G. Road, Secunderabad admeasuring 565 sft., registered by the S. R. O., Secunderabad vide document No. 8937/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: : 30-7-1983

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. Kabra & Co., Rep. by its partner Sri S. Prabhakar Reddy, R/o 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Ramaswamy, Shri S. Prabhakar Reddy, R/o Khazipot, (H. No. Somidiroad),

Warangal.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

. Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC No. 343/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

bearing
F. No. 130 situated at M. G. Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Secunderabad on Dec 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 130 at 1st floor M. G. Road, (Kabra Complex), Secunderabad registered by the S. R. O., Secunderabad vide document No. 861/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, HYDERABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 30 7-1983 Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC No. 344/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

127 & 128 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in Dec '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kabra & Co., Rep. by its partner Shrl S. Prabhakar Reddy R/o 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri S. Vijay Kumar, H. No. 14/990/2, Girmajipet, Warangal-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 127 and 128, at 1st floor, Kabra Complex, M. G. Road, Secunderabad registered by the S. R. O., Secunderabad vide document No. 859/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, HYDERABAD

Date: 30-7-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### THE GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. No. 345/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 316 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—2

(1) M/s. Kabra & Co., by Shri S. Prabhakar Reddy, 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad.

(2) Smt, Menka Mutyalu W/o Pandurangam, R/o 5-1-341, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office premises No. 316, situated at IIIrd floor Kabra Complex, M.G. Road, Secunderabad admeasuring 555 s. ft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 903/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 30-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC No. 346/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 129 situated at 1st floor M.G. Road, Secunderabad (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad in December, 1982" for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—226 GI/83

(1) M/s., Kabra & Co. Rep. by Shri S. Prabhakar Reddy, 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad-(Transferor)

(2) Sri S. Ramaswamy, S/o Venkaiah village, Inavob, Tq. Wardbennapet Warrangal Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Office premises No. 129 situated at Kabra Complex, 1st Floor M.G. Road. Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 860/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. No. 347/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

201 situated at Kabra Complex M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kabra & Co., Rep. by Shri S. Prabhakar Reddy, 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Kumar Pamnani, 11, Nallagunta, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Office No. 201 in Kabra Complex, IInd Floor, M.G. Road, Secunderabad admeasuring 500 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 864/82.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC No. 348/83-84 —Whoreas, I. M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and becaring No.

Plot situated at Kakaguda, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Juloori Nagaruja Rao, 10-2-276/4/2, Nehrunagar, Secunderabad.

(2) M/s. Nagendra Printing Press, 7112, Mahankali Street, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 163, in S. No. 62/1, Vasavinagar, Kakaguda Village, Secunderabad Cantonment, Secunderabad admeasuring 475 sq. yds. registered by the S.R.O., Mariedpally vide document No. 3036/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Smt. Lateefa Begum W/o Mohd. Yakoob, 136, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Kharidehal Venkata Rao, 106, Eng. End Avenue, Singapore,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. No. 349/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Mariedpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on December, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Second floor, Mairedpally Cantonment, Secunderabad admeasuring 1400 sft., registered by the S.R.O. Mariedpally vide document No. 3002, 82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1983

(1) Smt. Lateef Begum W/o Mohd. Yakub, 136, P. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri J. Narayana Rao, H. No. 6 SSI/IC, Petaling, Jaya Salangor State, Malaysia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. No. 350/83-84.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on December, 1982

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd Floor, Marredpally, Secunderabad Contonment, Secunderabad admeasuring 1400 sft, registered by the S.R.O., Marredpally vide document No., 3004/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

61-226 GI/83

Date: 30-7-1983

Seal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

والمناجع والمناجع المناهيم والمناجع المناجع ال

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. No. 351/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at S.P. Road, Secundarabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marrodpally in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hashmatunnisa and Other, 26, A. S. Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Parshottam Sajnanai, F. No. 13, Paigah Apartments, S.P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land situated at S.P. Road, Secunderabad admeasuring 282 sq. yds. registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 3124/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

(1) Shri M. P. Dr. P. Bhaskar Reddy, Plot No. 1218, Jubilce Mills, Hyderabad.

(2) Shri S. Gulshankumai, No. 5, Bearers Line,

Sikh Village, Secunderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. 352/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at S.P. Road Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in Dec 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—226 GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2-11-30, situated at S.P. Road, Secunderabad admeasuring 940 sft. registered by the S.R.O., Marredpally vide document No 3034/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

Soal 4

### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. 353/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Kabra Complex M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Secunderabad in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agfreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kabra & Co., Rep. by its partner Shri S. Prabhakar Reddy, 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Kumar & Others, 11. Nallagutta, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 210/B, situated at Kabra Complex, IInd Floor, M. G. Road, Secunderabad admeasuring 560 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 862/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. 354/83-94.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No

Flat situated at S.P. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Marredpally in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Bhanodaya Builders, Road No. 36, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. A. V. Laxmi & Mr. A. V. Narasimhan, 2120, Lorraine Avenuc, Baltimore, MD-2120, U.S.A. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st Floor, S.P. Road, Sccunderabad admeasuring 893 sft, registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 3032/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. 355/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No.

Flat situated at S.P. Road Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hetero), has been transferred under the Registering Officer at of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 M/s. Bhanodaya Builders, 1218, Road No. 36, Jubilce Hills, Hyderabad.

(Transfcior)

(2) Dr. V. Laxmi Narayan, F. No. 4, Ground Floor, Paigah Colony, S.P. Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Paigah Colony, S.P. Road, Secunderabad admeasuring 651 sft., registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 3030/82

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspect Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, M. G. Road, Secunderabad, ('Transferor)

(2) M/s. Adwave Advertising Pvt. Ltd., Sringgar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. 356/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.
being the Competent Authority under Section 269B or

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 219 and 220 admeasuring 1130 sft., situated at M.G. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 8057/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1983

Scal :

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. Kabra & Co., 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad. Rep. by Shri S. Prabhakar Reddy. (Transferor)

(2) Shri Ghanshyam, 22-East Marredpally,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HVDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. 357/83-84,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Hat situated at M.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trausfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions. herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

persons, namely :--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Office premises No. 201/A, Kabra Complex, IInd Floor, M.G Road, Secunderabad admeasuring 500 sft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 863/82.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 30-7-1983

(1) M/s. Srinath Construction Co., 5-8-612, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. Radhakrishna Murthy, 10-3-86/A, East Marredpally, Secunderabad. (Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 30th July 1983

Ref. No. RAC. 358/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot of land at Somajiguda, Hyderabad admeasuring 488 sq. vds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 8310/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1983

Seal +